विषय-सूची

- मध्य प्रदेश : संक्षिप्त अवलोकन 3-6
- मध्य प्रदेश : भौतिक विन्यास 7-9
- मध्य प्रदेश : जलवायु एवं मिट्टी 10-12
- मध्य प्रदेश : वन, राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य 13-18
- मध्य प्रदेश : नदियाँ एवं झीलें 19-22
- मध्य प्रदेश : कृषि एवं पशुपालन 23-30
- मध्य प्रदेश : सिंचाई एवं बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ 31-33
- मध्य प्रदेश : उद्योग 34-39
- मध्य प्रदेश : खनिज एवं ऊर्जा संसाधन 40-44
- मध्य प्रदेश : परिवहन व्यवस्था 45-47
- मध्य प्रदेश : इतिहास 48-51
- मध्य प्रदेश : कला एवं संस्कृति 52-53
- मध्य प्रदेश : साहित्य एवं पत्र-पत्रिकाएं 54-57
- मध्य प्रदेश : जनजातियाँ 58-60
- मध्य प्रदेश : शिक्षा व्यवस्था 61-61
- मध्य प्रदेश : राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था 62-65
- मध्य प्रदेश : जनगणना 66-77
- मध्य प्रदेश : महत्वपूर्ण योजनाएँ 78-83
- मध्य प्रदेश : आर्थिकी-बजट 84-89
- मध्य प्रदेश : समसामायिकी 90-97
- मध्य प्रदेश : अति महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तथ्य 98-111
- मध्य प्रदेश : पी.सी.एस. की पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 112-176

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

01.

मध्य प्रदेश : संक्षिप्त अवलोकन

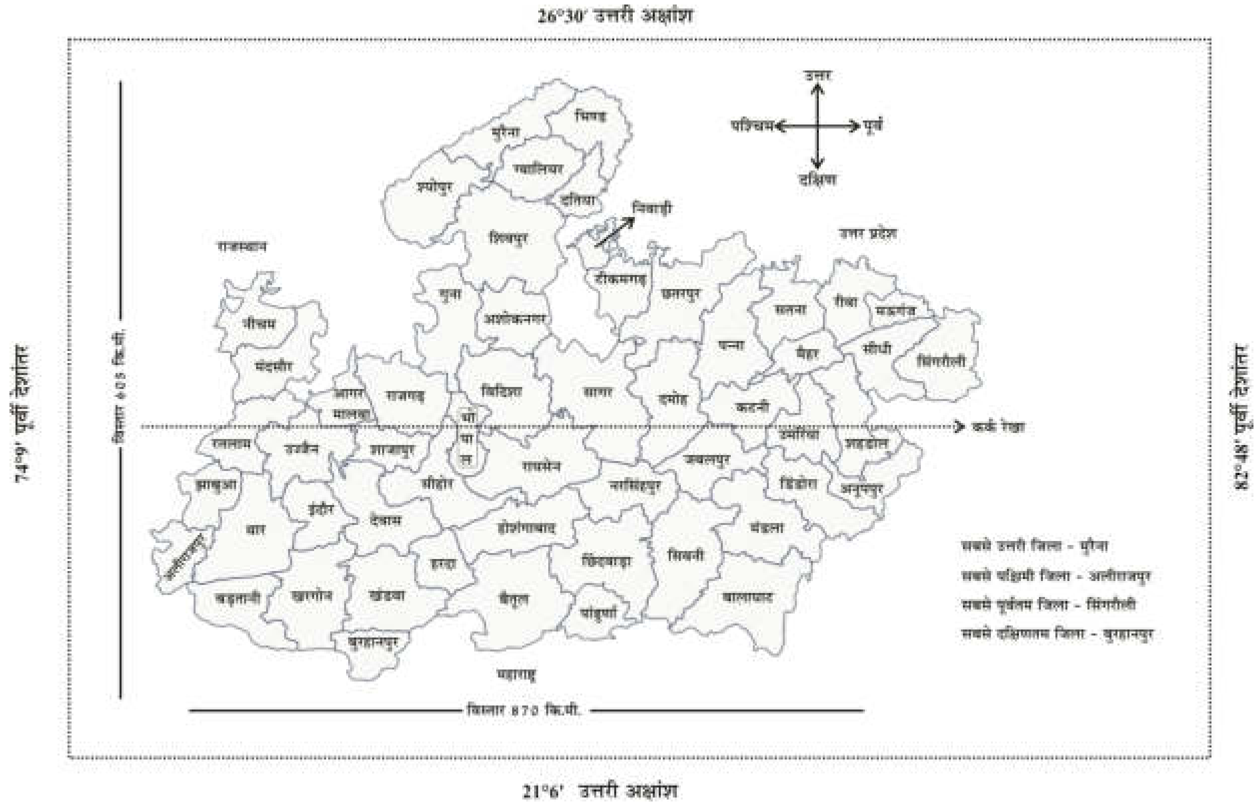

स्थापना	–	1 नवम्बर, 1956
नामकरण	–	भारत के मध्य भाग में स्थित होने के आधार पर 'मध्य प्रदेश' नाम पड़ा। अन्य नामों में 'भारत का हृदय प्रदेश' नदियों का मायका, सोयाबीन राज्य, तेंदुआ राज्य, 'कोहिनूर प्रदेश' व सेन्ट्रल प्रोविसेंस है।
राजधानी	–	भोपाल

भौगोलिक

अवस्थिति (अक्षांशीय विस्तार)	–	21° 6' उत्तरी अक्षांश से 26° 30' उत्तरी अक्षांश तथा 74° 9' पूर्वी देशान्तर से 82° 48' पूर्वी देशान्तर
क्षेत्रफल	–	308252 वर्ग किलोमीटर
उत्तर से दक्षिण	–	605 किमी.
पूर्व से पश्चिम	–	870 किमी.
सीमावर्ती राज्य	–	(5) उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान और गुजरात
सबसे पूर्वी जिला	–	सिंगरौली
सबसे पश्चिमी जिला	–	अलीराजपुर
सबसे उत्तरी जिला	–	मुरैना
सबसे दक्षिणी जिला	–	बुरहानपुर

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

राजनीतिक

पुनर्गठन	–	1 नवम्बर 2000
कुल लोकसभा सीटें	–	29
लोकसभा में सुरक्षित सीटें	–	अनुसूचित जाति-4, अनुसूचित जनजाति-6
राज्य सभा सीटें	–	11
विधानसभा सदस्यों की संख्या	–	230
सर्वाधिक विधानसभा सीटों वाला जिला	–	इंदौर - 9 विधानसभा सीटें
सबसे बड़ा (जनसंख्या में) संसदीय क्षेत्र	–	इंदौर (23 लाख 17 हजार 191 मतदाता)
सबसे कम विधानसभा सीटों वाले जिले (2 सीटें)	–	उमरिया, शाजापुर, हरदा, बुरहानपुर, अलीराजपुर, आगरमालवा, डिंडोरी, निवाड़ी
प्रदेश का सबसे छोटा (जनसंख्या) संसदीय क्षेत्र	–	छिंदवाड़ा (15 लाख पाँच हजार 267 मतदाता)
विधानसभा में सुरक्षित सीटें	–	अनुसूचित जाति - 35, अनुसूचित जनजाति - 47, (कुल – 82)

वर्तमान : पद नियुक्ति

राज्यपाल	**श्री मंगूभाई छगनभाई पटेल**
मुख्यमंत्री	**डॉ. मोहन यादव**
विधानसभा अध्यक्ष	**श्री नरेन्द्र सिंह तोमर**
उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश	**जस्टिस सुरेश कुमार कैत**
राज्य लोकायुक्त	**श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह**
राज्य निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष	**श्री बसन्त प्रताप सिंह**
राज्य मुख्य सूचना आयुक्त	**श्री विजय यादव**

न्यायिक

उच्च न्यायालय गठन	–	1956 (जबलपुर)
उच्च न्यायालय की खंडपीठ	–	ग्वालियर, इंदौर

प्रशासनिक

जिलें	–	55 (नया जिला- मऊगंज, पांढुर्णा, मैहर)
तहसीलें	–	436
विकास खंड	–	313
आदिवासी विकास खंड	–	89
कुल नगर	–	476
नगर निगम	–	17 (17वाँ, भिण्ड, 18वाँ दतिया संभावित)
नगर पालिकायें	–	99
पुलिस परिक्षेत्रों की संख्या (आई.जी. पुलिस)	–	11
पुलिस परिक्षेत्रों की संख्या (डी.आई.जी. पुलिस)	–	15
कुल ग्राम	–	54903

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

प्राकृतिक

जलवायु	–	म.प्र. उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु क्षेत्र में स्थित है तथा यहाँ उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु पाई जाती है। जलवायु के आधार पर मध्य प्रदेश को चार भागों में बांटा गया है।
ऋतुएं	–	जलवायु के आधार पर ऋतुओं को तीन भागों में बांटा गया है। ग्रीष्म ऋतु (15 मार्च से 15 जून), वर्षा ऋतु (16 जून से 15 अक्टूबर) और शीत ऋतु (15 अक्टूबर से 15 मार्च)।
प्राकृतिक प्रदेश	–	मध्य भारत का पठार, बुंदेलखण्ड का पठार, रीवां का पठार, मालवा का पठार, नर्मदा घाटी बेसिन, सतपुड़ा मैकाल पर्वत प्रदेश आदि में प्राकृतिक रूप से प्रदेश विभाजित है।
प्रमुख नदियाँ	–	नर्मदा, चम्बल, ताप्ती (सूर्यपुत्री), सोन, बेतवा, क्षिप्रा, वैनगंगा, केन (को शुक्तिमती नाम से जाना जाता है), टोंस, तवा आदि।
कुल अभिलिखित वन (ISFR-2021)	–	भौगोलिक क्षेत्रफल का 30.72% (94689 वर्ग किमी.)
वनावरण के अंतर्गत क्षेत्रफल	–	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.14% (77,492.6 वर्ग किमी.)
राज्य में वृच्छादन	–	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.62% (8073 वर्ग किमी.)
राज्य में वन एवं वृच्छादन	–	कुल क्षेत्रफल का 27.73% (85487 वर्ग किमी.)
वनों के प्रकार		उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन, उष्ण कटिबंधीय अर्द्धपर्णपाती वन और उष्ण कटिबंधी शुष्क पर्णपाती वन।
प्रमुख वन्य जीव	–	दुर्लभ एवं लुप्तप्राय प्रजातियों में एक बाघ, नदी डाल्फिन, घड़ियाल, तेंदुआ, गौर बारहसिंगा, काला हिरण, खरमौर, सोन चिड़िया आदि।

अन्य

प्रमुख लोकनृत्य	–	मटकी, गणगौर, बधाई, बरेडी, नौराता, भगौरिया
प्रमुख लोकगीत	–	आल्हा, लावनी, चौगाडियां फाग, रेलो
प्रमुख पर्यटन स्थल	–	पंचमढ़ी, भेड़ाघाट, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़
प्रमुख तीर्थस्थल	–	उज्जैन, महेश्वर, अमरकंटक, ओंकारेश्वर
प्रमुख लोकवाद्य	–	ताल वाद्य (झांझ, थापी), फूंक वाद्य (बांस द्वारा), घर्षण वाद्य (खरखरा), धर्म वाद्य
प्रमुख मंदिर	–	खजुराहो, ओरछा, भोजपुर, उदयपुर
प्रमुख गुफायें	–	उदयगिरि, बाघ, भृतहरि कबरा, बिलौबा, केवटी कुण्ड, भीमबेटका
प्रमुख बोली	–	खड़ी हिन्दी, बुंदेलखण्डी, बघेलखण्डी, मालवी, हिन्दी राजस्थानी मिश्रित, उर्दू हिन्दी मिश्रित, निमाड़ी, ब्रजभाषा, कोरकू
प्रमुख ऐतिहासिक स्थल	–	मांडू, दतिया, चंदेरी, जबलपुर, ओरछा, रायसेन, सांची, विदिशा, उदयगिरि, भीमबेटका, इंदौर, भोपाल

मध्य प्रदेश : राजकीय प्रतीक

भाषा	–	हिन्दी
चिन्ह	–	यह वृत्ताकार आकृति का है, जिसके बीच एक बरगद का वृक्ष तथा बीचों-बीच भारत का राष्ट्रीय चिन्ह अंकित है। इस वृत्ताकार आकृति को 24 छोटे-छोटे स्तूप आकृति की श्रृंखला से घेरा गया है और पार्श्व में गेहूँ और धान की बालियाँ दर्शाई गई है। इस वृत्ताकार चिन्ह में ऊपर मध्य प्रदेश शासन और नीचे सत्यमेव जयते लिखा है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

पुष्प	–	सफेद लिली
पशु	–	बारहसिंगा (ब्रेडरी प्रजाति)
पक्षी	–	दूधराज या शाह बुलबुल (वैज्ञानिक नाम–फाइकस वेनगैलेंसिस)
वृक्ष	–	बरगद (वट वृक्ष)
खेल	–	मलखम्ब
नृत्य	–	राई (बुन्देलखण्ड क्षेत्र)
राज्य दिवस	–	1 नवम्बर
राजकीय फसल	–	सोयाबीन (मध्य प्रदेश को सोया स्टेट भी कहते हैं)
राजकीय मछली	–	महाशीर
राजकीय नाट्य	–	माच (मालवा क्षेत्र)
राजकीय गान	–	सुख का दाता, सबका साथी, शुभ का यह संदेश है। माँ की गोद, पिता का आश्रय, मेरा मध्य प्रदेश।।
राजकीय फल	–	आम

मध्य प्रदेश में प्रथम

राज्यपाल	–	बी. पट्टाभि सीतारमैय्या
मुख्यमंत्री	–	पं. रविशंकर शुक्ल
विधानसभा अध्यक्ष	–	पं. कुंजीलाल दुबे
प्रथम महिला राज्यपाल	–	सुश्री सरला ग्रेवाल
प्रथम महिला मुख्यमंत्री	–	सुश्री उमा भारती
प्रथम राज्य निर्वाचन आयुक्त	–	एन.वी. लोहानी
प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश	–	श्रीमती सरोजनी सक्सेना
प्रथम राज्य सूचना आयुक्त	–	टी.एन. श्रीवास्तव
प्रथम आकाशवाणी केन्द्र	–	इंदौर (1955)
प्रथम विश्वविद्यालय	–	डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय (सागर)
प्रथम चिकित्सा विश्वविद्यालय	–	गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय (ग्वालियर)
प्रथम कृषि विश्वविद्यालय	–	जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जबलपुर)

संभाग में शामिल जिलें

इंदौर (8)	जबलपुर (9)	उज्जैन (7)	सागर (6)	ग्वालियर (5)	भोपाल (5)	रीवां (6)	चम्बल (3)	शहडोल (3)	नर्मदापुरम (3)
इन्दौर	जबलपुर	उज्जैन	सागर	ग्वालियर	भोपाल	रीवां	मुरैना	शहडोल	होशंगाबाद
धार	कटनी	देवास	दमोह	शिवपुरी	सीहोर	सीधी	श्योपुर	अनूपपुर	हरदा
खरगौन	नरसिंहपुर	रतलाम	पन्ना	गुना	रायसेन	सिंगरौली	भिण्ड	उमरिया	बैतूल
बड़वानी	छिंदवाड़ा	शाजापुर	छतरपुर	अशोकनगर	राजगढ़	सतना			
झाबुआ	शिवनी	आगर मालवा	टीकमगढ़	दतिया	विदिशा	मऊगंज			
अलीराजपुर	मण्डला	मंदसौर	निवाड़ी			मैहर			
खण्डवा	बालाघाट	नीमच							
बुरहानपुर	डिंडोरी								
	पांढुर्णा								

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

02.

मध्य प्रदेश : भौतिक विन्यास

भारत के केन्द्र में स्थित मध्य प्रदेश, भारत के उत्तर–मध्य हिस्से में बसा प्रायद्वीपीय पठार का एक भाग है। इसकी उत्तरी सीमा पर गंगा–यमुना के मैदानी इलाके हैं, पश्चिम में अरावली, पूर्व में छत्तीसगढ़ का मैदानी क्षेत्र तथा दक्षिण में ताप्ती घाटी व महाराष्ट्र के पठार हैं। 3,08,252 वर्ग किमी. क्षेत्र में बसा मध्य प्रदेश भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। मध्य प्रदेश के अधिकांश भाग में उच्च भूमि पायी जाती है, जिसकी औसत ऊँचाई 300 मीटर है, जिसकी भौतिक संरचना में पर्वत, पठार, झील, मैदान आदि सभी प्रकार की स्थलाकृतियाँ पायी जाती हैं।

भौतिक विन्यास की दृष्टि से मध्य प्रदेश को तीन प्राकृतिक भौगोलिक क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है–

- मध्यवर्ती पहाड़ी क्षेत्र (घाटी के उत्तर में)
  - मध्य भारत का पठार
  - मालवा पठार
  - बुंदेलखण्ड पठार
  - नर्मदा सोन घाटी
  - रीवा पन्ना पठार
- सतपुड़ा-मैकल पर्वतमाला (दक्षिण में)
  - पश्चिम सतपुड़ा श्रेणी
  - सतपुड़ा मध्य श्रेणी
  - मैकल श्रेणी
- पूर्वी पठार (दक्षिण पूर्व में)
  - बघेलखण्ड

मध्य भारत का पठार–

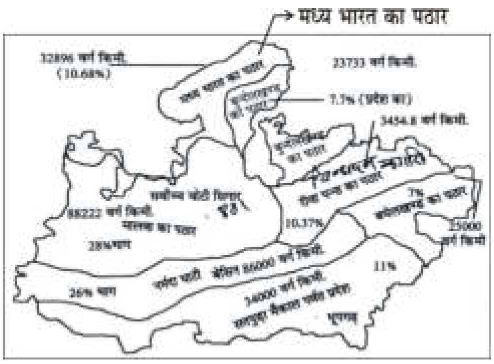

राज्य के मध्य पहाड़ी क्षेत्र नर्मदा सोन घाटी और अरावली पर्वतमाला के मध्य त्रिकोणीय रूप से पश्चिम में विस्तृत हैं। यह 24° से 26°48' उत्तरी अक्षांश व 74°50' से 79°10' पूर्वी देशांतर तक विस्तृत है, जिसका क्षेत्रफल 32896 वर्ग किमी. है। यह प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 10.7% है। इसके अंतर्गत ग्वालियर, शिवपुरी, मुरैना, भिण्ड, श्योपुर, मंदसौर, नीमच व गुना जिले आते हैं।

यह पठार मुख्यतः मध्य प्रदेश के पश्चिमोत्तर भाग में अवस्थित है, जो कि राजस्थान व उत्तर प्रदेश से जुड़ा हुआ है। प्रसिद्ध चम्बल घाटी इसी का भाग है। यह पठारी क्षेत्र जलोढ़ मिट्टी से आच्छादित है। यहाँ कृषि के साथ–साथ उद्योग भी पर्याप्त मात्रा में है। इस में वनों की अत्यधिक कटाई के कारण इसके उत्तरी क्षेत्र का अपरदन सबसे अधिक हुआ, जिससे यह क्षेत्र भारत के सबसे बड़े बीहड़ क्षेत्र में परिवर्तित हो गया है।

बुन्देलखण्ड का पठार–

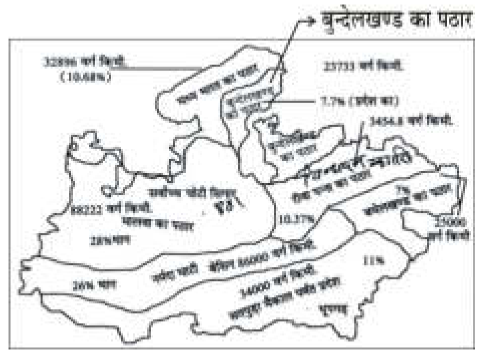

यह पठारी क्षेत्र 24°10' उत्तरी अक्षांश से 26°22' उत्तरी अक्षांश व 77°51' पूर्वी देशांतर से 80°20' पूर्वी देशांतर तक विस्तृत है। इसका कुल क्षेत्रफल 23733 वर्ग किमी. है जोकि प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्र का 7.70% है। इस पठार का निर्माण प्रीक्रैम्बियन युग में माना जाता है। इसके अंतर्गत मध्य प्रदेश के साथ ही उत्तर प्रदेश के भी कुछ जिले हैं। यहाँ पर बलुई दोमट मिट्टी पायी जाती है, जोकि लाल व काली मिट्टी के सम्मिश्रण से बनी है। बुन्देलखण्ड पठार का कुछ भाग समतल प्राय मैदान है तथा इसका ढाल उत्तर की ओर है तथा यह ग्रेनाइट व नीस चट्टानों से निर्मित है यह पठार अर्द्धचन्द्राकार है। यह पन्ना श्रेणी, विजावर श्रेणी तथा चंदेरी पाट से घिरा है। इस क्षेत्र में नरहट कगार भी स्थित है। इस क्षेत्र में प्रवाहित होने वाली नदियों (धसान, केन तथा बेतवा आदि) ने सँकरी घाटियों, जलप्रपात, कगार एवं खड्डों आदि का निर्माण किया है।

मालवा का पठार–

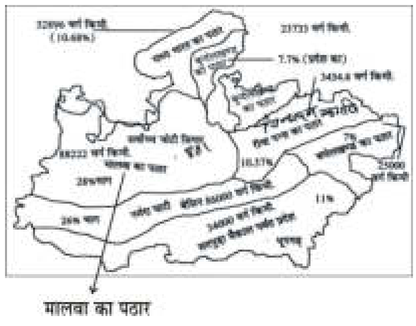

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

यह लावा मिट्टी से निर्मित पठार है। इसका क्षेत्रफल 88222.2 वर्ग किमी. है जो मध्य प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 28.62% है। नर्मदा घाटी के उत्तर में विन्ध्याचल श्रेणी से पूर्व में अशोकनगर से पश्चिम में, मंदसौर तक 74°17' से 79°20' पूर्वी देशांतर व 20°17' से 25°8' उत्तरी अक्षांश के मध्य स्थित है। इस पठारी क्षेत्र में दो अपवाह तंत्रों का विकास हुआ है।

(i) चम्बल, सिन्ध, बेतवा आदि नदियाँ उत्तर की ओर प्रवाहित होती हुई यमुना नदी में मिल जाती हैं।

(ii) माही, नर्मदा तथा तापी नदियाँ पश्चिम की ओर प्रवाहित होती है जो अरब सागर में मिल जाती हैं।

मालवा पठार की औसत ऊँचाई लगभग 500 मीटर है। इस क्षेत्र में स्थित पहाड़ियाँ सिगार चोटी (881 मी.), जनापाव (854 मी.), गोमनपुर चोटी (510) प्रमुख है। मध्यप्रदेश की अधिकांश नदियाँ यहीं से निकलती हैं। इसलिए इसे नदियों का मायका कहा जाता है। कर्क रेखा मालवा पठार के मध्य से होकर गुजरती है। मालवा का पठार नर्मदा व चंबल के मध्य जल विभाजक का कार्य करता है।

इसके अंतर्गत आने वाले प्रमुख जिले हैं– मंदसौर, उज्जैन, इंदौर, भोपाल, धार, विदिशा, रायसेन, सागर, अलीराजपुर, गुना आदि।

नर्मदा सोन घाटी–

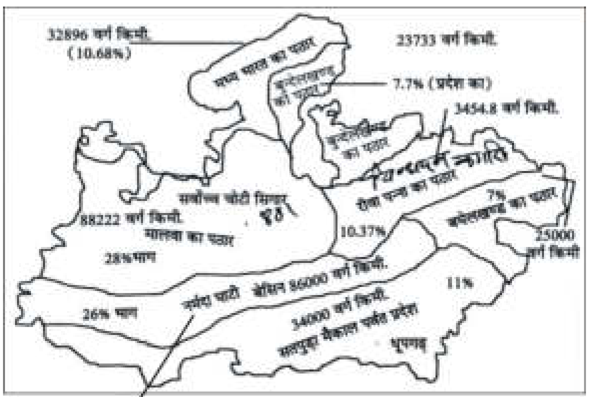

नर्मदा सोन घाटी

इसका निर्माण दक्कन ट्रैप शैलों से हुआ है। इसका क्षेत्रफल 86000 वर्ग किमी. है। यह प्रदेश का सर्वाधिक नीचा भाग है। इसका विस्तार मध्य प्रदेश के पश्चिमी भाग से लेकर उत्तर पूर्व तक नर्मदा तथा सोन नदी के संकरी घाटी के मध्य तक है। यह 22°30' से 23°45' उत्तरी अक्षांश तक तथा 74° पूर्वी देशांतर से 81°30' के मध्य स्थित है। इसमे विषम स्थलाकृतियों व उच्चावच में भिन्नता होने के कारण नदियों ने अनेक जलप्रपातों का निर्माण किया है। यह राज्य के कुल भू-भाग का 26% है। यह क्षेत्र कृषि उत्पादन में मालवा पठार के बाद दूसरा सबसे समृद्ध क्षेत्र है।

इसके उत्तरी भाग में निचले दक्कन ट्रैप तथा दक्षिणी भाग में ऊपरी दक्कन ट्रैप की चट्टानें पायी जाती हैं। इस नदी घाटी में आर्कियन काल से होलोसीन काल तक की चट्टाने पायी जाती हैं। नर्मदा नदी की सहायक नदियाँ जो दांये तरफ मिलती हैं हिरण, तिनदोनी, बारना, चंदकेशर, कॉनर, मान, हथनी तथा ऊरी आदि हैं तथा बाँये तट की सहायक नदियाँ शक्कर, वरनार, दुधी, तवा तथा गंजाल आदि हैं। इसके अंतर्गत आने वाले प्रमुख जिले हैं– कटनी, जबलपुर, होशंगाबाद, खण्डवा, सीधी।

रीवा–पन्ना पठार या विंध्यन कगार प्रदेश–

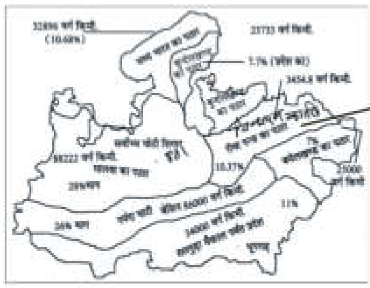

रीवा–पन्ना पठार

इसे विंध्य का पठारी प्रदेश या विंध्यन कगार प्रदेश भी कहा जाता है। रीवा-पन्ना पठार का निर्माण आर्कियन चट्टानों के अपक्षय और अपरदन के फलस्वरूप अवसादीकरण से हुआ है। इसमें भूगर्भिक हलचलों से कगार, दरार तथा भ्रंश आदि स्थलाकृतियों का निर्माण हुआ है। इसका क्षेत्रफल 31954.8 वर्ग किमी. है जो प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 10.37% है। इसका विस्तार उत्तर में 23°10' से 25°12' उत्तरी अक्षांश तथा 78°4' से 82°48' पूर्वी देशांतर तक है। इस पठार का मध्य भाग समतल है, जिसे दमोह पठार कहते हैं। इसमें चूना पत्थर, क्वाट्र्जाइट तथा बालू पत्थर आदि के निक्षेप पाये जाते हैं। इस क्षेत्र में चचाई जलप्रपात, केवटी, बहुटी तथा पियावन आदि जल प्रपात स्थित है। इसके अंतर्गत आने वाले प्रमुख जिले पन्ना, सतना तथा रीवा हैं।

सतपुड़ा–मैकल पर्वतमाला–

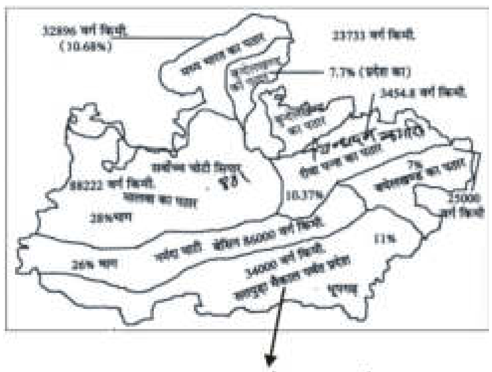

सतपुड़ा–मैकाल पर्वतमाला

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

यहाँ पर दक्कन ट्रैप शैलें पाई जाती हैं। इसका विस्तार मध्य प्रदेश के दक्षिण भाग में नर्मदा घाटी क्षेत्र में तथा विंध्याचल पर्वत के दक्षिण भाग में स्थित है, जिसका अक्षांशीय विस्तार 21^0 से $23^03'$ उत्तरी अक्षांश तथा देशांतरीय विस्तार 74^0 से 81^0 पूर्वी देशांतर है। इसका क्षेत्रफल 34000 वर्ग किमी. है जो प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 11% है। इस क्षेत्र से नर्मदा, ताप्ती तथा गोदावरी आदि प्रमुख नदियों के अतिरिक्त वेनगंगा, शक्कर, गार, छोटी तवा और वर्धा आदि नदियाँ भी प्रवाहित होती है। इस श्रेणी में अमरकंटक पठार से नर्मदा, सोन, जोहिला नदी का उद्गम होता है। इस क्षेत्र से सर्वाधिक नदियों का उद्गम होता है इसलिए इसे 'वाटर शेड' भी कहते हैं। इस पहाड़ी पर पंचमढ़ी पर्वत शिखर स्थित है, जिसे 'सतपुड़ा की रानी' कहते हैं। इस पर्वत शृंखला की सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ है। इसके अंतर्गत आने वाले प्रमुख जिले हैं– खण्डवा, होशंगाबाद, सिवनी, मंडला, छिंदवाड़ा आदि। इसे पुनः 3 अन्य भागों में विभाजित किया जाता है।

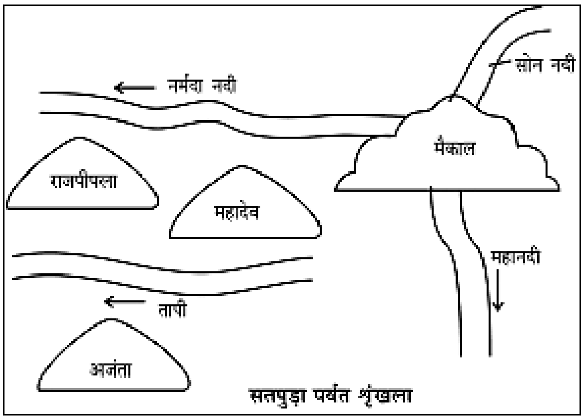

सतपुड़ा पर्वत शृंखला

(i) पश्चिमी सतपुड़ा श्रेणी या राजपीपला श्रेणी–

यह सतपुड़ा श्रेणी के पश्चिम में बुरहानपुर दर्रे तक विस्तृत है। यह मुख्यतः पूर्वी गुजरात के राजपीपला शहर के चारों तरफ स्थित है। इसमें नुकीले शिखर, खड़े ढाल, कगार तथा भ्रंश आदि पाये जाते हैं। यहा स्थित चट्टानें दक्कन लावा के पठार का भाग है। इस क्षेत्र में असीरगढ़ पहाड़ी तथा नर्मदा नदी के मध्य में निमाड़ का मैदान स्थित है।

(ii) सतपुड़ा मध्य श्रेणी–

यह दक्षिणी मध्य प्रदेश में स्थित सतपुड़ा पर्वत के मध्य में स्थित है। इसके अंतर्गत ग्वालीघाट तथा महादेव श्रेणी आती है। मध्य प्रदेश की सर्वोच्च चोटी धूपगढ़ (1350 मी.) महादेव श्रेणी में ही स्थित है। यह श्रेणी आद्य महाकल्प और गोंडवाना काल के लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है। यहाँ से नर्मदा नदी, वेनगंगा, वर्धा आदि नदियाँ निकलती हैं। यहाँ की पहाड़ियों में छोटे पठार और खड़ी ढलाने हैं। छिदवाड़ा के पास पेंच घाटी से कोयला मिलता है।

(iii) मैकाल श्रेणी–

यह सतपुड़ा श्रेणी का पूर्वी भाग है और मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के मध्य स्थित है। इसकी आकृति अर्द्धचन्द्राकार है। इसका निर्माण आर्कियन और गोडवाना काल की चट्टानों से हुआ है। नर्मदा, सोन आदि नदियों का उद्गम भी यहीं से होता है। यहाँ कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, अचानकमार, अमरकंटक जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र एवं अन्य आरक्षित क्षेत्र स्थित है।

पूर्वी पठार (बघेलखण्ड)–

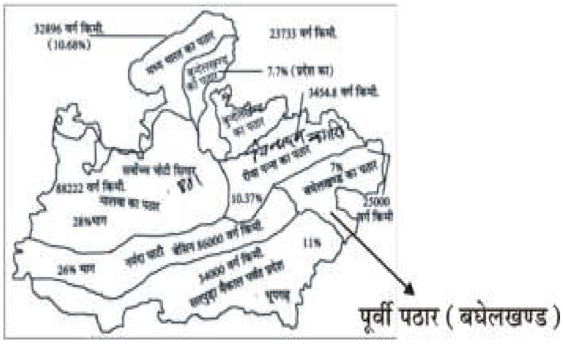

इसका निर्माण गोण्डवाना क्रम के चट्टानों से हुआ है। बघेलखण्ड पठार के निर्माण में आर्कियन काल से लेकर जुरैसिक काल तक के शैल समूह पाये जाते हैं। इस पठारी भाग में गोंडवाना क्रम की चट्टानें अधिक हैं। इस क्षेत्र में सिंगरौली कोयला क्षेत्र मध्यप्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है। जिसमें ग्रेनाइट, नीस, क्वाट्र्जाइट, चूना पत्थर, क्वाट्र्ज तथा कांग्लोमरेट आदि पाया जाता हैं। यहाँ से सोन, रिहन्द तथा गोपद आदि नदियाँ प्रवाहित होती है। यह मध्य प्रदेश के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित हैं जिसका अक्षांशीय विस्तार $23^o40'$ से $82^o35'$ उत्तरी अक्षांश तथा देशांतरीय विस्तार $80^o05'$ से $82^o48'$ पूर्वी देशांतर है। इसका क्षेत्रफल लगभग 2600 वर्ग किमी है, जो प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 8% है। इसके अंतर्गत आने वाले प्रमुख जिले हैं– जबलपुर, उमरिया, सिंगलौरी, शहडोल आदि।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

03.

मध्य प्रदेश : जलवायु एवं मिट्टी

जलवायु–किसी भी क्षेत्र में लम्बे समय तक पायी जाने वाली ताप, वर्षा, वायु, आर्द्रता आदि की मात्रा, अवस्था तथा गति का औसत रूप में पाया जाना वहाँ की जलवायु कहलाती है।

जलवायु के आधार पर मध्य प्रदेश को चार भाँगों में बाँटा गया है–

1. मालवा पठार क्षेत्र
2. उत्तर का मैदानी क्षेत्र
3. विन्ध्य पर्वतीय क्षेत्र
4. नर्मदा घाटी क्षेत्र

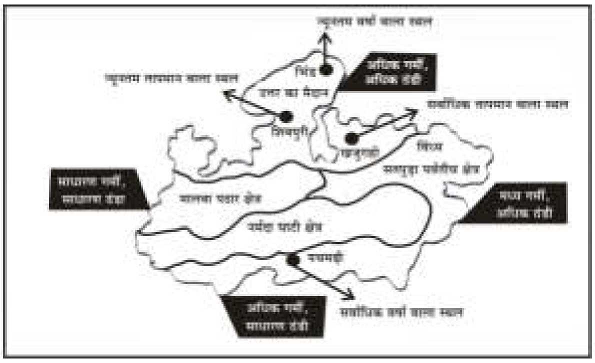

मालवा पठार क्षेत्र–इस प्रदेश की जलवायु का स्वरूप मोटे तौर पर उष्ण कटिबन्धीय मानसूनी जलवायु की अपेक्षा थोड़ा–सा महाद्वीपीय रूप है। इसमें ग्रीष्म ऋतु सामान्य गर्म तथा शीत ऋतु सामान्य ठण्डी होती है। इस क्षेत्र का गर्मियों में औसतन ताप 40° से 42.5° C तथा सर्दियों में 10° से 12.5° C होता है। इस क्षेत्र में सबसे अधिक गर्म महीना मई का होता है। अधिकतर वर्षा अरब सागर के मानसूनों से होती है।

उत्तर का मैदानी क्षेत्र–इस क्षेत्र की जलवायु महाद्वीपीय प्रकार की है। समुद्र से दूर स्थित होने के कारण इस क्षेत्र में गर्मियों में अधिक गर्मी तथा सर्दियों में अधिक सर्दी पड़ती है। गर्मियों में औसत तापमान 40° से 45.5° C तथा सर्दियों में 15° से 180° C तक रहता है। इस क्षेत्र में वर्षा 75 सेमी. से कम होती है। जिससे यह क्षेत्र उप–आर्द्र प्रदेश की श्रेणी में आता है।

विन्ध्य पर्वतीय क्षेत्र–इस क्षेत्र में सम जलवायु पायी जाती है। पर्वतीय क्षेत्र में गर्मी अधिक नहीं पड़ती है तथा सर्दी सामान्य रहती है। यही कारण है कि यह क्षेत्र स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।

नर्मदा घाटी क्षेत्र–नर्मदा घाटी क्षेत्र कर्क रेखा के अधिक नजदीक है। जिससे इस क्षेत्र में ग्रीष्म ऋतु अत्यधिक गर्म तथा शीत ऋतु साधारण ठण्डी रहती है। इस क्षेत्र में अधिकतम औसत दैनिक तापमान मई में तथा न्यूनतम तापमान दिसम्बर में रहता है। वर्षा पूर्वी क्षेत्र में 142.5 सेमी. से लेकर पश्चिमी क्षेत्रों में 57.5 सेमी. तक होती है।

जलवायु के विशेष तथ्य–

- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा पंचमढ़ी में होती है।
- मध्य प्रदेश में न्यूनतम वर्षा भिण्ड (गोहद) जिले में होती है।
- मध्य प्रदेश में ऋतु वेधशाला इन्दौर में स्थित है।
- मध्य प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र में बंगाल की खाड़ी एवं अरबसागर दोनों मानसूनों से वर्षा होती है।
- मध्य प्रदेश की जलवायु को उष्णकटिबंधीय स्वरूप प्रदान करने के लिए प्रदेश के मध्य से गुजरने वाली 'कर्क रेखा' उत्तरदायी है। जबकि दक्षिण–पश्चिम मानसून से प्राप्त होने वाली वर्षा इसे मानसूनी जलवायु का स्वरूप प्रदान करती है।
- सबसे कम तापमान शिवपुरी का मापा गया।
- कर्क रेखा मध्य प्रदेश के मध्य भागों में स्थित 14 जिलों से होकर गुजरती है, जो इस प्रकार है– रतलाम, उज्जैन, आगर–मालवा, राजगढ़, सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, कटनी, जबलपुर, उमरिया तथा शहडोल।
- भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले सभी कारकों का प्रभाव, मध्य प्रदेश की जलवायु पर भी पड़ता है।

ऋतुएँ–मध्य प्रदेश की ऋतुओं को जलवायु के आधार पर निम्न तीन भागों में विभाजित किया जाता है–

(1) ग्रीष्म ऋतु
(2) वर्षा ऋतु
(3) शीत ऋतु

ग्रीष्म ऋतु

- प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु मार्च से प्रारम्भ होकर मध्य जून तक रहती है।
- मध्य प्रदेश राज्य का सबसे गर्म स्थान भिण्ड है।
- मानसून के आगमन से पूर्व बंगाल की खाड़ी में स्थानीय विक्षोभ के कारण मई माह में विनाशकारी चक्रवात विकसित हो जाते हैं।
- मई माह में मध्य प्रदेश के उत्तरी भागों में शुष्क व गर्म पछुआ पवने चलती हैं, जिन्हें लू कहते हैं।

वर्षा ऋतु

- प्रदेश में वर्षा ऋतु मध्य जून से शुरू होकर अंतिम सितम्बर तक रहती है।
- जुलाई माह में सम्पूर्ण पूर्वी मध्य प्रदेश में अधिक वर्षा होती है। जबकि पश्चिम की ओर जाने पर वर्षा में क्रमशः कमी आती जाती है।
- पठारी तथा पहाड़ी भागों में अपेक्षाकृत अधिक वर्षा होती है। क्योंकि ऐसे स्थलों की ऊँचाई अधिक होती है।
- सितम्बर–अक्टूबर के समय को गर्मी की द्वितीय ऋतु कहा जाता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

शीत ऋतु

- मध्य प्रदेश में शीत ऋतु का काल नवम्बर से फरवरी के बीच होता है।
- दिसम्बर – जनवरी के महीनों में पश्चिमी विक्षोभ से मध्य प्रदेश के उत्तरी–पश्चिमी भागों में हल्की वर्षा होती है। इसे मावठ कहते हैं। इस वर्षा की वजह से शीत की प्रबलता बढ़ जाती है।

वर्षा वितरण

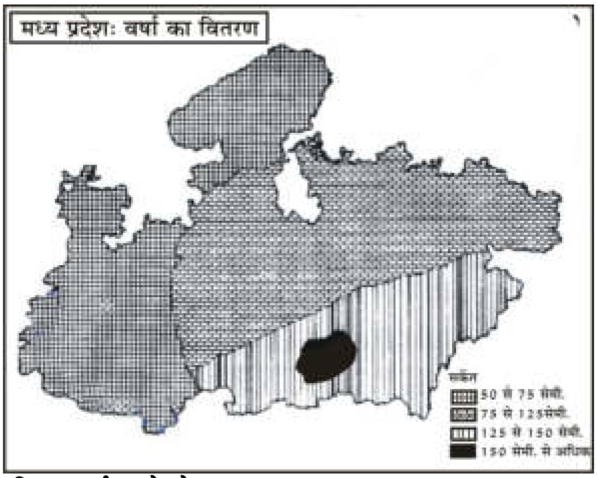

अधिक वर्षा वाले क्षेत्र

इस क्षेत्र में स्थित पंचमढ़ी, महादेव पर्वत, मण्डला, सीधी तथा बालाघाट में अधिक वर्षा होती है। अधिक वर्षा का प्रमुख कारण नर्मदा घाटी से आने वाली अरब सागरीय मानसून शाखा से वर्षा होती है। यहाँ औसत वर्षा 150 सेमी. से 213 सेमी. तक होती है।

औसत वर्षा वाले क्षेत्र

मध्य प्रदेश के उत्तरी–पूर्वी जिले इस क्षेत्र में आते हैं। मध्य उच्च पठार, बुन्देलखण्ड का पठार, रीवा पन्ना पठार में औसत वर्षा होने का कारण वायुमण्डलीय आर्द्रता का कम होना एवं क्षेत्रीय स्थलाकृति का प्रभाव है यहाँ औसत वर्षा 75 सेमी. से 80 सेमी. के बीच होती है।

निम्न वर्षा वाले क्षेत्र

प्रदेश का पश्चिमी क्षेत्र निम्न वर्षा वाला क्षेत्र है। यहाँ औसत वर्षा 50 सेमी. से 75 सेमी. तक होती है। इस क्षेत्र में निम्न वर्षा होने का प्रमुख कारण मानसून का आर्द्रता से न्यून होना है। दक्षिणी–पूर्वी मानसून यहाँ तक पहुँचते–पहुँचते आर्द्रता रहित हो जाता है। मध्य प्रदेश के नीमच, मन्दसौर, रतलाम, धार, झाबुआ आदि जिले आते हैं।

मिट्टी

शैलों के विघटन एवं वियोजन से उत्पन्न ढीले एवं असंगठित भू–पदार्थों को मिट्टी कहते हैं। नदी घाटियों से अधिकतर मध्य प्रदेश में प्रौढ़ मिट्टी पायी जाती है। क्योंकि प्रदेश की मिट्टी की प्रवृत्ति का निर्धारण यहाँ पाई जाने वाली प्राचीन चट्टानों के द्वारा हुआ है। क्षेत्रीय कारकों के आधार पर मध्य प्रदेश की मिट्टी को निम्न पाँच भागों में बाँटा गया है।

1. काली मिट्टी
2. लाल–पीली मिट्टी
3. जलोढ़ मिट्टी
4. कछारी मिट्टी
5. मिश्रित मिट्टी

1. काली मिट्टी– काली मिट्टी बेसाल्ट नामक आग्नेय चट्टान के क्षरण से बनी है। यह मध्य प्रदेश में मालवा पठार, सतपुड़ा के कुछ भाग तथा नर्मदा घाटी में मिलती है। जिला स्तर पर यह मन्दसौर, रतलाम, झाबुआ, धार, खण्डवा, खरगौन, इन्दौर, देवास, सीहोर, उज्जैन, शाजापुर, राजगढ़, भोपाल, रायसेन, विदिशा, सागर, दमोह, जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, बैतूल, छिन्दवाड़ा, सिवनी, गुना आदि जिले हैं। यह प्रदेश के लगभग 47.6% क्षेत्र में पायी जाती है। यह गहरे रंग की दोमट मिट्टी है, जो चीका एवं बालू के मिश्रण से बनती है। इसमें लोहा और चूने की मात्रा अधिक होने से इसका रंग काला होता है। कपास की कृषि के लिए यह अधिक उपयोगी है। इस मिट्टी में फास्फोरस, नाइट्रोजन तथा जैव तत्त्वों की कमी होती है। इस मिट्टी को तीन वर्गों में बाँटा गया है–

(i) गहरी काली मिट्टी
(ii) साधारण गहरी काली मिट्टी
(iii) छिछली काली मिट्टी

(i) गहरी काली मिट्टी–

यह मिट्टी मध्य प्रदेश में नर्मदा घाटी, मालवा एवं सतपुड़ा पठार के विस्तृत भागों में लगभग 1.4 लाख हेक्टेयर भूमि पर पायी जाती है। इसकी गहराई 1–2 मीटर है। प्रदेश में यह मिट्टी गेहूँ, तिलहन, चना तथा ज्वार की कृषि के लिए उपयोगी है।

(ii) साधारण गहरी काली मिट्टी–

यह मिट्टी प्रदेश के मालवा पठार, उत्तरी मध्य प्रदेश तथा निमाड़ क्षेत्र में लगभग 400 लाख एकड़ क्षेत्र में मिलती है। यह राज्य में सबसे अधिक क्षेत्रफल पर पायी जाती है। इसकी गहराई 15 सेमी. से 1 मी. होती है। यह गेहूँ, कपास, मूँगफली तथा ज्वार फसल के लिए उपयोगी है।

(iii) छिछली काली मिट्टी–

यह मिट्टी मुख्य रूप से छिन्दवाड़ा, सिवनी तथा बैतूल जिलों में पायी जाती है। राज्य में इसका क्षेत्रफल लगभग 75 लाख एकड़ है जो राज्य का 7.5% है। यह गेहूँ और चावल की खेती के लिए उपयोगी है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

2. लाल–पीली मिट्टी– लाल–पीली मिट्टी का निर्माण आर्कियन, धारवाड़ तथा गोण्डवाना चट्टानों के क्षरण से हुआ है। लाल–पीली साधारणतः साथ–साथ पायी जाती है। लाल रंग लोहे के ऑक्सीकरण तथा पीला रंग फेरिक ऑक्साइड के जलयोजन के कारण होता है। यह हल्की बलुई मिट्टी है जिसमें चूने की मात्रा होती है परन्तु निक्षालन के कारण इसमें ह्यूमस तथा नाइट्रोजन की कमी होती है। इसलिए इसमें उर्वरता कम पायी जाती है। प्रदेश में यह मिट्टी मुख्य रूप से मण्डला, बालाघाट, शहडोल तथा सीधी जिलों में पाई जाती है। बघेलखण्ड के लाल–पीली मिट्टी वाले क्षेत्रों में चावल की खेती की जाती है।

3. जलोढ़ मिट्टी– जलोढ़ मिट्टी का निर्माण बुन्देलखण्ड नीस तथा चम्बल द्वारा निक्षेपित पदार्थों से हुआ है। यह मिट्टी प्रदेश के मुरैना भिण्ड ग्वालियर तथा शिवपुरी जिलों में लगभग 30 लाख एकड़ क्षेत्रफल में फैली है। इस मिट्टी में नाइट्रोजन जैव तत्व तथा फास्फोरस की कमी होती है। बालू की अधिकता के कारण इस मृदा में अपरदन कम होता है। गेहूँ, कपास, गन्ना फसलों के लिए यह मिट्टी उपयुक्त है।

4. कछारी मिट्टी– कछारी मिट्टी का निर्माण नदियों द्वारा बाढ़ के सयम अपवाह क्षेत्र में निक्षेपित पदार्थों से हुआ है। प्रदेश में इस मिट्टी का विस्तार ग्वालियर, भिण्ड एवं मुरैना जिलों में है। यह मिट्टी गेहूँ, गन्ना तथा कपास की फसल के लिए उपयुक्त है।

5. मिश्रित मिट्टी– प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में लाल, पीली एवं काली मिट्टी मिश्रित रूप में पाई जाती है। यह मिट्टी फास्फेट, नाइट्रोजन एवं कार्बनिक पदार्थों की कमी वाली कम उपजाऊ मिट्टी है। इस मिट्टी में मुख्य रूप से ज्वार, बाजरा जैसे मोटे अनाज पैदा किए जाते हैं।

स्मरणीय तथ्य

- काली मिट्टी को रेगुड़ मिट्टी कहते हैं।
- कछारी मिट्टी नदियों के अपवाह क्षेत्र में पायी जाती हैं।
- मिट्टी के अपक्षरण को रेंगती हुई मृत्यु कहा जाता है।
- बीहड़ की समस्या से प्रदेश के भिण्ड, श्योपुर एवं मुरैना जिले प्रभावित हैं।
- मध्य प्रदेश में सबसे अधिक क्षेत्र पर काली मिट्टी पायी जाती है।
- बांगर मिट्टी पुरानी जलोढ़ मिट्टी को कहते हैं।
- खादर मिट्टी नवीन जलोढ़ मिट्टी को कहते हैं।
- भावर मिट्टी कंकड़ युक्त जलोढ़ मिट्टी को कहते हैं।
- ऊसर मिट्टी को कल्लर भी कहा जाता है। यह नमकीन मिट्टी होती है।

मृदा अपरदन–अपरदन के विभिन्न कारकों द्वारा मिट्टी की सतह से मिट्टी के महीन कणों का कट–कट कर बहना मृदा अपरदन कहलाता है। चम्बल की घाटी तथा नर्मदा नदी के किनारे इस समस्या से अधिक ग्रस्त हैं। इस भाग में वनस्पति विहीन मृदा होने के कारण मानसूनी वर्षा अवनलिका अपरदन द्वारा भूमि का कटाव तेजी से करती है।

- मध्य प्रदेश का मुरैना जिला मृदा अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित है।
- मध्य प्रदेश की चम्बल नदी सर्वाधिक मृदा अपरदन करती है।

मध्य प्रदेश की मिट्टियाँ

मिट्टी	मुख्य घटक	कमी	प्रकृति	मुख्य फसल
जलोढ़ मिट्टी	कार्बोनेट्स	फास्फोरस जैव तत्व	उदासीन	गेहूँ कपास गन्ना
लाल–पीली मिट्टी	लोहे के ऑक्साइड कैल्शियम	नाइट्रोजन ह्यूमस	अम्लीय से क्षारीय	चावल
गहरी काली मिट्टी	लोहा, चूना एवं अम्लीय HCl में घुलनशील तत्व	फास्फोरस नाइट्रोजन जैव तत्व	अम्लीय	गेहूँ तिलहन चना ज्वार
साधारण गहरी काली मिट्टी	लोहा, चूना एवं अम्लीय HCl में घुलनशील तत्व	फास्फोरस नाइट्रोजन जैव तत्व	अम्लीय	गेहूँ कपास मूँगफली ज्वार
छिछली काली मिट्टी	लोहा, चूना एवं अम्लीय HCl में घुलनशील तत्व	फास्फोरस नाइट्रोजन जैव तत्व	अम्लीय	गेहूँ चावल
कछार मिट्टी	–	फास्फोरस नाइट्रोजन	अम्लीय	गेहूँ कपास गन्ना
मिश्रित मिट्टी	–	फास्फेट नाइट्रोजन कार्बनिक पदार्थ	–	ज्वार बाजरा मोटे अनाज

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

04.

मध्य प्रदेश के वन, राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य

वन एवं वन संपदा की दृष्टि से मध्य प्रदेश एक सम्पन्न राज्य है। मध्य प्रदेश को वनों एवं बाघों का राज्य कहा जाता है। भारत राज्य वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार राज्य में कुल 77,492.60 वर्ग किमी. वन हैं जो देश में सर्वाधिक हैं तथा राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.14% है, जिसमें 62.6 हजार वर्ग किमी. (65.36%) आरक्षित वन, 31008 वर्ग किमी. (32.5%) संरक्षित वन तथा 1.9 हजार वर्ग किमी. (1.9%) अवर्गीकृत वन हैं।

- मध्य प्रदेश में प्रमुख रूप से उष्ण कटिबंधीय वन पाये जाते हैं जिन्हें 4 आधारों पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

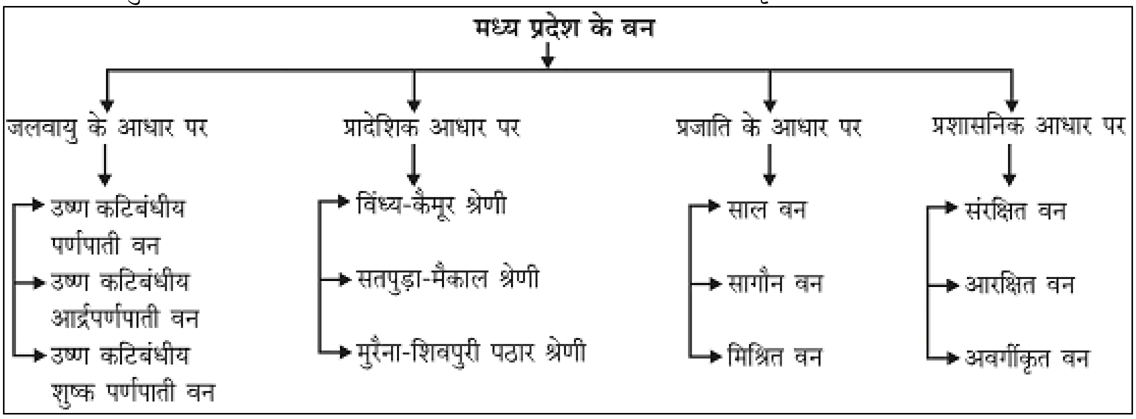

जलवायु के आधार पर वनों का वर्गीकरण

- मध्य प्रदेश की जलवायु के आधार पर यहाँ के वनों को 3 भागों में वर्गीकृत किया गया है।

वनों का प्रकार	कुल वनावरण
■ उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन	88.65%
■ उष्ण कटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन	8.97%
■ उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन	0.26%

(i) उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन

- उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन राज्य के उन क्षेत्रों में पाये जाते हैं। जहाँ औसत वार्षिक वर्षा 50 से 100 सेमी. के मध्य होती है।
- इन वनों का विस्तार सागर, जबलपुर, उज्जैन, खण्डवा तथा खरगोन आदि में पाया जाता है जिनमें मुख्यतः सागौन, शीशम, नीम, पीपल आदि वृक्ष पाये जाते हैं।

(ii) उष्ण कटिबंधीय आर्द्रपर्णपाती वन

उष्ण कटिबंधीय आर्द्रपर्णपाती वन राज्य के उन क्षेत्रों में पाये जाते हैं जहाँ औसत वर्षा 100 से 150 c.m. के मध्य होती है।

- इनका विस्तार मण्डला, बालाघाट, सीधी, शहडोल, डिंडोटी, उमरिया तथा अनूपपुर में पाया जाता है जिसमें मुख्यतः साल, बाँस, महुआ, बीजा, हर्रा आदि वृक्ष पाये जाते हैं।

(iii) उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन

- जहाँ राज्य के उन क्षेत्रों में 25 से 75 c.m. के मध्य वर्षा होती है वहाँ उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन पाये जाते हैं।
- इन वनों का विस्तार श्योपुर, शिवपुरी, भिण्ड, मुरैना, रतलाम, मंदसौर, टीकमगढ़ व दतिया में पाया जाता है। जिसमें मुख्यतः बबूल, शीशम, हर्रा, पलॉश आदि वृक्ष पाये जाते हैं।

प्रादेशिक आधार पर वनों का वर्गीकरण

(i) विंध्य-कैमूर श्रेणी

ये वन क्षेत्र विंध्य-कैमूर श्रेणी में विरल वन के रूप में विस्तृत हैं जो दमोह तथा सागर जिलों में पाये जाते हैं।

(ii) सतपुड़ा-मैकल श्रेणी

- इन वन क्षेत्र में सर्वाधिक वन पाये जाते हैं इन वनों का विस्तार सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी के अन्तर्गत सिवनी, छिन्दवाड़ा एवं बालाघाट जिलों में पाये जाते हैं।

(iii) मुरैना-शिवपुरी पठार श्रेणी

- इस वन क्षेत्र में सर्वाधिक कटीले व झाड़ी युक्त वन पाये जाते हैं। इन वनों का विस्तार शिवपुरी, भिण्ड व मुरैना जिलों में है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

प्रजाति के आधार पर वनों का वर्गीकरण

(i) साल वन

- मध्य प्रदेश राज्य में कुल वन क्षेत्र के 16.5% भाग पर साल वनों का विस्तार है।
- ये उष्ण कटिबंधीय आर्द्रपर्णपाती वन के वृक्ष हैं जो मध्य प्रदेश के पूर्वी भाग, रीवां, अनूपपुर, मण्डला, बालाघाट, उमरिया, सीधी, डिण्डोरी तथा शहडोल जिलों में पाये जाते हैं।

(ii) सागौन वन

- मध्य प्रदेश राज्य के कुल वन क्षेत्र के 17.88% भागों पर सागौन वनों का विस्तार है।
- ये उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन के वृक्ष हैं जो मध्य प्रदेश के दक्षिणी भागों के होशंगाबाद, बैतूल, छिन्दवाड़ा, दमोह, छतरपुर तथा पन्ना जिलों में पाये जाते हैं।

(iii) मिश्रित वन

- मध्य प्रदेश राज्य के कुल वन क्षेत्र के 59% भाग पर मिश्रित वन पाये जाते हैं।
- ये उष्ण कटिबंधीय मिश्रित पर्णपाती वन के वृक्ष हैं, जो मध्य प्रदेश के मुख्यतः बालाघाट, बैतूल, जबलपुर, सिवनी, मण्डला, सागर तथा भोपाल जिलों में पाये जाते हैं।

प्रशासनिक आधार पर वनों का वर्गीकरण

(i) आरक्षित वन

- ये वन राज्य सरकार के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में रहते हैं। इन वनों में लकड़ियों के एकत्रण तथा मवेशियों को चराने के लिए लोगों का प्रवेश वर्जित है।
- यह मध्य प्रदेश राज्य के कुल वन क्षेत्र का 65.36% है।
- मध्य प्रदेश के सर्वाधिक आरक्षित वन क्षेत्र खण्डवा वन वृत्त तथा न्यूनतम छतरपुर वन वृत्त में पाये जाते हैं।

(ii) संरक्षित वन

- ये वन राज्य सरकार के पूर्णतः नियंत्रण में रहते हैं, परन्तु स्थानीय लोगों को ईंधन के लिए लकड़ी एकत्र करने तथा मवेशियों को चराने की अनुमति होती है।
- यह मध्य प्रदेश राज्य के कुल वन क्षेत्र का 32.5% है।

(iii) अवर्गीकृत वन

- अवर्गीकृत वन क्षेत्र में वृक्षों को काटने तथा मवेशियों को चराने पर कोई प्रतिबंध नहीं होता है। राज्य में 1.9 हजार वर्ग किमी. क्षेत्र पर अवर्गीकृत वन पाये जाते हैं।
- मध्य प्रदेश राज्य के कुल वन क्षेत्र का 1.9% है।

वन स्थिति रिपोर्ट, 2021 के अनुसार मध्य प्रदेश की जिलेवार स्थिति–

सर्वाधिक एवं न्यूनतम वन क्षेत्र वाले शीर्ष 5 जिले

सर्वाधिक		न्यूनतम	
जिला	वनक्षेत्र	जिला	वनक्षेत्र
बालाघाट	4992 किमी.^{2}	उज्जैन	37 किमी.^{2}
छिंदवाड़ा	4608 किमी.^{2}	शाजापुर	61.91 किमी.^{2}
बैतूल	3662 किमी.^{2}	रतलाम	75.16 किमी.^{2}
श्योपुर	3443 किमी.^{2}	राजगढ़	171.80 किमी.^{2}
सिवनी	3063 किमी.^{2}	दतिया	213 किमी.^{2}

सर्वाधिक एवं न्यूनतम वन क्षेत्र प्रतिशत वाले शीर्ष 5 जिले

सर्वाधिक		न्यूनतम	
जिला	वन क्षेत्र प्रतिशत	जिला	वन क्षेत्र प्रतिशत
बालाघाट	53.34%	उज्जैन	0.60%
श्योपुर	52.13%	शाजापुर	1%
उमरिया	44.10%	रतलाम	1.55%
मंडला	44.43%	राजगढ़	2.79%
सीधी	41%	मंदसौर	4.35%

- शीर्ष 3 वनावरण वाले जिले– बालाघाट > छिंदवाड़ा > बैतूल

मध्य प्रदेश वन नीति

- मध्य प्रदेश में वन विभाग की स्थापना 1860 में हुई थी। संभवतः मध्य प्रदेश भारत का ऐसा प्रथम राज्य है। जहाँ ब्रिटिश कालीन वन नीति 1894 का क्रियान्वयन प्रारम्भ किया गया था।
- मध्य प्रदेश की प्रथम वन नीति वर्ष 1952 में लागू की गई थी। तत्पश्चात् 4 अप्रैल 2005 को नई वन नीति घोषित की गयी, जिसके प्रमुख उद्देश्य हैं–

(i) वनाश्रित परिवारों हेतु वन आधारित वैकल्पिक रोजगार की सतत उपलब्धता के अवसर सृजित करना।

(ii) सीमाओं के समस्त लंबित विवादों का निराकरण करते हुए वन क्षेत्रों का व्यवस्थापन करना तथा वन खण्डों का सीमांकन पूर्ण करना।

(iii) वर्तमान में व्यवस्थापित अतिक्रमित क्षेत्रों को शीघ्रातिशीघ्र सीमांकित करना तथा भविष्य में अतिक्रमण को रोकने के प्रभावी उपाय करना।

(iv) वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की कार्यवाही पूर्ण करना।

(v) वन सुरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए संचार सुविधाओं का विस्तार करना।

(vi) संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा बलों की व्यवस्था सुदृढ़ करना।

मध्य प्रदेश में वन प्रबंधन

राष्ट्रीय वन नीति के अनुसरण मे जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग ने संयुक्त वन प्रबंधन की अवधारणा को स्वीकार किया है। प्रदेश में वन सुरक्षा एवं वन विकास के समस्त कार्यों में जन भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए मध्य प्रदेश में 22 अक्टूबर, 2001 को संशोधित संकल्प पारित किया गया। जिसमें तीन प्रकार की संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के गठन का प्रावधान है। जो निम्नवत् हैं—

समितियों एवं कार्यों का विवरण

समितियों के प्रकार	समितियों के क्षेत्र	प्रबंधित क्षेत्र
ग्राम वन समिति	9650	37268 वर्ग किमी.
वन सुरक्षा समिति	4747	25904 वर्ग किमी.
ईको विकास समिति	831	3702 वर्ग किमी.

1. **ग्राम वन समिति**—बिगड़े वन क्षेत्रों में वन खण्ड सीमा से पाँच किलोमीटर दूर तक विस्तृत ग्रामों में आने वाली समितियों को ग्राम वन समिति कहा जाता है।
2. **वन सुरक्षा समिति**—सघन वन क्षेत्रों में वन खण्ड सीमा में पाँच किलोमीटर दूर तक विस्तृत ग्रामों में आने वाली समितियों को वन सुरक्षा समिति कहा जाता है।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

3. **ईको विकास समिति**—राष्ट्रीय उद्यान तथा अभयारण्य क्षेत्रों में स्थित सभी ग्राम, उनकी बाहरी सीमा से पाँच किलोमीटर की परिधि में स्थित ऐसे ग्राम जिनका प्रभाव संरक्षित क्षेत्र के प्रबंधन पर पड़ता है तथा बफर क्षेत्र के समस्त ग्रामों में वनों के प्रबंधन तथा जन सहयोग प्राप्त करने हेतु बनाई गई समिति को इको विकास समिति कहा जाता है।

राज्य वन विकास अभिकरण

- मध्य प्रदेश में राज्य वन विकास अभिकरण का गठन 19 अप्रैल 2010 को किया गया, जिसका उद्देश्य संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से बिगड़े वन क्षेत्रों तथा रिक्त वन क्षेत्रों में वृक्षारोपण को अधिक सुदृढ़ एवं विकसित करना है।

क्षेत्रीय वन ईकाइयाँ

ईकाइयों के प्रकार	संख्या
वृत्त	16
वन मण्डल	63
उपवन मण्डल	135
परिक्षेत्र	473
उप वन परिक्षेत्र	1871
परिसर	8286

वन सम्बन्धी प्रमुख अधिनियम

- **भारतीय वन अधिनियम 1927**—वनों की उपज के अभिवहन एवं शुल्क से सम्बन्धित यह अधिनियम राज्य में 1 नवम्बर, 1956 से लागू है। इसके अतिरिक्त वन संरक्षण एवं प्रबंधन हेतु म.प्र. ग्राम वन अधिनियम 2015 तथा म.प्र. संरक्षित वन अधिनियम 4 जून, 2015 से लागू है।
- **वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972**—यह अधिनियम देश की परिस्थितिकीय एवं पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा वन्य जीव पक्षियों और पादपों के संरक्षण एवं आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर 9 सितम्बर, 1972 को लागू किया गया तथा मध्य प्रदेश में 15 नवम्बर, 1974 को लागू हुआ था।
- **वन संरक्षण अधिनियम 1980**—यह अधिनियम वनों के संरक्षण तथा उनसे जुड़े विवादों के लिए अथवा उसके सहायक या आनुषंगिक विषयों के लिए उपबंध करने हेतु 25 अक्टूबर, 1980 को लागू किया गया था।
- **मध्य प्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम 1969**—यह अधिनियम इमारती लकड़ी को छोड़कर समस्त वन उपज के व्यापार विनियमन के उद्देश्य से 1 नवम्बर, 1969 को लागू किया गया।
- **मध्य प्रदेश लोक वानिकी अधिनियम 2001**—यह अधिनियम प्रदेश में निजी एवं राजकीय वृक्ष आच्छादित क्षेत्रों के प्रबंधन तथा आनुषंगिक विषयों को विनियमित करने के उद्देश्य से 12 अप्रैल 2001 को लागू किया गया।
- **जैव-विविधता अधिनियम 2002**—यह अधिनियम जैविक संसाधनों के अनुसंधान एवं जैव सर्वेक्षण को सहज एवं सुलभ बनाने के उद्देश्य से 21 नवम्बर, 2014 को लागू किया गया।

राष्ट्रीय उद्यान

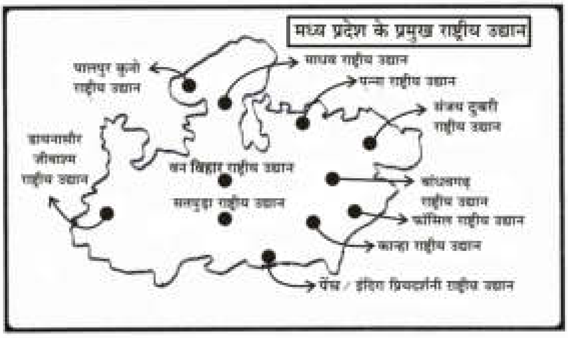

राष्ट्रीय उद्यान में वन्यजीव एवं वनों को पूर्ण रूप से संरक्षित किया जाता है। इसमें मानवीय गतिविधियाँ एवं पशुचारण पर पूर्णतः प्रतिबंध होता है। इसमें एक या एक से अधिक पारिस्थितिक तंत्र शामिल होते हैं। मध्य प्रदेश में वन्य जीवों को संरक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय उद्यान अधिनियम के अन्तर्गत 11 राष्ट्रीय उद्यान हैं।

1. **कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान**—कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान मंडला जिले के अंतर्गत आता है। यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है। यह लगभग 940 वर्ग किमी. में फैला हुआ है। इसे 1933 में अभयारण्य तथा 1955 में नेशनल पार्क बनाया गया था। कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान को 1974 में बाघ परियोजना (Tiger Reserve) में शामिल किया गया। इसमें बाहरसिंघा, चीतल, चिगार, बाघ, तेंदुआ, भालू आदि जानवर पाये जाते हैं। यहाँ घलोघाटी तथा बंजर घाटी प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।

   इस राष्ट्रीय उद्यान में वर्ल्ड बैंक (World Bank) की सहायता से पार्क इंटरप्रिटेशन योजना चल रही है।
2. **पन्ना राष्ट्रीय उद्यान**—यह बुन्देलखण्ड के पन्ना एवं छतरपुर में फैला हुआ है। इसका क्षेत्रफल लगभग 543 वर्ग किमी. है। इसकी स्थापना 1981 में हुई। इसे 1994 में बाघ परियोजना में शामिल किया गया।
3. **सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान**—यह होशंगाबाद जिले में लगभग 528 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है। इसकी स्थापना 1981 में हुई यहाँ कृष्ण मृगों की संख्या अधिक है।
4. **बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान**—यह उमरिया, शहडोल जिले में लगभग 448 वर्ग किमी. में फैला हुआ है। इसकी स्थापना 1968 में हुई इसे 1993 में बाघ परियोजना में शामिल किया गया। यह 32 पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

   यहाँ बाघों का सर्वाधिक घनत्व है। इसमें सफेद शेर पाये जाते हैं। इसे हाथियों के निवास स्थान के लिए भी विकसित किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय उद्यान में गौर पुनर्वास योजना संचालित की जा रही है।
5. **माधव राष्ट्रीय उद्यान**—इसे शिवपुरी जिले में 1958 में स्थापित किया गया। इसका क्षेत्रफल लगभग 375.23 वर्ग किमी. है। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा-मुम्बई गुजरता है। जार्ज कैंसल भवन यहीं पर है।
6. **पेंच राष्ट्रीय उद्यान**—यह सिवनी-छिन्दवाड़ा जिले तथा महाराष्ट्र के कुछ भाग में फैला हुआ है। इसका क्षेत्रफल लगभग 293 वर्ग किमी. है। इसकी स्थापना 1975 में हुई थी। इस राष्ट्रीय उद्यान में मोगली लैंड क्षेत्र तथा वाटर राफ्टिंग सुविधा है।
7. **फॉसिल जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान**—यह क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्य प्रदेश का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान है, जो मंडला, डिंडोरी जिले में लगभग 0.27 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला हुआ है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

इसकी स्थापना 1983 में की गई। इस उद्यान में पादपों तथा जन्तुओं के उद्यान पाये जाते हैं।

8. **संजय राष्ट्रीय उद्यान**—इसकी स्थापना 1981 में मध्य प्रदेश के सीधी जिले में हुई। इस राष्ट्रीय उद्यान का कुछ हिस्सा छत्तीसगढ़ राज्य में चला गया है। इसका क्षेत्रफल लगभग 467 वर्ग किमी. है।
9. **वन विहार**—यह राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में सन् 1979 में स्थापित हुआ। इसका क्षेत्रफल लगभग 4.45 वर्ग किमी. है।
10. **डायनासौर जीवाश्य उद्यान**—यह मध्य प्रदेश का दूसरा बड़ा जीवाश्य राष्ट्रीय उद्यान है। जो धार जिले में बाघ और जोबट नदी के तट पर 2011 में स्थापित किया गया। इसका कुल क्षेत्रफल 0.897 वर्ग किमी. है। इस उद्यान में 2015 में बाघ नदी के किनारे 6.5 करोड़ वर्ष पुराने डायनासोर के जीवाश्य (पद चिन्ह) प्राप्त हुए है।
11. **पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान**—12 अक्टूबर 2018 को कूनो राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना की गई। 748.76 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में, श्योपुर जिले में स्थित है। एशियाई शेरों के पुनर्वास के लिए कूनो राष्ट्रीय उद्यान का चयन किया गया है। इसी राष्ट्रीय उद्यान में अफ्रीका के तंजानिया से चीते लाकर बसाये गये हैं।

ओंकारेश्वर राष्ट्रीय उद्यान—यह राष्ट्रीय उद्यान खण्डवा में स्थित है। इसका क्षेत्रफल 293 वर्ग किमी. है। (नोट- आर्थिक सर्वेक्षण और मध्य प्रदेश वन रिपोर्ट के अनुसार यह राष्ट्रीय उद्यान की श्रेणी में नहीं आता है।)

मध्य प्रदेश : राष्ट्रीय उद्यान

राष्ट्रीय उद्यान	जिला	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)	प्रमुख वन्य प्रणाली
* बाँधवगढ़	उमरिया	448.842	बाघ, तेंदुआ, चीतल, साँभर, सफेद शेर
राष्ट्रीय फॉसिल उद्यान (सबसे छोटा)	डिण्डौरी	0.27	वनस्पति जीवाश्म
* पन्ना	पन्ना/छत्तरपुर	543	बाघ, तेंदुआ, चीतल, साँभर गौर कृष्णमृग, बायसन, बारहसिंगा
* पेंच	सिवनी, छिन्दवाड़ा/ नागपुर	449.39	बाघ, तेंदुआ, चीतल, साँभर, गौर, मुंजक, हिरण
* सतपुड़ा	होशंगाबाद	528.729	बाघ, तेंदुआ, चीतल, साँभर, गौर, भालू, मुंजक, हिरण
* संजय	सीधी/सिंगरौली	466.7	बाघ, तेंदुआ, चीतल, नीलगाय, चिकारी आदि
* कान्हा किसली (सबसे बड़ा)	मण्डला/ बालाघाट	940	बाघ, तेंदुआ, चीतल, साँभर, गौर, कृष्णमृग, बारहसिंगा
माधव	शिवपुरी	375.23	तेंदुआ, चीतल, साँभर, चिकारा, जंगली सूअर प्रवासी पक्षी, मगरमच्छ इत्यादि
वन विहार	भोपाल	4.45	मध्य प्रदेश के सभी वन्य प्राणी
डायनासोर जीवाश्म उद्यान (प्रस्तावित)	धार	0.897	डायनासोर के जीवाश्म
ओंकारेश्वर	खण्डवा	293	राज्य के सभी वन्य प्राणी
पालपुर कूनो	श्योपुर	748.761	एशियाई शेर, चीता, भालू

नोटः-* वाले मध्य प्रदेश टाइगर प्रोजेक्ट में शामिल राष्ट्रीय उद्यान है।

- अक्टूबर, 2019 में मध्य प्रदेश सरकार के रातापानी वन्यजीव अभयारण्य के कोर क्षेत्र को टाइगर रिजर्व बनाने की मंजूरी प्राप्त हो गई।
- राजकीय दूधराज पक्षी के संरक्षण हेतु सरदारपुरा अभयारण्य बनाया गया है।
- केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा पंचमढ़ी को बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया गया है। यह मध्य प्रदेश का पहला एवं देश का 10वाँ बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- पेंच राष्ट्रीय उद्यान का नाम बदलकर इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी राष्ट्रीय उद्यान कर दिया है।
- वर्ष 2022 में जारी बाघ गणना के अनुसार भारत में सर्वाधिक बाघ मध्य प्रदेश (785) पाये गये हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर बाघों की कुल संख्या 3167 है।
- बाँधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में शेरों का घनत्व देश में सर्वाधिक है। यहाँ सफेद शेर पाये जाते हैं जबकि सर्वाधिक बाघ पेंच टाइगर रिजर्व में हैं।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान में आते हैं।
- विश्व का प्रथम व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर सतना में है।

वन जीव अभयारण्य

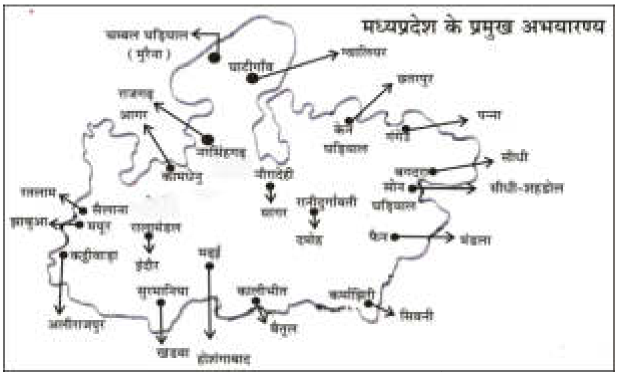

- वन्य जीव अभयारण्य ऐसे संरक्षित क्षेत्र होते हैं जिसमें शिकार पर पूर्णतः प्रतिबंध होता है। लेकिन पशुचारण एवं मानवीय गतिविधियों की सीमित अनुमति होती है। वन्यजीवों को संरक्षित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने 27 वन्य जीव अभयारण्य बनाये हैं तथा तीन अन्य प्रस्तावित हैं।

मध्य प्रदेश के प्रमुख वन्यजीव अभयारण्य

नाम	जिला	क्षेत्रफल	प्रमुख वन्य जीव
नौरा देही (सबसे बड़ा)	सागर	1194.64	शेर, तेंदुआ, चीतल, साँभर, नीलगाय, जंगली कुत्ता
सरदारपुर	धार	348.12	खरमौर
बोरी	होशंगाबाद	485.715	शेर, तेंदुआ, चीतल, साँभर, गौर, नीलगाय, चिकारा
खिवनी	देवास	134.77	तेंदुआ, चीतल, साँभर, नीलगाय, हिरण
नरसिंहगढ़	राजगढ़	57.19	तेंदुआ, चीतल, साँभर, जंगली सूअर, मोर
गांधी सागर	मन्दसौर व नीमच	368.62	तेंदुआ, चीतल, चिकारा, नीलगाय, जलपक्षी
डुबरी (संजय)	सीधी	364.69	शेर, तेंदुआ, चीतल, साँभर, नीलगाय, चिकारा
पंचमढ़ी	होशंगाबाद	492	शेर, तेंदुआ, चीतल, साँभर, गौर, नीलगाय
रातापानी	रायसेन व सिरोह	910.6	शेर, तेंदुआ, चीतल, साँभर, नीलगाय
सिंघौरी	रायसेन	312.036	शेर, तेंदुआ, चीतल, साँभर, नीलगाय
पेंच	सिवनी व छिन्दवाड़ा	118.473	शेर, तेंदुआ, चीतल, साँभर, गौर
राष्ट्रीय चम्बल (घड़ियाल)	मुरैना, भिण्ड	435	घड़ियाल, मगरमच्छ, कछुआ, उदबिलाव, डॉल्फिन
केन (घड़ियाल)	छतरपुर, पन्ना	45.00	घड़ियाल, मगरमच्छ
सोन (घड़ियाल)	सीधी, शहडोल	83.68	घड़ियाल, मगरमच्छ, कछुआ, प्रवासी पक्षी
रालामण्डल (सबसे छोटा)	इन्दौर	2.34	बाघ, तेंदुआ, गौर, भालू
गंगऊ	पन्ना	78.53	तेंदुआ, जंगली सूअर, नीलगाय, चिकारा
सैलाना	रतलाम	12.96	खरमौर
वीरांगना दुर्गावती	दमोह	23.97	चीतल, साँभर, नीलगाय, कृष्ण मृग

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

कठी वाडा	अलीराजपुर	90	-
मयूर अभ्यारण्य	झाबुआ	-	-
कालीभीत (प्रस्तावित)	बैतुल	-	-
सुरमैनिया (प्रस्तावित)	खण्डवा	178.21	-
मान्धाता (प्रस्तावित)	खण्डवा	69.24	-
बगदरा	सींधी	478	-

मध्य प्रदेश के प्रमुख वानिकी संस्थान

संस्थान	जिला
ट्रॉपिकल फॉरेस्ट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट (1988)	जबलपुर
मध्य प्रदेश का प्रथम वन्य स्कूल	शिवपुरी
मध्य प्रदेश का प्रथम फॉरेस्ट कॉलेज (1979)	बालाघाट
मध्य प्रदेश का द्वितीय फॉरेस्ट कॉलेज (1980)	बैतूल
इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मेनेजमेंट (1982)	भोपाल
इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एण्ड ह्यूमेन रिसोर्स डवलपमेंट (1995)	छिन्दवाड़ा

मध्य प्रदेश के प्रमुख वृक्ष एवं वन क्षेत्र

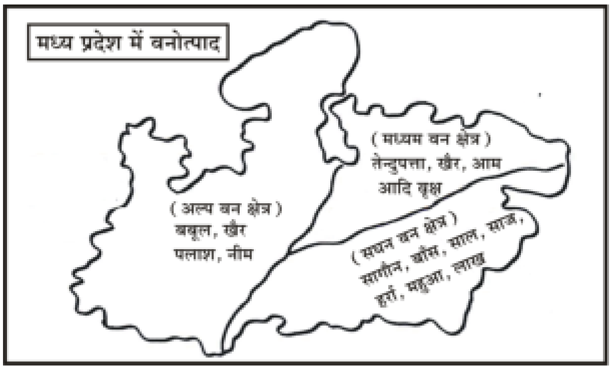

भिलावा वृक्ष—मध्य प्रदेश के छिन्दवाड़ा में भिलावा वृक्ष पाये जाते हैं। जिनका उपयोग स्याही, पेंट और औषधि निर्माण में किया जाता है।

साल वृक्ष—यह प्रदेश के मण्डला, डिडोरी एवं होशंगाबाद जिलों के लाल-पीली मृदा क्षेत्र में पाये जाते हैं। साल के वृक्ष बोरार नामक कीट लग जाने से नष्ट हो जाते हैं।

सागौन वृक्ष—यह वृक्ष काली मिट्टी वाले उत्तरी क्षेत्र होशंगााबाद जिले की बोरी घाटी में 3.20 मीटर परिधि में पाये जाते हैं। इनका उपयोग इमारती लकड़ी के रूप में किया जाता है।

लाख—लाख एक प्रकार प्राकृतिक राल है, जो मादा लाख कीट के स्राव से निर्मित होता है। यह प्रदेश के सागर, दमोह, डिण्डोरी, मंडाला, शहडोल जिले में पलास, बेरी कुसुम, अरहर आदि के वृक्षों पर इसकी खेती की जाती है। लाख का सरकारी कारखाना उमरिया जिले में स्थित है। लाख के उत्पादन में म.प्र. का देश में तीसरा स्थान है।

खैर—खैर का उपयोग कत्था बनाने में किया जाता है। जिसके कारखाने शिवपुरी और बानमौर में स्थित हैं।

खैर वृक्ष शिवपुरी, मुरैना, जबलपुर, उमरिया, सागर और गुना जिलों में पाये जाते हैं।

मध्य प्रदेश में वन सम्पदा

- पर्यावरण की दृष्टि से एक तिहाई क्षेत्र में वन होना चाहिए। वन सम्पदा राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ एवं सम्पन्न बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देती है। वन भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं। भूमि के अपरदन को रोकते हैं तथा स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करने में भी वनों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- मध्य प्रदेश भारत का सर्वाधिक वनाच्छादित राज्य है, जहाँ विभिन्न प्रकार के वन, वन्यजीव एवं प्राकृतिक संसाधन पाये जाते हैं।
- मध्य प्रदेश का कुल वन क्षेत्र 77,492.60 वर्ग किमी. है। जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 25.14 प्रतिशत है तथा देश के कुल वन क्षेत्र का 10.8 प्रतिशत है।

देश की तुलना में मध्य प्रदेश के वन

देश/राज्य	वन क्षेत्र (वर्ग किमी.)	वन क्षेत्र प्रतिशत में	भौगोलिक क्षेत्र (वर्ग किमी.) में
भारत	8,09,537	24.62	32,87,263
मध्य प्रदेश	77,492.60	25.14	3,08,252

मध्य प्रदेश में वन क्षेत्र का वर्गीकरण

अतिसघन वन क्षेत्र	9.65%
मध्यम सघन वन क्षेत्र	46.62%
खुले वन क्षेत्र	43.73%

वन सम्पदा एवं पर्यावरण

- भारत में क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक वन मध्य प्रदेश में पाये जाते हैं।
- मध्य प्रदेश की पहली वन नीति 1952 में बनी थी। 4 अप्रैल, 2005 को मध्य प्रदेश की नयी वन नीति की घोषणा की गई।
- वनों का शत प्रतिशत राष्ट्रीयकरण करने वाला देश का प्रथम राज्य मध्य प्रदेश है।
- वनों का राष्ट्रीयकरण 1970 में किया गया। सर्वप्रथम तेंदूपत्ता का राष्ट्रीयकरण किया गया।
- मध्य प्रदेश में देश के 41 प्रतिशत सागौन के वृक्ष हैं। राज्य के कुल वन सम्पदा क्षेत्रफल के 19.64 प्रतिशत क्षेत्र सागौन के हैं।
- मध्य प्रदेश में देश के 50% साल वृक्ष हैं जो राज्य के कुछ वन क्षेत्रफल के 16.5 प्रतिशत क्षेत्र में साल के वन हैं।
- देहरादून स्टेट फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट एंड कॉलेज के 4 क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में से एक मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थित है।
- मध्य प्रदेश वानिकी योजना का आरम्भ सितंबर 1995 में किया गया।
- मध्य प्रदेश के बालाघाट में वन राजकीय महाविद्यालय की स्थापना 1979 में की गई है।
- मध्य प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड का गठन 12 जुलाई 2005 को किया गया।
- मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में है।
- मध्य प्रदेश झील संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना 2014 में की गई है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

05.

मध्य प्रदेश : नदियाँ एवं झीलें

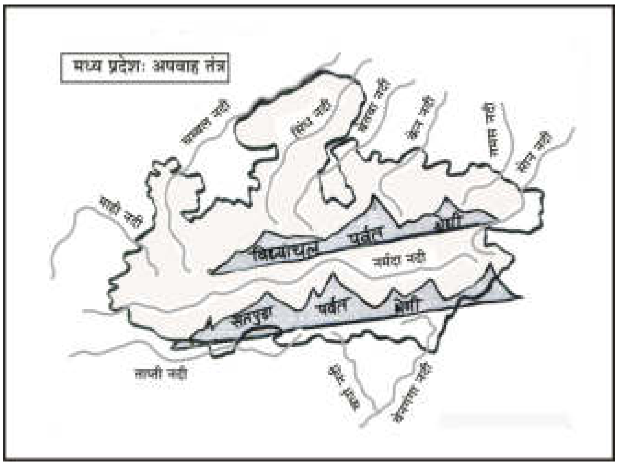

- मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास में नदियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है यहाँ लगभग सभी दिशाओं में नदियाँ प्रवाहित होती हैं अधिकांशतः नदियाँ उत्तर पश्चिम दिशा में प्रवाहित होती हैं।
- मध्य प्रदेश में स्थित मैकाल पर्वत श्रेणी, विंध्य पर्वत श्रेणी एवं सतपुड़ा पर्वत श्रेणी से प्रायद्वीपीय भारत की अधिकांश नदियाँ निकलती हैं।
- मैकाल श्रेणी से सबसे अधिक नदियाँ निकलती हैं इसलिए इस श्रेणी को वाटर शेड के नाम से जाना जाता है। विंध्य व सतपुड़ा श्रेणियाँ जल विभाजक का कार्य करती हैं।

मध्य प्रदेश में नदियों का अपवाह तंत्र

गंगा अपवाह तंत्र	उपतंत्र	नदियाँ
गंगा अपवाह तंत्र	यमुना	सिंध, चम्बल, जामनी, बेतवा, धसान, केन, पैसुनी, बैथन आदि
	टोंस	बीहर, ओदा, महान आदि
	सोन	जोहिला, बनास, गोपद, रिहंद, कन्हार आदि

- नर्मदा अपवाह तंत्र
- ताप्ती अपवाह तंत्र
- गोदावरी अपवाह तंत्र
- माही अपवाह तंत्र
- महानदी अपवाह तंत्र

Note– गंगा अपवाह तंत्र मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा अपवाह तंत्र है। जो राज्य के उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी जिलों में विस्तृत है। इस तंत्र की अधिकांश नदियाँ उत्तर की ओर प्रवाहित होती हैं।

चम्बल नदी

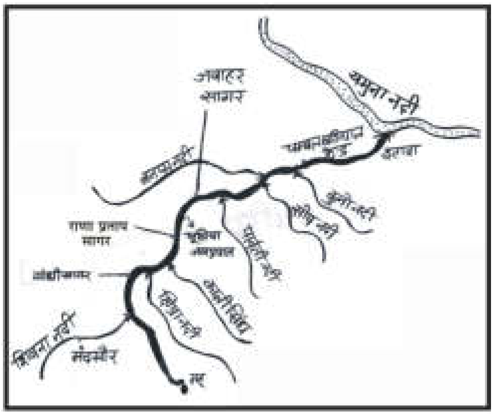

उद्गम स्थल– विंध्य श्रेणी की जानापाव पहाड़ी के वांग्चू पॉइंट से (महू जिला इंदौर)

- यह नदी उत्तर-पूर्व से पूर्वी दिशा में प्रवाहित होती हुई इटावा (उत्तर प्रदेश) के समीप यमुना नदी में मिल जाती है।
- यह नदी मध्य प्रदेश व राजस्थान के मध्य प्राकृतिक सीमा बनाती है।
- चम्बल मध्य प्रदेश की दूसरी सबसे लम्बी नदी है। जिसका कुल अपवाह क्षेत्र 143219 वर्ग कि.मी. एवं कुल लम्बाई 965 कि.मी.
- इसके अन्तर्गत मध्य प्रदेश के इंदौर, धार, रतलाम, मन्दसौर श्योपुर, मुरैना भिण्ड आदि जिले सम्मिलित हैं।
- चम्बल एक अध्यारोपित नदी (Superimposed River) है जो अपने मध्य भाग में उत्खात भूमि वाली भू-आकृति का निर्माण करती है। जिसे चम्बल खड्ड (Ravine of Chambal) कहा जाता है।
- मध्य प्रदेश में चम्बल नदी के खड्ड (बीहड़) ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना तथा राजस्थान के भरतपुर एवं धौलपुर के निकटवर्ती भागों में पाये जाते हैं।
- गाँधी सागर बाँध, राणाप्रताप सागर बाँध, जवाहर सागर बाँध आदि चम्बल पर निर्मित प्रमुख जल परियोजनाएं हैं जबकि मंदसौर, कोटा, इटावा, मुरैना चम्बल पर स्थित प्रमुख नगर हैं।

क्षिप्रा/शिप्रा नदी

उद्गम स्थल– काकरी-बर्डी के समीप बणेश्वर कुण्ड (इंदौर)

- इसकी कुल लम्बाई 195 किमी. है। यह मध्य प्रदेश के रतलाम, उज्जैन, मन्दसौर जिलों से प्रवाहित होते हुए कोटा (राजस्थान) के समीप चम्बल नदी में मिल जाती है।
- इस नदी को मालवा की गंगा के नाम से जाना जाता है।
- इस नदी के तट पर महाबलेश्वर मंदिर (उज्जैन), चिंतामन गणेश मंदिर, भर्तृहरि गुफा, कालभैरव मंदिर, कालिया देह महल, राम जनार्दन मंदिर आदि स्थित है।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- क्षिप्रा नदी के तट पर स्थित उज्जैन में प्रत्येक 12 वर्षों के पश्चात् सिंहस्थ महाकुम्भ मेले का आयोजन होता है।

बेतवा/बेत्रवती नदी

उद्‌गम स्थल–रायसेन जिले के कुम्हरा गांव (विन्ध्य पर्वत) से (कुल ल0 590 मध्य प्रदेश में 232) यह मध्य प्रदेश के रायसेन, विदिशा, अशोक नगर, टीकमगढ़ गुना आदि जिलों से प्रवाहित होते हुए हमीरपुर (उत्तर प्रदेश) के समीप यमुना नदी में मिल जाती है।

- पुरातात्विक स्थल ओरछा व देवगढ़ भी बेतवा नदी के किनारे स्थित हैं।
- इसे बुन्देलखण्ड की जीवन रेखा एवं मध्य प्रदेश की गंगा भी कहा जाता है।
- माताटीला व राजघाट बाँध, जो मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश की संयुक्त सिंचाई परियोजना है, इसी पर स्थित हैं।

केन नदी

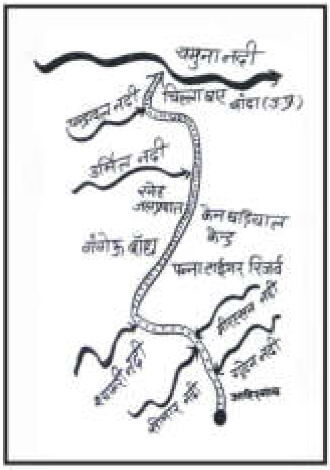

उद्‌गम स्थल–कैमूर पहाड़ी, कटनी जिले में। इसकी कुल लम्बाई 427 कि.मी. तथा मध्य प्रदेश में 292 कि.मी. है।

- केन नदी छतरपुर और पन्ना जिले की सीमा बनाती हुई बाँदा जिला (उत्तर प्रदेश) के चिल्ला गाँव के समीप भोजहा नामक स्थान पर यमुना नदी में मिल जाती है।
- केन नदी में शजर नामक बहुमूल्य पत्थर पाया जाता है।
- पन्ना बाघ आरक्षित क्षेत्र के मध्य सिमरी नदी के संगम पर गंगऊ बाँध (1901–1915 निर्मित) बरियारपुर बाँध निर्मित किये गये हैं।

सिन्ध नदी

उद्‌गम स्थल–विदिशा जिले के सिरोंज के समीप एक ताल से

- यह नदी इटावा (उत्तर प्रदेश) के समीप यमुना में मिल जाती है।
- इसमें वर्ष भर जल-भराव रहता है और वर्षा ऋतु में भयंकर बाढ़ आती है और गुना जिले को दो भागों में विभाजित करती है।

काली सिन्ध नदी

उद्‌गम स्थल–देवास जिले के बागली तहसील के समीप अमोदिया

- यह मध्य प्रदेश के शाजापुर और नरसिंहगढ़ जिले से प्रवाहित होते हुए नरौरा (राजस्थान) नामक स्थान पर चम्बल नदी में मिल जाती है।

टोंस/तमसा नदी

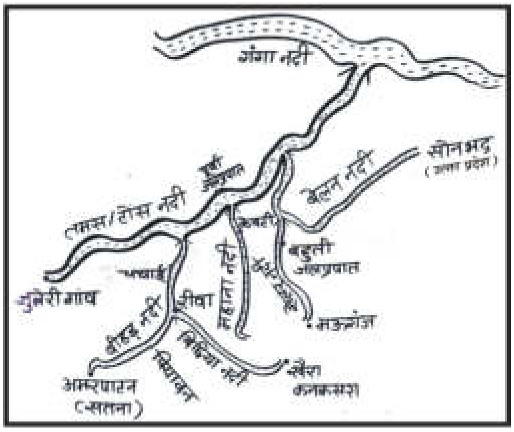

उद्‌गम स्थल–सतना जिले के मैहर (कैमूर पहाड़ी) में तमसा कुंड से

- यह इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) के सिरसा नामक स्थान पर गंगा नदी में मिल जाती है।

सोन नदी

उद्‌गम स्थल–अमरकंटक पहाड़ी से (जिला अनूपपुर)

- यह अमरकंटक पहाड़ी के उत्तरी किनारे पर जलप्रपातों की शृंखला का निर्माण करती है, और पटना (बिहार) के समीप रामनगर (दानापुर) में गंगा नदी में मिल जाती है।
- सोन नदी गंगा के दक्षिण मिलने वाली सबसे बड़ी नदी है। जो कैमूर और छोटानागपुर पठार के मध्य सीमा बनाती है।
- सोन नदी में दुर्लभ प्रजाति के कछुए पाये जाते हैं। इसमें सोन घड़ियाल अभयारण्य भी है।

नर्मदा नदी

उद्‌गम स्थल–मैकाल श्रेणी के अमरकंटक पहाड़ी से यह दक्षिण में सतपुड़ा और उत्तर में विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के मध्य भ्रंश घाटी से प्रवाहित होते हुए भड़ौच (गुजरात) के समीप कैम्बे (खम्भात) की खाड़ी में गिरती है और एश्चुएरी (ज्वारनदमुख) निर्माण करती है। यह डेल्टा का निर्माण नहीं करती है। इसकी कुल लम्बाई 1312 किमी. है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- नर्मदा नदी भारत की हृदय रेखा और मध्य प्रदेश की जीवन रेखा है
- यह राज्य की प्रथम नदी है जिसे वर्ष 2017 में जीवित नदी का दर्जा प्राप्त हुआ है।
- इंदिरा सरोवर, सरदार सरोवर, महेश्वर, ओंकारेश्वर आदि नर्मदा नदी पर बने प्रमुख बाँध हैं तथा जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, बड़वानी आदि इसके तट पर बने प्रमुख नगर हैं।
- मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी की सर्वाधिक 41 सहायक नदियाँ हैं। जिनमें से 22 बायीं ओर की तथा 19 दायीं ओर की सहायक नदियाँ हैं।

नर्मदा की सहायक नदियाँ

बायीं ओर की नदी	दायीं ओर की नदी
बंजर, शक्कर, देनवा, गंजाल, बरनार, शेर, दूधी, तवा	हिरण, हथनी, बरना, कन्हार, ऊटी, शक्कर, चन्द्रशेखर, मान

शक्कर नदी

उद्गम स्थल–सतपुड़ा पर्वत श्रेणी, छिंदवाड़ा जिला।

- सतपुड़ा श्रेणी में स्थित प्रमुख कोयला क्षेत्र शक्कर नदी के आस-पास विस्तृत है।
- नर्मदा और शक्कर नदी के तट पर भगवान शिव का संगनेश्वर महादेव मंदिर नरसिंहपुर जिले में स्थित है।

ताप्ती नदी अपवाह तंत्र

उद्गम स्थल–सतपुड़ा श्रेणी कालीसिंध पहाड़ी की मुल्ताई चोटी से

- यह भ्रंश घाटी में नर्मदा के समान्तर प्रवाहित होती हुई खम्भात की खाड़ी में गिरती है और अपने मुहाने पर ऐश्चुएरी (ज्वारनदमुख) का निर्माण करती है।
- इसकी कुल ल0 724 कि.मी. (मध्य प्रदेश में 279 कि.मी., महाराष्ट्र में 270 कि.मी. और गुजरात में 175 कि.मी.) है।
- यह नदी मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र के मध्य प्राकृतिक सीमा का निर्धारण करती है।
- ताप्ती नदी के तट पर गुजरात में स्वाली बंदरगाह स्थित है।
- ताप्ती और नर्मदा नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है।
- सूरत शहर इसी नदी के तट पर स्थित है तथा काकरापार, उकाई बाँध इस पर निर्मित प्रमुख बाँध हैं।

कुलबेहरा नदी

उद्गम स्थल–छिंदवाड़ा जिले के उमरेठ से यह छिंदवाडा में प्रवाहित होते हुए पेंच नदी में मिल जाती है।

माही अपवाह तंत्र

उद्गम स्थल–मिण्डाग्राम के समीप विंध्याचल श्रेणी (धार जिला)

- इस नदी का प्राचीन नाम महति तथा इसे पृथ्वी की पुत्री भी कहा जाता है।
- यह मध्य प्रदेश के धार झाबुआ, रतलाम और बाँसवाड़ा (राजस्थान) तक प्रवाहित होते हुए खम्भात की खाड़ी में गिरती है।
- माही भारत की एकमात्र नदी है जो कर्क रेखा को दो बार काटती है। कुल लम्बाई 583 कि.मी. है।

सहायक नदी–अनस, लरकी, जम्भार, पानम, कून एवं गोमा आदि इसकी सहायक नदियाँ हैं।

महानदी

उद्गम स्थल– सिहोवा के समीप अमरकंटक पहाड़ी से

- इसकी कुल लम्बाई 851 किमी. तथा मध्य प्रदेश में इसका कुल अपवाह क्षेत्र 154 वर्ग कि.मी. है (कुल अपवाह क्षेत्र–141589 वर्ग किमी.)। अनूपपुर जिले में हंसदो नदी इसके अपवाह क्षेत्र में शामिल है।
- यह नदी छत्तीसगढ़ में पूर्व की ओर प्रवाहित होती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- इस नदी के अपवाह द्रोणी का 53% भाग मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में तथा 47% भाग ओडीशा में विस्तृत है।

सहायक नदियाँ

बायीं ओर की नदी	दायीं ओर की नदी
शिवनाथ	जोंक
हंसदो	ओंग
मांड	तेल
ईब	

गोदावरी नदी

उद्गम स्थल–त्रयम्बकेश्वर की पहाड़ी (नासिक) महाराष्ट्र

- इसकी कुल लम्बाई 1465 कि.मी. है अपवाह क्षेत्र 313812 कि.मी. जिसमें से मध्य प्रदेश में 633 वर्ग कि.मी. शामिल है।
- गोदावरी को दक्षिण गंगा या वृद्ध गंगा (बूढ़ी गंगा) के नाम से भी जाना जाता है। जो प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लम्बी नदी है।

मध्य प्रदेश में गोदावरी नदी के उपतंत्र

- वेनगंगा उपतंत्र
- बावनथडी उपतंत्र
- कन्हान उपतंत्र
- बाघ उपतंत्र
- पेंच उपतंत्र

वेनगंगा नदी

उद्गम स्थल–सतपुड़ा श्रेणी (सिवनी जिला) के मुंडारा गाँव के पास रजोलाताल से

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

■ यह नदी सिवनी तथा बालाघाट जिले में प्रवाहित होती हुई भंडारा (महाराष्ट्र) के समीप वर्धा नदी में मिल जाती है।

■ वेनगंगा नदी पर सिवनी (छपरा) में वर्ष 1972 में भीमगढ़ बाँध (संजय सरोवर बाँध) का निर्माण किया है। जो एशिया का सबसे बड़ा मिट्टी का बाँध है।

वर्धा नदी

उद्‌गम स्थल–बैतूल जिले की मुल्ताई तहसील के वर्धन शिखर से

■ इस नदी की कुल लम्बाई 525 कि.मी. है जो छिन्दवाड़ा जिले की दक्षिणी सीमा बनाती हुई महाराष्ट्र में प्रवेश कर वेनगंगा नदी में मिलती है।

सहायक नदी–वेना, जामा, इराई, मेडू, बेमूला, हिर्री आदि

पेंच नदी

उद्‌गम स्थल–सतपुड़ा श्रेणी के दक्षिण पठार (छिंदवाड़ा जिला) से

■ यह नदी सिवनी जिले के पेंच राष्ट्रीय उद्यान में प्रवाहित होती हुई नागपुर के समीप कन्हान नदी में मिल जाती है। इसकी कुल लम्बाई 274 कि.मी. है तथा मध्य प्रदेश में 206 कि.मी. है।

शिवनी नदी

उद्‌गम स्थल–शिवना ग्राम जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)

■ इसी नदी के तट पर मंदसौर जिले में भगवान पशुपति नाथ मंदिर तथा तापेश्वर मंदिर स्थित है।

समूली नदी

उद्‌गम स्थल–खोड़ाना मंदसौर

■ यह सेमलिया, फतेहगढ़ से प्रवाहित होती हुई दमदम (मंदसौर) के पास शिवना नदी में मिल जाती है।

अंसर नदी

उद्‌गम स्थल–शामगढ़ के समीप ग्राम जमुनिया (मंदसौर)

■ यह पश्चिम भाग में प्रवाहित होती हुई गाँधी सागर जलाशय में गिर जाती है।

1. **पूर्व की ओर प्रवाहित होने वाली नदियां**– टोंस, बीहर, सोन
2. **पश्चिम की ओर प्रवाहित नदी**– नर्मदा, ताप्ती
3. **दक्षिण की ओर प्रवाहित होने वाली नदी**–वेनगंगा, वर्धा, कन्हान, पेंच
4. **उत्तर की ओर प्रवाहित होने वाली नदी**–चम्बल, क्षिप्रा, केन बेतवा, पार्वती, कालीसिंध टोंस, बीना, धसान

मध्य प्रदेश के प्रमुख जल-प्रपात

जल-प्रपात	स्थान	नदियाँ	ऊँचाई
भेड़ाघाट या धुआँधार	जबलपुर	नर्मदा	30 मी.
दुग्धधारा	अनूपपुर	नर्मदा	15 मी.
मांधार	खण्डवा	नर्मदा	12 मी.
चचाई	रीवां	बीहड़	130 मी.
पाण्डव	पन्ना	केन	30 मी.
चूलिया	मंदसौर	चम्बल	18 मी.
राहतगढ़	सागर	बेतवा	–
झाडीदाहा	इन्दौर	चम्बल	–
भालकुण्ड	सागर	बीना	38 मी.
डचेस	पचमढ़ी	पर्वतीय	100 मी.
कपिलधारा	अनूपपुर	नर्मदा	15 मी.
सहस्त्रधारा	महेश्वर	नर्मदा	8 मी.
दरदी	खण्डवा	नर्मदा	–
पियावन	रीवां	बरदहा	–
पाताल पानी	इन्दौर	चम्बल	–
शंकर खो	खवनी	जामनेर	–
बेहुरी/बहुती	रीवां	ओदा	198 मी.
अप्सरा	पंचमढ़ी	पर्वतीय	–
रजत	पंचमढ़ी	पर्वतीय	–
जमुना, बीफाल	पंचमढ़ी	बीफाल	–
सतधारा, भीमकुण्ड/ अर्जुन कुण्ड	नरसिंहपुर	नर्मदा	–
लिलाही, अनहोनी कुकरी खापा	छिन्दवाड़ा	कन्हान	–
गांगुलपारा	बालाघाट	वैनगंगा	–
मलधर	बालाघाट	देवनदी	–
काकरा खोह	माण्डू	–	–
भूराखोह, सुल्तानगढ़ पावा	शिवपुरी	सिन्ध	–
डगोना, सनकुआं	दतिया	सिन्ध	–
पुरवा	रीवां	तम्सा/टोंस	70 मी.
केवटी	रीवां	बीहड नदी	–
बैलोही	रीवां	गोरमा नदी	–

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

06.

मध्य प्रदेश : कृषि एवं पशुपालन

कृषि एवं पशुपालन

- भौगोलिक रूप से देश के केन्द्रीय स्थान पर स्थित मध्य प्रदेश को भारत का हृदय स्थल कहा जाता है। मध्य प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है।
- मध्य प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य कर पाँच वर्ष तक लगातार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार प्राप्त किया है।
- राज्य को वर्ष 2011–12, 2012–13, 2014–15 में तीन बार सम्पूर्ण खाद्यान्न में तथा 2013–14, 2015–16 में गेहूँ में उत्कृष्ट कार्य के लिए कृषि कर्मण पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- मध्य प्रदेश दलहन, तिलहन, सोयाबीन, चना, मसूर, उड़द, टमाटर, अमरूद, लहसुन तथा जैविक कृषि उत्पाद में देश में अग्रणी राज्य है।
- मध्य प्रदेश का गेहूँ, सरसों, धनिया, संतरा, हरी मटर के उत्पाद में द्वितीय स्थान है।
- आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, प्रमुख फसलों के उत्पादन में 0.20% की वृद्धि हुई है।
- अनाज उत्पादन में 1.91% की कमी हुई है। जबकि दालों के उत्पादन में 42.62% तथा तिलहन उत्पादन में 7.32% की वृद्धि हुई है।
- बागवानी फसलों के क्षेत्र में मसालों का उत्पादन 2023-24 में 52.62 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 53.59 लाख मीट्रिक टन हो गया।
- सब्जी उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2023-24 में 236.41 मीट्रिक टन से बढ़कर 242.62 मीट्रिक टन हो गया।
- फल उत्पादन वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 95.10 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 95.54 लाख मीट्रिक टन हो गया।
- दूध उत्पादन वर्ष 2022-23 की तुलना में 5.88% बढ़कर 2023-24 में 201.22 लाख टन हो गया।
- अंडा उत्पादन वर्ष 2022-23 की तुलना में 9.48% बढ़कर 2023-24 में 31,850.38 लाख अंडे हो गया।
- माँस उत्पादन वर्ष 2022-23 की तुलना में 9.37% बढ़कर 2023-24 में 138.95 हजार टन हो गया।
- मध्य प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, मध्य प्रदेश के जीएसवीए में फसल क्षेत्र का योगदान वर्तमान कीमतों पर 9.10% और स्थिर कीमतों (2011-12) पर 1.84% है।
- मध्य प्रदेश के जीएसवीए में पशुधन क्षेत्र का योगदान वर्तमान कीमतों पर 13.86% और स्थिर कीमतों (2011-12) पर 8.60% है।
- मध्य प्रदेश के जीएसवीए में मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र का योगदान वर्तमान कीमतों पर 16.10% और स्थिर कीमतों (2011-12) पर 14.11% है।

❒ फसल उत्पादन

- मध्य प्रदेश की प्रमुख फसलों में गेहूँ, धान, मक्का, सोयाबीन दालें, तिलहन, कपास और गन्ना शामिल हैं।
- मध्य प्रदेश की जलवायु और मिट्टी की स्थिति सोयाबीन की खेती के लिए अनुकूल है।
- मध्य प्रदेश में संतरा, अमरूद और केले की खेती बागवानी के अन्तर्गत की जाती है।

अनाज

❒ गेहूँ

- गेहूँ के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की अपेक्षा 2023-24 में 5.84 प्रतिशत की कमी हुई है। इसका क्षेत्रफल 9781.00 हजार हेक्टेयर से घटकर वर्ष 2023-24 में 9210.00 हजार हेक्टेयर हो गया।
- गेहूँ का उत्पादन वर्ष 2022-23 की तुलना में 34977 हजार मीट्रिक टन से घटकर वर्ष 2023-24 में 32972 हजार मीट्रिक टन हो गया।

❒ धान

- धान के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की अपेक्षा 2023-24 में 4.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धान का क्षेत्रफल 3848 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 4019 हजार हेक्टेयर हो गया।
- धान के उत्पादन में गत वर्ष की तुलना में 4.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- धान का उत्पादन 2022-23 की तुलना में 13126 हजार टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 13705 हजार टन हो गया।

❒ मक्का

- मक्का के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की अपेक्षा वर्ष 2023-24 में 6.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- मक्के का क्षेत्रफल 1448 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1536 हजार हेक्टेयर हो गया।
- मक्के के उत्पादन में वर्ष 2023-24 में 6.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई
- मक्का उत्पादन वर्ष 2022-23 की तुलना में 4621 हजार टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 4933 हजार टन हो गया।

☞ **प्रमुख फसलों का क्षेत्र (हजार हेक्टेयर में)**

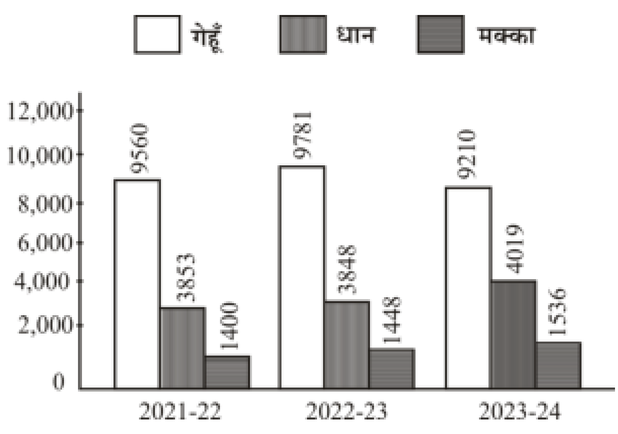

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

☞ **प्रमुख अनाजों का उत्पादन (हजार टन में)**

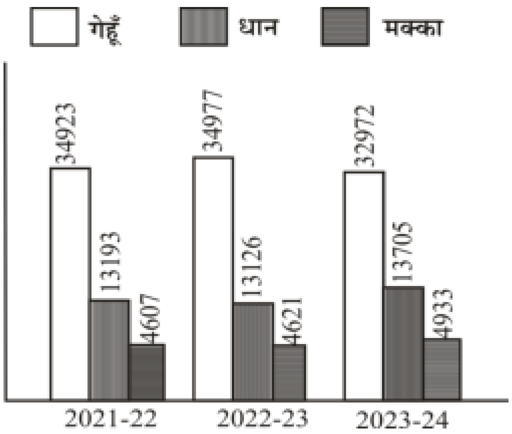

दालें

- दलहन रबी और खरीफ दोनों कृषि मौसम की फसलें हैं। इनके अन्तर्गत अरहर, चना, मूँग, मसूर तथा उड़द को शामिल किया जाता है।
- मृदा संरक्षण की दृष्टि से दलहनी फसलें महत्वपूर्ण होती हैं। इन फसलों की जड़ों में राइजोबियम जीवाणु पाये जाते हैं।
- राइजोबियम जीवाणु मृदा में वायुमंडल से नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं।
- दलहन उत्पादन एवं क्षेत्रफल में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य है।
- दलहन फसलों के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 31.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- दलहन फसलों के उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 42.62 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

☞ **दलहनी फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार हेक्टेयर में)**

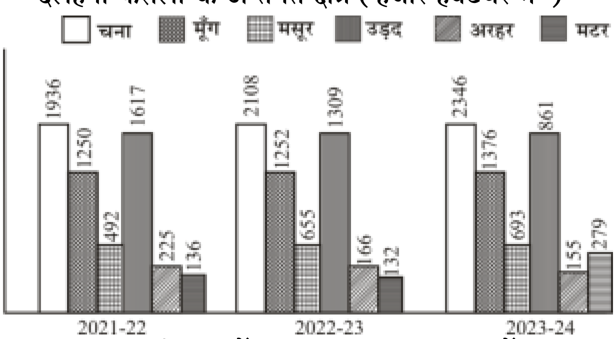

☞ **प्रमुख दलहनी फसलों का उत्पादन (हजार टन में)**

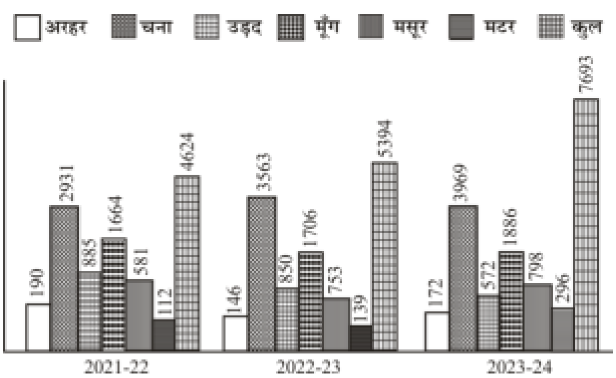

❒ **अरहर**

- अरहर के उत्पादन के लिए दोमट मिट्टी को सबसे अच्छी मानी जाती है।
- अरहर अनुसंधान केंद्र मध्य प्रदेश के सीहोर में स्थित है।
- अरहर के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की अपेक्षा वर्ष 2023-24 में 6.63 प्रतिशत की कमी आई है। जो 166 हजार हेक्टेयर से घटकर 155 हजार हेक्टेयर रह गया है।
- अरहर के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 17.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो वर्ष 2022-23 की तुलना में 146 हजार टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 172 हजार टन हो गया है।

❒ **चना**

- चना रबी की फसल है। इसके लिए कम उपजाऊ मिट्टी तथा कम वर्षा की आवश्यकता होती है।
- मध्य प्रदेश में चने का उत्पादन पूर्वी मालवा पठार, नर्मदा घाटी तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में किया जाता है।
- उज्जैन-21, उज्जैन-24, राघौगढ़-5 तथा ग्वालियर-3 मध्य प्रदेश में चने की प्रमुख किस्में हैं।
- मध्य प्रदेश में चने के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की अपेक्षा वर्ष 2023-24 में 11.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो वर्ष 2022-23 के 2108 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 2346 हजार हेक्टेयर हो गई।
- चने के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 11.39 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 3563 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 3969 हजार मीट्रिक टन हो गया है।

❒ **उड़द**

- उड़द लेग्युमिनेसी कुल का पौधा है। इसका वानस्पतिक नाम **विगना मूंगों** है।
- उड़द के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 34.22 प्रतिशत की कमी आई है जो वर्ष 2022-23 की तुलना में 1309 हजार हेक्टेयर से कम होकर वर्ष 2023-24 में 861 हजार हेक्टेयर हो गया है।
- उड़द के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 32.71 प्रतिशत की कमी आई है। जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 850 हजार टन से घटकर वर्ष 2023-24 में 572 हजार टन हो गया है।

❒ **मूंग**

- मध्य प्रदेश में मूंग के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 9.90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो वर्ष 2022-23 की तुलना में 1252 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1376 हजार हेक्टेयर हो गया।
- मूंग उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 10.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो वर्ष 2022-23 की तुलना में 1706 हजार टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1886 हजार टन गया है।

❒ **मसूर**

- मध्य प्रदेश में मसूर के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 5.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो वर्ष 2022-23 की तुलना में 655 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 693 हजार हेक्टेयर हो गया।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

■ मसूर के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 5.98 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 753 हजार टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 798 हजार टन हो गया।

❒ **मटर**

■ मध्य प्रदेश में मटर के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 111.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो गत वर्ष 2022-23 की तुलना में 132 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 279 हजार हेक्टेयर हो गया है।

■ मटर के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 112.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 139 हजार टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 296 हजार टन हो गया।

❒ **तिलहन**

■ मध्य प्रदेश में तिलहन फसलों के अन्तर्गत मुख्य रूप से सरसों/राई तथा सोयाबीन का उत्पादन किया जाता है। तिलहनी फसलों के तहत मूँगफली, तिल, अलसी और सूरजमुखी का भी उत्पादन किया जाता है।

■ मध्य प्रदेश में तिलहनी फसलों के अन्तर्गत वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में कुल तिलहनी फसलों के क्षेत्रफल में 4.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

■ तिलहनी फसलों का कुल क्षेत्रफल वर्ष 2022-23 की तुलना में 8013 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 8334 हजार हो गया है।

■ कुल तिलहनी फसलों के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 7.32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो वर्ष 2022-23 की तुलना में 9297 हजार टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 9978 हजार टन हो गया है।

❒ **सरसों/राई**

■ सरसों/राई फसल के उत्पादन के लिए दोमट या बलुई दोमट मिट्टी सबसे अच्छी मानी जाती है।

■ सरसों कूसीफेरी कुल का द्विबीजपत्री एक वर्षीय शाकीय पौधा है। इसका वानस्पतिक नाम **ब्रेसिका कम्प्रेसटिस** है।

■ मध्य प्रदेश में सरसों के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 10.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 1273 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1403 हजार हेक्टेयर हो गया है।

■ सरसों का उत्पादन गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 1960 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 2169 हजार मीट्रिक टन हो गया है।

❒ **सोयाबीन**

■ सोयाबीन खरीफ की फसल है। इसका वैज्ञानिक नाम **ग्लाईसीन मैक्स** है।

■ सोयाबीन की खेती के लिए चिकनी दोमट मिट्टी सबसे अच्छी मानी जाती है। सोयाबीन की खेती हल्की व रेतीली मिट्टी को छोड़कर सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है।

■ मध्य प्रदेश का सोयाबीन के उत्पादन में प्रथम स्थान है। मध्य प्रदेश को **सोया प्रदेश** के नाम से जाना जाता है।

■ राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केंद्र इंदौर में स्थित है।

■ एशिया का सबसे बड़ा सोयाबीन कारखाना उज्जैन में स्थित है।

■ मध्य प्रदेश में सोयाबीन के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 1.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 5974 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 6079 हजार हेक्टेयर हो गया है।

■ सोयाबीन के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 5.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 6332 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 6675 हजार मीट्रिक टन हो गया है।

☞ **प्रमुख तिलहनी फसलों के तहत क्षेत्र (हजार हेक्टेयर में)**

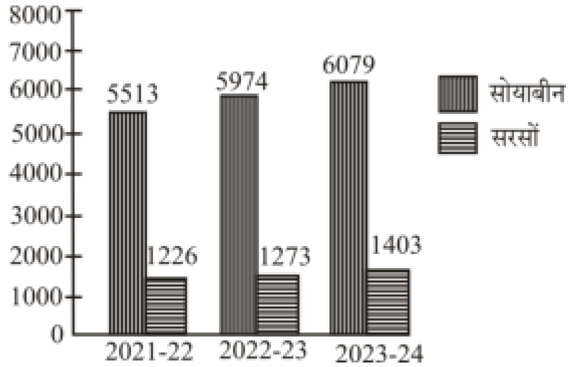

☞ **प्रमुख तिलहनी फसलों का उत्पादन (हजार टन में)**

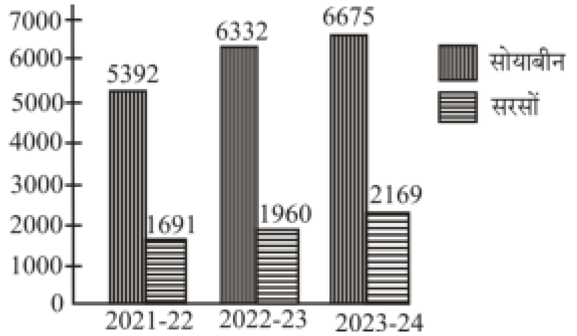

❒ **मूंगफली**

■ मूंगफली खरीफ की फसल है। इसका उत्पादन तेल और खाद्य दोनों के लिए किया जाता है।

■ मूंगफली लेग्यूमिनोसी कुल का पौधा है। इसका वानस्पतिक नाम **अराकिस हाइपोजिया** है।

■ मूंगफली के उत्पादन के लिए दोमट मिट्टी सबसे अच्छी मानी जाती है।

■ मध्य प्रदेश में मुख्य रूप से मूंगफली का उत्पादन खरगौन, रतलाम, मंदसौर, बैतूल, झबुआ, उज्जैन, राजगढ़, शाजापुर तथा छिंदवाड़ा जिले में किया जाता है।

वाणिज्यिक फसलें

■ मध्य प्रदेश की प्रमुख वाणिज्यिक फसल कपास और गन्ना है। वर्ष 2023-24 में कपास के उत्पादन में वृद्धि हुई है। जबकि गन्ना के उत्पादन में कमी आई है।

❒ **कपास**

■ कपास मध्य प्रदेश की एक प्रमुख वाणिज्यिक खरीफ की फसल है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- कपास **मालवेसी** कुल का पौधा है। इसका वानस्पतिक नाम **गोसिपियम** है।
- कपास उत्पादन के लिए काली मिट्टी सबसे अच्छी मानी जाती है।
- कपास उत्पादन के लिए 20°C से 30°C तापमान और 80 से 100 सेमी. वर्षा की आवश्यकता होती है।
- मध्य प्रदेश में कपास का सर्वाधिक उत्पादन निमाड़ क्षेत्र के अंतर्गत किया जाता है। इसके तहत खंडवा, खरगौन, बडवानी तथा बुरहानपुर जिले आते हैं। इन क्षेत्रों को **सफेद सोना क्षेत्र** कहा जाता है।
- कपास के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 5.88 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है जो वर्ष 2022-23 की तुलना में 595 हजार हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 630 हजार हेक्टेयर हो गया है।
- मध्य प्रदेश में कपास के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 3.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 890 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 917 हजार मीट्रिक टन हो गया है।

❒ गन्ना

- गन्ना **ग्रेमिनी** कुल का पौधा है। इसका वानस्पतिक नाम **सेचरम ऑफिनेरम** है।
- गन्ना उत्पादन के लिए 20°C से 26°C तापमान तथा 75 से 150 सेमी. वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।
- मध्य प्रदेश में गन्ना अनुसंधान केंद्र नरसिंहपुर जिले के बोहानी में स्थित है।
- गन्ने के बीज को क्रेरी आप्टम कहते हैं।
- उज्जैन, मुरैना, सीहोर, शाजापुर, शिवपुरी तथा देवास मध्य प्रदेश के प्रमुख गन्ना उत्पादक जिले हैं।
- मध्य प्रदेश के गन्ना के क्षेत्रफल में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 8.93 प्रतिशत की कमी हुई है जो गतवर्ष की तुलना में 112 हजार हेक्टेयर से घटकर वर्ष 2023-24 में 102 हजार हेक्टेयर हो गया।
- गन्ना उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 6.38 प्रतिशत की कमी हुई है जो गतवर्ष 2022-23 की तुलना में 784 हजार मीट्रिक टन से घटकर वर्ष 2023-24 में 734 हजार मीट्रिक टन हो गया।

☞ **प्रमुख वाणिज्यिक फसलों के अधीन क्षेत्र (हजार हेक्टेयर में)**

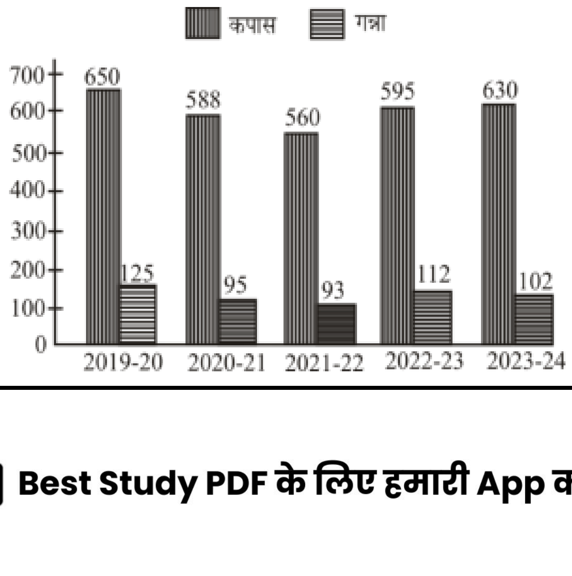

☞ **प्रमुख वाणिज्यिक फसलों का उत्पादन (हजार मीट्रिक टन में)**

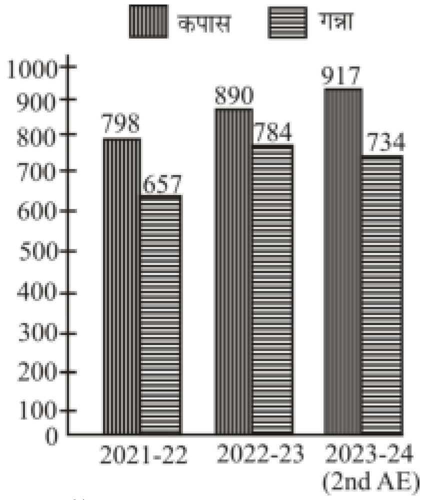

❒ प्रमुख सब्जियों का उत्पादन

- मध्य प्रदेश एक प्रमुख सब्जी उत्पादक राज्य है। मध्य प्रदेश में उत्पादित प्रमुख सब्जियां आलू, प्याज, और टमाटर हैं।
- मध्य प्रदेश में पिछले पाँच वर्षों में आलू, प्याज और टमाटर का औसत उत्पादन क्रमशः 38.15 लाख मीट्रिक टन, 50.04 लाख मीट्रिक टन और 31.50 लाख मीट्रिक टन है।
- वर्ष 2022-23 में सब्जियों का कुल क्षेत्रफल 11.68 लाख हेक्टेयर था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 12.19 लाख हेक्टेयर हो गया।
- वर्ष 2022-23 में कुल सब्जियों का उत्पादन 236.61 लाख मीट्रिक टन था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 242.62 लाख मीट्रिक टन हो गया।

☞ **प्रमुख सब्जियों का उत्पादन (लाख मीट्रिक टन में)**

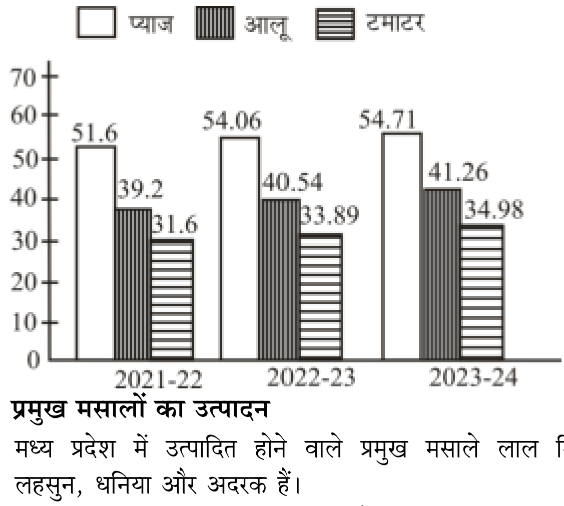

❒ प्रमुख मसालों का उत्पादन

- मध्य प्रदेश में उत्पादित होने वाले प्रमुख मसाले लाल मिर्च लहसुन, धनिया और अदरक हैं।
- पिछले पांच वर्षों में लाल मिर्च का औसत उत्पादन 2.76 लाख मीट्रिक टन, अदरक का 5.15 लाख मीट्रिक टन और लहसुन 20.23 लाख मीट्रिक टन हुआ।
- मध्य प्रदेश में वर्ष 2022-23 में मसालों का कुल क्षेत्रफल 8.71 लाख हेक्टेयर था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 8.75 लाख हेक्टेयर हो गया।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

■ वर्ष 2022-23 में मसालों का कुल उत्पादन 52.62 लाख मीट्रिक टन था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 53.59 लाख मीट्रिक टन हो गया।

☞ **प्रमुख मसालों का उत्पादन (लाख मीट्रिक टन में)**

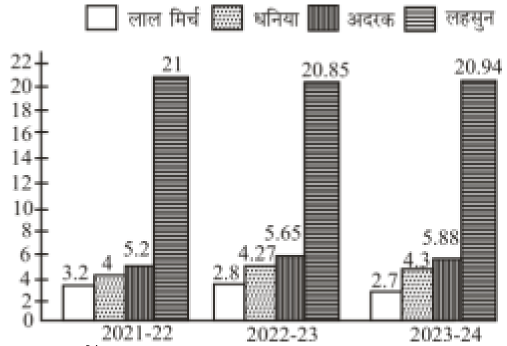

❐ प्रमुख फलों का उत्पादन

■ मध्य प्रदेश में उत्पादित होने वाले प्रमुख फल, आम, केला और नारंगी हैं।

■ मध्य प्रदेश में पिछले पांच वर्षों का आम का औसत उत्पादन 8.39 लाख मीट्रिक टन, केले का 21.69 लाख मीट्रिक टन और नारंगी का 21.96 लाख मीट्रिक टन था।

■ मध्य प्रदेश में वर्ष 2022-23 में फलों का कृषि क्षेत्रफल 4.50 लाख हेक्टेयर था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 4.53 लाख हेक्टेयर हो गया।

■ वर्ष 2022-23 में फलों का कुल उत्पादन 95.10 लाख मीट्रिक टन था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 95.54 लाख मीट्रिक टन हो गया।

☞ **प्रमुख फलों का उत्पादन (लाख मीट्रिक टन में)**

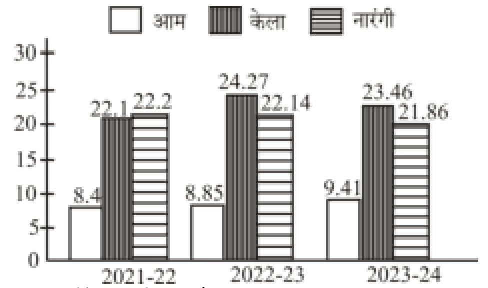

❐ प्रमुख फूलों का क्षेत्र और उत्पादन

■ गेंदा क्षेत्रफल और उत्पादन में पिछले कुछ वर्षों के दौरान गुलाब उत्पादन को पीछे छोड़कर प्रथम स्थान पर बना हुआ है।

प्रमुख पुष्पों का क्षेत्र फल और उत्पादन

	2022-23		2023-24 प्रथम अनुमान	
पुष्प का नाम	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (टन)	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (टन)
गेंदा	22250.69	294868.40	22414.44	297388.82
गुलाब	4106.66	38064.41	4142.56	40429.54
सेवन्ती	1606.00	20840.03	1668.05	21465.44
रजनीगंधा	247.98	2693.04	251.38	2742.12
ग्लेडिओलस	993.42	8863.32	1023.47	9114.96
अन्य पुष्प	10288.77	86428.86	10646.53	88322.76
कुल	39493.52	451758.56	40186.43	459463.64

❐ प्रमुख औषधीय फसलें

■ प्रमुख औषधीय फसलों के उत्पादन में ईसबगोल का प्रथम, अश्वगंधा का द्वितीय तथा सफेद मूसली का तीसरा स्थान है।

प्रमुख औषधीय फसलों का क्षेत्रफल और उत्पादन

	2022-23		2023-24 प्रथम अनुमान	
औषधि का नाम	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (टन)	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (टन)
ईसबगोल	13010.00	14440.83	12993.00	14415.33
अश्वगंधा	6368.17	8835.96	6205.16	8935.14
सफेद मूसली	1890.43	6525.27	1854.27	6463.81
कोलियस	858.43	3720.65	953.94	4047.09
अन्य	22780.21	84660.20	22904.15	85655.42
कुल	44907.24	118182.91	44910.52	119516.79

❐ मौसम आधारित प्रमुख फसलें

■ **रबी फसलें-** गेहूँ, जौ, चना, मटर, सरसों, मसूर तथा आलू इत्यादि।

■ **खरीफ फसलें-** धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, कपास, सोयाबीन तथा मूंगफली इत्यादि।

■ **जायद फसलें-** खरबूज, तरबूज, ककड़ी तथा पत्तेदार सब्जियां इत्यादि।

प्रमुख फसल उत्पादक जिले

फसल	प्रमुख उत्पादक जिले
गेहूँ	होशंगाबाद, विदिशा, सतना, सागर, रीवा
चना	विदिशा, नरसिंहपुर, रायसेन, गुना, होशंगाबाद
आलू	इंदौर, छिंदवाड़ा, शाजापुर, देवास, मुरैना
प्याज	खंडवा, शाजापुर, रतलाम, छिंदवाड़ा
चावल	बालाघाट, मंडला, शहडोल, बैतूल, रीवा, सीधी
ज्वार	खरगौन, बडवानी, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन
बाजरा	भिंड, मुरैना, शिवपुर, ग्वालियर
मक्का	छिंदवाड़ा, झबुआ, खरगौन, बडवानी
तुअर	सीधी, छिंदवाड़ा, बैतूल, रायसेन
सोयाबीन	उज्जैन, शाजापुर, रायगढ़, देवास, धार, हरदा
मूंगफली	खरगौन, खंडवा, बडवानी
कपास	खरगौन, खंडवा, बड़वानी, बुरहानपुर
गांजा	खंडवा
अफीम	मंदसौर, नीमच
तिल	सीधी, छतरपुर, टीकमगढ़, शहडोल

मध्य प्रदेश के प्रमुख कृषि संस्थान तथा उनके मुख्यालय/केंद्र

प्रमुख संस्थान	केंद्र/मुख्यालय
केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान	भोपाल
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोइल साइंस	भोपाल
राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केंद्र, 1983	इंदौर
मध्य प्रदेश अनुसंधान केंद्र	उज्जैन
भारत की प्रथम जैविक खेती इकाई	इंदौर

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

जैव विविधता बोर्ड	भोपाल
मध्य प्रदेश आलू अनुसंधान केंद्र	ग्वालियर
मध्य प्रदेश कपास अनुसंधान केंद्र	खरगौन
मध्य प्रदेश मूंगफली अनुसंधान केंद्र	खरगौन
मध्य प्रदेश गेहूँ अनुसंधान केंद्र	पवारखेडा (होशंगाबाद)
मध्य प्रदेश धान अनुसंधान केंद्र	बडवानी
मध्य प्रदेश दलहन अनुसंधान केंद्र	अमलाहा (सीहोर)
गन्ना अनुसंधान केंद्र	बोहानी, नरसिंहपुर
राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र	रतलाम
कृषि का अन्तर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर	सीहोर
राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान अनुसंधान केंद्र	जबलपुर
मसाला पार्क	गुना
मध्य प्रदेश का प्रथम तितली पार्क	रायसेन
मध्य प्रदेश का दूसरा तितली पार्क	इंदौर
मध्य प्रदेश का पहला बांस पार्क	नवलखा (इंदौर)
मध्य प्रदेश का पहला मसाला पार्क	छिंदवाड़ा
मध्य प्रदेश का रंगीन मछली पार्क	खंडवा

मध्य प्रदेश की प्रमुख कृषि योजनाएं

❒ मध्य प्रदेश कृषि विपणन बोर्ड

- मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड की स्थापना 1973 ई. में की गई थी। इसका मुख्यालय भोपाल में स्थित है।
- इसका उद्देश्य कृषि उत्पादों के विपणन के लिए आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।
- वर्तमान में मध्य प्रदेश में कृषि विपणन बोर्ड (मंडी बोर्ड) एक त्रिस्तरीय संस्था है।
- इसमें एक मुख्यालय (भोपाल), 7 क्षेत्रीय कार्यालय (भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर और रींवा), 13 तकनीकी डिवीजन, 259 मंडिया तथा 298 उप मंडियां हैं।
- मध्य प्रदेश के राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने जून, 2021 में सौदा **पत्रक ऐप** की शुरूआत की। जो पंजीकृत मंडी व्यापरियों को एम.एस.पी. पर किसानों के घर से कृषि उपज खरीदने की अनुमति देता है।

❒ मध्य प्रदेश बीज एवं फार्म विकास निगम

- मध्य प्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम की स्थापना 17 नवंबर, 1980 में की गई थी।
- इसका उद्देश्य कृषकों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराना है।
- मध्य प्रदेश बीज निगम के अन्तर्गत 7 क्षेत्रीय कार्यालय- भोपाल, उज्जैन, इंदौर, सागर, जबलपुर, सतना और ग्वालियर में स्थित हैं।

❒ अन्नपूर्णा सूरजधारा योजना

- अन्नपूर्णा सूरजधारा योजना मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कृषकों के कल्याण हेतु वर्ष 2000-01 में लागू की गई थी।
- अन्नपूर्णा योजना में खाद्यान फसलों के बीज उपलब्ध कराए जाते हैं।
- सूरजधारा योजना में दलहन एवं तिलहन फसलों के बीज उपलब्ध कराए जाते हैं।

❒ बीजग्राम योजना

- मध्य प्रदेश में बीजग्राम योजना भारत सरकार के सहयोग से वर्ष 2005-06 में शुरू की गई थी।
- बीजग्राम योजना का उद्देश्य कृषकों को गुणवत्तापूर्ण बीजोत्पादन हेतु प्रशिक्षण एवं बीज भंडारण हेतु आधारभूत संरचना प्रदान करना है।
- इस योजना के तहत बीज बोने के समय, फूल आने के समय तथा कटाई के समय कृषकों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

❒ जैविक खेती हेतु प्रोत्साहन योजना

- जैविक खेती प्रोत्साहन योजना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2011 में शुरू की गई थी।
- इस योजना में वर्मी कंपोस्ट निर्माण, कृषक प्रशिक्षण फार्म फील्ड स्कूल, कार्यशाला आदि के प्रसार का प्रावधान किया गया है।

मध्य प्रदेश की नई कृषि योजनाएँ

❒ माँग आधारित कृषि विविधीकरण योजना

- माँग आधारित कृषि विविधीकरण योजना मध्य प्रदेश में वर्ष 2022-23 में प्रारंभ की गई थी।
- दलहन, तिलहन, उद्यानिकी, औषधीय और अन्य माँग आधारित बाजार फसलें इस योजना के अन्तर्गत आती हैं।
- इस योजना के तहत विभिन्न संस्थाओं द्वारा 18,625 हेक्टेयर क्षेत्र स्वीकृत किया गया है। तथा इसके लिए 274.90 करोड़ रूपये फंड की व्यवस्था की गई है।

❒ मध्य प्रदेश मिलेट मिशन

- मध्य प्रदेश राज्य मिलेट मिशन योजना वर्ष 2023-24 मे प्रारंभ की गई थी।
- इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश में कोदो-कुटकी, रागी तथा ज्वार के क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि करना तथा ब्रांड वैल्यू स्थापित करना है।
- वर्ष 2023-24 में मध्य प्रदेश के बजट में मिलेट मिशन के लिए 11 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। जिससे लगभग 62,290 कृषकों को लाभ मिला है।

❒ रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना

- रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना वर्ष 2023-24 से वर्ष 2025-26 के लिए मंत्रीपरिषद द्वारा स्वीकार की गई है। इस योजना की कुल लागत 10.97 करोड़ रूपये है।
- इसके लिए मिलेट फेडरेशन का पंजीयन 'श्री अन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' के नाम से किया गया है।

❒ एक जिला एक उत्पाद की संचालन योजना

- एक जिला एक उत्पाद की संचालन योजना का उद्देश्य जिला स्तर पर उत्पाद का चयन कर उसे राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- इसके लिए औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन विभाग नोडल विभाग के रूप में कार्य करता है।
- एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत कृषि संबंधी 6 मुख्य उत्पाद कोदो-कुटकी, तुअर दाल, चना, बासमती चावल, चिन्नोर चावल, सरसों तथा आंवला शमिल हैं।
- इसके अंतर्गत 10 जिले- अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला, सिंगरौली, नरसिंहपुर, दामोह, रायसेन, बालाघाट, भिंड और मुरैना शामिल किए गए है।

❐ नलकूप खनन योजना

- नलकूप खनन योजना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित है।
- नलकूप खनन योजना के तहत वर्ष 2023-24 में लक्ष्य 954 के सापेक्ष 580 नलकूप खुदवाये गये थे।
- नलकूप खनन योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए 3.82 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये थे। जिसमें से 31 मार्च 2024 तक 2.32 करोड़ रूपये खर्च किये गये हैं।

पशुपालन

- पशुपालन कृषि का अभिन्न अंग है। इसका ग्रामीण अर्थव्यवस्था की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है।
- मध्य प्रदेश की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। जिनका मुख्य व्यवसाय कृषि और पशुपालन है।
- मध्य प्रदेश गोपालन एवं पशुधन संवंर्धन बोर्ड का गठन 19 अक्टूबर, 2004 को किया गया था।
- वर्तमान में पशुपालन एवं डेयरी विभाग का नाम परिवर्तित कर पशुपालन विभाग कर दिया गया है।
- 21वीं पशुगणना 2024 में आयोजित की जायेगी।
- 20 वीं पशु गणना 2019 के अनुसार मध्य प्रदेश में पशुओं की कुल संख्या 40.06 मिलियन है।
- मध्य प्रदेश में पशुधन संख्या में 11.81% परिवर्तन आया है।
- मध्य प्रदेश में पशुओं का घनत्व 105 पशु प्रतिवर्ग किमी है।
- सबसे अधिक पशु घनत्व झबुआ (203) तथा सबसे कम पशु घनत्व नर्मदापुरम (45) जिले में है।

❐ गोवंश

- गायों की दृष्टि से मध्य प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है।
- मध्य प्रदेश में गोवंशीय पशुओं की संख्या लगभग 18.7 मिलियन है।
- मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में गाय की अनेक देशी नस्लें पायी जाती हैं।
- **निमाड़ी गाय-** निमाड़ क्षेत्र के खण्डवा तथा खरगौन जिलों में पायी जाती है। यह मध्य प्रदेश की सर्वाधिक दूध देने वाली गाय है। इसे **निमाड़ की रानी** काहा जाता है।
- **मालवी गाय-** मालवा क्षेत्र के शाजापुर, राजगढ़ तथा मंदसौर जिले में पाई जाती है। इसे **मालवा की रानी** कहा जाता है।
- **गावलाब गाय-** सतपुड़ा क्षेत्र के सिवनी तथा छिन्दवाड़ा जिले में पाई जाती है। इसे गोवंश की सर्वोत्तम नस्ल माना जाता है।
- मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय गोवंशीय पशु प्रजनन परियोजना 1999 से संचालित की जा रही है।
- मध्य प्रदेश में 7 पशु प्रजनन केंद्र हैं। इन केंद्रो पर साहीवाल, हरियाणा, मालवी, निमाड़ी तथा जर्सी आदि उन्नत नस्ल के सांड रखे जाते हैं।
- **गौ एंबुलेंस सेवा** खरगौन जिले में प्रारंभ की गई है।
- राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र की स्थापना इटारसी के कीरतपुर में की गई है।

❐ भैंस

- मध्य प्रदेश भैंसों में की कुल संख्या 10.3 मिलियन है। जो कुल पशुधन का 21% है।
- भैंसों की संख्या की दृष्टि से मध्य प्रदेश का देश मे चौथा स्थान है।
- मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध देशी नस्ल बंधवारी है। इस नस्ल की भैंसे मुख्य रूप से ग्वालियर, भिण्ड तथा मुरैना जिलों में पाई जाती है।

❐ बकरी

- मध्य प्रदेश में बकरियों की कुल संख्या 11.6 मिलियन है।
- मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध देशी बकरी प्रजाति जमुनापारी है। यह भिंड जिले में पाई जाती है। इसकी दुग्ध उत्पादन क्षमता 2.25 लीटर से 2.7 लीटर है।
- मध्य प्रदेश में बकरी प्रजनन एवं शोध केंद्र इंदौर जिले में स्थित है। इस केंद्र की 7 क्षेत्रीय इकाइयाँ हैं।

❐ भेंड़

- मध्य प्रदेश के कुल पशुधन में भेंड़ों का योगदान 1.8 प्रतिशत है।
- मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध देशी भेड़ की नस्ल रम्बल है।
- मध्य प्रदेश में भेड़ प्रजनन केंद्रों की संख्या 4 है।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में पशुधन एवं डेयरी विकास के लिए 1583.91 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

☞ **पशुपालन के लिए आवंटित बजट (करोड़ रूपये में)**

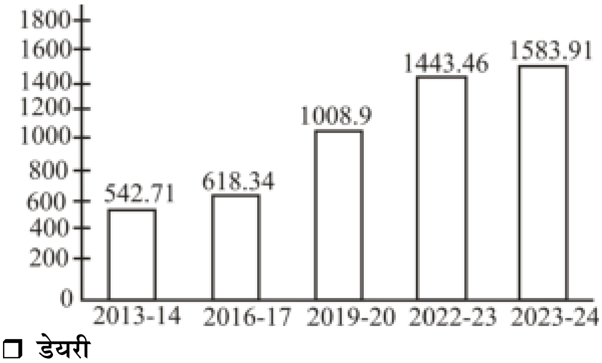

❐ डेयरी

- मध्य प्रदेश भारत का तीसरा सबसे बड़ा दूध उत्पादक राज्य है।
- मध्य प्रदेश में दूध उत्पादन में वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में 5.88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो 190.02 लाख टन से बढ़कर 201.22 लाख टन हो गया है।
- मध्य प्रदेश में वर्ष 2022-23 में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता लगभग **644 ग्राम प्रतिदिन** है।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- मध्य प्रदेश में दुग्ध के उत्पादन में भैंसों का कुल योगदान 48 प्रतिशत तथा देशी तथा नान देशी गायों का योगदान 36 प्रतिशत है।

❒ अंडा उत्पादन

- मध्य प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल अंडा उत्पादन लगभग 29065.13 लाख अंडे था जो बढ़कर वर्ष 2022-23 में 31850.38 लाख अंडे हो गया।
- मध्य प्रदेश में अंडा उत्पादन में वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में 9.48 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- मध्य प्रदेश में वर्ष 2022-23 में प्रतिव्यक्ति प्रतिवर्ष लगभग 37 अंडे उपलब्ध हैं।

☞ **अंडा उत्पादन (लाख nos)**

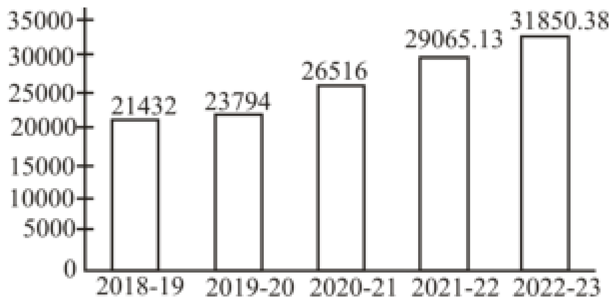

❒ मांस उत्पादन

- मध्य प्रदेश में कुल मांस उत्पादन में वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में 9.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो वर्ष 2021-22 के 126.92 हजार टन से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 138.95 हजार टन हो गया है।
- मध्य प्रदेश में वर्ष 2022-23 में मांस की प्रतिव्यक्ति उपलब्धता 1.62 किग्रा प्रतिवर्ष है।
- मध्य प्रदेश में मांस उत्पादन में मुर्गीपालन का सर्वाधिक योगदान लगभग 41 प्रतिशत तथा बकरी पालन का योगदान लगभग 29 प्रतिशत है।

☞ **मध्य प्रदेश में दूध एवं माँस उत्पादन**

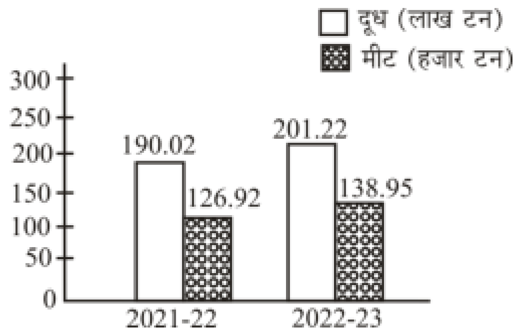

❒ पशुधन और कुक्कुट संस्थान-

- पशु आहार संयत्र, कीरतपुर - इटारसी
- डेयरी स्टेट - जबलपुर
- पोल्ट्री स्टेट - धार
- सीमन स्टेशन केंद्र, नैनेर - दतिया
- गोकुल ग्राम, रतौना - सागर
- केंद्रीय वीर्य संस्थान, भदभदा - भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर
- केंद्रीय वीर्य संग्रहालय तरल नाइट्रोजन संयत्र - भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रतौना/सागर
- पशु प्रजनन केंद्र, कीरतपुर - नर्मदापुरम
- बकरी पालन प्रशिक्षण केंद्र, कीरतपुर - नर्मदापुरम

❒ मत्स्य विकास

- मध्य प्रदेश में मत्स्य विभाग की स्थापन वर्ष 1969 में की गई थी।
- वर्ष 1999 में इसका नाम परिवर्तित करके मध्य प्रदेश मत्स्य महासंघ कर दिया गया।
- मध्य प्रदेश में राज्य मत्स्य बोर्ड की स्थापना वर्ष 2008 में की गई थी।
- मध्य प्रदेश में प्रथम मत्स्य पालन नीति की घोषणा वर्ष 2008 में की गई। इसका मुख्य उद्देश्य मत्स्य पालन को प्रोत्साहन देना था।
- मानव निर्मित झीलों में मध्य प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है।
- वर्तमान समय में जलीय कृषि, स्वरोजगार के लिए महत्वपूर्ण साधन हैं। कृषि, वानिकी और पशुपालन की तुलना में जलीय कृषि की वृद्धि दर सबसे अधिक है।
- वर्ष 2023-24 के अनुसार राज्य में 4.42 लाख हेक्टेयर जल क्षेत्र है। जिसमें से 4.40 लाख हेक्टेयर मछली पालन के लिए विकसित किया गया है। यह उपलब्ध कुल जल क्षेत्र का 99 प्रतिशत है।
- वर्ष 2022-23 में 21,000 लाख मानक फ्राई मछली बीज उत्पादन लक्ष्य की तुलना में 21,006.52 लाख मानक फ्राई मछली बीज का उत्पादन हुआ जो लक्ष्य का 100.03 प्रतिशत है।
- वर्ष 2023-24 में 22,500 लाख मानक फ्राई मछली बीज उत्पादन का लक्ष्य रखा गया था इसके विपरीत 21,486.30 लाख मानक फ्राई मछली बीज का उत्पादन हुआ, जो लक्ष्य का 95.49 प्रतिशत है।
- वर्ष 2022-23 में 3,40,036 टन मछली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया था, जबकि वास्तविक उत्पादन 3,41,767.27 टन हुआ, जो लक्ष्य का 100.51 प्रतिशत है।
- वर्ष 2023-24 में 3,90,000 टन मछली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया था जबकि वास्तविक उत्पादन 3,81,891.95 टन हुआ था जो लक्ष्य से कम 97.92 प्रतिशत है।
- इनमें से 52 समितियाँ केवल महिलाओं के लिए हैं, जिनमें 1,869 महिलाएँ हैं।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में 167 जल निकायों का 141 मछुआरा सहकारी समितियों (5694 सदस्य) और 47 जल निकायों को 47 मछुआरा समूहों (452 सदस्य) को आवंटित किया गया है।
- वर्ष 2022-23 में 4071 मछुआरों को तथा वर्ष 2023-24 में मार्च 2024 तक 2931 मछुआरों को प्रशिक्षित किया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 2.595 मछुआरा सहकारी समितियाँ थी। इनमें कुल सदस्यों की संख्या 95.417 थी।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

07.

मध्य प्रदेश : सिंचाई एवं बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ

सिंचाई एवं बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनायें

- मध्य प्रदेश एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, जिसमें सिंचाई एक महत्त्वपूर्ण अवयव है।
- मध्य प्रदेश का औसत सतही जलप्रवाह 81500 मिलियन घन मीटर है, इसमें से लगभग 56800 मिलियन घनमीटर जल मध्य प्रदेश को प्राप्त होता है, जो कुल उपलब्ध जल का 69.7% है।
- मध्य प्रदेश में औसत वार्षिक वर्षा 75 सेमी. से 125 सेमी. तक होती है।
- सिंचाई के अभाव में कुल कृषि योग्य भूमि का 28% ही सिंचित क्षेत्र है।
- राज्य में 34,159मिलियन घनमीटर भू–जल उपलब्ध है।

सिंचाई क्षमता -

- मध्य प्रदेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार, मार्च 2024 तक मध्य प्रदेश में 37.66 लाख हेक्टेयर क्षेत्र (खरीफ, रबी एवं अन्य) में वार्षिक सिंचाई की गई है।
- मार्च 2024 तक खरीफ में 2.98 लाख हेक्टेयर, रबी में 33.49 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में तथा 0.82 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन फसल में सिंचाई की गई।

विकसित सिंचाई क्षमता लाख हेक्टेयर में

विवरण	वर्ष 2021-22	वर्ष 2022-23	वर्ष 2023-24
खरीफ सिंचाई	2.79	2.67	2.98
रबी सिंचाई	31.32	32.64	33.49
ग्रीष्मकालीन सिंचाई	0.89	0.87	0.82
कुल	35.00	36.18	37.29

सिंचाई के साधन -

- मध्य प्रदेश में सिंचाई के प्रमुख साधन कुआँ/नलकूप नहर और तालाब हैं। जिनमें कुओं/नलकूपों का सर्वाधिक योगदान है।

कुआँ और नलकूप -

- कुआं सिंचाई के प्रमुख साधन हैं। मध्य प्रदेश में सिंचाई के साधनों में कुओं का प्रथम स्थान है।
- नलकूप सिंचाई के आधुनिक साधन हैं। भिंड, मुरैना, दतिया, छतरपुर तथा टीकमगढ़ में इसी माध्यम से सिंचाई की जाती है।
- मालवा का पठार, बुंदेलखंड पठार तथा नर्मदा घाटी में इस माध्यम से प्रमुख रूप से सिंचाई की जाती है।

नहर एवं तालाब -

- नहरें भी सिंचाई की आधुनिक साधन हैं। कुओं और नलकूपों के बाद नहरों के द्वारा ही सिंचाई की जाती है।
- मध्य प्रदेश की भौतिक संरचना नहरों तथा तालाबों के लिए अनुकूल है।

अन्य साधन -

- मध्य प्रदेश में सिंचाई के अन्य स्रोतों के तहत नदी, नालों तथा पोखरों द्वारा सिंचाई की जाती है।
- सिंचाई परियोजनाओं को सिंचाई के क्षेत्रफल के आधार पर मुख्यतः वृहद, मध्यम और लघु सिंचाई परियोजनाओं में विभक्त किया जाता है। इसका विवरण निम्नवत् है-

भारत में सिंचाई परियोजनाएँ

परियोजना का प्रकार	कृषि योग्य क्षेत्र	वर्ग
वृहद सिंचाई परियोजना	10,000 हेक्टेयर से अधिक	नहर एवं बहुउद्देशीय परियोजना
मध्यम सिंचाई परियोजना	2,000 - 10,000 हेक्टेयर के मध्य	छोटी नहरें
लघु सिंचाई परियोजना	2000 हेक्टेयर से कम	तालाब, कुएँ नलकूप और ड्रिप सिंचाई

- मध्य प्रदेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार, मध्य प्रदेश में वर्तमान में 42 वृहद् , 61 मध्यम तथा 381 लघु सिंचाई योजनाएँ निर्माणाधीन हैं।
- मार्च 2024 तक लगभग 41.10 लाख हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है। मध्य प्रदेश सरकार का वर्ष 2027 तक 53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।
- वर्तमान में 25 वृहद सिंचाई परियोजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं जिनका सिंचित क्षेत्र 14.34 लाख हेक्टेयर है।
- मार्च 2024 तक 42 वृहद सिंचाई परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं जिनकी सिंचित क्षमता 36.98 लाख हेक्टेयर है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- 14 वृहद सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है जिनकी क्षमता 3.56 लाख हेक्टेयर है।
- प्रदेश में 113 मध्यम सिंचाई परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं। 61 मध्यम सिंचाई परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।
- मध्य प्रदेश में मार्च 2024 तक 5,692 लघु सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं। 381 लघु सिंचाई परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। 108 लघु सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है।

कमाण्ड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन (CADWM) -

- मध्य प्रदेश में वृहद तथा मध्यम सिंचाई परियोजनाओं का विकास एवं उपयोग कर कृषि उत्पादन में वृद्धि करने के उद्देश्य से कमाण्ड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन प्रोग्राम संचालित किया जा रहा है।
- वर्तमान में 23 वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से कुल कमाण्ड क्षेत्र 1,037.77 हेक्टेयर लक्षित है।
- कमाण्ड क्षेत्र के अंतर्गत 31 मार्च, 2023 तक कुल 719.61 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र का विकास किया गया है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना - वाटरशेड विकास

- भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित (60:40) वाटरशेड विकास परियोजना मध्य प्रदेश में जनवरी, 2022 में प्रारंभ की गई थी।
- वर्तमान में 31 मार्च, 2024 तक इस योजना के अंतर्गत 36 जिलों में कुल 5.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत 85 परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

प्रमुख बहुउद्देशीय परियोजनाएं -

- एक से अधिक उद्देश्यों को लेकर बनाई गई नदी घाटी परियोजनाओं को बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना कहा जाता है।
- इन परियोजनाओं के अन्तर्गत बड़ी-बड़ी नदियों पर बड़े-बड़े बांध बनाये जाते हैं। जिनसे सिंचाई, पेयजल, जल विद्युत, वन संरक्षण, मत्स्य पालन और पर्यटन का विकास किया जाता है।
- इन बहुउद्देशीय उपयोगों के कारण नदी घाटी परियोजनाओं को जवाहर लाल नेहरू ने 'आधुनिक भारत के मंदिर' कहा था।

चंबल घाटी परियोजना -

- चंबल घाटी परियोजना मध्य प्रदेश की पहली बहुउद्देशीय परियोजना है। यह चंबल नदी पर स्थित है। इसकी शुरुआत 1953-54 में की गई थी।
- यह मध्य प्रदेश और राजस्थान की संयुक्त परियोजना है। जो दोनों राज्यों को सिंचाई एवं पेयजल उपलब्ध कराती है।
- चंबल घाटी परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में गांधी सागर तथा राजस्थान में राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़) एवं जवाहर सागर बांध (कोटा) बनाए गए हैं।
- मध्य प्रदेश को गांधी सागर बांध से 115 MW, राणा प्रताप सागर बांध से 172 MW तथा जवाहर सागर बांध से 99 MW जल विद्युत प्राप्त होती है।
- चंबल नहर मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में प्रवेश करती है। इसके द्वारा, ग्वालियर, भिंड, मुरैना तथा श्योपुर जिले में सिंचाई की जाती है।

नर्मदा घाटी परियोजना -

- नर्मदा घाटी परियोजना मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात की एक संयुक्त परियोजना है।
- इस परियोजना के अन्तर्गत कई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इस पर 1 अगस्त, 2000 को नर्मदा हाइड्रोइलेक्ट्रिक डेवलपमेंट कार्पोरेशन की स्थापना की गई है।

सरदार सरोवर परियोजना -

- सरदार सरोवर बांध परियोजना की आधारशिला 5 अप्रैल, 1961 को जवाहर लाल नेहरू ने रखी थी। इस बांध का निर्माण कार्य 17 सितंबर, 2017 को पूरा हुआ था।
- यह भारत का दूसरा सबसे ऊँचा (138.6 मीटर) बांध है। इस परियोजना से 1450 मेगावाट विद्युत का उत्पादन होगा तथा 18.45 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई होगी।

रानी अवन्ती सागर/बरगी परियोजना -

- रानी अवन्तीबाई सागर परियोजना नर्मदा नदी पर स्थित मध्य प्रदेश की एक बहुउद्देश्यीय परियोजना है।
- इस परियोजना की शुरुआत वर्ष 1971 में की गई थी। इस योजना से 90 मेगावाट जल विद्युत का उत्पादन होता है।
- इस परियोजना से जबलपुर और नरसिंहपुर जिले लाभान्वित होते हैं।

इंदिरा सागर परियोजना -

- इंदिरा सागर परियोजना नर्मदा नदी पर स्थित मध्य प्रदेश की बहुउद्देश्यीय परियोजना है। यह खण्डवा जिले के पुनासा ग्राम में स्थित है।
- इंदिरा सागर परियोजना की आधारशिला इंदिरा गांधी ने 23 अक्टूबर, 1983 को रखी थी।
- इस परियोजना द्वारा 1000 मेगावाट जल विद्युत तथा 27 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जाती है।

ओंकारेश्वर परियोजना -

- ओंकारेश्वर परियोजना मध्य प्रदेश की एक बहुउद्देशीय परियोजना है। जो खंडवा जिले के मांधाता ग्राम में स्थित है।
- इस परियोजना से 520 मेगावाट जल विद्युत तथा 2.83 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई की जाती है।
- इस परियोजना से खण्डवा, खरगौन तथा धार जिले लाभांवित होते हैं।

महेश्वर बांध परियोजना -

- महेश्वर परियोजना नर्मदा घाटी परियोजना का एक महत्वपूर्ण भाग है। महेश्वर बांध, मध्य प्रदेश के खरगौन जिले में नर्मदा नदी पर स्थित है।
- इस बांध से 400 मेगावाट जल विद्युत का उत्पादन किया जाता है। इसका उद्देश्य पेयजल एवं सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना है।

तवा बांध परियोजना -

- तवा बांध परियोजना नर्मदा नदी की सहायक नदी तथा तवा नदी पर मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित है। इस परियोजना को वर्ष 1958 में शुरू किया गया था और 1978 में पूरा किया गया था।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- इस परियोजना से 1000 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन तथा 2.47 लाख हेक्टेयर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध की गई है।
- तवा बांध परियोजना से होशंगाबाद, सीहोर तथा हरदा जिलों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है।

जोबट बांध/चंद्रशेखर आजाद परियोजना -

- जोबट बांध परियोजना नर्मदा की सहायक हथिनी नदी पर मध्य प्रदेश के अलीराजपुर में स्थित है। इस परियोजना की स्थापना वर्ष 1985 में की गई थी।
- इस परियोजना से धार और अलीराजपुर जिले को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है।

बाण सागर परियोजना -

- बाण सागर परियोजना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा बिहार की संयुक्त परियोजना है। इसका निर्माण कार्य 1978 ई. में प्रारंभ हुआ जो 2006 में पूर्ण हुआ।
- यह परियोजना मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में सोन नदी पर स्थित है।
- इस परियोजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है।
- इस परियोजना से मध्य प्रदेश के शहडोल, सीधी, सतना, रीवा तथा कटनी को सिंचाई की सुविधा प्राप्त है।

माताटीला बांध परियोजना -

- माताटीला बांध परियोजना मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश की संयुक्त परियोजना है। यह उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में बेतवा नदी पर स्थित है।
- इस परियोजना से झांसी, जालौन, हमीरपुर और ग्वालियर जिले लाभान्वित होते हैं।

नदी जोड़ो परियोजना -

नर्मदा-क्षिप्रा लिंक परियोजना -

- नर्मदा-क्षिप्रा लिंक परियोजना की शुरुआत 29 नवंबर, 2012 को की गई थी। यह मध्य प्रदेश की प्रथम नदी जोड़ो परियोजना है।
- इस परियोजना के माध्यम से ओंकारेश्वर बांध (नर्मदा नदी) से पानी क्षिप्रा नदी में छोड़ा जाता है।
- इस परियोजना से देवास, उज्जैन, राजापुर और इंदौर जिलो में सिंचाई की जाती है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना -

- केन-बेतवा लिंक परियोजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की संयुक्त परियोजना है। इसके तहत केन और बेतवा नदी को जोड़ा गया है।
- इस परियोजना के अन्तर्गत 231 किमी लंबी नहर का निर्माण किया गया है। इस नहर के माध्यम से केन नदी पर निर्मित दौधन बांध को बेतवा नदी पर निर्मित बरुआ सागर जलाशय से जोड़ा गया है।
- इस परियोजना से 72 मेगावाट जल विद्युत का उत्पादन तथा 8.81 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है।

प्रमुख लघु सिंचाई परियोजनाएँ

- कोटेश्वर लघु सिंचाई प्रोजेक्ट – रतलाम
- छीताखुदरी मध्यम सिंचाई प्रोजेक्ट – जबलपुर
- भावसा मध्यम सिंचाई प्रोजेक्ट – बुरहानपुर
- कैथ मध्यम सिंचाई प्रोजेक्ट – सागर
- वर्धा सिंचाई परियोजना – बैतूल
- कान्याखेड़ी सिंचाई परियोजना – सीहोर
- निरगुढ़ सिंचाई परियोजना – बैतूल
- घोघरी सिंचाई परियोजना – बैतूल
- चम्बल सिंचाई परियोजना – श्योपुर
- झिन्ता सिंचाई परियोजना – श्योपुर
- आसन बैराज मध्यम सिंचाई परियोजना – मुरैना
- गढ़ा सिंचाई परियोजना – बैतूल
- सनकोटा सिंचाई परियोजना – सीहोर
- मोगराखेड़ा सिंचाई परियोजना – सीहोर
- मोहनपुरा वृहद् सिंचाई परियोजना – राजागढ़
- सुबासरा-शामगढ़ योजना – मंदसौर
- पारस डोर बांध प्रोजेक्ट – मुलताई
- घाट विरोली प्रोजेक्ट – बैतूल
- हिरन मध्य सिंचाई परियोजना - जबलपुर

मध्य प्रदेश की प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ

परियोजना का नाम	नदी	लाभान्वित जिला
नर्मदा घाटी परियोजना (सरदार सरोवर, इंदिरा सागर, महेश्वर, ओंकारेश्वर)	नर्मदा व उसकी सहायक नदियाँ	नर्मदा के उद्गम से समापन तक संपूर्ण जिले व गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान।
चंबल घाटी परियोजना	चंबल नदी	श्योरपुर, भिण्ड मुरैना, ग्वालियर, मंदसौर, नीमच
बाण सागर परियोजना	सोन नदी	रीवा, सीधी, शहडोल, सतना
तवा परियोजना	तवा नदी (नर्मदा की सहायक नदी)	होशंगाबाद जिला
बरगी परियोजना/ रानी अवंतीबाई सागर परियोजना	बरगी नदी	जबलपुर, कटनी, रीवा, सतना
पेंच परियोजना	पेंच नदी	बालाघाट, छिन्दवाड़ा
माताटीला बाँध परियोजना	बेतवा नदी	झांसी, जालौन, हमीरपुर, ग्वालियर
केन बेतवा लिंक परियोजना	केन बेतवा	छतरपुर, पन्ना
मान परियोजना	मान नदी	धार, झाबुआ
बाघ परियोजना	बाघ नदी	बड़वानी
नर्मदा-क्षिप्रा लिंक परियोजना	नर्मदा, क्षिप्रा	देवास, उज्जैन, शाजापुर, इंदौर

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

08.

मध्य प्रदेश : उद्योग

- वर्षा आधारित कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था को विकास के उच्च स्तर पर ले जाने के लिए औद्योगिकरण आवश्यक है। इससे अर्थव्यवस्था का विविधीकरण होता है।
  सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण घटक है। प्रदेश की जी.डी.पी. को बढ़ाने, पूँजी निवेश को आकर्षित करने एवं औद्योगिक उत्पादकता की वृद्धि में भी इस क्षेत्र का उल्लेखनीय महत्व है।
- प्रदेश में औद्योगिक विकास की दृष्टि से सर्वप्रथम बड़े उपक्रमों की स्थापना हुई। म.प्र. की प्रथम औद्योगिक नीति 1972 में घोषित की गई। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2004 में प्रदेश की उद्योग संवर्धन नीति घोषित की। जिसके स्थान पर नई उद्योग नीति 2010 लागू की गई। इसे संशोधित कर नवीन औद्योगिक संवर्द्धन नीति 2014 लागू की गई। प्रदेश के अधिकांश उद्योग खनिज, वन, सीमेण्ट तथा कृषि उत्पादों पर आधारित हैं।
- म. प्र. देश का ऐसा पहला राज्य है, जिसने ''जापान'' के सहयोग से ''ऑप्टिकल फाइवर'' का उत्पादन ''मण्डीदीप'' (भोपाल के पास) में दूरसंचार के उद्देश्य से प्रारम्भ किया।

प्रदेश का वृहत्तम उद्योग

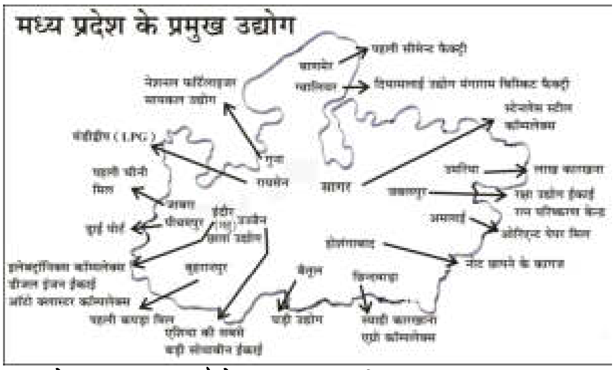

- प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक नगर – पीथमपुर (धार)
- भारत का डेट्राइट म.प्र. का पीथमपुर औद्योगिक केन्द्र कहा जाता है।

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम–2006 लागू है।
- द्वितीय पंचवर्षीय योजना ने उद्योगों को प्राथमिकता दी
  (i) भिलाई में लौह-इस्पात कारखाना
  (ii) भोपाल हैवी इलेक्ट्रिकल्स, (2013 में महारत्न कम्पनी का (GGF)
  (iii) भोपाल पॉवर अल्कोहल प्लांट
  (iv) रतलाम कॉटन सीड तथा सालवेन्ट एक्सट्रेक्ट प्लांट
  (v) उज्जैन कॉटन स्पिनिंग मिल
  (vi) सनावद और इंदौर एवं ग्वालियर इंडस्ट्रियल एक्टेट्स
- मध्य प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम की स्थापना वर्ष 1965 में की गई इसका मुख्यालय भोपाल में है।
- मध्य प्रदेश में दूर संचार के उद्देश्य से देश का पहला ऑप्टिकल फाइबर कारखाना जापान के सहयोग से मंडी द्वीप (रायसेन) में स्थापित किया गया।
- सन् 1934 में जावरा (रतलाम) मे प्रदेश की पहली चीनी मिल स्थापित की गई। प्रदेश के मुख्य चीनी कारखाने भोपाल शुगर मिल (सीहोर), डबरा शुगर मिल (ग्वालियर), जीवाजी शुगर कम्पनी (मंदसौर)
- बुरहानपुर में सन् 1906 में प्रदेश की पहली सूती वस्त्र कपड़ा मिल स्थापित की गई। इंदौर राज्य का सबसे बड़ा सूती वस्त्र उत्पादक केन्द्र है।
- म. प्र. राज्य का प्रथम तेल शोधन केन्द्र आगासौद में स्थापित किया गया। इसकी स्थापना ओमान के सहयोग से की गई।
- प्रदेश की राजधानी भोपाल में सन् 1960 में ब्रिटेन की सहायता से बिजली का भारी सामान बनाने का कारखाना लगाया गया था। इसे भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स के नाम से जाना जाता है।
- म. प्र. में पहला सीमेंट कारखाना ACC द्वारा वानमौर (मुरैना) में सन् 1922-23 में स्थापित किया गया था।
- नेशनल न्यूज प्रिंट एण्ड पेपर मिल की स्थापना सन् 1956 में खण्डवा जिले के नेपानगर में की गई थी।
- शहडोल जिले के अमलाई स्थान पर स्थापित ओरिएण्ट पेपर मिल निजी क्षेत्र का प्रमुख कागज उद्योग है।
- पूर्वी मध्य प्रदेश की खैरवार जनजाति द्वारा खैर वृक्ष से कत्था बनाने का कार्य किया जाता है। शिवपुरी और वानमौर में भी कत्था उत्पादक इकाइयाँ उत्पादन कर रही हैं।
- विध्य क्षेत्र में लाख उद्योग का केन्द्रीकरण है। कच्चे लाख से सीड लाख तथा शैलाख बनाने का एक शासकीय कारखाना उमरिया में है।
- चिप-बोर्ड एवं पार्टिकल बोर्ड बनाने का कारखाना इटारसी में तथा माचिस की डिब्बी बनाने का कारखाना ग्वालियर में स्थापित है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक केन्द्र को वाहन उद्योग के केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा। यहाँ पर स्कूटर, कार के इंजन, हल्के वाणिज्यिक वाहन आदि बनाये जाते हैं।
- जबलपुर में सेना के वाहन बनाने का एक कारखाना कार्यरत है। बैतूल एवं पीथमपुर में टायर और ट्यूब बनाने के कारखाने कार्यरत हैं।
- बेढ़न (सिंगरौली) को प्रदेश की ऊर्जा राजधानी कहा जाता है।
- नेशनल फर्टिलाइजर कारखानों का निर्माण इटली एवं अमेरिका के सहयोग से विजयनगर (गुना) में किया गया।
- एयर कार्गो कॉम्पलेक्स की स्थापाना इंदौर में की गई।

औद्योगिक कॉम्पलेक्स

- इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पलेक्स – इंदौर
- लैदर कॉम्पलेक्स – देवास
- एग्रो कॉम्पलेक्स – छिन्दवाड़ा
- स्टेनलेस स्टील कॉम्पलेक्स – सागर

मध्य-प्रदेश : राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग

क्र. सं.	नाम एवं स्थिति	वर्ष	उत्पादित वस्तुएं
1.	ग्वालियर लैदर फैक्ट्री, एण्ड टेनरी, ग्वालियर	1958	जूते, तम्बू, तिरपाल, चीनी बर्तन
2.	कलेण्डरिंग प्लांट– उज्जैन	1962	रंगाई, विरंजन तथा परिष्कृत
3.	टिम्बर ट्रीटमेंट प्लाण्ट, इंदौर	1962	इमारती लकड़ी
4.	रतलाम एल्कोहल प्लांट एवं कार्बन डाई-ऑक्साइड इण्डस्ट्रीज, एस्टेट, रतलाम	1963 -64	स्प्रिट, एल्कोहल तथा कार्बन डाई-ऑक्साइड
5.	छाता उद्योग, महू		छाता का निर्माण
6.	इंजीनियरिंग वर्क्स, इंदौर		ठोस कमानी
7.	देवास इलैक्ट्रीकल्स, देवाम		उष्मारोधी उपकरण
8.	कृषि उपकरण फैक्ट्री, खण्डवा		पम्प एवं पम्पिंग सेट
9.	मैंटल वर्क्स विदिशा		जी.आई.कंटीले तार, तार की कीलें
10.	साइकिल उद्योग, गुना		साइकिलें एवं उपसाधन

विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)

- भारत सरकार द्वारा निर्यात के प्रोत्साहन हेतु वर्ष 2000–2001 में घोषित आयात-निर्यात नीति में विशेष आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zone) स्थापित करने की योजना बनायी गई।

मध्य प्रदेश में कार्यरत विशेष आर्थिक क्षेत्र

क्र. सं.	SEZ का प्रकार	स्थल	सम्बन्धित क्षेत्र
1.	क्रिस्टल आईटी पार्क	इंदौर	आईटी संबंधित सेवाएं
2.	इंपेटस इंफोटेक इंडिया (प्रा.) लिमिटेड	ग्राम बदियाकिमा, इंदौर	आईटी / आईटीस
3.	इंफोसिस लिमिटेड	ग्राम टिगरिया बादशाह, इंदौर	आईटी
4.	टाटा कन्सल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड	ग्राम बादा बंगरदा एवं टिगरिया बादशाह, इंदौर	आई टी/ आईटीस/ बीपीओ/ केपीओ

क्र. सं.	SEZ का प्रकार	विकास कर्ता एजेंसी का नाम एवं पता	प्रस्तावित स्थल	वर्तमान स्थिति
1.	क्रिस्टल IT पार्क इंदौर	औद्योगिक केन्द्र विकास निगम इंदौर	जिला इंदौर	बोर्ड ऑफ एप्रूवल वाणिज्य मंत्रालय भारत सरकार से I.T.S.E.Z. हेतु अधिसूचित
2.	मल्टी प्रोडक्ट SEZ इंदौर	औद्योगिक केन्द्र विकास निगम इंदौर	जिला धार	कार्यरत है
3.	प्रोडक्ट स्पेसिफिक SEZ सीधी	मेसर्स हिण्डाल्को इंटर इण्डस्ट्रीज लि0 मुम्बई	सीधी	,, स्वीकृति प्राप्त
4.	मिनरल एवं मिनरल बेस्ट प्रोडक्ट्स	औद्योगिक केन्द्र विकास निगम जबलपुर	जबलपुर	,, स्वीकृति प्राप्त 2010 में कार्य पूर्ण
5.	हरगढ़ जिला जबलपुर में हिरन नदी पर आधारित 7.5 MLD जल प्रदाय योजना	,,	,,	,, दिसम्बर, 2013 में कार्य पूर्ण

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मध्य प्रदेश में उद्योगों के विकास हेतु निर्मित संस्थाएं

क्र. सं.	संस्थाएं	मुख्यालय	कार्य
1.	मध्य प्रदेश औद्योगिक, विकास निगम	भोपाल (1965)	बड़े तथा मध्यम श्रेणी के उद्योगों को वित्तीय तकनीकी मदद उपलब्ध कराना।
2.	म0प्र0 राज्य उद्योग, निगम	भोपाल (1969)	सहकारी एवं संयुक्त क्षेत्र के उद्योगों को मदद करना।
3.	म0प्र0 वित्त निगम	इंदौर	निजी एवं सहकारी क्षेत्र के उद्योगों को वित्तीय मदद देना
4.	म0प्र0 लघु उद्योग निगम	भोपाल (1961)	उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराना तथा उनके कच्चे माल को बाज़ार में खपाना
5.	म0प्र0 खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड	भोपाल	खादी उद्योग को बढ़ावा देना
6.	मध्य प्रदेश वस्त्र उद्योग निगम	इंदौर (1970)	मुख्य कार्य शासन के अधीन सूती वस्त्र मील का संचालन करना है।
7.	मध्य प्रदेश निर्यात निगम	भोपाल (1977)	छोटे स्तर के उद्योगों के उत्पादन के निर्यात की व्यवस्था करना

- वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश के दतिया जिले में ''माँ पीताम्बरा'' चीनी मिल की स्थापना की गई है।
- रेशम उद्योग भारत में कुटीर उद्योग के अन्तर्गत आता है। राज्य में मण्डला जिला प्रमुख रेशम उत्पादक क्षेत्र है।
- पश्चिमी मालवा के नागदा में कृत्रिम रेशों या रेयान का सबसे बड़ा कारखाना स्थित है।
- मध्य प्रदेश में वनस्पति घी का सबसे बड़ा कारखाना **गंजबासौदा** (विदिशा जिले) में स्थित है।
  ''इसी रेशम के उत्पादन एवं कारखानों के कारण सितनी को मध्य प्रदेश का लखनऊ कहा जाता है। **रेशम मण्डी पचमढ़ी** में स्थित है।
- सूती वस्त्र उद्योग का केन्द्र **इंदौर** को कहा जाता है। म0प्र0 की सर्वाधिक सूती मीलें इंदौर में स्थित हैं।
- इंदौर को वाणिज्यिक राजधानी एवं मिनी बॉम्बे आदि उपनामों से जाना जाता है।

प्रमुख सूती मीलें

मीलें	स्थापना वर्ष	जिला
• कल्याणमल	1934–35	इंदौर
• स्वदेशी	1928–29	इंदौर
• मालवा	1907–08	इंदौर
• हीरामल	1934–35	उज्जैन
• कॉटन सीड सॉल्वेंट एक्ट्रैक्शन प्लांट	1963–64	उज्जैन
• ताप्ती	1906–07	बुरहानपुर
• द न्यू टेक्सटाइल	1938–39	भोपाल

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

- कच्चे खाद्य पदार्थों को मानव या पशुओं के उपभोग के लिए अन्य रूपों में बदला जाता है।
- मध्य प्रदेश का प्रथम मेगा फूड पार्क **कसरावद** (खरगौन) में स्थापित किया गया है।
- निजी क्षेत्र का अवंती मेगा फूड पार्क देवास में स्थित है।
- इंडस मेगा फूड पार्क खरगौन में स्थित है।
- म.प्र. का प्रथम खाद्य प्रसंस्करण उद्योग बावई (होशंगाबाद) में स्थित है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

मालनपुर	–	भिण्ड
घिरोंगी (पिपरिया)	–	पिपरिया (होशंगाबाद)
मनेरी	–	मण्डला
जग्गाखेड़ी	–	मंदसौर
बोरेगाँव	–	छिन्दवाड़ा
निमरानी	–	खरगौन

कृषि आधारित अन्य उद्योग

•	जूट उद्योग	सतना, अमलाई (अनूपपुर)
•	चावल मिलें	इंदौर, भोपाल, जबलपुर एवं रीवां
•	दाल मिलें	इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं सागर
•	स्ट्रा बोर्ड मिलें	शाजापुर
•	ऑयल मिलें	मुरैना (सरसों तेल)

मध्य प्रदेश में कृषि आधारित संयंत्र

	उद्योग		सम्बन्धित क्षेत्र
•	पोषण आहार संयंत्र	–	धार
•	दानेदार मिश्रित खाद संयंत्र	–	होशंगाबाद
•	तेल एवं पशु आहार संयंत्र	–	मुरैना
•	फल सवर्द्धन इकाई	–	भोपाल
•	डेयरी फार्म	–	बावई (होशंगाबाद)
•	कीटनाशक संयंत्र	–	बीना
•	जीवाणु खाद्य संयंत्र	–	भोपाल

खनिज आधारित उद्योग

खनिज आधारित उद्योग वह उद्योग है जो कच्चे माल के लिए खनिजों पर आश्रित होते हैं। जैसे–रसायन, लौह-इस्पात तथा सीमेण्ट आदि।

सीमेण्ट-उद्योग

- मध्य प्रदेश का सीमेण्ट उत्पादन की दृष्टि से देश में **तीसरा** स्थान है। इसका मुख्य कारण मध्य प्रदेश में पाये जाने वाले **चूना पत्थर** के वृहद भण्डार हैं, जो कि सीमेण्ट का प्रमुख अवयव है। यह भण्डार मुख्यतः रीवां, जबलपुर, सतना तथा दमोह आदि जिलों में स्थित है। प्रदेश का प्रथम कारखाना वर्ष 1922 में बानमौर (मुरैना) में स्थापित किया गया।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

सीमेंट कारखाने	स्थापना वर्ष	स्थान/ जिला	क्षमता मी0 टन	स्वामित्व कम्पनी
कैमूर सीमेंट	1923	कटनी	8 लाख	एसोसिएटेड
सतना सीमेंट	1959	सतना	6 लाख	बिड़ला
नीमच सीमेंट	1980-81	नीमच	4 लाख	सी.सी.आई.
मैहर सीमेंट	1980-81	मैहर (सतना)	75 हजार	बिड़ला
अमझेरा सीमेंट	1980	धार	–	

खनिज आधारित अन्य उद्योग		
	उद्योग	स्थान
•	एस्वेस्ट्स सीमेंट की चादरें	कटनी
•	कॉस्टिक सोडा	रतलाम, शहडोल, खण्डवा
•	चूना	कटनी
•	पेंसिल एवं स्लेट	मंदसौर
•	मिट्‌टी के बर्तन	उज्जैन, ग्वालियर
•	गलन रोधी ईंटें	कटनी, रतलाम, जबलपुर
•	मार्बल	कटनी
•	ग्रेनाइट कटिंग एवं पॉलिश	छतरपुर, टीकमगढ़
•	फ्लैग स्टोन कटिंग एवं पॉलिश	शिवपुरी, ग्वालियर, कटनी एवं विदिशा

लघु एवं कुटीर उद्योग

- लघु एवं कुटीर उद्योगों के विकास के लिए मध्य प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम की स्थापना वर्ष 1981 में की गई। वर्ष 1999 में इसका नाम परिवर्तित करके मध्य प्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम कर दिया गया। वर्ष 2013 में पुनः इसका नाम परिवर्तित कर संत रविदास हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम कर दिया गया।
- संत रविदास हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा मृगनयनी नाम से 23 एम्पोरियम भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर, भिलाई, रीवां, उज्जैन, इत्यादि शहरों में स्थापित किये गये हैं। इनमें से 10 एम्पोरियम प्रदेश से बाहर स्थापित किये गये हैं।
- भोपाल, ग्वालियर एवं इंदौर में स्थायी हाट की स्थापना की गई है।
- ग्वालियर में कालीन पार्क की स्थापना प्रस्तावित है।
- वर्ष 1981 में मध्य प्रदेश चर्म विकास निगम की स्थापना की गई। चर्म शोधन उद्योग की स्थापना दमोह तथा नरसिंहपुर जिलों में की गई है।

महत्वपूर्ण उत्पाद केन्द्र

क्र.	समूह	जिला/स्थान
1.	हैण्डलूम क्लस्टर	वारासियोनि, चंदेरी, महेश्वर, सौंसर, राजगढ़, सीधी, रीवा, ग्वालियर ओर इंदौर
2.	लकड़ी पर नक्काशी क्लस्टर	होशंगाबाद, मण्डला, छिंदवाड़ा, शहडोल, रीवा और भोपाल
3.	बाँस क्लस्टर	भोपाल, छिंदवाड़ा, बालाघाट, खण्डवा और शहडोल
4.	बेलमेटल क्लस्टर	बैतूल, टीकमगढ़, दतिया, मण्डला
5.	जूट क्लस्टर	भोपाल, सिवनी, छिंदवाड़ा विदिशा, राजोगढ़, सारंगपुर, बैतूल, रायसेन
6.	हस्तमुद्रण क्लस्टर	बाग, उज्जैन, इंदौर, तारापुर, जोबट
7.	चमड़ा क्लस्टर	इंदौर, देवास, ग्वालियर
8.	प्रलाक्ष (लेप उत्पन्न करने वाले पदार्थ)	बूदनी, श्योपुरकालन, रीवा, पन्ना (चित्रकूट)
9.	जरी जरदोजी/ टेलरिंग एवं एंब्रोईडरी क्लस्टर	इंदौर, भोपाल, जबलपुर, सीहोर, विदिशा, होशंगाबाद
10.	थेवा शिल्प और सफेद आभूषण	मंदसौर और रतलाम
11.	सड़ांध लोहा	डिंडोरी (मंडला)
12.	पत्थर शिल्प	ग्वालियर, जबलपुर, सारंगपरु, शिवपुरी, टीकमगढ़
13.	मनका/कृत्रिम आभूषण क्लस्टर	जोबट, मंदसौर, नीमच, ग्वालियर
14.	हस्तनिर्मित कागज/ कागज मशीन	उज्जैन, छिंदवाड़ा, बड़वानी, ग्वालियर, टीकमगढ़
15.	टेर्राकोटा	होशंगाबाद, बैतूल, छतरपुर, मण्डला
16.	कालीन/दरी शिल्प	रायसेन, देवास, रीवा, सीधी, जोबट, विदिशा, ग्वालियर, जबलपुर, शहडोल, मण्डला
17.	विभिन्न शिल्प (सुपारी, गुड़िया बनाना)	झाबुआ, रीवा, सारंगपुर, मण्डला

रसायन उद्योग

- उर्वरक तथा कीटनाशक निर्माण संयंत्र की स्थापना रैसलपुर (होशंगाबाद) में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में की गई है।
- विजयनगर (गुना) गैस आधारित संयंत्र की स्थापना की गई जिसमें अमोनिया तथा यूरिया का उत्पादन होता है।
- वर्ष 2015 में जबलपुर व झाबुआ में उर्वरक कारखाने स्थापित किये गए हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

वाहन उद्योग

- वाहन उद्योग के मुख्य केन्द्र इंदौर तथा पीथमपुर (धार) हैं। जहाँ बजाज ऑटो इण्डस्ट्रीज, फोर्स मोटर्स, हिन्दुस्तान मोटर्स लिमिटेड तथा काइनेटिक इंजीनियरिंग के उद्योग स्थापित किये गये हैं।

	कारखानें	स्थान
•	वाहन के कल-पुर्जे बनाने का कारखाना	मुरैना
•	सैन्य वाहन निर्माण कारखाना	जबलपुर
•	टायर व ट्यूब बनाने के कारखाने	बैतूल, पीथमपुर

रेल उपकरण उद्योग

- रेल स्प्रिंग कारखाना — सिथौली ग्वालियर
- रेल कोच फैक्ट्री — निशातपुरा (भोपाल) (2008)
- विद्युत इंजन कारखाना — भोपाल
- डीजल इंजन कारखाना — विदिशा, इंदौर
- प्रथम डीजल लोकोमोटिव संयंत्र (2012) — शेरपुर (सीहोर)

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग की स्थापना 5 अप्रैल, 2016 को की गयी। जिसका उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ रोजगार के अवसरों का सृजन करना है।
  मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकास नीति–2017 जारी की गई थी। जिसे 1 अप्रैल 2018 से लागू कर दिया गया है।

⇒ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग में दो निगम एवं एक प्राधिकरण शामिल हैं जो निम्न हैं

- मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम
- राज्य वस्त्र निगम
- ग्वालियर व्यापार मेला

संयुक्त क्षेत्र के उद्योग

- मध्य प्रदेश लैम्प्स लिमिटेड – विदिशा
- मध्य प्रदेश इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड – भोपाल
- मध्य प्रदेश विद्युत यंत्र लिमिटेड – जबलपुर

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्योग

वित्त मंत्रालय	खनन मंत्रालय	रेल मंत्रालय	रक्षा मंत्रालय
करेंसी प्रिंटिंग प्रेस (देवास)	ग्रे आयरन प्रोजेक्ट जबलपुर	रेल कोच कारखाना (भोपाल)	गवर्नमेंट ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया जबलपुर (1943)
सिक्योरिटी पेपर मिल्स 1967-68 (हौशंगाबाद)	नार्दर्न कोल फील्ड्स सीधी-सिंगरौली	रेलवे इंजन कारखाना (विदिशा)	हैवी व्हीकल फैक्ट्री (जबलपुर, 1955)
एल्कलायड कारखाना 1975 नीमच			गन कैरिज फैक्ट्री (जबलपुर)

केन्द्र सरकार के अन्य सार्वजनिक उपक्रम

	संस्थान	स्थापना वर्ष	स्थान
•	ऑर्डिनेंस फैक्ट्री	1942	कटनी
•	ऑर्डिनेंस फैक्ट्री	1969	इटारसी
•	आधुनिक हथियार फैक्ट्री (इजरायल के सहयोग से)	2017-18	मालनपुर (भिण्ड)
•	वाहन निर्माण कम्पनी	1969	जबलपुर
•	भारत संचार निगम लिमिटेड	1968	जबलपुर

ऑटो टेस्टिंग ट्रैक

- 29 जनवरी, 2018 को भारत सरकार के वृहद उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय द्वारा धार जिले के पीथमपुर में एशिया की सबसे बड़ी ऑटोमोटिव परियोजना प्रारम्भ की जा रही है।
- 2 अगस्त 2018 को मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के कड़कनाथ मुर्गा (विशिष्ट जंगली मुर्गा) को GI टैग प्रदान किया गया।

मध्य प्रदेश के भौगोलिक संकेतकों की सूची

1. धातु शिल्प	दतिया, टीकमगढ़
2. चमड़े के खिलौने	इंदौर
4. महेश्वरी साड़ी	महेश्वर (खरगौन)
5. वाद्य प्रिंट (प्राकृतिक रंगों से कपड़ों पर छपाई)	धार
6. चंदेरी साड़ी	चंदेरी (अशोक नगर)
7. कड़कनाथ मुर्गा	झाबुआ
8. कालीन	ग्वालियर
9. बाटिक प्रिंट	उज्जैन
10. भेड़ाघाट का स्टोन क्राफ्ट	जबलपुर
11. वारासिवनी का साड़ी	बालाघाट
12. सुंदरजा आम	रीवा

राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र

स्थान	सम्बन्धित उद्योग
इंदौर	फार्मास्युटिकल, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, आई.टी.
भोपाल	अभियांत्रिकी, वस्त्र, बायोटेक, हर्बल, खाद्य प्रसंस्करण
सागर	खनिज, पत्थर, स्टेनलेस स्टील
ग्वालियर	इलेक्ट्रॉनिक्स, आई.टी. अभियांत्रिकी, माचिस उद्योग
जबलपुर	वस्त्र, खनिज, पत्थर आदि।
रीवां	खनिज, सीमेण्ट आदि।

मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न क्षेत्र

जिले	उद्योग
• इंदौर	चमड़े के खिलौने
• महू (इंदौर)	छाता (राज्य का एक मात्र)
• चंदेरी, महेश्वर	साड़ियों के लिए प्रसिद्ध
• पीथमपुर	मध्य प्रदेश का शुष्क बंदरगाह
• देवास	इंसुलिन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

● जबलपुर	जिलेटिन
● इंदौर	सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी
● ग्वालियर व कटनी	स्टोन पार्क
● इंदौर	आणविक अनुसंधान केन्द्र
● इटारसी	चिप गाँव पार्टिकल बोर्ड
● होशंगाबाद	कोका कोला (2011), धातु मूर्ति
● वैतूल	घड़ी
● ग्वालियर	दियासलाई
● बुधनी (सीहोर)	रेलवे स्लीपर के डिब्बे
● भोपाल	जरी, कढ़ाई
● खरगौन	नीम से खली बनाने का संयंत्र
● इंदौर	विश्व में तीसरा तथा एशिया का प्रथम लेजर अनुसंधान केन्द्र
● इंदौर	राज्य की प्रथम औद्योगिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला
● पीथमपुर	राज्य में प्रथम निर्यात केन्द्र
● भोपाल	व्यापार केन्द्र की स्थापना (देश का चौथा)
● भोपाल	अनुसंधान एवं औद्योगिक स्टॉफ केन्द्र (जर्मनी के सहयोग से स्थापित)
● अलीराजपुर	मोतियों की माला
● इंदौर	हीरा परिष्करण का सबसे बड़ा केन्द्र (राज्य का)
● अनूपपुर (बीजापुर)	काष्ठ कला प्रशिक्षण केन्द्र
● जबलपुर	भारत का पहला रत्न शोधनशाला
● मनेरी मण्डला	गैस वॉटलिंग संयंत्र (2018)
● रीवां	पतंजलि औषधि
● मनेरी मण्डला	बायो फ्यूल संयंत्र

एक जिला, एक उत्पाद

जिला	उत्पाद
रीवा	हल्दी, सुपारी, हस्तकला
देवास	आलू
दतिया	गन्ना
भोपाल	जरी-जरदोजी और जूट
नीमच	धनिया, अश्वगंधा
उमरिया	महुआ के पेड़
गुना	धनिया
रायसेन	टमाटर
कटनी	टमाटर
आगर मालवा	संतरा
रायगढ़	संतरा
मुरैना	शहर उत्पादन एवं प्रसंस्करण गतिविधियाँ
सागर	कृषि उपकरण
छिंदवाडा	मक्का और आलू
नर्मदापुरम्	रेशम
अशोक नगर	चंदेरी साड़ी
शिवपुरी	बदरवास जैकेट
सिवनी	सुगंधित जीराशंकर चावल
झाबुआ	झाबुआ की गुड़िया
बालाघाट	चिन्नौर चावल और बांस
बैतूल	गुड़
रतलाम	रतलामी नमकीन
सिंगरौली	आम
मण्डला	कोदो-कुटकी
जबलपुर	मटर
धार	बाघ प्रिंट
सतना	फूल, कांसा
बुरहानपुर	केले
छतरपुर	वुडन फर्नीचर
इंदौर	इथूरम गेहूँ व शुगर फ्री आलू
पन्ना	आँवला
बड़वानी	अदरक
सांधी	दरी, कालीन
ग्वालियर	सेंड स्टोन टाइल्स
उज्जैन	पोहा
मंदसौर	लहसुन
दमोह	चना, दाल
भिंड	बाजरा
अपूनपुर	कोदो
खरगोन	जायकेदार मिर्च

महत्त्वपूर्ण तथ्यः-

- मध्य प्रदेश की प्रथम औद्योगिक नीति वर्ष 1972 में घोषित की गई थी।
- भारत का पहला रत्न परिष्कृत केन्द्र जबलपुर में स्थापित किया गया है।
- इंदौर में विश्व में तीसरा तथा एशिया में प्रथम लेजर किरण ऊर्जा अनुसंधान केन्द्र बनाया गया है।
- ओरिएंट पेपर मिल (अमलाई) अनूपपुर में स्थित है।
- धातु मूर्ति उद्योग होशंगाबाद में है तथा यहीं पर सिक्योरिटी पेपर मिल भी स्थित है।
- राष्ट्रीय बैंक नोट प्रेस, प्रदेश के देवास में स्थित है। इसकी स्थापना 1975 में की गई तथा यहाँ पर 5 या उससे बड़े नोटों की छपाई की जाती है।
- मध्य प्रदेश का एक मात्र छाता उद्योग महू में है।
- प्रदेश का एक मात्र डीजल इंजन कारखाना इंदौर में है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

09.

खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

- किसी भी देश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास में खनिजों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है।
- खनिज वे पदार्थ हैं, जो प्रकृति में विशिष्ट प्राकृतिक दशाओं में निर्मित होते हैं।
- खनिज संसाधनों की उपलब्धता की दृष्टि से मध्य प्रदेश का देश में पाँचवा स्थान है।
- भारतीय संविधान के अनुसार, खनिजों का विकास और खानों का विनिमय भारत सरकार द्वारा किया जाता है।
- मध्य प्रदेश राज्य खनिज विकास निगम की स्थापना जनवरी, 1962 में की गई थी।
- मध्य प्रदेश राज्य खनिज निगम का मुख्यालय भोपाल में स्थित है। इसके 16 क्षेत्रीय कार्यालय हैं।
- मध्य प्रदेश की प्रथम खनिज नीति 1995 में घोषित की गई थी।
- मध्य प्रदेश में मुख्य रूप से 8 प्रमुख खनिजों का उत्पादन किया जाता है। जिसमें हीरा, ताँबा, मैंग्नीज, चूना पत्थर, रॉक फॉस्फेट, कोयला, लौह अयस्क बॉक्साइड शामिल है।
- गौण खनिज अधिनियम, 1996 के तहत 31 गौण खनिजों का उत्पादन किया जाता है।
- वर्तमान में हीरे का उत्पादन केवल मध्य प्रदेश में होता है।
- भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में मध्य प्रदेश का खनिज उत्पादन की दृष्टि से देश में मैंग्नीज एवं ताम्र अयस्क में प्रथम, रॉक फॉस्फेट में द्वितीय, चूना पत्थर में तृतीय, कोयला में चतुर्थ तथा लौह अयस्क एवं बॉक्साइड के उत्पादन में छठा स्थान है।
- मध्य प्रदेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार, खनिज संसाधनों को विभक्त किया गया है।
- वर्तमान में मध्य प्रदेश में राज्य खनिज नीति 2010 लागू है। इसका अनुमोदन 7 सितम्बर, 2010 को किया गया है।

मध्य प्रदेश में प्रमुख खनिज

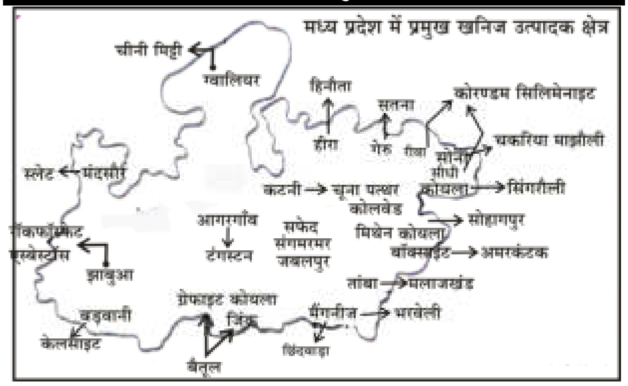

मैंगनीज

- मैंगनीज धारवाड़ क्रम की चट्टानों में ऑक्साइड के रूप में पाया जाता है।
- एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी मैंगनीज खदान मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के भरवेली में स्थित है।
- मैंगनीज का उपयोग मिश्रधातु बनाने, कीटनाशक शुष्क बैटरी, रासायनिक उद्योग और टाइल्स बनाने में किया जाता है।
- मध्य प्रदेश में मैंगनीज के प्रमुख उत्पादक जिले बालाघाट, छिंदवाड़ा, झबुआ और जबलपुर हैं।
- मैंगनीज उत्पादन में मध्य प्रदेश का भारत में प्रथम स्थान है।

ताँबा

- ताँबा धारवाड़ शैल समूह की सिस्ट एवं फाइलाइट शैलों में पाया जाता है।
- मध्य प्रदेश के बालाघाट के मलाजखण्ड से भारत के ताँबा उत्पादन का 53 प्रतिशत ताँबा उत्पादित किया जाता है। इसलिए मलाजखण्ड को ताँबा नगरी कहा जाता है।
- मलाजखण्ड की खदानों से ताँबे का उत्पादन हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा 1972 से किया जा रहा है।
- मध्य प्रदेश में ताँबे का भण्डार बालाघाट (मलाजखण्ड), छिंदवाड़ा (जंगलघेरी), बैतूल (घिसी), टोकमगढ़ (गोटेट), झबुआ, सीधी तथा कटनी में पाया जाता है।

रॉक फॉस्फेट

- रॉक फॉस्फेट का उपयोग फॉस्फेट उर्वरक बनाने में किया जाता है।
- भारत में रॉक फॉस्फेट के कुल भण्डारण में झारखण्ड का प्रथम, राजस्थान का द्वितीय तथा मध्य प्रदेश का तृतीय स्थान है।
- भारत में रॉक फॉस्फेट का अधिकतम उत्पादन राजस्थान तथा शेष भाग मध्य प्रदेश द्वारा किया जाता है।
- मध्य प्रदेश में रॉक फॉस्फेट के उत्पादन में छतरपुर, झबुआ तथा सागर जिले का प्रमुख स्थान है।

चूना पत्थर

- चूना पत्थर अवसादी शैलों में पाया जाता है। इसमें कैल्शियम कार्बोनेट की मात्रा सबसे अधिक होती है।
- चूना पत्थर का उपयोग लौह इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, कागज, रसायन तथा उद्योगों में किया जाता है।
- मध्य प्रदेश में चूना पत्थर का उत्पादन सतना, कटनी दमोह तथा रीवाँ जिले में प्रमुख रूप से किया जाता है।
- धार, जबलपुर तथा सीधी चूना पत्थर उत्पादन के अन्य जिले हैं।
- मध्य प्रदेश के कटनी जिले को चूना नगरी के नाम से जाना जाता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

डोलोमाइट

- चूना पत्थर में जब मैग्नीशियम कार्बोनेट की मात्रा 40 से 45 प्रतिशत होती है। तो इसे डोलोमाइट कहते हैं।
- डोलोमाइट का उपयोग इस्पात निर्माण, सीमेंट उद्योग, रबड़, उद्योग, रासायनिक उद्योग तथा उर्वरक उद्योग में किया जाता है।
- डोलोमाइट के भण्डारण में मध्य प्रदेश का भारत में प्रथम स्थान है।
- मध्य प्रदेश में डोलोमाइट का उत्पादन, झबुआ, अलीराजपुर, इंदौर, सीधी, ग्वालियर, सतना, छिंदवाड़ा, मंडला, कटनी तथा जबलपुर जिलों में किया जाता है।
- भिलाई एवं कटनी सीमेंट संयंत्र को डोलोमाइट की आपूर्ति झबुआ जिले से की जाती है।

■ कोयला

- कोयला एक जीवाश्मीय ईंधन है। इसकी संरचना में मुख्य रूप कार्बन और हाइड्रोजन पाए जाते हैं।
- कोयले की गुणवत्ता पर सबसे अधिक प्रभाव ताप एवं दाब पर पड़ता है।
- भारत में कोयले के 98 प्रतिशत भंडार गोडवाना काल की चट्टानों में तथा शेष टर्शियरी काल की चट्टान में पाए जाते हैं।
- मध्य प्रदेश के सिंगरौली, सीधी, शहडोल तथा उमरिया में कोयले के प्रमुख भंडार पाए जाते हैं।
- मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र शहडोल जिले के सोहागपुर में स्थित है।
- मध्य प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र सिंगरौली में स्थित है। यहाँ पर विश्व की कोयले की दूसरी सबसे मोटी (136 मीटर) परत पाई जाती है।
- कोरार कोयला क्षेत्र जोहिला नदी घाटी में उमरिया के निकट स्थित है।
- शाहपुर कोयला क्षेत्र तवा नदी घाटी में, बैतूल तथा नर्मदापुरम् जिले के मध्य में स्थित है।
- पेंच घाटी कोयला क्षेत्र होशंगाबाद तथा पेंच में स्थित है।
- कान्हन घाटी कोयला क्षेत्र नीमखेड़ा, जिनौरा, जमाई तथा घोरावादी में स्थित है।

■ लौह अयस्क

- मध्य प्रदेश में लौह अयस्क धारवाड़ क्रम की चट्टानों में पाया जाता है।
- लौह अंश की मात्रा के आधार पर लौह अयस्क की गुणवत्ता का निर्धारण किया जाता है।
- मैग्नेटाइट सबसे उत्कृष्ट कोटि का लौह अयस्क है। इसमें लौह अंश 60 से 72 प्रतिशत पाया जाता है।
- हेमेटाइट में लौह अंश 60 से 70 प्रतिशत पाया जाता है।
- हेमेटाइट में लौह अंश 60 से 70 प्रतिशत पाया जाता है।
- भारत का लगभग 70 प्रतिशत लौह अयस्क हेमेटाइट प्रकार का पाया जाता है।
- लिमोनाइट में लौह अंश 35 से 50 प्रतिशत तक पाया जाता है।
- सिडेराइट निम्नतम कोटि का लौह अयस्क है। इसमें 10 से 48 प्रतिशत लौह अयस्क पाया जाता है।
- मध्य प्रदेश में 1.46 प्रतिशत भंडार पाए जाते हैं।
- आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार, मध्य प्रदेश में लौह अयस्क कुल भंडार 63.01 लाख टन है।

■ बॉक्साइट

- बॉक्साइट एल्युमीनियम का अयस्क है। यह टर्शियरी काल की चट्टानों में पाया जाता है।
- आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार, मध्य प्रदेश में बॉक्साइट का भंडार 6.18 लाख टन है।
- मध्य प्रदेश में बॉक्साइट का उत्पादन 1908 में कटनी जिले से प्रारंभ किया गया था।
- मध्य प्रदेश में बॉक्साइट का उत्पादन कटनी, शहडोल, सतना, जबलपुर तथा सीधी जिले में किया जाता है।
- हिण्डाल्को एल्युमीनियम संयंत्र को बॉक्साइट की आपूर्ति मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले से की जाती है।

■ हीरा

- वर्तमान में भारत का अधिकांश हीरा मध्य प्रदेश से प्राप्त किया जाता है।
- मध्य प्रदेश के पन्ना तथा छतरपुर जिले में हीरे की प्रमुख खानें स्थित हैं।
- भारत की सबसे बड़ी हीरे की खदान पन्ना जिले की मझगाँव में स्थित है।
- हीरे की रामखेरिया खदान पन्ना जिले की किलकीला नदी के तट पर स्थित है।
- मध्य प्रदेश में हीरे का उत्खनन कार्य राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC) द्वारा किया जाता है।
- हीरे के उत्पादन में वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 86.25 प्रतिशत की कमी आई है। जो वर्ष 2022-23 के 388 कैरेट से घटकर वर्ष 2023-24 में 53.33 कैरेट रह गई है।

मैप मध्यप्रदेश खनिज चित्र-149

नवीन सर्वेक्षित खनिज भंडार/आकलित भंडार

(मि. टन)

खनिज का नाम	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24
चूना-पत्थर	104.56	122	67.8
बॉक्साइट	4.947	2.86	4
राक फॉस्फेट	3.599	0	0
लैटेराइट	1.178	0	0

Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन

(लाख टन, हीरा-कैरेट)

खनिज	2020-21 संशोधित	2022-23 प्राविधिक	2022-23 प्राविधिक	प्रतिशत वृद्धि/कमी)
कोयला	1379.84	1460.28	1585.76	+8.60
बॉक्साइट	6.08	6.02	6.18	2.63
ताम्र अयस्क	24.42	21.65	25.46	17.59
लौह अयस्क	73.75	43.54	63.01	44.73
अयस्क	8.45	8.56	10.50	22.73
रॉक फॉस्फेट	1.14	4.45	3.92	– 11.83
हीरा	266.00	388.00	53.33	– 86.25
चूना-पत्थर	498.07	505.91	682.44	34.89

मध्य प्रदेश के खनिज भंडार

मुख्य खनिज	कुल भंडारण (01/04/2022 तक) मी. टन
हीरा	28.59 (कैरेट)
आयरन ओर (हेमेटाइट)	356.99
मैंगनीज अयस्क	60.05
कोयला	30217
चूना-पत्थर	9653.17
रॉक फॉस्फेट	58.45
कॉपर ओर	386.66
बॉक्साइट	186.25
31 नवीन गौण खनिज	**कुल भंडार (01/04/2015)**
पायरोफिलाइट	28.55
डोलोमाइट	2311.39
डायस्पोर	7.56

प्रमुख खनिज और उनके उत्पादक जिले

प्रमुख खनिज	प्रमुख उत्पादक जिले
मैंगनीज	बालाघाट, छिंदवाड़ा, खरगौन
ताम्र अयस्क	बालाघाट, कटनी, सागर, होशंगाबाद
रॉक फॉस्फेट	सागर, झबुआ, छतरपुर
चूना-पत्थर	सतना, कटनी, दमोह, रींवा
कोयला	शहडोल, सिंगरौली, छिंदवाड़ा,
लौह अयस्क	होशंगाबाद, बैतूल
बॉक्साइट	बालाघाट, मंडला, जबलपुर, विदिशा
हीरा	कटनी, शहडोल, जबलपुर, सीधी,
सोना	सतना, रीवा
अभ्रक	पन्ना, छतरपुर
टंगस्टन	सीधी, कटनी, शहडोल, बालाघाट
ग्रेनाइट	बालाघाट, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद,
निकेल	झबुआ
यूरेनियम	होशंगाबाद (आगरा किला)
सेलखड़ी	पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर,
टिन	दतिया
गेरु	सीधी

सीसा	शहडोल
प्लेटिनम	जबलपुर (भेड़ाघाट), छिंदवाड़ा
पैलेडियम	बैतूल, गोविंदपुर
वैनेडियम	सतना, जबलपुर, ग्वालियर, पन्ना
	शिवपुरी, दतिया, झबुआ, जबलपुर
	बैतूल
	बैतूल
	बैतूल

■ ऊर्जा संसाधन

- ऊर्जा संसाधन किसी देश या राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण घटक हैं।
- ऊर्जा के परंपरागत साधन के अंतर्गत कोयला, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस आते हैं।
- ऊर्जा के गैर-परंपरागत साधन के अंतर्गत, सौर, पवन, जैव तथा भूतापीय ऊर्जा आती हैं।
- मध्य प्रदेश में सर्वप्रथम विद्युत का उत्पादन ग्वालियर में वर्ष 1905 में स्टीम टर्बाइन से किया गया था।
- मध्य प्रदेश विद्युत प्रदाय अधिनियम, मध्य प्रदेश में 10 दिसंबर, 1948 को लागू किया गया था।
- विद्युत मंडल का गठन 1 दिसंबर, 1950 को किया गया था। मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड का मुख्यालय जबलपुर में स्थित है।
- मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण विद्युतीकरण निगम की स्थापना 1960 में की गई थी। इसका मुख्यालय भोपाल में स्थित है।
- मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम तथा अक्षय ऊर्जा विभाग की स्थापना 25 अगस्त, 1982 में की गई।
- मध्य प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग की स्थापना वर्ष 1998 में की गई। इसका उद्देश्य विद्युत वितरण को नियंत्रित करना तथा सरकार को विद्युत शुल्क की दरों पर परामर्श देना था।
- 10 अप्रैल, 2012 को पॉवर ट्रेडिंग कंपनी का नाम बदलकर एम.पी. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड कर दिया गया।
- मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मंडल का 26 अप्रैल, 2012 को एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी में विलय कर दिया गया।
- मध्य प्रदेश में अप्रैल, 2024 तक स्थापित विद्युत क्षमता 28744 मेगावॉट है। जो वर्ष 2014-15 के 19.384 मेगावॉट से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 28774 मेगावॉट हो गया है।
- मध्य प्रदेश में पिछले एक दशक में राज्य की स्थापित स्थापना क्षमता में 48.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो वार्षिक औसत वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत है।
- रबी के मौसम (अक्टूबर से मार्च) में कृषि क्षेत्र में विद्युत की माँग में 5000 से 6000 मेगावॉट की वृद्धि हो जाती है।

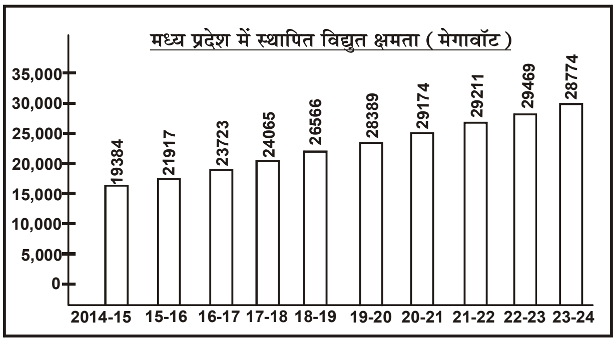

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विद्युत की उपलब्धता और खपत

- मध्य प्रदेश की विद्युत उपलब्धता में वर्ष 2014-15 की तुलना में वर्ष 2023-24 में 31.17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2014-15 के 1728 किलोवॉट घंटा से बढ़ाकर वर्ष 2023-24 में 2226 किलोवॉट घंटा हो गया है।
- मध्य प्रदेश में प्रति व्यक्ति विद्युत खपत में वर्ष 2014-15 की तुलना में 2023-24 में 52.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो वर्ष 2014-15 के 873 किलोवॉट घंटा से बढ़ाकर 1332 किलोवॉट घंटा हो गई है।

मध्य प्रदेश में विद्युत की प्रति व्यक्ति उपलब्धता और खपत (किलोवॉट घंटे में)

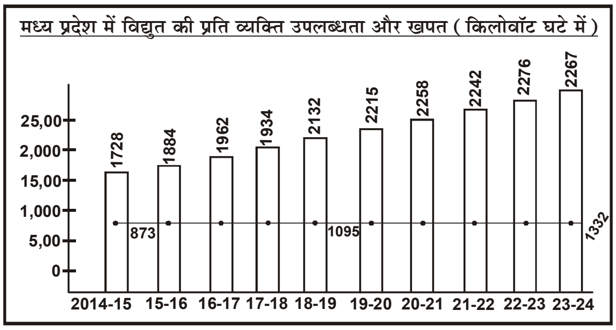

मध्य प्रदेश के प्रमुख ताप विद्युत केंद्र

चाँदनी ताप विद्युत केंद्र

- चाँदनी ताप विद्युत केंद्र की स्थापना 1953 में की गई थी। यह मध्य प्रदेश का पहला ताप विद्युत केंद्र है।
- यह बुरहानपुर जिले में स्थित है। यह मध्य प्रदेश का सबसे छोटा ताप विद्युत केंद्र है।

जबलपुर ताप विद्युत केंद्र

- जबलपुर ताप विद्युत केंद्र की स्थापना 1960 में जबलपुर में की गई थी।
- जबलपुर ताप विद्युत केंद्र को जल आपूर्ति अवंतीबाई बाँध द्वारा की जाती है।

अमरकंटक ताप विद्युत परियोजना

- अमरकंटक ताप विद्युत केंद्र की स्थापना 1965 में की गई थी।
- यह ताप विद्युत केंद्र मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के चचाई नामक स्थान पर स्थित है।
- अमरकंटक एक्सटेंशन ताप विद्युत केंद्र का संचालन मध्य प्रदेश, जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा (MPGCL) किया जाता है।

विंध्याचल ताप विद्युत केंद्र

- विंध्याचल ताप विद्युत केंद्र के पहली इकाई की स्थापना 1987 में की गई थी।
- यह मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में स्थित है। इसकी स्थापना रूस के सहयोग से की गई थी।
- इसका संचालन राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) द्वारा किया जाता है।
- इसकी वर्तमान उत्पादन क्षमता 4760 मेगावॉट है। यह स्टेशन सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजी का उपयोग करता है।
- इसे जल की आपूर्ति गोविंद बल्लभ पंत सागर (रिहंदर बाँध) से की जाती है।

सतपुड़ा ताप विद्युत केंद्र

- सतपुड़ा ताप विद्युत केंद्र की स्थापना 1967-68 में की गई थी।
- यह ताप विद्युत केंद्र मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के सारणी में स्थित है।
- वर्तमान में इसकी विद्युत उत्पादन क्षमता 1330 मेगावॉट है।
- सतपुड़ा ताप विद्युत केंद्र का संचालन मध्य प्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPGCL) द्वारा किया जाता है।

संजय गाँधी ताप विद्युत परियोजना

- संजय गाँधी ताप विद्युत परियोजना की स्थापना 1993 में की गई थी।
- यह ताप विद्युत परियोजना मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बीरसिंहपुर में स्थित है।
- संजय गाँधी ताप विद्युत केंद्र को जल और कोयला की आपूर्ति जोहिला घाटी से की जाती है।
- वर्तमान में इसकी विद्युत उत्पादन क्षमता 1340 मेगावॉट है।

पेंच ताप विद्युत परियोजना

- पेंच ताप विद्युत परियोजना की स्थापना वर्ष 2012 में की गई थी।
- यह ताप विद्युत परियोजना मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में स्थित है।

संत सिंगाजी ताप विद्युत केंद्र

- संत सिंगाजी ताप विद्युत केंद्र की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी।
- यह ताप विद्युत केंद्र मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के डोंगलिया में स्थित है।
- इस ताप विद्युत केंद्र को जल की आपूर्ति इंदिरा सागर बाँध द्वारा की जाती है।
- वर्तमान में इस ताप विद्युत केंद्र की विद्युत उत्पादन क्षमता 2520 मेगावॉट है।
- यह ताप विद्युत केंद्र मध्य प्रदेश पॉवर जेनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPGCL) द्वारा संचालित है।

अल्ट्रा मेगा पॉवर प्रोजेक्ट

- अल्ट्रा मेगा पॉवर, प्रोजेक्ट (UMPP) की स्थापना रिलायंस पॉवर की सहायता से मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के सासन गाँव में की गई है।
- अल्ट्रा मेगा पॉवर, प्रोजेक्ट की विद्युत उत्पादन क्षमता 4000 मेगावॉट है।

झबुआ ताप विद्युत केंद्र

- झबुआ ताप विद्युत केंद्र की स्थापना वर्ष 2016 में की गई थी।
- यह ताप विद्युत केंद्र मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में स्थित है।
- इसकी ताप विद्युत उत्पादन क्षमता 600 मेगावॉट है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- झबुआ ताप विद्युत केंद्र का संचालन नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन (NTPC) द्वारा किया जाता है।

■ गाडरवारा ताप विद्युत केंद्र

- गाडरवारा ताप विद्युत केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी।
- यह ताप विद्युत केंद्र मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में स्थित है।
- इसकी ताप विद्युत उत्पादन क्षमता 1600 मेगावॉट है।
- गाडरवारा ताप विद्युत केंद्र का संचालन नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन (NTPC) द्वारा किया जाता है।

■ मध्य प्रदेश की प्रमुख जल विद्युत परियोजनाएँ

- गाँधीसागर जल विद्युत परियोजना 1960, मंदसौर, 115 MW
- राणा प्रताप सागर जल विद्युत परियोजना 1964 चित्तौड़गढ़, 172 MW
- जवाहर सागर जल विद्युत परियोजना 1971, 99 MW
- पेंच जल विद्युत परियोजना 1986, छिंदवाड़ा, 160 MW
- रानी अवंतिबाई जल विद्युत परियोजना 1988, जबलपुर, 90 MW
- बिरसिंगपुर जल विद्युत परियोजना 1991, उमरिया, 20 MW
- टोंस/बाणसागर-I परियोजना 1991 रींवा, 315 MW
- अलपारा/बाणसागर-II परियोजना 2002, रींवा 30 MW
- राजघाट जल विद्युत परियोजना 1999, अशोकनगर 45 MW
- बाणसागर परियोजना-III, देवलोंद 2001, शहडोल, 60 MW
- मणिखेड़ा जल विद्युत परियोजना 2006, शिवपुरी, 60 MW
- सीतारेवा जल विद्युत परियोजना, 2009, छिंदवाड़ा –

■ नवीकरणीय ऊर्जा/गैर परंपरागत ऊर्जा

- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत पर्यावरण के अनुकूल और प्रदूषण रहित होते हैं।
- मध्य प्रदेश में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मार्च 2012 को 438.01 मेगावॉट से बढ़कर दिसंबर, 2023 तक 5462.09 मेगावॉट हो गई है।
- इसमें पवन ऊर्जा का योगदान 2870.35 मेगावॉट, सौर ऊर्जा का 2857.57 मेगावॉट बायोमॉस का 106.53 मेगावॉट तथा लघु जल विद्युत परियोजना का 123.91 मेगावॉट है।
- मध्य प्रदेश का संपूर्ण नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति के मामले में आठवां स्थान है।

■ सौर ऊर्जा

- मध्य प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा आधारित गाँव कस्तूरबा गाँधी, इंदौर जिले में स्थित है।
- मध्य प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा संचालित हवाई अड्डा इंदौर जिले में स्थित अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डा है।
- सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में मध्य प्रदेश का चौथा स्थान है।
- मध्य प्रदेश का पहला सोलर आधारित टेलीफोन एक्सचेंज शिवपुरी जिले में स्थित है।
- भारत का पहला पूर्णतः सौर रसोई वाला गाँव मध्य प्रदेश का बैतूल जिले में स्थित बांचा गाँव है।
- मध्य प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा पार्क राजगढ़ जिले में स्थित है।
- मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना रींवा अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट रींवा जिले के गूढ़ में स्थित है।
- इसकी कुल उत्पादन क्षमता 750 मेगावॉट है। इसका उद्घाटन 10 जुलाई, 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था।
- मध्य प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी सौर परियोजना मंदसौर जिले में स्थित है।
- इसकी कुल उत्पादन क्षमता 250 मेगावॉट है।
- मध्य प्रदेश की पहली सोलर सिटी सांची सोलर सिटी है। इसकी लागत 75 करोड़ रुपये है।
- सोलर सिटी के तहत सांची के घर, सड़कें और सभी संस्थान सौर ऊर्जा से संचालित होंगे।
- मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा गर्म पानी करने का सौर संयंत्र साँची, डेयरी, भोपाल में स्थापित किया गया है।

■ पवन ऊर्जा

- मध्य प्रदेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार, दिसंबर, 2023 तक पवन ऊर्जा की कुल उत्पादन क्षमता 2870.35 मेगावॉट है।
- पवन ऊर्जा उत्पादन में मध्य प्रदेश का आठवां स्थान है।
- पवन ऊर्जा उत्पादन के लिए 2.5 मीटर/सेकंड से लेकर 25 मीटर/सेकंड की वायु की गति आदर्श होती है।
- मध्य प्रदेश में सर्वप्रथम पवन ऊर्जा की स्थापना 1995 में देवास जिले की जामगोदरानी में की गई थी।
- जामगोदरानी कुल 64 पवन चक्कियों की स्थापित विद्युत क्षमता 15 मेगावॉट है।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक पवन चक्की वाला जिला देवास है।

■ बायोमास ऊर्जा

- बायोमास ऊर्जा का उत्पादन अपशिष्ट पदार्थों जैसे–धान भूंसी, गन्ना खोई/भूंसी, सरसों डंठल तथा कचरा से किया जाता है।
- बायोमास से बिजली उत्पादित करने वाला देश का पहला गाँव मध्य प्रदेश के बैतूल जिले का कसई गाँव है।
- मध्य प्रदेश के धार जिले के खेड़ा गाँव में धान की भूंसी पर आधारित बायोमास ऊर्जा संयंत्र लगाया गया है।
- मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के कटवा गाँव में गन्ना खोई पर आधारित बायोमास ऊर्जा संयंत्र लगाया गया है।
- मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में सरसों के डंठल पर आधारित बायोमास ऊर्जा संयंत्र लगाया गया है।
- मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में कचरे से विद्युत उत्पादन करने वाला संयंत्र लगाया गया है।
- मध्य प्रदेश के मंडला जिले में जट्रोफा से बायो फ्यूल बनाने का संयंत्र लगाया गया है। इसकी विद्युत उत्पादन क्षमता 10 किलोवॉट है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

10.

मध्य प्रदेश परिवहन

किसी भी प्रदेश के आर्थिक विकास की पहली सीढ़ी यातायात के मार्गों का विकास है परिवहन व्यवस्था का विकास करके ही अर्थव्यवस्था का विकास किया जा सकता है। मध्य प्रदेश में परिवहन के 3 साधन हैं– सड़क, रेल, वायु। राज्य में उपलब्ध खनिज संसाधन, कृषि उपज उपभोक्ता वस्तुओं एवं जनसामान्य को एक स्थान से दूसरे स्थान तक आवागमन के लिए रेल, सड़क एवं वायु मार्गों का उपयोग किया जाता है। मध्य प्रदेश में रेल मार्गों की अपर्याप्तता के कारण सड़क यातायात पर निर्भरता अपेक्षाकृत अधिक है।

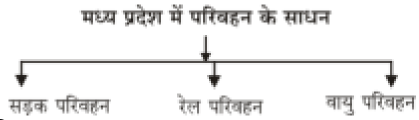

सड़क परिवहन

मध्य प्रदेश सड़क परिवहन निगम की स्थापना वर्ष 1950 के परिवहन अधिनियम के अन्तर्गत 1 जून, 1962 को की गई थी। 31 दिसम्बर, 2002 को सरकार की अधिसूचना द्वारा इसे विघटित कर दिया गया।

- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2005 को सड़क वर्ष घोषित किया गया।

राजमार्ग संख्या	मध्य प्रदेश के प्रमुख नगर	म. प्र. में ल.
NH – 46	ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, ब्यावरा, भोपाल, औबेदुल्लागंज, होशंगाबाद, बैतूल	634 km
NH – 44	मुरैना, ग्वालियर, सागर, नरसिंहपुर, लखनादौन, सिवनी	571.9 km
NH – 47	झाबुआ, बंधेरी, धार, इंदौर, नेमावर, हरदा, बैतुल, मुलताई, पांढुर्णा	558.6 km
NH – 45	अमरकंटक, डिण्डौरी, जबलपुर, गौहरगंज, औबेदुल्लागंज, भोपाल, नरसिंहपुर	495.2 km
NH – 30	उत्तर प्रदेश सीमा, रीवा, कटनी, मण्डला, छत्तीसगढ़ सीमा	495.7 km
NH – 52	राजस्थान सीमा, राजगढ़, ब्यावरा, सारंगपुर, शाजापुर, देवास, इंदौर, महू, सेंधवा, महाराष्ट्र सीमा	454.2 km
NH – 43	पवई, कटनी, उमरिया, शहडोल छत्तीसगढ़ सीमा	435.5 km
NH – 552	राजस्थान सीमा, श्योपुर मुरैना, पोरसा अटेर भिण्ड, भाण्डेर, उत्तर प्रदेश सीमा	402 km
NH – 39	उत्तर प्रदेश सीमा, नौगांव छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उत्तर प्रदेश सीमा	392.8 km
NH – 34	उत्तर प्रदेश सीमा, छतरपुर, हीरापुर, दमोह, जबलपुर, लखनादौन	396 km
NH – 543	शहडोल, डिंडोरी, मण्डला, नैनपुर, बालाघाट, महाराष्ट्र सीमा	359 km
NH – 347B	खण्डवा, खरगौन, जुलवानिया बड़वानी	287 km
NH – 547	नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सौंसर, महाराष्ट्र सीमा	267 km
MH – 148N	गोधरा (गुजरात), रतलाम, जावरा, राजस्थान सीमा	255 km
NH – 346	झारखेड़ा बैरसिया, विदिशा, कुरवाई मुँगावली, चंदेरी	222 km
NH – 347C	धार, खरगौन बनहेर, महाराष्ट्र सीमा, बुरहानपुर	201 km
NH – 552G	राजस्थान सीमा, सुसनेर आगरा, उज्जैन	192 km
NH – 934	हीरापुर, सागर, खुरई बीना	170.4 km
NH – 146	भोपाल विदिशा, सागर	167.6 km
NH – 347	मुलताई छिन्दवाड़ा सिवनी	152.3 km
NH – 752B	राजस्थान/मध्यप्रदेश सीमा, सुसनेर, ब्यावरा, मकसूदनगढ़, सिरोंज	151 km
NH – 539	उत्तर प्रदेश सीमा, ओरछा, टीकमगढ़ शाहगढ़	150 km
NH – 752C	जीरापुर, शुजालपुर, आष्टा	139 km
NH – 27	राजस्थान, सीमा, कोटा, कोलारस, करेरा, शिवपुरी, उत्तर प्रदेश सीमा	121.9 km
NH – 135BG	उत्तर प्रदेश सीमा, मझगवाँ, सतना, मैहर	121.4 km
NH – 719	उत्तर प्रदेश सीमा, भिण्ड, मेहगाँव, ग्वालियर	108 km
NH – 347"G	देशगाँव, सानावद, बड़वाह, इंदौर	106 km
NH – 753L	महाराष्ट्र सीमा, मुक्ताईनगर बुरहानपुर	93 km
NH – 135B	उत्तर प्रदेश सीमा, डाभौरा, सिरमौर रीवा	80 km
NH – 548C	महाराष्ट्र सीमा, बड़ागाँव, मध्यप्रदेश सीमा, बैतूल	78 km

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

NH – 135C	उत्तर प्रदेश सीमा, पीपरा, मनीगढ़ा, करोंदिया बगदरा, चतरंगी, सिंगरौली, बैढ़न	72 km
NH – 943	पवई, सलेह, जस्सु	70 km
NH – 135	उत्तर प्रदेश सीमा, गंगावन	65.4 km
NH – 752G	सेंधवा, खेतिया, शाहदा, प्रकाशा, महाराष्ट्र सीमा	53 km
NH – 56	गुजरात सीमा, भाभरा, अलीराजपुर, गुजरात सीमा	52 km
NH – 146B	बुधनी, कोसमी रेहटी नसरुल्लांगज	50 km
NH – 927A	मध्यप्रदेश सीमा, रतलाम, बाँसवाड़ा, राजस्थान सीमा	37 km
NH – 135BD	सिरमौर,कोल्हा, राजगढ़ केवटी, बघैया, लालगाँव, पंगड़ी कलवारी	36 km
NH – 147E	झाबुआ, नौगाँव, रायपुलिया	34 km
NH – 347A	मध्यप्रदेश सीमा, मुलताई महाराष्ट्र सीमा	32 km
NH – 161G	महाराष्ट्र सीमा नमोद, खकनार	20 km
NH – 339	नौगाँव, श्रीनगर, उत्तर प्रदेश सीमा	15 km
NH –339B	बमेठा, खजुराहो	9 km
NH – 135BB	जमीरा, बरगढ़, गहूर, दूबी, मगदौर, बामौरा	7.5 km
NH – 752D	उज्जैन, बड़नगर	--
NH – 753BE	रावेर, विवारे खुर्द (बुरहानपुर जिला)	--

■ मध्य प्रदेश में सर्वाधिक लम्बाई वाले राष्ट्रीय राजमार्ग
(i) NH- 46 (634 किमी.- ग्वालियर से बैतूल)
(ii) NH- 44 (571 किमी.)
(iii) NH- 47 (458 किमी.)

■ मध्य प्रदेश में तीन सबसे छोटे राष्ट्रीय राजमार्ग
(i) NH- 135BB (7.5 किमी.- जमीरा से बरगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सीमा)
(ii) NH- 339B (9 किमी.)
(iii) NH- 339 (15 किमी.)

■ मध्य प्रदेश में पंजीकृत वाहनों की संख्या प्रति 1000 जनसंख्या पर 104 है।

■ चम्बल नदी पर मध्य प्रदेश का सबसे ऊँचा पुल तथा सबसे लम्बा पुल तवा नदी पर नर्मदा पुरम में बनाया गया है।

राज्यमार्ग

■ देश का पहला आठ लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे मध्य प्रदेश के 3 जिले- मंदसौर, झाबुआ, रतलाम से होकर गुजरेगा।

■ भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना–2 (PM GSY-2) वर्ष 2012-2013 में प्रारम्भ किया गया जिसके अन्तर्गत प्रदेश सरकार से 50000 km मार्गों का लक्ष्य तय करना है।

■ मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना का शुभारम्भ वर्ष 2010-11 में किया गया यह एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर बैंक (AIIB) की सहायता से सड़कों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है।

■ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दृष्टि से मध्य प्रदेश के MPRRDA (M.P. Rural Road Development Authority) द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट का उपयोग करके 17 जिलों में 35 km सड़कों का निर्माण किया गया।

■ मध्य प्रदेश राज्य परिवहन नीति बनाने वाला देश का प्रथम राज्य है।

■ वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए भोपाल एवं उसकी पूर्वी सीमा के दूरस्थ जिले सिंगरौली से सड़क मार्ग से जोड़ने की परियोजना विंध्य एक्सप्रेस वे, प्रारम्भ की गई।

मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना

प्रारम्भ- 1 जनवरी, 2014

उद्देश्य- किसानों के घर से उनके खेतों तक सड़क बनाना जिससे किसानों को उनके खेतों तक पहुँचने में सुगमता होगी इसके तहत मनरेगा योजना के मजदूरों से कार्य कराया जाएगा।

■ कुल राजकीय राजमार्ग – 94

■ म.प्र. का सबसे बड़ा राजमार्ग- MPSH-62 (खिमलासा, सागर, से छिन्दवाड़ा)

■ म.प्र. का दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग- MPSH-59 (झालावाड़, (राजस्थान) से छेगांवमाखन, (खंडवा)
1 जनवरी, 2014 को इस योजना का प्रारम्भ किया गया जिसका उद्द्देश्य किसानों के घर से उनके खेतों तक सड़क बनाना है।

अपनी बस सूत्र–सेवा योजना

23 जून 2018 को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम (इंदौर) से मध्य प्रदेश की अपनी बस सूत्र सेवा अमृत (AMRUT) योजना के अन्तर्गत प्रारम्भ की गयी। इसका संचालन मध्य प्रदेश के सभी शहरों में किया जा रहा है।

नर्मदा एक्सप्रेस-वे

मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा 6 लेन का नर्मदा एक्सप्रेस-वे बनाया जाएगा। जिसकी लम्बाई 1265 किमी. होगा। यह एक्सप्रेस-वे छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और गुजरात को जोड़ेगा। यह एक्सप्रेस-वे अनूपपुर, डिंडोटी, मंडला जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, हरदा, खंडवा, बडवानी और अलीराजपुर जिलों से होकर गुजरेगा। यह 31000 करोड़ की लागत से बनेगा।

चम्बल एक्सप्रेस-वे

⇒ 6 लेन व 195 किमी. लम्बे चम्बल एक्सप्रेस-वे के निर्माण हेतु वर्ष 2017 में स्वीकृति प्रदान की गई, इससे उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश राज्य को लाभ मिलेगा। यह राष्ट्रीय राजमार्ग-92 के माध्यम से उत्तर प्रदेश से जुड़ेगा।

⇒ यह मध्य प्रदेश के मुरैना और श्योपुर से गुजरेगा।

नोटः-पहले इसके अंतर्गत मुरैना श्योपुर और भिण्ड जिले सम्मिलित थे, जिसमें से सितम्बर, 2019 में भिण्ड को अलग कर दिया गया, इससे इसकी पूर्व अनुमानित लम्बाई में भी परिवर्तन आ गया है।

16 अगस्त, 2020 से इसका नया नाम अटल बिहारी वाजपेयी चम्बल प्रोग्रेस वे ही गया है।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

अमृत योजना

अमृत योजना का आरम्भ 25 जून, 2015 को हुआ, इस योजना का मुख्य उद्देश्य घरों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। जैसे– जल आपूर्ति, सीवरेज, शहरी परिवहन आदि।

⇒ मध्य प्रदेश का सबसे छोटा बस स्टैण्ड **खरगौन** में है।

⇒ मध्य प्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व बड़वानी के सेंधवा बॉर्डर से प्राप्त होता है। यहाँ राष्ट्रीय राजमार्ग 3 और 6 मिलते हैं।

⇒ मध्य प्रदेश में महिलाओं के लिए **निःशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस** बनाने की योजना 28 दिसम्बर, 2015 को प्रारम्भ की गयी।

⇒ मध्य प्रदेश में बस स्टैण्डों के विकास के लिए इंटरसिटी ट्रांसपोर्ट अथारिटी (Intercity Transport Authority) की स्थापना 23 दिसम्बर 2014 में की गयी।

विजन जीरो

⇒ सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु परिवहन विभाग द्वारा 17 अगस्त 2021 से विजन जीरो कार्यक्रम प्रदेश में लागू किया गया है। जिसका उद्देश्य शिक्षा पुलिस, परिवहन, सड़क, विभागों के साथ-साथ चिकित्सा संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर सड़क दुर्घटनाओं में प्रतिवर्ष मृत्युदर में कमी लाना है।

रेल परिवहन

- 2021 में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के लिए मध्य प्रदेश के रीवा से गुजरात के केवड़िया तक एक ट्रेन की शुरूआत की गई है।
- 2021 में प्रदेश की पहली किसान एक्सप्रेस ट्रेन प्याज लेकर इंद्रौर से गुवाहाटी के लिए रवाना हुई।
- मध्य प्रदेश राज्य में सर्वप्रथम वर्ष 1867 में प्रथम रेलमार्ग इलाहाबाद से जबलपुर के मध्य प्रारम्भ हुआ था।
- इसके बाद तुकोजीराव होल्कर द्वितीय के प्रयास से वर्ष 1869 में खण्डवा–इंदौर रेल लाइन का निर्माण किया गया था जिसे होल्कर स्टेट रेलवे कहा जाता था। वर्ष 1877 में इंदौर–उज्जैन रेलवे लाइन निर्मित की गयी, जिसे राजपूताना मालवा रेलवे कहा गया।
- मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में स्थित हबीबगंज रेलवे स्टेशन को वर्ष 2017 में देश का प्रथम निजी रेलवे स्टेशन बनाया गया है। इसका संचालन बेसल ग्रुप के माध्यम से किया जा रहा है। इसका नाम वर्ष 2021 में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन रखा गया है।
- सिंधिया वंश के महाराजा माधव राव सिंधिया द्वारा वर्ष 1895 में ग्वालियर से शिवपुरी के मध्य नैरो गेज ट्रेन प्रारम्भ की गयी थी जिसे कुनो कुमाटी एक्सप्रेस कहा जाता था इसमें रेलवे द्वारा प्रयुक्त सबसे छोटे गेज 0.610 मी. का प्रयोग किया गया था।
- वर्ष 1899 में ग्वालियर राजवंश के सिंधिया राजा द्वारा बीना में राजस्थान के बारा तक रेलवे लाइन का विस्तार किया गया।
- 30 जून, 1935 से 1 अप्रैल 1950 तक नैरो गेज रेल सेवा को प्रारम्भ किया गया था जिसे 1 अक्टूबर 2015 को बंद कर दिया गया। इस नैरो गेज रेल सेवा के अन्तर्गत एशिया का सबसे बड़ा नैरो गेज रेलवे स्टेशन नैनपुर (मण्डला) में स्थित था।

मध्य प्रदेश रेलवे विशिष्ट तथ्य

- मध्य प्रदेश के कटनी जिले में देश का सबसे लम्बा रेलवे पुल निर्माणाधीन है।
- नई रेलवे, नया मध्य प्रदेश पुस्तक का विमोचन 1 जून, 2018 को पूर्व रेलमंत्री पीयूष गोयल द्वारा किया गया।
- मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में रेल विश्वविद्यालय प्रस्तावित है।
- हबीबगंज स्टेशन प्रदेश का प्रथम वाई-फाई एवं कैशलेश सुविधायुक्त स्टेशन है।
- जबलपुर रेलवे स्टेशन देश का प्रथम वाई-फाई एवं स्वचालित रेलवे फाटक सुविधा वाला स्टेशन है।
- मध्य प्रदेश में वंदे भारत एक्सप्रेस 1 अप्रैल 2023 से रानी कमलापति स्टेशन से नई दिल्ली के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झण्डी दी गई।
- हजरत-निजामुद्दीन एक्सप्रेस (भोपाल एक्सप्रेस) देश की प्रथम ISO प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाली ट्रेन है। इसके अतिरिक्त रीवांचल एक्सप्रेस भी ISO प्रमाणित ट्रेन है।
- प्रदेश का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन–इटारसी (होशंगाबाद)
- रेल कोच फैक्ट्री (1976) भोपाल (निशातपुरा)
- रेलवे भर्ती बोर्ड–भोपाल
- बैगन रिपेयर वर्कशॉप–सतना
- रेलवे स्प्रिंग कारखाना–ग्वालियर (सिथौली)
- इलेक्ट्रिक लोको शेड– कटनी (इटारसी)
- रेल कोच फैक्ट्री–झाबुआ (बनने के लिए प्रस्तावित है)
- रेलवे विद्युत इंजन कारखाना–भोपाल
- रेलवे डीजल इंजन कारखाना–इंदौर एवं विदिशा
- रेलवे स्लीपर बनाने का कारखाना–बनखेड़ी (बुधनी)
- डीजल लोकोमोटिव फैक्ट्री–सीहोर (शेरपुर)

वायु परिवहन

- मध्य प्रदेश में वायु परिवहन का प्रारम्भ 26 जुलाई 1948 को इंदौर से ग्वालियर दिल्ली और मुम्बई के मध्य किया गया।
- मध्य प्रदेश में 5 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे एवं 26 हवाई पट्टियाँ हैं, जिनमें 10 राष्ट्रीय वायुसेना के लिए है।
- मध्य प्रदेश का 6वाँ एयरपोर्ट रीवा/चोरहटा में प्रस्तावित है।
- मध्य प्रदेश का पहला अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट इंदौर है।
- इंदौर एयरपोर्ट से पहली अंतर्राष्ट्रीय उड़ान- इंदौर से दुबई
- मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा व व्यस्ततम एयरपोर्ट- इंदौर
- मध्य प्रदेश का सौर ऊर्जा आधारित पहला एयरपोर्ट- अहिल्याबाई एयरपोर्ट इंदौर

प्रमुख हवाई अड्डे

- राजा भोज अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा–भोपाल
- देवी अहिल्याबाई होल्कर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा–इंदौर
- छत्रसाल अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा – खजुराहो
- ग्वालियर राजमाता विजयाराजे सिंधिया हवाई अड्डा – ग्वालियर (सैन्य हवाई अड्डा)
- डुमना/रानी दुर्गावती हवाई अड्डा – जबलपुर

कुछ निजी हवाई पट्टियाँ

- डायमंड सीमेण्ट फैक्ट्री की **दमोह** में
- ओरिएंटल पेपर मिल की **शहडोल** में
- ग्रेसीम इंडस्ट्रीज की **नागदा** (उज्जैन) में

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

11.

मध्य प्रदेश : इतिहास

- मध्य प्रदेश भू-वैज्ञानिक रूप से गोंडवानालैंड का भू-भाग है।
- यहाँ से पाषाण काल के तीनों कालों यथा पूर्व पाषाण काल, मध्य पाषाण काल व उत्तर पाषण काल के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

पूर्व पाषाण काल (लगभग 25 लाख से 10000 ईसा पूर्व)

- पूर्व पाषाण कालीन साक्ष्य मध्य प्रदेश में बेतवा घाटी, सोन घाटी, चम्बल घाटी, नर्मदा घाटी, भीमबेटका की गुफा आदि स्थलों से प्राप्त हुए हैं।
- मध्य प्रदेश के जबलपुर, ऊपरी नर्मदा के अमरकंटक, नरसिंहपुर से स्तनधारी पशुओं के जीवाश्म प्राप्त हुए हैं।
- नरसिंहपुर के निकट पुरातत्वविदों द्वारा एक खोपड़ी के जीवाश्म की खोज की गई है।
- ऊपरी नर्मदा के अमरकण्टक से हरदा के मध्य एवं जबलपुर (भेड़ाघाट) आदि से स्तनधारी पशुओं के जीवाश्म प्राप्त हुए हैं।
- इस काल के मुख्य औजार हस्तकुठार, खुरचनी, क्रोड, मुष्टीकुठार आदि पाए गए है।

मध्य पाषाण काल (लगभग 10000 ई.पू.-7000 ई.पू.)

- मध्य पाषाण काल की जानकारी सर्वप्रथम 1867-68 ई. में सी.एल. कार्लाइल ने दी, इन्होंने विंध्य क्षेत्र में लघु पाषाण उपकरण की खोज की।
- मध्य प्रदेश में पचमढ़ी के निकट मध्यपाषाण युग के दो शैलाश्रय मिला।
- इस काल से संबंधित आदमगढ़ में पालतू जानवरों की हड्डियाँ बड़ी मात्रा में प्राप्त हुई हैं।
- इस काल में निर्मित औजार मध्य प्रदेश में नर्मदा, बेतवा, चंबल एवं इनकी सहायक नदियों की घाटियों में पाये गए हैं।
- मध्य प्रदेश में स्थित इस काल के प्रमुख स्थल हैं– विदिशा, नरसिंहपुर, मंदसौर, सीधी, जबलपुर, सागर आदि।
- मध्यपाषाण काल में सर्वप्रथम मानव अस्थिपंजर प्राप्त हुए हैं।

नव पाषाणकाल (लगभग 7000 ई.पू.-4000 ई.पू.)

- नव पाषाण काल में लोग शवाधान की प्रक्रिया, पशुपालन, कृषि, अग्नि के उपयोग से परिचित हो चुके थे।
- इस काल में पत्थरों के साथ–साथ हड्डियों के औजार भी बनाए जाने लगे।
- इस काल के औजार मध्य प्रदेश के सागर (एरण), जबलपुर (कुण्डम, मुनई), दमोह, छतरपुर, होशंगाबाद आदि जिलों से पाए गए है।

ताम्र पाषाण काल (3500/2300ई.पू.)

- इस काल के अवशेष मध्य प्रदेश के एरण, कायथा, नवदाटोली, नागदा, बेसनगर आदि स्थानों से प्राप्त हुए है।
- मध्य प्रदेश के कायथा से मिट्टी के बर्तन, ताँबे की चूड़ियों, कुल्हाड़ियाँ, पत्थर के सूक्ष्म हथियार व मनके प्राप्त हुए है।
- नवदाटोली से इस काल के सुनियोजित बस्ती, लाल–काले रंग के मृदभांड, ताँबे के उपकरण, चावल, चना, मटर के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।
- मध्य प्रदेश के मालवा से वृषभ मूर्तियों के प्रमाण मिले हैं।
- मालवा से मृदभांड प्राप्त हुए हैं जिनका रंग पीला व नारंगी है, जिन पर काले व गहरे भूरे रंग की चित्रकारी की गयी है।
- इस काल से संबंधित सर्वाधिक चित्रित शैलाश्रय मध्य प्रदेश से प्राप्त हुए हैं।
- चित्रित शैलाश्रय मध्य प्रदेश के होशंगाबाद, मंदसौर, जबलपुर, नरसिंहपुर आदि जिलों से प्राप्त हुए हैं।

सैंधवकालीन संस्कृति (2300 ई.पू.)

- मध्य प्रदेश से सैंधवकालीन संस्कृति के साक्ष्य नही प्राप्त हुए हैं।

वैदिक काल (1500–600 ई.पू.)

- भारत में आर्यों का आगमन सर्वप्रथम 'पंचनद' प्रदेश में हुआ था, परन्तु उन्हें नर्मदा घाटी व उसके आस-पास के क्षेत्रों की जानकारी थी।
- पौराणिक कथानक के अनुसार कार्कोट के नागवंशी शासक नर्मदा के किनारे काठे के शासक थे।
- नागवंशी शासक का जब गंधर्वों से युद्ध हुआ तो अयोध्या के इक्ष्वाकु वंशी शासक मांधाता ने अपने पुत्र पुरूकत्स को नागों की सहायता के लिए भेजा।
- पुरूकत्स ने गन्धर्वों को पराजित किया फलस्वरूप नागवंशी शासक ने अपनी कन्या 'रेवा' का विवाह इक्ष्वाकु पुरूकुत्स से कर दिया।
- पुरूकुत्स ने रेवा का नाम परिवर्तित कर नर्मदा कर दिया।
- यदु कबीले के हैहय शाखा के राजा महिष्मत ने नर्मदा नदी के किनारे महिष्मति नगर की स्थापना की।

महाकाव्य काल–

- रामायण काल में मध्य प्रदेश के अंतर्गत दण्डकारण्य व महाकांतर के वन प्रदेश सम्मिलित थे।
- यदुवंशी नरेश मधु इस क्षेत्र के राजा थे, जो अयोध्या के राजा दशरथ के समकालीन थे।
- महाभारत काल में मध्य प्रदेश के प्रमुख नगर थे– कुन्तलपुर (कौंडिया), उज्जयिनी (उज्जैन), महिष्मति (महेश्वर), विराटपुरी (सोहागपुर) आदि।

महाजनपद काल–

- छठीं शताब्दी ई.पू. के 16 महाजनपदों में दो जनपद चेदि तथा अवन्ति मध्य प्रदेश से संबंधित थे।
- चेदि महाजनपद की राजधानी 'शुक्तिमती' थी। यह महाजनपद आधुनिक बुन्देलखण्ड के पूर्वी भाग में स्थित था।
- अवन्ति महाजनपद पश्चिमी और मध्य मालवा के क्षेत्र में बसा था। यह वेत्रवती नदी द्वारा उत्तर अवन्ति (राजधानी–उज्जयिनी) तथा दक्षिण अवन्ति (राजधानी– महिष्मति) में विभाजित था।
- विष्णु पुराण के अनुसार पुलिक बृहद्रथ वंश के अंतिम राजा रिपुंजय का अमात्य था, जिसने रिपुंजय को हटाकर अपने पुत्र प्रद्योत को अवन्ति का राजा बनाया।
- मगध के हर्यक कुल के अंतिम शासक नागदशक के शासनकाल में उसके अमात्य शिशुनाग ने अवन्ति के शासक नन्दिवर्धन को पराजित कर अवन्ति राज्य को मगध में मिला दिया।
- शिशुनाग वंश के पतन के पश्चात मध्य प्रदेश पर नंद वंश का शासन स्थापित हुआ।

मौर्यकाल (323 ई0पू0 से 184 ई0पू0)–

- बौद्ध ग्रंथ दीपवंश के अनुसार मौर्य वंश के शासक बिन्दुसार के शासनकाल में अशोक मध्य प्रदेश स्थित अवन्ति का कुमारपाल था।
- अशोक ने उज्जयिनी को अवन्ति राज्य की राजधानी बनाया। उसने विदिशा के श्रेष्ठी की पुत्री 'श्रीमहादेवी' से विवाह किया, उसी से अशोक के पुत्र महेन्द्र और पुत्री संघमित्रा का जन्म हुआ।
- मौर्यकालीन सम्राट अशोक के लघु शिलालेख जो मध्य प्रदेश से मिले हैं, निम्न हैं–रूपनाथ (कटनी जिला), गुर्जरा (दतिया), सारामारो (सीहोर), पानगुडरिया (सीहोर), सांची (रायसेन)
- मौर्य कालीन आहत मुद्राएं (चांदी एवं सोने से निर्मित) मध्य प्रदेश के उज्जैन, विदिशा, सांची, एरण, बेसनगर आदि से मिली हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- मध्य प्रदेश में मौर्यकालीन प्रमुख स्तूप सांची (रायसेन) बौद्ध स्तूप है जिसका निर्माण सम्राट अशोक ने करवाया था, इसके अतिरिक्त रायसेन में सोनारी, सतधारा एवं भोजपुर बौद्ध स्तूप, सतना में भरहुत बौद्ध स्तूप आदि स्थित हैं।

शुंगकाल (184–72 ई0पू0) –
- मौर्य सम्राट बृहद्रथ की हत्या कर पुष्यमित्र शुंग ने 184 ईसा पूर्व शुंग वंश की स्थापना की।
- कालिदास रचित मालविकाग्निमित्रम् के अनुसार पुष्यमित्र शुंग का पुत्र अग्निमित्र विदिशा का राज्यपाल था।
- शुंग वंश के शासक भागभद्र के शासनकाल में तक्षशिला के यवन नरेश एण्टियालकीड्स का राजदूत हेलियोडोरस उसके विदिशा स्थित दरबार में उपस्थित हुआ उसने भागवत धर्म ग्रहण किया तथा विदिशा के पास बेसनगर में गरूड़, स्तंभ की स्थापना की।

सातवाहन काल (60 ई0पू0–240 ई0)–
- मध्य प्रदेश से सातवाहन कालीन 'राजा सिरि सात' अंकित सिक्के उज्जैन, देवास, होशंगाबाद से मिले हैं।
- सातवाहन कालीन शासक गौतमीपुत्र शातकर्णी के साम्राज्य में मध्य प्रदेश स्थित अनूप, आकर व अवन्ति प्रदेश सम्मिलित थे।

कुषाण काल (प्रथम शताब्दी ई0पू0)–
- मध्य प्रदेश स्थित विदिशा से कुषाण शासक विम कडफिसेस का एक सिक्का प्राप्त हुआ है।
- मध्य प्रदेश स्थित शहडोल से कुषाण शासकों के कुल 757 सिक्के प्राप्त हुए हैं।

नागवंश (93 ई.-195 ई.)–
- विदिशा में दूसरी शताब्दी के अंतिम दशक में नागवंश की स्थापना वृषनाग ने की थी।
- वृषनाग के सिक्के ग्वालियर संग्रहालय में रखे गये हैं।
- नागवंशीय अधिकांश सिक्के पवाया (प्राचीन पद्मावती) से प्राप्त हुए हैं।

गुप्त काल (280–550ई0)–
- गुप्त कालीन शासक समुद्रगुप्त के लेख मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित एरण नामक स्थान से प्राप्त हुए हैं।
- इस लेख में समुद्रगुप्त को राघव, पृथु आदि राजाओं से बड़ा दानी बताया गया है।
- गुप्तकालीन शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय के तीन अभिलेख पूर्वी मालवा से प्राप्त हुए हैं, जिसमें शक विजय की सूचना मिलती है।
- चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में मध्य प्रदेश का भू–भाग उज्जयिनी विद्या का प्रमुख केन्द्र था।
- चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के शासनकाल में उज्जयिनी को मगध की राजधानी के रूप में विकसित किया गया।
- गुप्तकाल में मध्य प्रदेश स्थित उज्जयिनी तथा विदिशा प्रमुख व्यापारिक नगर थे।

वाकाटक वंश (लगभग 250 से 500 ई.)–
- वाकाटक राजवंश का प्रथम शासक विन्ध्यशक्ति प्रथम था। इसने मध्य प्रदेश स्थित क्षेत्र विदिशा पर 250 से 270 ई. तक शासन किया।
- विन्ध्यशक्ति प्रथम की मृत्यु के पश्चात उसका पुत्र प्रवरसेन शासक बना।
- प्रवरसेन ने अश्वमेध यज्ञ किया तथा पद्मावती ने नागवंश के शासकों के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित किया।
- वाकाटक वंश के शासक प्रवरसेन द्वितीय ने प्रवरपुर नामक नगर को बसाया। इतिहासकारों के अनुसार मध्य प्रदेश का आधुनिक पवनार नगर ही प्राचीन प्रवरपुर था।
- प्रवरसेन द्वितीय के कुल बारह दानपत्र प्राप्त हुए हैं जिनमें से सात मध्य प्रदेश के दुर्ग, बैतूल, इन्दौर, शिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट जिलों से प्राप्त हुए हैं।

राष्ट्रकूट वंश (736 से 973 ई.)
- राष्ट्रकूट वंश का आरंभ 'दन्तिदुर्ग' से लगभग 736 ई. मे हुआ था। उसने नासिक को अपनी राजधानी बनाया। तत्पश्चात् इन शासकों ने मान्यखेट, (आधुनिक मालखण्ड) को अपनी राजधानी बनाया। राष्ट्रकूटों ने 736 ई. से 973 ई. तक राज्य किया।
- राष्ट्रकूट वंश की प्रथम शाखा (7वीं से 8वीं सदी) बैतूल-अमरावती क्षेत्र पर राज्य करती थी। इसके चार ज्ञात राजाओं में दुर्गराज, गोविन्दराज, स्वामिराज तथा नन्नराज युद्धासुर थे।
- इस वंश की द्वितीय शाखा मान्यखेट में राज्य करती थी, जिसके संस्थापक दन्तिदुर्ग ने अपनी विदर्भ जागीर को विस्तृत कर उज्जयिनी के गुर्जर शासक को पराजित कर हिरण्यगर्भ दान किया।
- मालवा पर अधिकार कायम रखने के लिए राष्ट्रकूट शासक कृष्ण द्वितीय ने गुर्जर प्रतिहार शासक भोज से युद्ध किया।
- नागभट्ट प्रथम ने उज्जयिनी में 8वीं सदी में गुर्जर-प्रतिहार वंश की स्थापना की। वह अपने शासनकाल में मात्र राष्ट्रकूट दन्तिदुर्ग से पराजित हुआ।
- 9वीं सदी के आरम्भ में गुर्जर शासक नागभट्ट द्वितीय के राज्य को राष्ट्रकूट शासक गोविन्द तृतीय द्वारा अपने अधीन कर लिया गया फिर भी ग्वालियर और कालिंजर के क्षेत्र गुर्जरों के अधीन बने रहे।
- गुर्जर प्रतिहार वंश के महान शासक मिहिरभोज प्रथम (836-885 ई.) द्वारा राज्य को सुसंगठित कर बुंदेलखण्ड पर पुनः अधिकार कर लिया गया।
- मध्य प्रदेश में ग्वालियर से भोज के दो अभिलेख और ग्वालियर जिले के सागर-ताल से एक अभिलेख प्राप्त हुआ है, जो यहाँ के व्यापार और स्थानीय प्रशासन पर प्रकाश डालते हैं।
- अरब यात्री सुलेमान का आगमन भोज के समय हुआ था, जिसे मिहिरभोज की कुछ मुद्राओं में 'आदि वाराह' कहा गया है।
- 10वीं सदी में राष्ट्रकूट नरेश इन्द्र तृतीय द्वारा गुर्जर शासक महीपाल प्रथम को पराजित कर उज्जैन पर अधिकार कर लिया गया।
- प्रतिहार साम्राज्य के पतनोपरान्त मध्य प्रदेश से संबंधित तीन सामंतों त्रिपुरी के कल्चुरी, मालवा के परमार तथा बुंदेलखण्ड के चन्देल ने स्वयं को स्वतंत्र कर लिया।
- जैन ग्रन्थ हरिवंश पुराण और कुवलयमाला से पता चलता है कि गुर्जर वत्सराज का शासन मालवा पर था।

चंदेल राजवंश (831 से 1203 ई.)
- चंदेल राजवंश की स्थापना नन्नुक (831-845 ई.) द्वारा की गई थी, जिसने खजुराहो को अपनी राजधानी बनाया।
- चंदेल शासित क्षेत्र का नाम चंदेल शासक जयशक्ति के नाम पर जोजाकभुक्ति रखा गया।
- जयशक्ति ने अपनी पुत्री नट्टा का विवाह त्रिपुरी के कल्चुरी शासक कोकल्ल प्रथम से किया था।
- खजुराहो के दो श्रेष्ठतम मंदिर विश्वनाथ तथा पार्श्वनाथ का निर्माण चन्देल राजा धंग (950-999 ई.) के राज्यकाल में हुआ था।
- खजुराहो के जगदम्बी तथा चित्रगुप्त मंदिर का निर्माण धंग के पुत्र गंड के समय में किया गया।
- खजुराहो के कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण चंदेल राजा गंड के पुत्र विद्याधर (1019-1029 ई.) के शासनकाल में हुआ है।
- मंदिर के गर्भगृह में शिव, गणेश तथा प्रमुख हिन्दू देवियों की मूर्तियां बनी हैं। इस मंदिर की भीतरी तथा बाहरी दीवारों पर अनेक भव्य मूर्तियाँ उत्कीर्ण की गई हैं।
- पृथ्वीराज रासो के अनुसार 1182 ई. में पृथ्वीराज चौहान द्वारा महोबा एवं जेजाकभुक्ति के क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया गया। जबकि कुतबुद्दीन ऐबक द्वारा 1202 ई. में वहाँ तुर्की शासन स्थापित कर दिया गया।
- परमार्दिदेव (1166-1203 ई.) चन्देल वंश का अंतिम शासक था।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

परमार राजवंश

- मालवा में परमार राजवंश की स्थापना नौवीं सदी के प्रारम्भ में राष्ट्रकूट अथवा प्रतिहारों के सामंत उपेन्द्र द्वारा की गई थी। राजा भोज परमार वंश का सर्वाधिक प्रतापी राजा था। वह अपनी विद्वता के कारण 'कविराज' की उपाधि से प्रसिद्ध था।
- महालक देव (1305 ई.) परमार वंश का अंतिम शासक था, जिसे अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति आइन-उल-मुल्क द्वारा पराजित कर मार डाला गया, जिसके बाद मालवा पर मुस्लिम शासन स्थापित हुआ।

कल्चुरी राजवंश

- महिष्मती कलचुरियों की प्राचीन राजधानी थी। इसका प्रथम शासक कृष्णराय (550 ई. - 575 ई.) था। इसके चांदी के सिक्के तेवर, बेसनगर और पट्टन से मिले हैं।
- कलचुरी (बुद्धराज के वंशज) चालुक्यों से हारने के बाद महिष्मति छोड़कर चेदि देश चले आये और त्रिपुरी को अपनी राजधानी बनाया।
- राजा कर्ण कलचुरी राजवंश के सर्वाधिक प्रतापी राजा थे। लगातार सैनिक उपलब्धियों के कारण उन्हें 'हिन्दू नेपोलियन' के नाम से जाना जाता है।

तोमर राजवंश

- वीर सिंह देव द्वारा 14वीं सदी के उत्तरार्ध में ग्वालियर में तोमर वंश की स्थापना की गई।
- राजा मानसिंह (1486-1517ई.) तोमरवंश का सबसे प्रतापी राजा था।
- दिल्ली के बहलोल लोदी, सिकन्दर लोदी तथा इब्राहिम लोदी से राजा मानसिंह को युद्ध करना पड़ा।
- इब्राहिम लोदी द्वारा 1517 ई. में ग्वालियर का किला जीत लिया गया, इस युद्ध में मानसिंह को वीरगति प्राप्त हुई।
- ग्वालियर के किले में मान मंदिर और गुजरी महल का निर्माण मान सिंह द्वारा कराया गया था।
- संगीत के प्रमुख ग्रंथ 'मान कौतूहल' की रचना मान सिंह द्वारा की गई थी।

गोरी वंश

- मोहम्मद गोरी द्वारा ग्वालियर के सल्लक्षण या लोहंगदेव पर 1195-96 ई. में आक्रमण किया गया। सल्लक्षण ने उसका आधिपत्य स्वीकार कर लिया, जिसके बाद गोरी ने उसे ग्वालियर का शासक नियुक्त किया।
- 1206 ई. तक मध्य प्रदेश में गोरियों ने ग्वालियर, मालवा और कालिंजर को अपने अधीन कर लिया।
- गुलाम वंश का सबसे प्रतापी सुल्तान इल्तुतमिश था, जिसने 1228 ई. में सिंध को अपने राज्य में मिला लिया।
- मध्य प्रदेश के मांडु, ग्वालियर, उज्जैन और मालवा को जीतने के बाद उसने नर्मदा नदी तक अपने साम्राज्य का विस्तार किया।
- फरिश्ता के अनुसार जलालुद्दीन फिरोजशाह खिलजी का 1295 ई. में ग्वालियर में शिकार हेतु पदार्पण हुआ था, जहाँ यात्रियों के लिए उसके द्वारा एक गुंबदाकार विश्राम-गृह बनवाया गया, जिस पर एक लेख उत्कीर्ण था।
- जलालुद्दीन द्वारा मांडु पर आक्रमण कर लूट-पाट की गई थी।
- बम्हीन गाँव (बढ़ैया सेड़े के समीप) में सतीचौरा लेख से ज्ञात होता है कि अलाउद्दीन खिलजी द्वारा कालिंजर पर 1308 ई. और 1309 ई. के बीच अधिपत्य किया गया था।
- अलाउद्दीन के शासनकाल में अधिकांश मध्य प्रदेश जिसमें धार, चंदेरी, भिलसा, मांडु तथा उज्जैन जैसे महत्त्वपूर्ण स्थान थे, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त प्रांतपतियों के सीधे नियंत्रण में था।
- 1305 ई. के शासक महलक देव को अलाउद्दीन खिलजी द्वारा पराजित कर वहाँ पर मुक्ता आइनुमुल्क मुल्तानी को नियुक्त किया गया।
- खिलजियों का मालवा पर अधिपत्य 1310 ई. तक बना रहा।

तुगलक वंश

- दमोह जिले के बाटियागढ़ शिलालेख में मुहम्मद तुगलक (1325-51 ई.) का उल्लेख मिलता है।
- सागर जिले के दुलचीपुर ग्राम के स्मारक पत्थर पर सुल्तान फिरोज शाह तुगलक के राज्य का उल्लेख किया गया है।
- मालवा का सूबेदार दिलावर खां गौरी नसीरुद्दीन महमूद के समय में स्वतंत्र हो गया था।
- दिलावर खां गौरी ने चंदेरी पर चढ़ाई कर बुंदेलखण्ड का दक्षिणी तथा पश्चिमी भाग अपने अधीन कर लिया।
- ग्वालियर में नरसिंह राय के राजा बनने से मध्य प्रदेश के अधिकांश भागों से दिल्ली के शासकों का आधिपत्य समाप्त हो गया।

मुगलकाल

- मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर द्वारा चंदेरी, रायसेन तथा ग्वालियर पर अधिकार कर लिया गया।
- बाबर द्वारा जनवरी 1528 ई. में चंदेरी युद्ध में मालवा के शासक मेदिनी राय को पराजित किया गया।
- बाबर ने मंदसौर युद्ध में गुजरात के शासक बहादुर शाह जफर को पराजित कर पश्चिमी मध्य प्रदेश पर शासन स्थापित किया।
- मालवा के शासक मल्लू खां जिसने कादिरशाह की उपाधि धारण कर रखी थी, को 1542 ई. में सूर वंश के शेरशाह सूर ने पराजित कर शुजात खां को मालवा का सूबेदार बना दिया।
- अकबर की सेना ने आधम खां तथा पीर मोहम्मद के नेतृत्व में 1516 ई. में मालवा के शासक बाज बहादुर को पराजित किया। जिसे अकबर ने अपने दरबार में सम्मिलित कर लिया।
- 1731 ई. में मालवा मराठों के तीन प्रमुख सरदारों सिंधिया (खण्डवा, हरदा, उज्जैन, टिमरनी, बुरहानपुर, ग्वालियर तथा मंदसौर) होल्कर (पश्चिमी निमाड़ से टामपुरा-मानपुरा) और पवार (धार व देवास) के अधीन था।
- खिलजियों के पतनोपरान्त गोंड जनजाति के यादव राय द्वारा गढ़ा कटंगा में गोंड वंश (14वीं शताब्दी) की स्थापना की गई।
- 1480 ई. में संग्रामशाह के गोंड शासक बनने के समय गोंड वंश का प्रभुत्व जबलपुर तथा मण्डला के आस-पास के क्षेत्रों तक सीमित था।
- संग्रामशाह का राज्य 52 गढ़ों तक विस्तृत था। इनके पुत्र दलपति शाह का विवाह चंदेल वंश की राजकुमारी दुर्गावती के साथ हुआ था।
- दलपति शाह की मृत्यु के पश्चात् पुत्र वीर नारायण के अल्प वयस्क होने के कारण रानी दुर्गावती ने शासन की बागडोर स्वयं संभाली।
- मुगल सेनापति आसफ खां ने नरही के पास युद्ध में रानी दुर्गावती को पराजित कर दिया।

होल्कर वंश

- होल्कर वंश की स्थापना मल्हारराव होल्कर (1728-66 ई.) द्वारा इंदौर में की गई थी।
- पेशवा द्वारा मालवा का शासन सिंधिया तथा होल्कर को सौंप दिया गया।
- 29 जुलाई, 1732 को एक औपचारिक दस्तावेज द्वारा पेशवा बाजीराव, सिंधिया तथा पवार सरदारों के बीच मालवा का बंटवारा कर दिया गया।
- 14 जनवरी, 1761 में पानीपत के युद्ध के बाद मल्हार राव होल्कर मालवा में अपना आधिपत्य पुनः स्थापित करने के लिए इन्दौर पहुँचकर एक विशाल क्षेत्र का अधिपति बन गया, जहाँ की वार्षिक आय 60 लाख रूपये थी।
- 26 मई, 1766 को आलमपुर में मल्हार राव के आकस्मिक देहान्त के बाद नाती मालेराव होल्कर के नाम पर मल्हार राव की

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

पुत्र वधू अहिल्याबाई ने पेशवा की अनुमति से प्रशासनिक कार्यभार संभाल लिया।

- 27 मार्च, 1767 को मालेराव के देहांत के बाद उनकी माता अहिल्या बाई ने राज्य की बागडोर स्वयं संभाल ली तथा मल्हार राव के विश्वासपात्र अधिकारी तुकोजी होल्कर को अपनी सेना का सेनापति बना दिया।
- 13 अगस्त, 1795 को 70 वर्ष की आयु में अहिल्या बाई का स्वर्गवास हो गया। तत्पश्चात् तुकोजी द्वारा प्रशासनिक कार्यभार संभाला गया, परंतु 15 अगस्त, 1797 में उनका देहांत हो गया।
- होल्कर वंश के अंतिम राजा तुकोजी तृतीय के काल में यह राज्य भारत संघ में मिलकर मध्य भारत का अंग बन गया।

सिंधिया वंश

- सिंधिया वंश का संस्थापक रानोजी सिंधिया था। इस वंश का सर्वाधिक प्रतापी राजा महादजी सिंधिया था।
- महादाजी सिंधिया द्वारा 1765 ई. में गोहद के जाट राणा लोकेन्द्र सिंह से ग्वालियर का किला छीन लिया गया।
- महादाजी सिंधिया ने दिल्ली पर कब्जा करके मुगल सम्राट शाह आलम को गुलाम कादिर के नियंत्रण से मुक्त कराया, जिसके बदले में मुगल सम्राट ने महादजी को अपना प्रधानमंत्री बनाकर सभी प्रशासनिक अधिभार प्रदान कर दिया।
- 1810 ई. में दौलतराव सिंधिया ने ग्वालियर को अपनी राजधानी बनाया। इसके पूर्व सिंधिया वंश की राजधानी उज्जैन थी।
- सिंधिया वंश के अन्य उत्तराधिकारी जानकोजी (1827-1843), जयाजी राव (1843-1886), माधवराव (1886-1925) तथा जीवाजी राव थे।

मध्य प्रदेश में स्वाधीनता संग्राम

- वर्ष 1818 में सर्वप्रथम मध्य प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ स्वाधीनता आन्दोलन प्रारंभ हुआ। इस आन्दोलन का नेतृत्व अप्पाजी भोंसले द्वारा किया गया क्योंकि अंग्रेजों द्वारा उनमें मण्डला, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी व नर्मदा घाटी का क्षेत्र छीन लिया गया था।
- रामगढ़ के युवराज देवनाथ सिंह द्वारा वर्ष 1833 में एक असफल विद्रोह किया गया। इसके पश्चात् वर्ष 1842 में यह विद्रोह सागर, दमोह, नरसिंहपुर, जबलपुर, मंडला व होशंगाबाद तक फैल गया परंतु आपसी सामन्जस्य के अभाव में अंग्रेजों द्वारा इन विद्रोहों को कुचल दिया गया।
- वर्ष 1857 के स्वाधीनता संग्राम का प्रभाव मध्य प्रदेश के आन्दोलनों पर भी पड़ा। नीमच छावनी में पैदल तथा घुड़सवार सैनिकों ने 3 जून, 1857 को विद्रोह कर दिया, जिसे कर्नल सी.बी. सोबर्स द्वारा नियंत्रित किया गया।
- 14 जून, 1857 में ग्वालियर के निकट मुरार छावनी के सैनिकों ने संचार व्यवस्था भंग करके कुछ समय के लिए ग्वालियर पर अधिकार कर लिया।
- वर्ष 1857 में ही सआदत खां और होल्कर की सेना ने छावनी रेजीडेंस पर हमला कर दिया था।
- शहजादा हुमांयू ने फिरोजशाह नाम से मंदसौर में स्वतंत्र राज्य स्थापित किया।
- 14 जून, 1857 को मुरार छावनी में विद्रोह, शिवपुरी के मेहरबान सिंह द्वारा 20 जून, 1857 को नरसिंहपुर में विद्रोह तथा अगस्त 1857 में सागर व नर्मदा घाटी के समस्त प्रदेश में असैनिक विद्रोह प्रारंभ हो गया।
- भोपाल की बेगम सिकंदर ने जुलाई, 1857 को विद्रोहियों से बचाने के लिए कर्नल ड्यरेण्ट, कर्नल ट्रेबर्न, कैप्टन लुडो व कोष को शरण दी।
- मध्य प्रदेश में सबसे सशक्त विद्रोह अंग्रजों के खिलाफ गंगाधर राव की विधवा झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई व तात्या टोपे द्वारा किया गया था।
- कर्नल ह्यूरोज के नेतृत्व मे ब्रिटिश सैनिकों ने 17 जून, 1858 को झाँसी की रानी और तात्या टोपों की संयुक्त सेना को हरा दिया और इस युद्ध में रानी लक्ष्मीबाई लड़ते-लड़ते शहीद हो गई और सिंधिया के सामंत द्वारा तात्या टोपे को अंग्रेजों से पकड़वा दिया गया। अंग्रेजों ने उन्हें शिवपुरी में फाँसी दे दी।
- ग्वालियर में सिंधिया, इंदौर के होल्कर व भोपाल के नवाब ने 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों का साथ दिया था।
- मण्डलेश्वर में विद्रोही सेना द्वारा सेण्ट्रल जेल पर हमला बोलकर शाही खजाना लूट लिया गया। विद्रोह में कैप्टन बेंजमिन हेब्स मारा गया तथा दो वर्ष तक मण्डलेश्वर में विद्रोहियों का अधिकार रहा।
- रामगढ़ रियासत की रानी अवन्ती बाई ने मण्डला नगर की सीमा पर खेरी गाँव में सेनापति वार्डन को युद्ध भूमि से भागने पर मजबूर कर दिया।
- 20 मार्च, 1858 को पुनः अंग्रेजी सेना से युद्ध के दौरान घिरता देख अवन्ती बाई ने अंगरक्षिका गिरधारी बाई की कटार से आत्महत्या कर ली।
- बाल गंगाधर तिलक के प्रभाव में मध्य भारत, मालवा आदि क्षेत्रों में गणेश उत्सव, शिवाजी उत्सव आदि के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का प्रसार किया जाने लगा।
- इसी दौरान खण्डवा से 'सुबोधसिन्धु' व जबलपुर से 'जबलपुर टाइम्स' समाचार पत्रों का प्रकाशन प्रारंभ हुआ। माखनलाल चतुर्वेदी ने भी अपने पत्र 'कर्मवीर' के द्वारा राष्ट्रवादी विचारधारा के विकास में योगदान दिया।
- वर्ष 1923 में जबलपुर में सत्याग्रह प्रारंभ होने के पश्चात सम्पूर्ण प्रदेश में सत्याग्रह का नेतृत्व देवदास गांधी, राजगोपालाचारी तथा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा किया गया।
- 6 अप्रैल, 1930 को सेठ गोविंद राय व पंडित द्वारिका प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में नमक सत्याग्रह की शुरुआत की गई।
- जंगल सत्याग्रह में शामिल सेठ गोविंददास, माखनलाल चतुर्वेदी, पं. रविशंकर शुक्ला, पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र व विष्णु दयाल आदि नेताओं पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया।
- वर्ष 1922 में भोपाल रियासत की सिहोर कोतवाली के सामने विदेशी वस्त्रों की होली जलायी गयी थी।
- 'भोपाल राज्य प्रजामण्डल' की स्थापना वर्ष 1938 में हुई, जिसके अधिवेशन में नागरिक स्वतंत्रताओं की माँग का प्रस्ताव रखा गया।
- वर्ष 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ हो जाने पर महात्मा गांधी द्वारा जबलपुर से सविनय अवज्ञा आन्दोलन की शुरुआत की गई थी।
- भारत छोड़ो आंदोलन का प्रारंभ वर्ष 1942 में मध्य प्रदेश में ग्वालियर रियासत के विदिशा से हुआ।
- जनवरी, 1939 में प्रदेश के त्रिपुरी नामक स्थान पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन संपन्न हुआ और इसमें सुभाष चन्द्र बोस को कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया था।
- मंडलेश्वर जेल में बंद क्रांतिकारियों ने ताला तोड़कर अंग्रेजों के विरुद्ध प्रदर्शन किया तथा एक सभा भी आयोजित की गई।
- 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् मध्य भारत की रियासतों को शामिल करके राज्य का निर्माण किया गया।
- 1 नवंबर, 1956 को मध्य प्रदेश का पुनर्गठन हुआ तथा भोपाल को राजधानी बनाया गया था।
- 1 नवंबर, 2000 में मध्य प्रदेश के पुनर्गठन के पश्चात् छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

12.

मध्य प्रदेश : कला एवं संस्कृति

मध्य प्रदेश कला और संस्कृति की दृष्टि से अत्यधिक सम्पन्न प्रदेश है, यहाँ सांस्कृतिक विविधता में समृद्धि के कारण मध्य प्रदेश को लघु भारत की संज्ञा से विभूषित किया जाता है। मध्य प्रदेश प्राचीन काल से ही अनेक ऋषियों, संतों, कवियों आदि महापुरूषों की जन्म एवं कर्मस्थली रहा है। पौराणिक काल में मध्य प्रदेश के अवंतिका के संदीपन ऋषि के आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण, और उनके बड़े भ्राता बलराम और मित्र सुदामा के साथ शिक्षा ग्रहण किये थे।

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से भीमबेटका के शैलाश्रयों में मध्यपाषाण काल से ही मानवीय कला और संस्कृति का विकास प्रारम्भ होता है। मध्य प्रदेश को कला और संस्कृति के आधार पर चार अंचलों निमाड़, मालवा, बुंदेलखण्ड और बघेलखण्ड में बाँटा गया है।

भाषा एवं बोलियाँ

मध्य प्रदेश एक हिन्दी भाषी राज्य है। यहाँ हिन्दी की देवनागरी लिपि का प्रयोग शिक्षा–दीक्षा, प्रशासन एवं निजी व्यवहार के लेखन में किया जाता है। मध्य प्रदेश में बुन्देली, बघेली, मालवी, निमाड़ी, छत्तीसगढ़ी और भीली बोलियों के साथ–साथ कुरूख, कोरकू, उरांव व गोंडी, हल्बी बोलियाँ बोली जाता है।

बुंदेली बोली– पश्चिमी हिन्दी की प्रमुख बोली बुन्देली का यह नाम जार्ज ग्रियर्सन ने दिया था। यह बोली भारतीय आर्य भाषा परिवार की शौरसेनी अपभ्रंश से उत्पन्न है। इसका प्रसार दतिया, ग्वालियर, भिण्ड, शिवपुरी सागर, गुना, पन्ना, दमोह, विदिशा, मुरैना, रायसेन, होशंगाबाद, जबलपुर, सिवनी, छिन्दवाड़ा तथा बालाघाट क्षेत्र में है।

बघेली बोली– बघेली बोली का जन्म अर्द्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है। यह बोली रीवां, सतना, सीधी, शहडोल जिलों में बोली जाती है।

मालवी बोली– राजस्थान हिन्दी वर्ग की शौरसेनी अपभ्रंश से मालवी बोली का उदय हुआ है यह बोली देवास, उज्जैन, इंदौर जिलों में प्रमुखता से बोली जाती है।

निमाड़ी बोली– निमाड़ी बोली दक्षिणी राजस्थानी वर्ग की हिन्दी शौरसेनी अपभ्रंश से जन्मी है। इस बोली से मध्य प्रदेश का खण्डवा, बड़वानी, देवास, धार, खरगौन का क्षेत्र प्रभावित है।

भीली बोली– मध्य प्रदेश के खरगौन, झाबुआ, रतलाम और धार क्षेत्र में निवास करने वाली भील जनजाति के द्वारा बोली जाने वाली बोली भीली कही जाती है।

साहित्यिक विकास

मध्य प्रदेश की साहित्य परम्परा काफी समृद्ध और समुन्नत है इसके प्रमुख कवि, लेखक और साहित्यकार तथा उनकी रचनाओं का विवरण निम्नांकित है–

साहित्यकार	प्रमुख रचनाएं
कालिदास उज्जैन के निवासी थे यह चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक थे। इन्हें भारत का शेक्सपीयर कहा जाता है। प्राचीन भारत के श्रेष्ठ कवि एवं नाटककार के रूप में सरस्वती के अमरपुत्र हैं इन्हें कविकुल गुरू की उपाधि से विभूषित किया गया है।	**कुमारसंभव–** यह कालिदास का प्रथम महाकाव्य है इसमें शिव–पार्वती के पुत्र कार्तिकेय का वर्णन है। **रघुवंश–** यह इनका दूसरा महाकाव्य है। 19 सर्गों में रचित है। **मालविकाग्निमित्रम्–** यह इनका पहला नाटक है जिसमें 5 अंक हैं। इसमें शुंग शासक अग्निमित्र और मालवदेश की राजकुमारी मालविका की प्रणय गाथा वर्णित है। **विक्रमोर्वशीयम–** यह कालिदास का दूसरा नाटक है। पाँच अंकों में रचित इस ग्रंथ में उर्वशी और पुरूरवा की प्रेमगाथा का वर्णन है। **अभिज्ञान शाकुन्तलम–** यह कालिदास का विश्व प्रसिद्ध तीसरा नाटक है सात अंकों की इस रचना में दुष्यंत और शकुन्तला की प्रणय कथा है। **ऋतु संहार–** एक खण्ड काव्य है। **मेघदूत–** यह भी खण्ड काव्य है।
भवभूति का जन्म पद्मपुर (विदर्भ क्षेत्र) में लगभग 700 ई. में हुआ था। भवभूति का मूल नाम श्रीकंठ था।	महावीर चरित, मालतीमाधव, उत्तररामचरित
भर्तृहरि का काल प्रथम शताब्दी ई.पू. में हुआ था। यह विक्रम संवत के प्रतिपादक उज्जयिनी के शासक विक्रमादित्य के बड़े भाई थे। उत्तर प्रदेश के चुनार में इन्होंने साधना की थी इनकी समाधि राजस्थान के सरिस्का के पास है।	नीतिशतक, शृंगारशतक, वैराग्यशतक, वाक्य प्रदीप्ति, योग प्रदीप्ति प्रदीपिका नामक टीका, सुभाषित, मीमांसा भाष्य, वेदान्त सूत्र वृत्ति एवं शब्द धातु समीक्षा
बाणभट्ट हर्षवर्धन के दरबारी विद्वान थे।	कादम्बरीकथामुखम, हर्षचरित, पार्वती परिणय, चण्डीशतक, मुकुट ताड़दिक आदि।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

केशवदास का जन्म ओरछा (टीकमगढ़) में हुआ था। यह ओरछा नरेश रामसिंह के भाई इंद्रजीत सिंह के दरबारी कवि थे।	रसिकप्रिया, कविप्रिया, विज्ञान गीता, नख-सिख, वीरसिंह देव रचित, छन्दमाला, रामचन्द्रिका, रतनवावनी, जहांगीर जस चन्द्रिका आदि हैं।
दण्डी संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार थे। कुछ विद्वान इनका जन्म सातवी सदी के उत्तरार्द्ध या आठवीं शती के प्रारम्भ मानते हैं तो कुछ 550 से 650 के मध्य इनका जन्म मानते हैं।	दशकुमारचरितम्, काव्यादर्शः, अवंतिसुंदरी कथा है।
भारवि	किरातार्जुनीयम
पद्माकर भट्ट का जन्म 1753 ई. में सागर में हुआ था। इनकी मृत्यु कानपुर 1833 में हुई थी।	जगत-विनोद, ईश्वर पच्चीसी, प्रबोध-पचासा, गंगा लहरी, राम रसायन, भाषा हितोपदेश, अलीजाह प्रकाश, पद्माभरण, हिम्मत बहादुर विरूदावली
भूषण रीतिकाल के कवि थे इनका जन्म कानपुर के तिकवांपुर में हुआ था।	छत्रसाल दशक, शिवराज भूषण, शिवा बावनी, भूषण उल्लास, भूषण हजारा आदि इनकी रचनाएं हैं।
बिहारी यह हिन्दी के कवि थे। ये केशवदास के पुत्र थे। इनका जन्म 1595 ई. में ग्वालियर में हुआ था। इनकी मृत्यु सन् 1663 ई. में हुई थी।	बिहारी सतसई
माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल, 1889 को होशंगाबाद जिले के बाबई गाँव में नंदलाल तिवारी के यहाँ हुआ था।	हिम-किरीटनी, हिमतरंगिणी, माता, युगचरण, समर्पण, वेणु लो गूंजे धरा, मरण–ज्वार, विजुरी, काजल औज रही, धूम्र वलय, पुष्प की अभिलाषा, अमरराष्ट्र, कृष्णार्जुन युद्ध, साहित्य देवता, अमीर इरादे।
सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त, 1904 को इलाहाबाद के निहालपुर गाँव में हुआ था। इनका विवाह खण्डवा के ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ हुआ था।	त्रिधारा, मुकुल (कविता संग्रह), बिखरे मोती, उन्मादिनी (कहानियाँ) सभा के खेल, सीधे–साधे चित्र (बाल साहित्य) झांसी की रानी (कविता)।
गजानन माधव मुक्ति बोध (प्रयोगवादी कवि) का जन्म श्योपुर (शिवपुर) में हुआ था।	भारत का इतिहास और संस्कृति, कामायनी एक पुनर्विचार, नई कविता का आत्म संघर्ष, नए साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, समीक्षा की समस्याएं, चम्बल की छाती, भूरी–भूरी खाक धूल, भूल गलती, शक्ति के अमृत घूंट, काठ का सपना, विपात्र आदि है।
बालकृष्ण शर्मा नवीन का जन्म मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के भयाना ग्राम में 8 दिसम्बर, 1897 ई. को ब्राह्मण परिवार में हुआ था गांधी वादी विचारों से प्रेरित होकर वे सत्याग्रही बने और कई बार जेल भी गये इनकी मृत्यु 29 अप्रैल, 1960 ई. को हुई थी।	उर्मिला, क्वासि प्राणार्पण (खण्डकाव्य) 'कुमकुम', रश्मिरेखा, बिनोवा स्तवन, हम विषपायी जन्म के कुमकुम, अपलक, विप्लवगायन, अनल गायन आदि हैं।
भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म 29 मार्च, 1913 को होशंगाबाद मध्य प्रदेश में हुआ था। स्वदेशी काव्य परम्परा के यह कवि स्नातक परीक्षा के बाद 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भागीदार बने। तथा 1942 से 1945 के जेल जीवन में इन्होंने स्वाध्याय से ज्ञानार्जन किया। इन्होंने महिलाश्रम और कल्पना पत्रिका का संपादन किया, आकाशवाणी बम्बई में सेवारत रहे, यह भारत सरकार द्वारा प्रकाशित सम्पूर्ण गांधी वाङ्मय से जुड़े रहे। इनका देहावसान 1985 में हुआ था।	गीतफरोश, अंधेरी कविताएं, गाँधी पंचशप्ती, बुनी हुई रस्सी, खुशबू के शिलालेख, अनाम तुम हो, इदनंमम्, तूस की आग, नीली रेखा तुकों का खेल, पाँव एवं पंख, कमल के फूल, पहेली आदि।
हरिशंकर परसाई हिन्दी के प्रख्यात व्यंग लेखक हैं इनका जन्म 22 अगस्त, 1924 को होशंगाबाद के जमानी नामक ग्राम में हुआ था। नागपुर विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् वसुंधरा समाचार पत्रिका से जुड़े, इनकी मृत्यु 1995 ई. में हुई।	रानी नागफनी की कहानी (उपन्यास), तट की खोज, हँसते हैं रोते हैं, जैसे उनके दिन फिरे, भूत के पाँव पीछे, विकलांग श्रद्धा का दौर, बेईमानी की परत, तब की बात और थी, पगडंडियों का जमाना, सदाचार की ताबीज, शिकायत मुझे भी है, वैष्णव की फिसलन, ठिठुरता हुआ गणतंत्र, निठल्लों की डायरी, तुलसीदास चन्दन घिसे।
शरद जोशी का जन्म 21 मई, 1931 को मध्य प्रदेश के उज्जैन में हुआ था। इंदौर से स्नातक की शिक्षा ग्रहण कर नई दुनिया नामक दैनिक के परिक्रमा स्तम्भ में जुड़े पद्मश्री से विभूषित जोशी जी एक प्रसिद्ध व्यंगकार और पत्रकार थे इनकी मृत्यु 5 सितम्बर, 1991 ई. को हुई।	एक था गधा, रहा किनारे बैठ, पिछले दिनों, अंधों का हाथी, तिलिस्म, फिर किसी बहाने, जीप पर सवार इल्लियाँ, परिक्रमा, दूसरी सतह इनकी रचनाएं हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

13.

मध्य प्रदेश : साहित्य एवं पत्र-पत्रिकाएँ

मध्य प्रदेश में साहित्य सृजन की परम्परा प्राचीन काल से ही रही है। प्राचीन काल में साहित्य सृजन की मुख्य भाषा संस्कृत थी संस्कृत के महान साहित्यकार कवि वाल्मीकि, महाकवि कालिदास, बाणभट्ट और भर्तृहरि मध्य प्रदेश के ही निवासी थे मध्यकाल एवं आधुनिक काल में हिन्दी का विकास हुआ और प्रदेश में साहित्य अधिकतर हिन्दी एवं उसकी बोलियों में लिखा जाने लगा। मध्य प्रदेश के साहित्यकारों का अध्ययन मुख्यतः निम्न तीन बिन्दुओं के तहत किया जा सकता है।

1. प्राचीन काल के साहित्यकार
2. मध्यकाल के साहित्यकार
3. आधुनिक काल के साहित्यकार

मध्य प्रदेश के प्राचीन कालीन साहित्यकार

1. महाकवि कालिदास

कालिदास संस्कृत भाषा के महान कवि एवं नाटककार थे कालिदास चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के नवरत्नों में शामिल थे। अद्वितीय नाटकों की रचना के कारण कालिदास को भारत का शेक्सपीयर कहा जाता है।

महाकवि कालिदास की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

रचनाएँ	विशेषताएँ
रघुवंशम्	प्रौढ़तम कृति, सम्पूर्ण साहित्य का उत्कृष्ट महाकाव्य
कुमारसंभव	कालिदास का प्रथम महाकाव्य, शिव–पार्वती विवाह, कुमार कार्तिकेय के जन्म एवं तारकासुर वध की कथा का वर्णन
अभिज्ञानशाकुन्तलम	राजा दुष्यन्त एवं कण्व ऋषि की शिष्या शकुन्तला के प्रेम के उदात्त स्वरूप का चित्रण
मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास की प्रथम रचना, शृंगार रस प्रधान नाटक, शुंग वंशीय शासक अग्निमित्र एवं मालविका की प्रेम कथा का वर्णन
ऋतुसंहार	6 ऋतुओं का वर्णन
मेघदूत	प्रकृति के सौंदर्य का मानवीकृत वर्णन, यक्ष की कथा, इस कृति में कवि की कल्पना चरमोत्कर्ष पर है।

2. भवभूति

संस्कृत के महान कवि एवं नाटककार भवभूति का पूरा नाम श्रीकंठ पद लांच्छन भवभूति था। ये पद्मपुर (महाराष्ट्र के गोंदिया जिला) के निवासी एवं कन्नौज के शासक यशोवर्मन के दरबारी कवि थे, इन्हें प्राचीनतम भारत का मिल्टन कहा जाता है।

भवभूति की प्रमुख रचनाएँ एवं विशेषताएँ

रचनाएँ	विशेषताएँ
मालतीमाधव	मालती एवं माधव के प्रेम प्रसंग का अत्यंत सुंदर वर्णन है।
महावीरचरितम्	यह वीर रस प्रधान रचना है। जिसमें रामकथा का वर्णन है।
उत्तररामचरितम्	यह संस्कृत भाषा का प्रथम दुखांत नाटक है।

3. वाणभट्ट

बाणभट्ट, कन्नौज के शासक, हर्षवर्धन के दरबारी कवि एवं लेखक थे बाणभट्ट सातवी शताब्दी के संस्कृत गद्य लेखक और कवि थे उनके दो प्रमुख ग्रंथ हर्षचरितम तथा कादंबरीकथामुखम् है।

हर्षचरित राजा हर्षवर्धन का जीवन-चरित्र है और कादम्बरी विश्व का प्रथम उपन्यास माना जाता है। कादंबरी पूर्ण होने से पहले बाणभट्ट का देहांत हो गया इसलिए उपन्यास पूरा करने का कार्य उनके पुत्र भूषण भट्ट के द्वारा किया गया था।

बाणभट्ट की प्रमुख रचनाएँ एवं विशेषताएँ

रचनाएँ	विशेषताएँ
हर्षचरित	राजा हर्षवर्धन का जीवन-चरित्र
कादंबरी	विश्व का प्रथम उपन्यास
अन्य रचनाएँ	चंडीशतक, पार्वती परिणय, मुकुट तडितक

4. भर्तृहरि

कवि भर्तृहरि सम्राट विक्रमादित्य के ज्येष्ठ भ्राता एवं उज्जयिनी के राजा थे इनकी साधना स्थली उत्तर प्रदेश के चुनार में एवं समाधि स्थल राजस्थान के सरिस्का (अलवर) में स्थित है। परन्तु उज्जैन में गढ़कालिका मंदिर के समीप अवस्थित भर्तुहरि की गुफाएँ, भर्तृहरि एवं बाबा गोरखनाथ की योग साधना स्थली रही है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

भर्तृहरि की प्रमुख रचनाएँ

(1) वाक्यदीप (2) वाक्यदीप वृत्ति वेदांत सूत्रवृत्ति (3) भागवृत्ति महाभाष्य दीपिका (4) महाभाष्य त्रिपदी (5) शब्द धातु समीक्षा (6) मीमांसा सूत्रवृत्ति (7) त्रिशतक।

मध्य प्रदेश के मध्यकालीन साहित्यकार

1. आचार्य केशवदास

आचार्य केशवदास का जन्म 1555 ई. में टीकमगढ़ जिले के ओरछा नगर में हुआ था ये रीतिकाल के प्रथम कवि थे कविता में भाषा की दुरूहता एवं क्लिष्टता के कारण केशवदास को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है।

रचनाएँ– (1) रसिक प्रिया (2) रामचंद्रिका (3) विज्ञान गीता (4) रतन बावनी (5) जहाँगीर-जस चंद्रिका (6) यम अलंकृत मंजूरी

2. भूषण–

भूषण रीति काल के प्रमुख कवि थे इनका समय 1613 से 1715 ई. के मध्य माना जाता है। चित्रकूट के राजा रूद्रराज के द्वारा इन्हें भूषण की उपाधि प्रदान की गई थी। इनका काव्य छत्रपति शिवाजी एवं बुंदेलखण्ड के राजा छत्रसाल के समकालीन माना जाता है।

भूषण की प्रमुख रचनाएँ

(1) शिवराज भूषण (2) शिवा–बावनी (3) छत्रसाल दशक

(4) भूषण हजारा (5) छंदमाला (6) भूषण उल्लास

3. कवि पद्माकर

कवि पद्माकर का जन्म मध्य प्रदेश के सागर जिले में 1753 में हुआ था। इन्हें रीतिकाल का अंतिम सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि कवि माना जाता है। इनकी कविताओं में ब्रजभाषा का शुद्ध रूप देखने को मिलता है। पदमाकर को जैनपुरा, सुगरा शासक, उदयपुर के प्रतापसिंह एवं ग्वालियर के दौलतराव सिंधिया जी का संरक्षण प्राप्त था।

कवि पद्माकर की प्रमुख रचनाएँ–

(1) गंगा लहरी (2) प्रबोध पचासा (3) राम रसायन (4) जयसिंह विरूदावली (5) हिम्मत बहादुर विरूदावली (6) प्रबोध चन्द्रोय (7) प्रताप विरूदावली

4. राजा भोज

राजा भोज परमार वंश के एक विद्वान कवि, दार्शनिक और ज्योतिषी थे इन्होंने मालवा की राजधानी धारा नगरी (धार) पर दशवीं शताब्दी में शासन किया।

राजा भोज परमार की प्रमुख रचनाएँ

(1) सरस्वतीकंठाभरण (2) शृंगारमंजरी

(3) चंपूरामायण (4) चारूचर्या (5) तत्व प्रकाश।

मध्य प्रदेश के आधुनिक साहित्यकार

1. माखन लाल चतुर्वेदी

- माखल लाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल 1889 को बावई (होशंगाबाद) में हुआ इनका निधन 30 जनवरी 1968 को भोपाल में हुआ था।
- माखनलाल चतुर्वेदी जी ने प्रथा और कर्मवीर नामक समाचार पत्रों का संपादन किया। यह भारतीय आत्मा के नाम से प्रसिद्ध हैं तथा इन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान असहयोग आन्दोलन और भारत छोड़ो आन्दोलन में भी भाग लिया।
- मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 1991 में माखलाल चतुर्वेदी के सम्मान में माखन लाल चतुर्वेदी पुरस्कार प्रारम्भ किया गया और वर्ष 1991 में माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय (भोपाल) की स्थापना की गई।

माखनलाल चतुर्वेदी की प्रमुख रचनाएँ

(1) हिमकिरीटनी (2) हिम तरंगणी (3) समर्पण (4) माता (5) मरण ज्वार (6) धूम्रवलय (7) उठ नहान (8) पुष्प की अभिलाषा (9) वेणु लो गूंजे घटा।

2. गजानन माधव मुक्तिबोध

- गजानन माधव मुक्तिबोध का जन्म 13 नवम्बर, 1917 को मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में हुआ था इन्हें प्रगतिशील कविता और नयी कविता के मध्य का सेतु माना जाता है।

गजानन माधव मुक्तिबोध की प्रमुख रचनाएँ

- **कविता संग्रह–** चाँद का मुँह टेढ़ा है, भूरी–भूरी खाक धूत
- **कहानी संग्रह–** काठ का सपना, सतह से उठता आदमी
- **उपन्यास–** विपात्र, भारत : इतिहास और संस्कृति

3. सुभद्रा कुमारी चौहान–

- सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त 1904 को इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) के निकट निहालपुर गाँव में हुआ था तथा उनका विवाह मध्य प्रदेश के खंडवा निवासी ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ हुआ था।
- इन्होंने भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन से प्रेरित होकर राष्ट्र प्रेम पर कविताओं का लेखन किया, जिनमें झाँसी की रानी और जलियाँवाला बाग में बसंत इनकी प्रसिद्ध कविताएँ हैं।

सुभद्रा कुमारी चौहान की प्रमुख रचनाएँ

(1) मुकुल (2) बिखरे मोती (3) उन्मादिनी (4) सीधे–सादे चित्र (5) मातृ मन्दिर में (6) राखी।

4. पंडित बालकृष्ण शर्मा

- इनका जन्म 8 दिसम्बर, 1897 को शाजापुर के भयाना नामक गाँव में हुआ था यह प्रताप तथा प्रथा नामक पत्रिका के संपादक रहे।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- वर्ष 1955 में इन्हें राजभाषा आयोग का सदस्य बनाया गया इन्होंने हिन्दी भाषा को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

इनकी प्रमुख रचनाएँ

(1) उर्मिला (2) प्राणार्पण (3) कुमकुम (4) रश्मि रेखा (5) अपलक।

5. भवानी प्रसाद मिश्र

- इनका जन्म 29 मार्च, 1913 को होशंगाबाद जिले के टिगरियाँ गाँव में हुआ था यह गाँधीवादी विचारक थे। इन्होंने कल्पना नामक पत्रिका का संपादन किया।
- बुनी हुई रस्सी कृति के लिए इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार वर्ष 1972 में प्रदान किया गया तथा वर्ष 1983 में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शिखर सम्मान प्रदान किया गया।

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) गीत फरोश (2) गांधी पंचशती (3) खुशबू के शिलालेख (4) त्रिकाल संध्या (5) नीली रेखा तुको के खेल (6) अंधेरी कविताएँ (7) जिन्होंने मुझे रचा (8) मानसरोवर दिन (9) कुछ नीति कुछ राजनीति।

6. डॉ. बशीर बद्र

- इनका जन्म 15 फरवरी, 1935 को अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में हुआ था बाद में ये भोपाल (मध्य प्रदेश) में बस गए यह उर्दू के शायर थे।
- साहित्य अकादमी पुरस्कार इनको इनकी कविता संग्रह 'आस' के लिए वर्ष 1999 में प्रदान किया गया तथा वर्ष 1999 में ही पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया।

इनकी प्रमुख रचनाएँ

(1) हिन्दी तुम्हारे लिए (2) उजाले अपनी यादों के (3) कौंच (4) उजालों की परीक्षा (5) रोशनी के घरौंदे।

7. हरिशंकर परसाई

- इनका जन्म 22 अगस्त, 1924 को होशंगाबाद जिले के जमानी गाँव में हुआ था।
- साहित्य अकादमी पुरस्कार वर्ष 1982 में इनको इनकी व्यंग्य-संग्रह 'विकलांग श्रद्धा का दौर' के लिए प्रदान किया गया।

8. शरद जोशी

- इनका जन्म 21 मई 1931 को उज्जैन में हुआ वर्ष 1951–1956 तक नई दुनिया समाचार के लिए लगातार व्यंग्य लेखन का कार्य किया।
- इनको 1990 में पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 1992 में इनकी स्मृति में व्यंग्य लेखन के क्षेत्र में शरद जोशी सम्मान प्रदान किया जाता है।

इनकी प्रमुख रचनाएँ

नाटक– अंधों का हाथी, एक था गधा

उपन्यास– मैं, मै केवल मैं

कहानी– तिलिस्म

निबंध– परिक्रमा, राह किनारे बैठ, दूसरी सतह

9. मुल्ला रामोजी

- इनका जन्म 21 मई 1896 को भोपाल में हुआ था यह प्रसिद्ध शायर एवं गुलाबी उर्दू शैली के जन्मदाता थे।

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) लाठी और भैंस (2) शादी (3) औरत जात (4) जिंदगी (5) गुलाबी शायरी।

10. कामता प्रसाद गुरू

- इनका जन्म वर्ष 1875 में सागर जिले में हुआ था इन्होंने बालसखा तथा सरस्वती पत्रिकाओं के संपादन का कार्य किया।

इनकी प्रमुख रचनाएँ

(1) हिन्दुस्तानी शिष्टाचार (2) पार्वती और यशोदा (उपन्यास) (3) विनय पचासा (ब्रजभाषा काव्य) (4) सत्य (5) पद्य पुष्पावली और प्रेम।

11. कवि प्रदीप

- इनका जन्म 6 फरवरी, 1915 को उज्जैन के बड़नगर में हुआ था। यह गीतकार एवं कवि थे।

इनकी प्रमुख रचनाएँ

(1) दूर हटो ऐ दुनिया वालो हिन्दुस्तान हमारा है।

(2) ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी

12. गिरिजा कुमार माथुर

- इनका जन्म 22 अगस्त, 1919 को अशोकनगर, ग्वालियर (म.प्र.) में हुआ था यह हिन्दी के प्रसिद्ध कवि, नाटककार और समालोचक थे।
- साहित्य अकादमी पुरस्कार वर्ष 1919 में इनको, इनकी कविता संग्रह 'मैं वक्त के सामने' के लिए प्रदान किय गया। वर्ष 1993 में इनको व्यास सम्मान दिया गया। इन्होंने 'हम होंगे कामयाब' लोक प्रिय गीत लिखा।

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) नाश और निर्माण (2) मंजीर (3) मंदार (4) धूप के धान शिलापंख चमकीले।

13. चंद्रकांत देवताले

- इनका जन्म 7 नवम्बर, 1936 को बैतूल जिले के जौल खेड़ा में हुआ था यह कवि और लेखक थे।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) दीवारों पर खून से (2) लकड़ बग्घा हंस रहा है (3) पत्थर की बेंच (4) उजाड़ में संग्रहालय (5) हड्डियों में छिपा ज्वर।

14. नरेश मेहता

- इनका जन्म 16 फरवरी, 1922 को शाजापुर जिले में हुआ था। इन्होंने साहित्यिक पत्रिका कृति और इंदौर से प्रकाशित 'चौथा संसार' नामक हिन्दी दैनिक का संपादन कार्य भी किया वर्ष 1992 में इन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) चैत्या (2) यह पथ बन्धु (3) प्रवाद पर्व

(4) अरण्य (5) पुरुष।

15. बाल कवि वैरागी

- इनका जन्म 10 फरवरी, 1931 को मंदसौर जिले के रामपुर गाँव में हुआ था इनका निधन मानसा में हुआ था।

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) चाँद में धब्बा (2) दो टूक (3) सारा देश हमारा (4) भावी रक्षक देश के ।

16. हरिकृष्ण देवसरे

- इनका जन्म 3 मार्च 1940 को सतना जिले के नागौद में हुआ था। यह हिन्दी के प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार थे।

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) मील के पहले पत्थर (2) दूसरे ग्रह के गुप्तचर (3) प्रथम दीपस्तम्भ (4) डाकू का बेटा।

17. अटल बिहारी वाजपेयी

- अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसम्बर 1924 को ग्वालियर में हुआ था यह भारत के प्रधानमंत्री एवं प्रसिद्ध हिन्दी के कवि थे इन्होंने राष्ट्रधर्म, पाञ्चजन्य और वीर अर्जुन आदि पत्र–पत्रिकाओं का संपादन किया।
- अटल बिहारी वाजपेयी को वर्ष 1992 में पद्म विभूषण तथा 2015 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इनका निधन 16 अगस्त 2018 को हो गया।
- इनके जन्म दिवस (25 दिसम्बर) को राष्ट्रीय सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) मृत्यु या हत्या (2) मेरी इक्यावन कविताएँ (3) अमर आग है। (4) संसद में तीन दशक (5) अमर बलिदान (6) रग–रग हिन्दू मेरा परिचय (7) राजनीति की रपटीली राहें।

18. अनिल माधव दवे

- इनका जन्म 6 जुलाई 1956 को उज्जैन के बड़नगर में हुआ था, यह मध्य प्रदेश से पूर्व राज्यसभा सदस्य, पर्यावरणविद् एवं हिन्दी के प्रसिद्ध लेखक थे।

इनकी प्रमुख रचनाएँ–

(1) नर्मदा समग्र (2) शिवाजी व सुराज (3) सृजन से विसर्जन तक।

मध्य प्रदेश की प्रमुख संस्थाएँ		
	अकादमी	**स्थापना**
1.	मध्य प्रदेश साहित्य परिषद	1954
2.	मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी	1969
3.	मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी	1976
4.	कालिदास अकादमी	1978
5.	मध्य प्रदेश सिंधी अकादमी	1983
6.	अटलामा इकबाल अदबी मरकज	1984
7.	मध्य प्रदेश संस्कृत अकादमी	1985
8.	मध्य प्रदेश तुलसी अकादमी	1987
9.	मध्य प्रदेश संस्कृति अकादमी	2003

विशेष तथ्य

- भारत भवन भोपाल में स्थित एक मल्टी आर्ट काम्पलेक्स है, जिसका प्रारम्भ 13 फरवरी 1982 को किया गया है।
- रवीन्द्र भवन राजधानी भोपाल में स्थित है। यहाँ पर एक नाट्यशाला एवं एक सभागार स्थित है।
- मध्य प्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी का मुख्यालय भोपाल में स्थित है।
- मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी का मुख्यालय भोपाल में स्थित है।
- मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी की स्थापना 1954 में तथा मुख्यालय भोपाल में स्थित है।
- मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध लोक साहित्यकार ईसुरी लोकगायन विधा फाग को विकसित किया।
- माधवराव सप्रे लोकमान्य तिलक के मराठी भाषा के केसरी पत्र का हिन्दी भाषा के रूप में प्रकाशन किया।
- माधवराव सप्रे की प्रमुख रचनाओं में एक महाभारत मीमांसा है।
- अमृत लाल बेगड को वर्ष 2004 में साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया।
- मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारिका प्रसाद मिश्र की प्रमुख रचनाएँ कृष्णायन (महाकाव्य) लिविंग एन एटा (आत्मकथा) है।
- मध्य प्रदेश के प्रमुख लोक साहित्यकार जगनिक कांलिजर नरेश परमिल देव के दरबारी कवि थे।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

14.

मध्य प्रदेश : जनजाति

भारत में अनुसूचित जनजातियाँ कुल जनसंख्या की **8.6** प्रतिशत हैं। भारतीय संविधान में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन अनु. 338(A) में किया गया है जिसे संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है। मध्य प्रदेश भारत का सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाला राज्य है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश की जनजातीय जनसंख्या 15316784 है। यह प्रदेश की कुल जनसंख्या का 21.10% है। मध्य प्रदेश में कुल 43 अनुसूचित जनजाति समूह अधिसूचित हैं, इन अनुसूचित जनजातियों में कुछ प्रमुख जनजातियाँ भील, गोंड, बंजारा, सहरिया, कोटकू, अगरिया, बैगा एवं कोल हैं।

- **भारत सरकार** द्वारा मध्य प्रदेश की तीन जनजातियों **(बैगा, भाटिया** और **सहरिया)** को **विशेष पिछड़ी** जनजाति के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- मध्य प्रदेश में अधिकतम जनजातीय जनसंख्या वाला जिला धार है तथा न्यूनतम जनजातीय जनसंख्या वाला जिला भिण्ड है परन्तु प्रतिशत की दृष्टि से शीर्ष जिला **अलीराजपुर** तथा न्यूनतम जिला **भिण्ड** है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाली जनजाति में **भिण्ड** जिले का प्रथम स्थान है तथा न्यूनतम स्थान **डिंडोरी** जिला का है।
- मध्य प्रदेश की तीन सबसे बड़ी जनजातियाँ भील, गोंड और कोल हैं। जबकि मध्य प्रदेश की सबसे छोटी जनजाति कमार है।
- जनसंख्या के आधार पर **भारत** की सबसे **बड़ी** जनजातियाँ **भील, गोंड** तथा **संथाल** हैं।
- मध्य प्रदेश में जनजाति **संग्रहालय भोपाल** में स्थित है।
- देश का प्रथम जनजाति (आदिवासी) **संचार** केन्द्र मध्य प्रदेश के **झाबुआ** जिले में स्थित है। जबकि **इंदिरा गाँधी** आदिवासी (जनजाति) **विश्वविद्यालय अमरकंटक** में स्थित है।
- मध्य प्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम की स्थापना **कम्पनी अधिनियम 1956** की धारा 25 के अन्तर्गत 29 सितम्बर, 1994 को की गई। इसका उद्देश्य जनजाति समाज का आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास करना, शोषण समाप्त करना तथा उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है।
- वर्ष 1957 में संविधान के अनुच्छेद 244(1) के अन्तर्गत प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन व नियंत्रण तथा अनुसूचित जनजातियों के हित संरक्षण के लिए सुझाव देने हेतु **मध्य प्रदेश आदिम जाति मंत्रणा परिषद** का गठन किया गया था जिसका **4 सितम्बर, 2019** को पुनर्गठन कर दिया गया।
- जनजाति अपने शैक्षणिक संस्थानों को **युवा गृह** कहते हैं।

मध्य प्रदेश की प्रमुख अनुसूचित जनजातियाँ

गोंड जनजाति

- गोंड मध्य प्रदेश की एक प्रमुख जनजाति है यह जनसंख्या की दृष्टि से मध्य प्रदेश की **दूसरी** सबसे बड़ी जनजाति है।
- यह जनजाति मध्य प्रदेश के सभी जिलों में फैली हुई हैं लेकिन नर्मदा के दोनों ओर **विन्ध्य** और **सतपुड़ा** के पहाड़ी क्षेत्रों में इसका अधिक संकेन्द्रण है।
- गोंड जनजाति में परिवार **पितृसत्तात्मक** होता है इनमें विवाह के पश्चात् पत्नी अपने पति के घर जाकर रहती है। इनमें वंशनाम पिता के वंश के आधार पर चलता है अर्थात् बच्चे अपने पिता के कुल या वंश के नाम को ग्रहण करते हैं।
- गोंड जनजाति में विवाह की कई प्रथाएँ प्रचलित हैं ये लोग **सहमति विवाह** को सबसे उचित मानते हैं। गोंडो में **समगोत्री** विवाह नहीं होते। इनमें पलायन विवाह का प्रचलन है जिसको ये लोग अपनी भाषा में **लामझेना** कहते हैं। गोंड जनजाति में **वधू मूल्य** का प्रचलन अत्यधिक है
- गोंड लोग **स्वावलम्बी** आदिवासी हैं। इनकी आवश्यकताएँ सीमित हैं। इनकी जीविका का प्रमुख साधन कृषि तथा मजदूरी है। यह जनजाति प्रमुख रूप से **बारी नामक** खेती करती है।
- गोंड जनजाति के लोग पूर्वजों की आत्माओं में विश्वास करते हैं। इनके प्रमुख देवता **बारादेव** हैं। गोंड जनजाति जादू में विश्वास रखती है।
- गोंड के प्रमुख नृत्य **सैला, करमा, बिरछा, मडौनी, कहरवा** आदि है।
- गोंड के प्रमुख पर्व **विदरी, करमा, मड़ई, हरदिली, छेरटा, नवाखानी, मेघनाद** आदि हैं।

भील जनजाति

- मध्य प्रदेश की सबसे **बड़ी** जनजाति भील है। यह जनजाति मध्य प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र धार, झाबुआ और पश्चिमी निमाड़ जिलों में निवास करती है। यह मध्य प्रदेश के अतिरिक्त राजस्थान, महाराष्ट्र तथा गुजरात में पायी जाती है।
- भील शब्द संस्कृत भाषा तथा 'भिल्ल' शब्द से बना है यह भी माना जाता है कि भील शब्द **द्रविड़ भाषा** के बील या बिल से आया है जिसका अर्थ तीर होता है।
- भील जनजाति **प्रोटो ऑस्ट्रेलॉयड** प्रजाति के अन्तर्गत आते हैं।
- इनका निवास स्थायी नहीं होता है यह भ्रमण करते रहते हैं। प्रदेश में झबुआ की पहाड़ियों पर भीलों के घर बने हैं। भील अपने निवास स्थान को **'फाल्या'** कहते हैं।
- भील जनजाति का **प्रिय खाद्य** पदार्थ **'राबड़ी'** है। इसके अतिरिक्त मक्का, ज्वार, जौ, सावाँ, लावा, कूटा, उड़द की उबली दाल तथा मांस भी खाते हैं।
- भील जनजाति को मदिरा से बहुत लगाव होता है ये अपने देवी-देवताओं को भी चढ़ाते हैं।
- भील जनजाति में भी गोंड जनजाति की तरह परिवार पितृसत्तात्मक या पितृवंशीय होता है विवाह के पश्चात लड़की अपने पति के घर आकर रहती है। भीलों में **संयुक्त** परिवार होता है।
- भीलों में **गन्धर्व** एवं **अपहरण** विवाह अत्यधिक प्रचलित है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- इनका प्रमुख पर्व **'भगोरिया'** है। जो झबुआ में आयोजित किया जाता है। यहाँ लड़का-लड़की को पसंद कर उसका नाटकीय ढंग से अपहरण कर लेता है। तत्पश्चात परिवारजन उनका विवाह करा देते हैं।
- भील जनजाति में **वधू मूल्य** की प्रथा पायी जाती है।
- भील जनजाति जीवन-यापन के लिए कृषि तथा मजदूरी पर निर्भर रहते हैं ये जनजाति आय से ज्यादा व्यय करते हैं जिसके कारण ये कर्ज़ तले दब जाते हैं। इसीलिए ये अपराधिक प्रवृत्ति को अपना लेते हैं।
- भील जनजाति आत्माओं, प्रेतों तथा अलौकिक शक्तियों में विश्वास रखते हैं। यह जादू-टोना से अपने देवी-देवताओं को प्रसन्न करते हैं। यह पशु-बलि भी चढ़ाते हैं। भीलों पर हिन्दू संस्कृति का प्रभाव देखा जा सकता है।

बैगा जनजाति

- बैगा मूलतः दक्षिण भारतीय जनजाति है। यह मध्य प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र की अति पिछड़ी जनजाति है। बैगा जनजाति **द्रविड़** प्रजाति के अन्तर्गत आते हैं।
- ये मध्य प्रदेश के पाँच जिलों– मण्डला, डिण्डोरी, शहडोल, उमरिया और बालाघाट में पाये जाते हैं।
- बैगा जनजाति अपने भोजन में मोटे अनाज, जंगली कंदमूल फल तथा मांस खाते हैं।
- बैगा की अर्थव्यवस्था कृषि अथवा झूम की खेती है। जिसे **'वेवार'** या **पोंडू** कहते हैं। इनका कहना है कि धरती हमारी माता है। इनकी छाती पर हल चलाना पाप है। ये बिना हल चलाये खेती करते हैं।
- इनका प्रमुख नृत्य **करमा, सैला, परधोनी** तथा **फाग** है।
- यह जनजाति धर्म तथा जादू में विश्वास रखती है 'साल' वृक्ष इनका पवित्र वृक्ष है। इस वृक्ष पर रहने वाले 'बूढ़ा देव' इनके प्रमुख देव हैं। इन्हें मुर्गा, नारियल तथा मदिरा चढ़ाई जाती है।
- ये जादू-टोना में अन्ध-विश्वास रखते हैं। इनके यहाँ कोई बीमार होता है तो उसे डॉक्टर के पास न ले जाकर झाड़-फूँक करने वाले ओझा के पास ले जाते हैं।

सहरिया जनजाति

- सहरिया **कोलरियन** परिवार की जनजाति है।
- पारसी भाषा में 'सहर' का अर्थ जंगल होता है। इसलिए ये लोग जंगलों में निवास करते हैं।
- यह जनजाति मध्य प्रदेश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र शिवपुरी, ग्वालियर भिण्ड, मुरैना, विदिशा, रायसेन और बुन्देलखण्ड में निवास करते हैं।
- इनका सर्वाधिक आबादी ग्वालियर में है।
- सहरिया जनजाति अपना मकान समतल मैदान पर एक-दूसरे के मकान से चिपक कर बनाते हैं इनके मध्य में 'बंगला' नामक स्थान होता है। जो एक प्रकार की धर्मशाला अथवा सामुदायिक भवन होता है। इनके निवास स्थान को 'सहराना' कहते हैं।
- सहरियाओं में पारिवारिक इकाई 'कुटुम्ब' कहलाती है। इनके परिवार पितृसत्तात्मक अथवा पितृवंशीय होते हैं।
- सहरिया जनजाति की प्रमुख अर्थव्यवस्था कृषि-मजदूरी, पशुपालन, कन्दमूल फल (जंगली फल) तथा मत्स्य आखेट है।
- इनका एक परामपरागत कार्य जड़ी-बूटियों की पहचान करना तथा उन्हें एकत्रित करना है।
- यह जनजाति धर्म में बहुत विश्वास रखती है। हिन्दू धर्म से अत्यधिक प्रभावित होने के कारण इनके यहाँ हिन्दुओं का पर्व भी मनाया जाता है।
- यह जनजाति जादू-टोना, भूत-प्रेत पर भी विश्वास करती है।
- इस जनजाति ने कला और संस्कृति में अपनी अलग पहचान बनायी है।
- यह जनजाति बहुत ही आलसी प्रवृत्ति की होती है।
- इन जनजातियों में क्षयरोग अन्य जनजातियों की अपेक्षा अधिक पाया जाता है।

कोरकू जनजाति

- 'कोरकू' का शाब्दिक अर्थ 'मनुष्य का समूह' है। यह मध्य प्रदेश के होशंगाबाद, बैतूल, छिन्दवाड़ा, हरदा तथा पूर्वी निमाड़ जिलों में निवास करती हैं। इन्हें राजपूत वर्ग का माना जाता है।
- कोरकू जनजाति स्थानान्तरित कृषि करते हैं।
- यह कृषि के साथ-साथ मछली पकड़ना, पशुपालन, तेंदूपत्ते से जीवन-यापन करते हैं।
- इनके पूजनीय देवता 'महादेव' और 'चन्द्रमा' हैं।
- यह हिन्दुओं से अत्यधिक प्रभावित होने के कारण हिन्दुओं के पर्व भी मनाते हैं।
- इस जनजाति में परम्परागत पंचायत प्रथा प्रचलित है।
- यह जनजाति जादू-टोना में विश्वास रखने के कारण अपने समस्याओं का निदान इन्हीं में ढूंढ़ते हैं।
- यह जनजाति सामाजिक रूप से पिछड़े होने के बावजूद सरकार के विकास कार्यों में रुचि प्रकट करने वाली प्रमुख जनजाति है।

बंजारा जनजाति

- बंजारे मूलतः **राजस्थान** के माने जाते हैं। ये स्वयं को **राजपूतों** का वंशज मानते हैं।
- यह एक **घुमन्तू** जनजाति है। किन्तु कुछ जगह जैसे निमाड़, मालवा तथा मण्डला आदि में स्थाई रूप से पाये जाते हैं।
- बंजारा लोग जिस गाँव में रहते हैं उस जगह को **'टांडा'** कहा जाता है।
- बंजारे **सिख धर्म** से सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। ये **गुरुनानक** देव और ग्रंथ साहब के अनुयायी हैं।
- इनका प्रमुख त्यौहार **गणगौर** है जिसे यह **सावन** के महीने में मनाते हैं।
- यह हिन्दुओं का **त्यौहार** भी मनाते हैं।
- इनका प्रमुख व्यवसाय **पशुचारण** है क्योंकि यह जनजाति **घुमन्तू प्रवृत्ति की होती है।**
- इस जनजाति में **लाखा** बंजारे की कथा काफी प्रचलित है जिसके पास लाख पशु थे।
- इनका प्रमुख नृत्य **तलवार** नृत्य तथा **डण्डा** वेली नृत्य है।

अगरिया जनजाति

- अगरिया विशेष उद्यम वाली **गोंडो** की उपजनजाति है।
- यह मध्य प्रदेश के मण्डला, शहडोल तथा छत्तीसगढ़ के जिलों एवं दण्डकारण्य में पाए जाते हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- इनके प्रमुख देवता **'लोहासूर'** हैं।
- यह अपने शुभ-कार्य (विवाह पर्व) में **उड़द** की दाल को पवित्र मानते हैं।
- इनका भोजन **मोटा अनाज** है और ये सभी प्रकार का मांस खाते हैं। ये **सुअर** के मांस को प्रिय भोजन मानते हैं।
- इनके विवाह में **वधू शुल्क** लिया जाता है। विवाह किसी भी सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को सम्पन्न हो सकता है।
- इनमें **विधवा** विवाह प्रचलित है।
- इनका परम्परागत व्यवसाय लोहा गलाना है।
- यह जनजाति **आर्यों** के आने से पहले लोहा गलाने का कार्य करती थी।
- यह जनजाति **लौह अयस्क** को साफ करके **लौह धातु** का निर्माण कर रही है।

कोल जनजाति

- कोल जनजाति 'आस्ट्रिक परिवार' की जनजाति है जो विंध्य कैमूर श्रेणियों के मूल निवासी हैं। यह अत्यन्त प्राचीन जनजाति है।
- यह मध्य प्रदेश के रीवां, शहडोल, सतना, जबलपुर, सीधी में निवास करते हैं। ये रीवां को अपनी रियासत बताते हैं।
- कोल जनजाति की मुख्य उपवर्ग रौतिया, भड़तिया, कगवारिया, मवासी, मड़नहा, दशोरा, थाकुरिया आदि प्रमुख उपवर्ग हैं।
- यह जनजाति मांसाहारी होते हैं किन्तु ये गाय और शेर के मांस नहीं खाते हैं।
- ये जीवन-यापन के लिए कृषि तथा मजदूरी पर निर्भर रहते हैं।
- इनका प्रमुख पर्व होली, नवदुर्गा, रामनवमी, तीज और दशहरा है।
- ये धर्म में अटूट विश्वास रखते हैं तथा इनकी धार्मिक क्रियाओं में हिन्दू सभ्यता व संस्कृति को देखा जा सकता है।
- कोल जनजाति सूर्य, चन्द्र, पवन तथा गंगा-यमुना आदि नदियों तथा हिन्दू देवी-देवताओं की पूजा करते हैं।
- कोल जनजाति विवाह हिन्दू-रीति से करते हैं इनमें बहुविवाह के साथ-साथ विधवा विवाह का प्रचलन है।
- यह संगीत व नृत्य के प्रिय होते हैं इस जनजाति का 'दहका' नृत्य प्रसिद्ध है यह वाद्ययंत्र के जानकार होते हैं।

पारधी जनजाति

- पारधी जनजाति मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में पायी जाती है। अनुसूचित जनजातियों की शासकीय सूची में बहेलियों को पारधी जनजाति के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है।
- पारधी की प्रमुख उपजातियाँ चीता पारधी, भील पारधी, गोसाईं पारधी, बन्दर वाला पारधी, फॉस पारधी, टाकनकार व टाकिया पारधी तथा लंगोटी पारधी आदि हैं।
- पारधी जनजाति देवी को मानते हैं।

पनिका (परिका) जनजाति

- पनिका (परिका) द्रविड़ प्रजाति के सदस्य हैं। यह मध्य प्रदेश के नौ जिलों छतरपुर, दतिया, पन्ना, रीवां, सतना, शहडोल, उमरिया, सीधी व टीकमगढ़ में निवास करते हैं जिन्हें अनुसूचित जनजाति के अन्तर्गत माना गया है बाकी मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में इनको पिछड़ा वर्ग के अन्तर्गत माना गया है।
- यह लोग मानते हैं कि कबीर का जन्म जल में हुआ था और परिका (पनिका) जनजाति ने इनका पालन-पोषण किया था। यही कारण है ये लोग कबीर पंथी होते हैं तथा खुद को 'कबरीहा' कहते हैं। इनकी विचारधारा कबीर की तरह निर्गुण है।
- ये लोग देवी-देवताओं के पूजा के साथ-साथ सूर्य, इन्द्र, हनुमान दूल्हादेव, बूढ़ीमाता, मरहीमाता आदि की पूजा करते हैं।
- इस जनजाति में **बहिगोत्रीय** विवाह प्रचलित है। **वधू मूल्य** प्रथा भी इस समाज में पायी जाती है। **लमसेना** और घुसपैठिया विवाह के साथ-साथ पुनर्विवाह और देवर-भाभी के विवाह की परम्परा भी देखी जा सकती है।
- पनिका जनजाति अपने जीवन-यापन के लिए कृषि, मजदूरी, बाँस के बर्तन बनाना, कपड़ा बुनना आदि कार्य करते हैं।

भारिया जनजाति

- भारिया जनजाति की विस्तार क्षेत्र मध्य प्रदेश के छिन्दवाड़ा सिवनी, मण्डला और सरगुजा जिले में है।
- भारिया जनजाति का जीवन-यापन कृषि और मजदूरी पर निर्भर है।
- भारिया जनजाति का प्रमुख फसल धान, कोदो और कुटकी है।

खैरवार जनजाति

- खैरवार, मुन्डा जनजाति समूह की एक प्रमुख जनजाति है यह अपना मूल स्थान मध्य प्रदेश के खरियागढ़ (कैमूर पहाड़ियाँ) को मानते हैं।
- बिरहोर जनजाति स्वयं को खैरवार जनजाति की उपशाखा मानते हैं।
- खैरवार जनजाति कत्था निकालने के अतिरिक्त वनोपज संचयन तथा मजदूरी करके जीवन-यापन करते हैं।

जनजाति	**जनपद (निवास स्थान)**
भील	धार, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खंडवा, गुना
भगोरिया	झाबुआ, अलीराजपुर, धार, खरगोन
गोंड	मण्डला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, छिन्दवाड़ा
भारिया	छिंदवाड़ा (पातालकोट नामक स्थान)
बैगा	मण्डला, डिंडोरी, शहडोल, बालाघाट, सिवनी
कोल	रीवां, सतना, सीधी, शहडोल
कोरकू	होशंगाबाद, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी
सहरिया	ग्वालियर, शिवपुरी, मुरैना, गुना
खैरवार	छतरपुर, सिंगरौली, पन्ना, शहडोल, सतना, रायसेन, सीधी, उमरिया, दमोह, रीवां, अनूपपुर
पनिका (परिका)	सीधी, शहडोल
बंजारा	निमाड़, मंडला, मालवा
अगरिया	सिंगरौली, अनूपपुर, शहडोल, सीधी, उमरिया, डिंडोरी
माझी जनजाति	ग्वालियर, रीवां, भोपाल, भिण्ड, मुरैना, जबलपुर, दतिया, इंदौर, श्योपुर

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

15.

शिक्षा

उच्च शिक्षा

- 2011 की जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश की साक्षरता दर 69.32% थी, जिसमें पुरुष साक्षरता 78.73% और महिला साक्षरता 59.24% थी। 12 अगस्त, 2019 के आँकड़ों के अनुसार राज्य में प्राथमिक शाला 81389, माध्यमिक विद्यालय, 30319, उच्च माध्यमिक विद्यालय 4908 तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय 4326 हैं। कुल विद्यालयों की संख्या 120942 है।
- वर्ष 1946 में डॉ. हरिसिंह गौर द्वारा प्रदेश के पहले विश्वविद्यालय (सागर विश्वविद्यालय) की स्थापना की गई थी, जिसे वर्तमान में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के नाम से जाना जाता है।
- प्रदेश में चार संस्थाओं को समकक्ष विश्वविद्यालय का दर्ज़ा दिया जा चुका है।

मध्य प्रदेश के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान

- डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (1946) (प्रदेश का प्रथम एवं देश का 18वां विश्वविद्यालय)।
- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (1957)
- रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (1957)
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर (1964)
- जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (1964)
- अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवां (1968)
- बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (1970)
- जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर (1964)
- मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल (1988) (युनेस्को द्वारा मेगा यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त)
- माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (1990)
- महात्मा गाँधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना (1991)
- राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (2008)
- महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, कटनी (2009)
- राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (2009)

अन्य विशिष्ट संस्थान

- राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
- राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय, भोपाल
- महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
- इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजाति (आदिवासी) विश्वविद्यालय, अमरकण्टक
- शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर (1947) (प्रदेश का प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज)
- गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर (1946) (प्रदेश का प्रथम मेडिकल कॉलेज)
- मध्य प्रदेश राज्य सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, ग्वालियर
- भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जबलपुर
- राजमाता विजयाराजे सिंधिया अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), भोपाल (2012)
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल (एशिया का प्रथम संस्थान)
- खेल विद्यालय, सिहोर
- मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल (1969)
- जवाहर लाल नेहरू स्कूल–BHEL द्वारा संचालित इस स्कूल को देश में पहली बार आईएसओ 9001 तथा 14001 मिलने का गौरव प्राप्त हुआ है।
- महात्मा गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर (1948)

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना हेतु विश्वविद्यालय विनियामक आयोग का गठन अक्टूबर 2009 में किया गया।
- मध्य प्रदेश में वर्तमान में 14 निजी क्षेत्र के मेडिकल कालेज हैं। निजी क्षेत्र की भागीदारी से निर्मित राज्य का प्रथम मेडिकल कॉलेज सिवनी में है।
- मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग की स्थापना वर्ष 1973 में भोपाल में हुई।
- मध्य प्रदेश राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद भोपाल में है।
- मध्य प्रदेश का प्रथम यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय, बुरहानपुर में स्थापित है।
- मध्य प्रदेश देश का प्रथम राज्य है जिसके देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर ने अमेरिका के ईस्टर्न विश्वविद्यालय (एक विदेशी विश्वविद्यालय) के साथ अध्ययन, अध्यापन व अनुसंधान सम्बन्धी परस्पर सहमति पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किया है।
- मध्य प्रदेश का प्रथम शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर में स्थापित है।
- मध्य प्रदेश का सामाजिक विज्ञान संस्थान (डॉ0 अम्बेडकर सामाजिक राष्ट्रीय संस्थान, महू) अपनी तरह का विशिष्ट संस्थान है, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को उन्नति के अवसर प्रदान करना है।
- लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (1957) देश एवं एशिया का ऐसा प्रथम संस्थान है, जहाँ शारीरिक शिक्षा के साथ ही खेलों के प्रशिक्षक तैयार किये जाते हैं। इसका एक क्षेत्रीय केन्द्र भोपाल में मेजर ध्यानचंद शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान के नाम से स्थापित है।

प्राथमिक/माध्यमिक शिक्षा

- मध्य प्रदेश में राजीव गाँधी प्राथमिक शिक्षा मिशन की स्थापना 4 जनवरी, 1994 को की गई।
- मध्य प्रदेश में शिक्षा गारण्टी योजना 1 जनवरी, 1997 में लागू हुई।
- आदिवासी क्षेत्रों में विकास प्रक्रिया में विद्यालयों को भागीदार बनाने के लिए शंखनाद योजना प्रारम्भ की गई है।
- कस्तूरबा गाँधी विद्यालय योजना वर्ष 2005 में आरम्भ की गई थी।
- औपचारिक शिक्षा केन्द्र योजना वर्ष 1975 में प्रारम्भ हुई। इस समय मध्य प्रदेश में लगभग 35000 औपचारिक शिक्षा केन्द्र स्थापित हैं।
- मध्य प्रदेश में आठवीं तक के स्कूलों में कम्प्यूटर शिक्षा देने हेतु वर्ष 2000 से हेडस्टार्ट नामक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम लागू किया गया है।
- प्रदेश का एकमात्र सैनिक स्कूल रीवां जिले में है।
- मध्य प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल में स्थित है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16.

मध्य प्रदेश : राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

मध्य प्रदेश : राजनीतिक ढाँचा

भारत के हृदय प्रदेश के रूप में प्रसिद्ध मध्य प्रदेश देश का क्षेत्रफल के अनुसार दूसरा बड़ा प्रदेश है। मध्य प्रदेश में केन्द्र की भाँति संसदीय शासन प्रणाली है। मध्य प्रदेश में एकसदनीय विधानमण्डल है, जोकि राज्यपाल एवं विधानसभा से मिलकर बना है। मध्य प्रदेश विधानसभा में कुल 230 सदस्य हैं। जो 230 सदस्य प्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से निर्वाचित होते हैं।

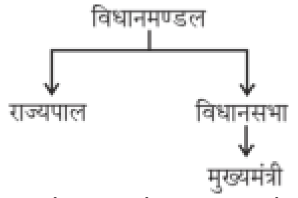

- संविधान के अनुच्छेद 152 के अनुसार, प्रदेश में राज्यपाल की नियुक्ति होती है। राज्यपाल ही राज्य सरकार का औपचारिक प्रधान होता है। वर्तमान में मध्य प्रदेश के मंगूभाई छगनभाई पटेल राज्यपाल हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 163(1) के अनुसार राज्यपाल को सहायता एवं परामर्श हेतु एक मंत्रिपरिषद होगी, जिसका मुखिया मुख्यमंत्री होगा, जो राज्य का वास्तविक कार्यपालक होगा।

समसामयिक राजनीतिक तथ्य

18वीं लोकसभा 2024 में मध्य प्रदेश चुनाव तिथियां एवं चुनावी चरण

1. पहला चरण → 19 अप्रैल, 2024
2. दूसरा चरण → 26 अप्रैल, 2024
3. तीसरा चरण → 7 मई, 2024
4. चौथा चरण → 13 मई, 2024

नोट-भारत में 18वीं लोकसभा 2014 का कुल 7 चरणों में चुनाव सम्पन्न हुआ।

कुल सीटें - 29 (अनुसूचित जाति- 4, अनुसूचित जन जाति- 6)

मध्य प्रदेश लोकसभा-2024 : महत्वपूर्ण तथ्य

- **सर्वाधिक मतदान** - रायपुर (76·19%)
- **सबसे कम मतदान** - भिंड (55·44%)

लोकसभा में वोट शेयरिंग एवं सीटें

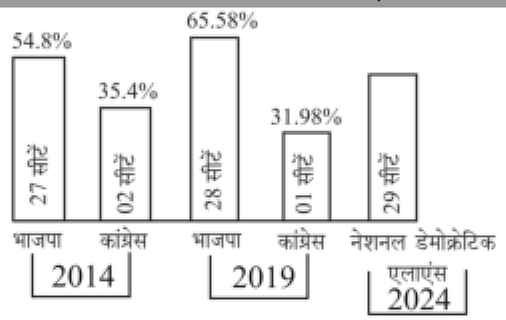

16वीं विधानसभा-2023 : तथ्य

- विधानसभा के चुनाव – **17 नवम्बर, 2023**
- विधानसभा का गठन – **3 दिसम्बर, 2023**
- विधानसभा की प्रथम बैठक – **18 दिसम्बर, 2023**
- विपक्ष के नेता – **श्री उमंग सिंघार**
- वर्तमान अध्यक्ष – **श्री नरेन्द्र सिंह तोमर**

मध्य प्रदेश : राज्यपाल

क्र.	नाम	कार्यकाल
1.	वी. पट्टाभि सीतारमैय्या	1.11.1956 से 13.6.1957
2.	हरिविनायक पाटस्कर	14.6.1957 से 10.2.1965
3.	के.सी. रेड्डी	11.2.1965 से 2.2.1966
4.	न्या. पी.वी. दीक्षित (कार्यकारी)	3.2.1966 से 9.2.1966
5.	श्री के. सी. रेड्डी	10.2.1996 से 7.2.1971
6.	सत्य नारायण सिन्हा	8.3.1971 से 13.10.1977
7.	निरंजन नाथ वांचू	14.10.1977 से 16.8.1978
8.	चिप्पुदिरा मुथाना पुनाचा	17.8.1978 से 29.4.1980
9.	भगवत दयाल शर्मा	30.4.1980 से 25.5.1981
10.	न्या. जी.पी. सिंह (कार्यकारी)	26.5.1981 से 9.7.1981
11.	भगवत दयाल शर्मा	10.7.1981 से 20.9.1983
12.	न्या. जी.पी. सिंह (कार्यकारी)	21.9.1983 से 7.10.1983
13.	भगवत दयाल शर्मा	8.10.1983 से 14.5.1984
14.	के.एम. चांडी	15.5.1984 से 30.11.1987
15.	न्या. एन.डी. ओझा (कार्यकारी)	1.12.1987 से 29.12.1987
16.	के.एम. चांडी	30.12.1987 से 30.3.1989
17.	सरला ग्रेवाल (प्रथम महिला)	31.3.1989 से 5.2.1990

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

18.	कुंवर महमूद अली खान	6.2.1990 से 23.6.1993
19.	डॉ. मोहम्मद शफी कुरैशी	24.6.1993 से 21.4.1998
20.	डॉ. भाई महावीर	22.4.1998 से 6.5.2003
21.	राम प्रकाश गुप्त	7.5.2003 से 1.5.2004
22.	के.एम. सेठ (कार्यकारी)	2.5.2004 से 29.6.2004
23.	बलराम जाखड़	30.6.2004 से 29.6.2009
24.	रामेश्वर ठाकुर	30.6.2009 से 7.9.2011
25.	रामनरेश यादव	8.9.2011 से 7.9.2016
26.	ओ.पी. कोहली	8.9.2016 से 23.1.2018
27.	आनन्दी बेन पटेल	23.1.2018 से 28.7.2019
28.	लाल जी टण्डन	29.7.2019 से 30.06.2020
29.	श्रीमती आनंदी बेन पटेल	1.07.2020 से 08. 07.2021
30.	श्री मंगूभाई पटेल	08.07.2021 से अब तक

- राज्य विधानसभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने के लिये राज्य विधानसभा के सदस्य अपने में से एक अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष का चुनाव करते हैं। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को विधानसभा सदस्य न रहने की स्थिति में अपना पद छोड़ना पड़ता है। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव पेश करने के 14 दिन पूर्व उन्हें प्रस्ताव के संबंध में सूचना दी जानी चाहिये। यदि ऐसा प्रस्ताव सदन में विचाराधीन है तो अध्यक्ष सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते। अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के वेतन भत्ते का निर्धारण संसद द्वारा किया जाता है। मध्य प्रदेश विधान सभा के प्रथम अध्यक्ष पं. कुंजीलाल दुबे थे, जो कि सर्वाधिक समय तक रहने वाले अध्यक्ष भी थे। मध्य प्रदेश की विधानसभा के प्रथम उपाध्यक्ष श्री विष्णु विनायक सरवटे थे। वर्तमान विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर तथा उपाध्यक्ष प्रद्युम सिंह तोमर हैं।
- मध्य प्रदेश में लोकसभा की 29 व राज्य सभा की 11 सीटें हैं। लोकसभा की 29 सीटों में से 4 सीटें अनुसूचित जाति के लिये तथा 6 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिये सुरक्षित हैं वहीं विधानसभा में इनका प्रतिनिधित्व क्रमशः 35 व 47 है।

मध्य प्रदेश : मुख्यमंत्री

क्र.	नाम	कार्यकाल
1.	पं. रविशंकर शुक्ल	1.11.1956 से 31.12.1956
2.	भगवंतराय अन्नाभाऊ मंडलोई	1.1.1957 से 30.1.1957
3.	कैलाश नाथ काटजू	31.1.1957 से 14.4.1957 15.4.1957 से 11.3.1962
4.	भगवंतराय अन्नाभाऊ मंडलोई	12.3.1962 से 29.9.1963
5.	द्वारिका प्रसाद मिश्र	30.9.1963 से 8.3.1967 9.3.1967 से 29.7.1967
6.	गोविन्द नारायण सिंह	30.7.1967 से 12.3.1969
7.	राजा नरेशचन्द्र सिंह (सबसे छोटा कार्यकाल)	13.3.1969 से 25.3.1969
8.	श्यामाचरण शुक्ल	26.3.1969 से 28.1.1972 23.12.1975 से 30.4.1977
9.	प्रकाश चन्द्र सेठी	29.1.1972 से 22.3.1972 23.3.1972 से 23.12.1975
10.	कैलाश जोशी	24.6.1977 से 17.1.1978
11.	वीरेन्द्र कुमार सखलेचा	18.1.1978 से 19.1.1980
12.	सुन्दरलाल पटवा	20.1.1980 से 17.2.1980
13.	अर्जुन सिंह	9.6.1980 से 12.3.1985
14.	मोतीलाल बोरा	13.3.1985 से 13.2.1988
15.	अर्जुन सिंह	14.2.1988 से 24.1.1989
16.	मोतीलाल बोरा	25.1.1989 से 8.12.1989
17.	श्यामाचरण शुक्ल	9.12.1989 से 4.3.1990
18.	सुंदर लाल पटवा	5.3.1990 से 15.12.1992
19.	दिग्विजय सिंह	7.12.1993 से 1.12.1998 1.12.1998 से 8.12.2003
20.	उमा भारती	8.12.2003 से 23.8.2004
21.	बाबू लाल गौर	23.8.2004 से 29.11.2005
22.	शिवराज सिंह चौहान	29.11.2005 से 12.12.2008 12.12.2008 से 13.12.2013 14.12.2013 से 12.12.2018
23.	कमलनाथ	17.12.2018 से 23.03.2020
24.	श्री शिवराज सिंह चौहान	23.03.2020 से 11.12.2023
25.	डॉ. मोहन यादव	13.12.2023 से अब तक

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विधानसभा अध्यक्ष

क्र.	नाम	कार्यकाल
1.	पं. कुंजीलाल दुबे	1.11.1956 से 7.3.1967
2.	काशीप्रसाद पाण्डे	24.3.1967 से 24.3.1972
3.	तेजलाल टेंभरे	25.3.1972 से 10.8.1972
4.	गुलशेर अहमद	14.8.1972 से 14.7.1977
5.	मुकुंद सखाराम नेवालकर	15.7.1977 से 2.7.1980
6.	यज्ञदत्त शर्मा	3.7.1980 से 19.7.1983
7.	रामकिशोर शुक्ला	5.3.1984 से 13.3.1985
8.	राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल	25.3.1985 से 19.3.1990
9.	बृजमोहन मिश्रा	20.3.1990 से 22.12.1993
10.	श्रीनिवास तिवारी	24.12.1993 से 11.12.2003
11.	ईश्वरदास रोहाणी	16.12.2003 से 5.11.2013
12.	सीतासरन शर्मा	9.1.2014 से 1.1.2019
13.	नर्मदा प्रसाद प्रजापति	8.1.2019 से 23.03.2020
14.	गिरीश गौतम	22.02.2021 से 14.12.2023
15.	नरेन्द्र सिंह तोमर	20.12.2023 से अब तक

पंचायती राज व्यवस्था

देश में ग्राम स्वराज्य की अवधारणा को मजबूत करने के लिए तथा पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से 1956 में बलवन्त राय मेहता की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया। मध्य प्रदेश में भी इसकी सिफारिशें लागू की गयीं। 1962 में पंचायत राज व्यवस्था से संबंधित कानूनों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1962 बनाया गया। इसके पश्चात् 79वें संविधान संशोधन अधिनियम 1992 के अनुरूप प्रदेश में पंचायत राज अधिनियम, 1993, 25 जनवरी, 1994 से लागू कर दिया गया। इसके अंतर्गत 11वीं अनुसूची जोड़कर पंचायतों को 29 कार्य सौंपे गये हैं। 15 अप्रैल 1994 को मध्य प्रदेश देश में नयी संवैधानिक व्यवस्था के आधार पर त्रिस्तरीय पंचायतों व नगर प्रशासनों के चुनाव कराने वाला देश का प्रथम राज्य बन गया।

- वर्ष 1987 से ग्राम पंचायतों को पुरस्कार प्रदान करने की योजना मध्य प्रदेश में लागू हुई, जिसे 1996-97 में नये स्वरूप में किया गया। इसके अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत को ₹ 25000, सर्वश्रेष्ठ जनपद पंचायत को ₹ 5 लाख तथा सर्वश्रेष्ठ पंचायत को ₹ 25 लाख का पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

पंचायत निर्वाचन

- मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव पहली बार मई-जून 1994 में सम्पन्न कराये गये। वर्तमान में प्रदेश में पंचायती राजव्यवस्था की स्थिति निम्न प्रकार हैं-

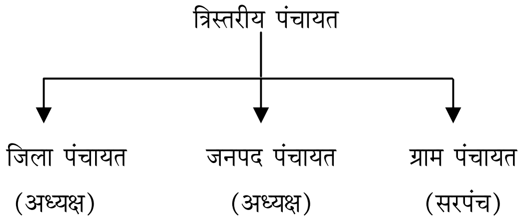

- अनुच्छेद 243(छ) के उपबंधों के तहत् राज्य का विधानमंडल पंचायतों को ऐसी शक्तियाँ व प्राधिकार प्रदान करेगा जिससे वे स्वायत्त शासन संस्था के रूप में कार्य कर सकें। इसके अंतर्गत 29 विषयों को शामिल किया गया है।
- मध्य प्रदेश पंचायत राज एक्ट 1993 की धारा 77 के अंतर्गत ग्राम सभा/जनपद पंचायत को करारोपण का अधिकार दिया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग

मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग का गठन 19 जनवरी 1994 को किया गया। श्री एन.वी. लोहानी निर्वाचन आयोग के प्रथम आयुक्त थे। वर्तमान में निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष बसंत प्रताप सिंह हैं।

राज्य मानवाधिकार आयोग

- मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग एक स्वतंत्र व स्वायत्त संस्था है जो कि संसद द्वारा पारित मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के अंतर्गत 28 सितंबर 1993 से प्रभावी है। इस आयोग का मुख्य कार्य है मानवाधिकार अधिकार में वर्जित अधिकारों को संरक्षण प्राप्त हो।

राज्य वित्त आयोग

- संविधान के अनुच्छेद 243(झ) के अनुसार राज्य सरकार एक वित्त आयोग का गठन करती है, जो अन्य कार्यों के अतिरिक्त पंचायतों को अनुदान व राजस्व की व्यवस्था हेतु अनुशंसा करती

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

है। वर्तमान में वित्त आयोग की अनुशंसा पर पंचायती राज संस्थाओं को राज्य शासन के कर एवं करेत्तर राजस्व आय की 4% राशि उपलब्ध करायी जाती है।

मध्य प्रदेश : प्रशासनिक ढाँचा

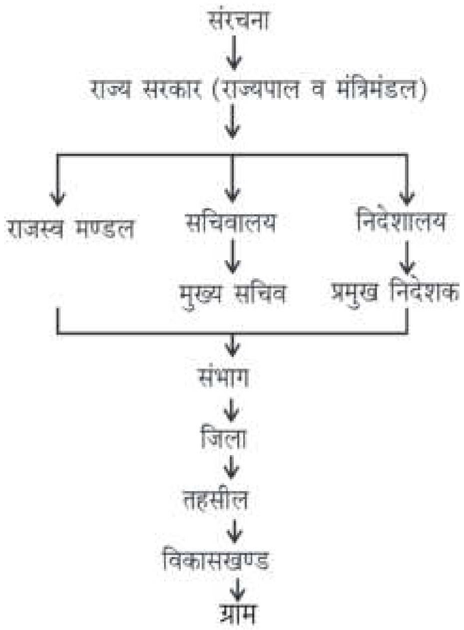

- प्रशासनिक संरचना में राज्य शासन का मुख्य सचिवालय है। जिसका प्रधान मुख्य सचिव होता है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित सचिवालय को वल्लभ भवन कहा जाता है। इसके अतिरिक्त भोपाल में ही स्थित निदेशालय, जिसे संचनालय भी कहते हैं संचालक सूत्र अभिकरण का कार्य करता है। भोपाल स्थित इस निदेशाालय का नाम सतपुड़ा एवं विध्यांचल भवन रखा गया है।
- सम्पूर्ण मध्य प्रदेश को प्रशासनिक सुविधा के दृष्टिकोण से 10 संभागों में बाँटा गया है।
- 1956 में मध्य प्रदेश में कुल 43 जिले थे। 1972 में राजनादगाँव भोपाल का गठन हुआ। 1 नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ के अलग होने के पश्चात् कुल 4 जिले राज्य में गठित हुये। 2003 व 2008 में क्रमशः 3 व 2 जिले गठित किये गये। 2013 में आगर मालवा का गठन हुआ। अंततः 2018 में निवाड़ी जिला के गठन के साथ ही मध्य प्रदेश में कुल जिलों की संख्या 52 हो गयी है। मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर को नया जिला बनाया गया है। अतः वर्तमान में म.प्र. में कुल 55 जिले हैं।
- जिलों का प्रमुख जिलाधीश होता है जो जिले के प्रशासन की धुरी होता है। राजस्व संग्रहण की दृष्टि से प्रमुख तहसीलदार होता है। जिले के उपखण्डों को विकासखण्डों में विभाजित किया गया है, जिसका प्रमुख खण्ड विकास अधिकारी होता है।

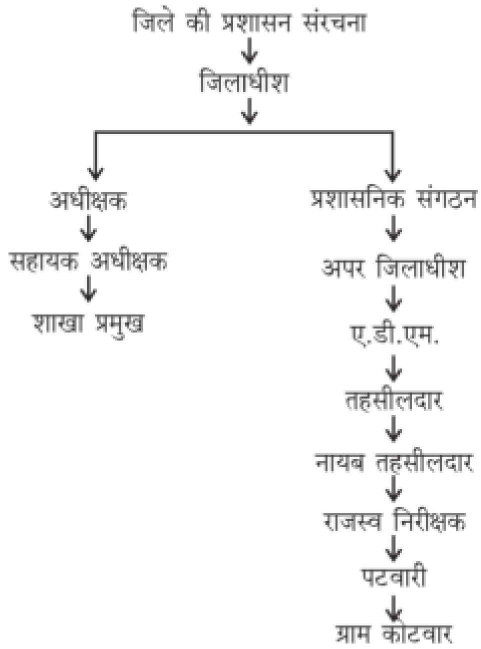

- जनपद पंचायत का मुख्य अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी होता है। इसके पश्चात् प्रत्येक ग्राम में ग्राम सभा होती है, जो अपने द्वारा चुनी गयी पंचायत के माध्यम से अपना विकास करती है। इसका अधिकारी ग्राम पंचायत सचिव होता है।
- नगर प्रशासन के लिये तीन तरह की स्वशासी संस्थायें हैं। महानगरों में नगर निगम ''महापौर'' के माध्यम से कार्य करती हैं। इनका प्रमुख अधिकारी 'नगर आयुक्त' होता है। छोटे नगरों में नगर पालिकायें होती हैं, जबकि छोटे कस्बो में नगर पंचायतें होती हैं। इन दोनों में परिषद अपने अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्य करती है। इनका गठन 30 दिसम्बर 1993 को पारित मध्य प्रदेश नगरपालिका विधेयक के तहत किया गया।

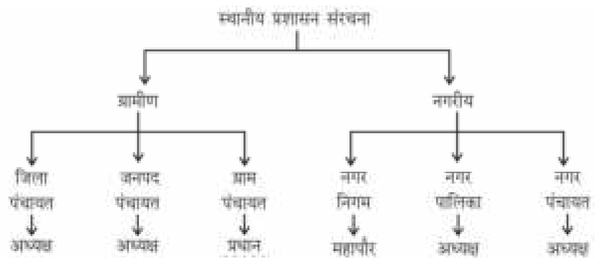

- 1 अप्रैल 1999 को जिला सरकार के रूप में एक अभिनव प्रयोग किया गया जिसका उद्देश्य राज्य एवं जिले के मध्य प्रशासनिक दूरी को कम करके जिले को आर्थिक संपन्न बनाना था। हॉलाकि बाद में इसे समाप्त कर दिया गया।
- मध्य प्रदेश देश का प्रथम राज्य है जहाँ ग्रामीण सुविधाओं के संदर्भ में सूचनाओं व शिकायतों को सार्वजनिक कर दिया गया है। इसके लिये सभी गाँव ''सम्पर्क'' वेबसाइट ई–शासन के अंतर्गत लाये गये हैं। इस वेबसाइट के तीन भाग हैं– ग्राम परिदृश्य, ग्राम प्रहरी व समस्या निवारण।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

17.

मध्य प्रदेश : जनगणना 2011

महत्वपूर्ण तथ्य	
• कुल जनसंख्या	7,26,26,809
पुरुष	3,76,12,306
महिलाएं	3,50,14,503
• लिंगानुपात	931 (21वें स्थान पर)
• जन घनत्व	236
• शिशु जनसंख्या	10,809,395
• शिशु लिंगानुपात	918
• दशकीय वृद्धि दर (2001-2011)	20.35
• साक्षरता दर	69.3 (28वें स्थान पर)
पुरुष साक्षरता दर	78.7
महिला साक्षरता दर	59.2
• कुल जनसंख्या में S.C. का प्रतिशत	15.6
• कुल जनसंख्या में S.T. का प्रतिशत	21.1
• नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	27.6
• ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत	72.4

- सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला **–इंदौर (3276697)**
- न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला **–हरदा (570465)**
- सर्वाधिक जनघनत्व वाला जिला **–भोपाल (855)**
- न्यूनतम जनघनत्व वाला जिला **–डिंडोरी (94)**
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला **–बालाघाट (1021)**
- न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला **–भिंड (837)**
- सर्वाधिक साक्षरता दर वाला जिला **–जबलपुर (81.1%)**
- न्यूनतम साक्षरता दर वाला जिला **–अलीराजपुर (36.1%)**
- सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाला जिला **–जबलपुर (87.3%)**
- न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाला जिला **–अलीराजपुर (42%)**
- सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाला जिला **–भोपाल (74.9%)**
- न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाला जिला **–अलीराजपुर (30.3%)**

सर्वाधिक अनु.जाति प्रति. वाला जिला – उज्जैन (26.4%)

- न्यूनतम अनु.जाति प्रति. वाला जिला – झाबुआ (1.7%)
- सर्वाधिक अ.ज.जाति प्रति. वाला जिला– अलीराजपुर (89%)
- न्यूनतम अ.ज.जाति प्रति. वाला जिला – भिंड (0.4%)
- सर्वाधिक नग.जन. प्रति. वाला जिला – भोपाल (80.9%)
- न्यूनतम नग.जन. प्रति. वाला जिला – डिंडोरी (4.6%)
- सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात वाला जिला –अलीराजपुर (978)
- न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाला जिला –मुरैना (829)
- सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर वाला जिला – इंदौर (32.9%)
- न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाला जिला – अनूपपुर (12.3%)

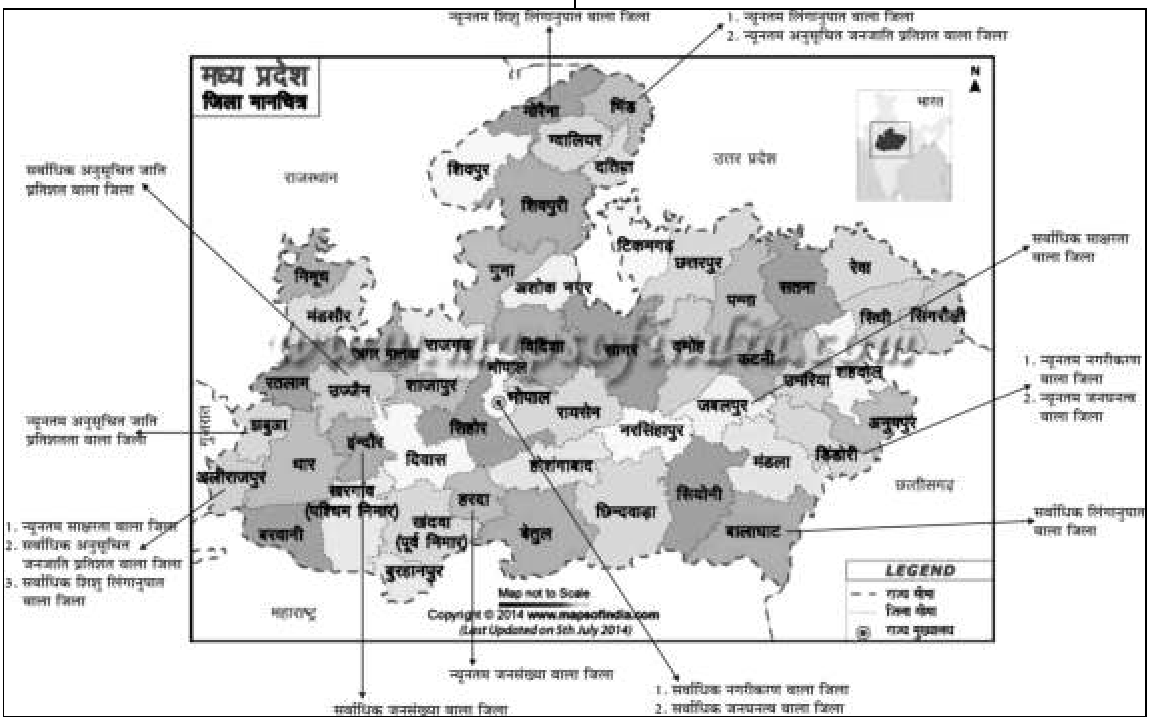

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मध्य प्रदेश

जनगणना, 2011 : अंतिम आंकड़े

(Census, 2011 : Final Data)

जनसंख्या, लिंगानुपात एवं जनघनत्व

क्र.सं.	जिले	कुल लोग	पुरुष	महिलाएं	लिंगानुपात	जनघनत्व
1.	श्योपुर	687861	361784	326077	901	104
2.	मुरैना	1965970	1068417	897553	840	394
3.	भिंड	1703005	926843	776162	837	382
4.	ग्वालियर	2032036	1090327	941709	864	446
5.	दतिया	786754	420157	366597	873	271
6.	शिवपुरी	1726050	919795	806255	877	171
7.	टीकमगढ़	1445166	760355	684811	901	286
8.	छतरपुर	1762375	936121	826254	883	203
9.	पन्ना	1016520	533480	483040	905	142
10.	सागर	2378458	1256257	1122201	893	232
11.	दमोह	1264219	661873	602346	910	173
12.	सतना	2228935	1157495	1071440	926	297
13.	रीवा	2365106	1225100	1140006	931	375
14.	उमरिया	644758	330674	314084	950	158
15.	नीमच	826067	422653	403414	954	194
16.	मंदसौर	1340411	682851	657560	963	242
17.	रतलाम	1455069	738241	716828	971	299
18.	उज्जैन	1986864	1016289	970575	955	326
19.	शाजापुर	1512681	780520	732161	938	244
20.	देवास	1563715	805359	758356	942	223
21.	धार	2185793	1112725	1073068	964	268
22.	इंदौर	3276697	1699627	1577070	928	841
23.	प.निमाड़	1873046	953121	919925	965	233
24.	बड़वानी	1385881	699340	686541	982	255
25.	राजगढ़	1545814	790212	755602	956	251
26.	विदिशा	1458875	769568	689307	896	198
27.	भोपाल	2371061	1236130	1134931	918	855
28.	सिहोर	1311332	683743	627589	918	199
29.	रायसेन	1331597	700358	631239	901	157
30.	बैतूल	1575362	799236	776126	971	157
31	हरदा	570465	294838	275627	935	171
32	होशंगाबाद	1241350	648725	592625	914	185
33.	कटनी	1292042	662013	630029	952	261
34.	जबलपुर	2463289	1277278	1186011	929	473
35.	नरसिंहपुर	1091854	568810	523044	920	213
36.	डिंडोरी	704524	351913	352611	1002	94
37.	मंडला	1054905	525272	529633	1008	182
38.	छिंदवाड़ा	2090922	1064468	1026454	964	177
39.	सिवनी	1379131	695879	683252	982	157
40.	बालाघाट	1701698	842178	859520	1021	184
41.	गुना	1241519	649362	592157	912	194

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

42.	अशोक नगर	845071	443837	401234	904	181
43.	शहडोल	1066063	540021	526042	974	172
44.	अनूपपुर	749237	379114	370123	976	200
45.	सीधी	1127033	575912	551121	957	232
46.	सिंगरौली	1178273	613637	564636	920	208
47.	झाबुआ	1025048	515023	510025	990	285
48.	अलीराजपुर	728999	362542	366457	1011	229
49.	पू.निमाड़	1310061	674329	635732	943	178
50.	बुरहानपुर	757847	388504	369343	951	221
		72626809	**37612306**	**35014503**	**931**	**236**

(0–6) आयु समूह की जनसंख्या, शिशु लिंगानुपात, साक्षरता दर

क्र.सं.	जिले	(0-6) आयु समूह की जनसंख्या	शिशु लिंगानुपात	दशकीय वृद्धि दर 2001–11	साक्षरता दर		
					कुल	पुरुष	महिला
1.	श्योपुर	116639	897	22.9	57.4	69.3	44.2
2.	मुरैना	305156	829	23.4	71.0	82.9	56.9
3.	भिंड	248230	843	19.2	75.3	85.4	63.1
4.	ग्वालियर	261418	840	24.5	76.7	84.7	67.4
5.	दतिया	110114	856	18.5	72.6	84.2	59.4
6.	शिवपुरी	285770	893	22.8	62.5	74.6	48.8
7.	टीकमगढ़	227564	892	20.1	61.4	71.8	50.0
8.	छतरपुर	282794	900	19.5	63.7	72.7	53.6
9.	पन्ना	163620	914	18.7	64.8	74.1	54.4
10.	सागर	356903	925	17.6	76.5	84.8	67.0
11.	दमोह	191968	928	16.6	69.7	79.3	59.2
12.	सतना	330661	910	19.2	72.3	81.4	62.5
13.	रीवा	351983	885	19.9	71.6	81.4	61.2
14.	उमरिया	103414	943	25.0	65.9	76.0	55.2
15.	नीमच	107384	927	13.8	70.8	83.9	57.1
16.	मंदसौर	177659	927	13.2	71.8	85.1	58.0
17.	रतलाम	218354	939	19.7	66.8	77.5	55.8
18.	उज्जैन	271306	930	16.1	72.3	83.5	60.7
19.	शाजापुर	217759	920	17.2	69.1	81.5	55.9
20.	देवास	229339	918	19.5	69.3	80.3	57.8
21.	धार	359949	928	25.6	59.0	68.9	48.8
22.	इंदौर	421380	901	32.9	80.9	87.3	74.0
23.	प.निमाड़	299990	938	22.9	62.7	72.1	53.0
24.	बड़वानी	265299	948	27.6	49.1	55.7	42.4
25.	राजगढ़	231987	920	23.3	61.2	73.0	48.9
26.	विदिशा	235391	926	20.1	70.5	79.1	60.9
27.	भोपाल	304713	920	28.6	80.4	85.4	74.9
28.	सिहोर	197429	912	21.5	70.1	80.8	58.3
29.	रायसेन	207699	932	18.3	73.0	80.8	64.2
30.	बैतूल	211433	957	12.9	68.9	76.6	60.9
31	हरदा	84191	928	20.2	72.5	81.1	63.3
32	होशंगाबाद	164602	919	14.5	75.3	83.3	66.5

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

33.	कटनी	193395	939	21.4	72.0	81.9	61.6
34.	जबलपुर	296565	923	14.5	81.1	87.3	74.4
35.	नरसिंहपुर	142250	911	14.0	75.7	83.6	67.1
36.	डिंडोरी	111820	970	21.3	63.9	75.5	52.4
37.	मंडला	150263	970	18.0	66.9	77.5	56.4
38.	छिंदवाड़ा	272289	956	13.1	71.2	79.0	63.0
39.	सिवनी	180784	953	18.2	72.1	80.4	63.7
40.	बालाघाट	212931	967	13.6	77.1	85.4	69.0
41.	गुना	207177	910	27.0	63.2	74.1	51.4
42.	अशोक नगर	138787	921	22.7	66.4	78.1	53.4
43.	शहडोल	159806	950	17.4	66.7	76.1	57.0
44.	अनूपपुर	106071	950	12.3	67.9	78.3	57.3
45.	सीधी	194528	914	23.7	64.4	74.4	54.1
46.	सिंगरौली	209792	923	28.0	60.4	71.3	48.5
47.	झाबुआ	211869	943	30.7	43.3	52.9	33.8
48.	अलीराजपुर	147961	978	19.5	36.1	42.0	30.3
49.	पू.निमाड़	208140	932	21.5	66.4	76.3	55.9
50.	बुरहानपुर	122869	924	19.4	64.4	71.8	56.6
मध्य प्रदेश		**10809395**	**918**	**20.3**	**69.3**	**78.7**	**59.2**

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या, 2011

क्र.सं.	जिले	अनुसूचित जाति (एस.सी.)			कुल जनसंख्या में एस.सी. का प्रति.	अनुसूचित जनजाति (एस.टी.)			कुल जनसंख्या में एस.टी. का प्रति.
		कुल	पुरुष	महिलाएं		कुल	पुरुष	महिलाएं	
1.	श्योपुर	108391	57838	50553	15.8	161448	82637	78811	23.5
2.	मुरैना	421519	228548	192971	21.4	17030	8947	8083	0.9
3.	भिंड	374799	204212	170587	22.0	6131	3283	2848	0.4
4.	ग्वालियर	393068	210354	182714	19.3	72133	37704	34429	3.5
5.	दतिया	200270	107132	93138	25.5	15061	7870	7191	1.9
6.	शिवपुरी	321515	171565	149950	18.6	227802	117111	110691	13.2
7.	टीकमगढ़	361604	190666	170938	25.0	67857	34923	32934	4.7
8.	छतरपुर	405313	215258	190055	23.0	73597	38081	35516	4.2
9.	पन्ना	207990	109421	98569	20.5	170879	87697	83182	16.8
10.	सागर	501630	266306	235324	21.1	221936	114771	107165	9.3
11.	दमोह	246337	129877	116460	19.5	166295	84809	81486	13.2
12.	सतना	398569	205987	192582	17.9	319975	163166	156809	14.4
13.	रीवा	383508	198144	185364	16.2	311985	161696	150289	13.2
14.	उमरिया	58147	29902	28245	9.0	300687	151988	148699	46.6
15.	नीमच	111162	56400	54762	13.5	71441	36738	34703	8.6
16.	मंदसौर	249024	126822	122202	18.6	33092	17023	16069	2.5
17.	रतलाम	198612	100629	97983	13.6	409865	206290	203575	28.2
18.	उज्जैन	523869	267235	256634	26.4	48730	24925	23805	2.5
19.	शाजापुर	353914	182961	170953	23.4	37836	19416	18420	2.5

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

20.	देवास	292007	150260	141747	18.7	272701	139174	133527	17.4
21.	धार	145436	74291	71145	6.7	1222814	614619	608195	55.9
22.	इंदौर	545239	280184	265055	16.6	217679	112687	104992	6.6
23.	प.निमाड़	209091	107013	102078	11.2	730169	366827	363342	39.0
24.	बड़वानी	87991	44478	43513	6.3	962145	482182	479963	69.4
25.	राजगढ़	295718	151260	144458	19.1	53751	27477	26274	3.5
26.	विदिशा	292144	154504	137640	20.0	67603	34993	32610	4.6
27.	भोपाल	357516	185902	171614	15.1	69429	35966	33663	2.9
28.	सिहोर	271281	141366	129915	20.7	145512	74391	71121	11.1
29.	रायसेन	225891	119226	106665	17.0	205006	105627	99379	15.4
30.	बैतूल	159296	81621	77675	10.1	667018	333166	333852	42.3
31	हरदा	92865	48553	44312	16.3	159678	81446	78232	28.0
32	होशंगाबाद	205007	107237	97770	16.5	197300	101041	96259	15.9
33.	कटनी	155717	79369	76348	12.1	317699	159799	157900	24.6
34.	जबलपुर	348029	179858	168171	14.1	375231	189915	185316	15.2
35.	नरसिंहपुर	184155	96079	88076	16.9	145879	74127	71752	13.4
36.	डिंडोरी	39782	20366	19416	5.6	455789	225699	230090	64.7
37.	मंडला	48425	24652	23773	4.6	610528	299918	310610	57.9
38.	छिंदवाड़ा	232244	118465	113779	11.1	769778	385785	383993	36.8
39.	सिवनी	130797	66830	63967	9.5	519856	258121	261735	37.7
40.	बालाघाट	125426	61576	63850	7.4	383026	186979	196047	22.5
41.	गुना	193115	100646	92469	15.6	190819	98206	92613	15.4
42.	अशोक नगर	175764	92216	83548	20.8	82072	42447	39625	9.7
43.	शहडोल	89733	45547	44186	8.4	476008	236947	239061	44.7
44.	अनूपपुर	74385	37841	36544	9.9	358543	177977	180566	47.9
45.	सीधी	130202	66174	64028	11.6	313304	159192	154112	27.8
46.	सिंगरौली	150664	77882	72782	12.8	383994	196133	187861	32.6
47.	झाबुआ	17427	8770	8657	1.7	891818	446359	445459	87.0
48.	अलीराजपुर	26877	13481	13396	3.7	648638	321842	326796	89.0
49.	पू.निमाड़	156601	80697	75904	12.0	459122	234867	224255	35.0
50.	बुरहानपुर	64254	33037	31217	8.0	230095	116420	113675	30.4
	मध्य प्रदेश	**11342320**	**5908638**	**5433682**	**15.6**	**15316784**	**7719404**	**7597380**	**21.1**

ग्रामीण नगरीय जनसंख्या 2011

क्र.स.	जिला	कुल जनसंख्या	ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या	ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत	नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत
1.	श्योपुर	687861	580509	107352	84.4	15.6
2.	मुरैना	1965970	1495508	470462	76.1	23.9
3.	भिंड	1703005	1270083	432922	74.6	25.4
4.	ग्वालियर	2032036	758244	1273792	37.3	62.7
5.	दतिया	786754	604772	181982	76.9	23.1
6.	शिवपुरी	1726050	1430627	295423	82.9	17.1
7.	टीकमगढ़	1445166	1195293	249873	82.7	17.3

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

8.	छतरपुर	1762375	1363359	399016	77.4	22.6
9.	पन्ना	1016520	891185	125335	87.7	12.3
10.	सागर	2378458	1669662	708796	70.2	29.8
11.	दमोह	1264219	1013668	250551	80.2	19.8
12	सतना	2228935	1754517	474418	78.7	21.3
13.	रीवा	2365106	1969321	395785	83.3	16.7
14.	उमरिया	644758	534214	110544	82.9	17.1
15.	नीमच	826067	580837	245230	70.3	29.7
16.	मंदसौर	1340411	1062807	277604	79.3	20.7
17.	रतलाम	1455069	1020038	435031	70.1	29.9
18.	उज्जैन	1986864	1207651	779213	60.8	39.2
19.	शाजापुर	1512681	1219133	293548	80.6	19.4
20.	देवास	1563715	1111956	451759	71.1	28.9
21.	धार	2185793	1772572	413221	81.1	18.9
22.	इंदौर	3276697	848988	2427709	25.9	74.1
23.	प.निमाड़	1873046	1574190	298856	84.0	16.0
24.	बड़वानी	1385881	1181812	204069	85.3	14.7
25.	राजगढ़	1545814	1269357	276457	82.1	17.9
26.	विदिशा	1458875	1119257	339618	76.7	23.3
27.	भोपाल	2371061	454010	1917051	19.1	80.9
28.	सिहोर	1311332	1062870	248462	81.1	18.9
29.	रायसेन	1331597	1028172	303425	77.2	22.8
30.	बैतूल	1575362	1266211	309151	80.4	19.6
31.	हरदा	570465	451101	119364	79.1	20.9
32.	होशंगाबाद	1241350	851364	389986	68.6	31.4
33.	कटनी	1292042	1028499	263543	79.6	20.4
34.	जबलपुर	2463289	1023255	1440034	41.5	58.5
35.	नरसिंहपुर	1091854	888314	203540	81.4	18.6
36.	डिंडोरी	704524	672206	32318	95.4	4.6
37.	मंडला	1054905	924716	130189	87.7	12.3
38.	छिंदवाड़ा	2090922	1585739	505183	75.8	24.2
39.	सिवनी	1379131	1215241	163890	88.1	11.9
40.	बालाघाट	1701698	1456882	244816	85.6	14.4
41.	गुना	1241519	928844	312675	74.8	25.2
42.	अशोक नगर	845071	691387	153684	81.8	18.2
43.	शहडोल	1066063	846463	219600	79.4	20.6
44.	अनूपपुर	749237	543996	205241	72.6	27.4
45.	सीधी	1127033	1033912	93121	91.7	8.3
46.	सिंगरौली	1178273	951487	226786	80.8	19.2
47.	झाबुआ	1025048	933065	91983	91.0	9.0
48.	अलीराजपुर	728999	671925	57074	92.2	7.8
49.	पू.निमाड़	1310061	1050625	259436	80.2	19.8
50.	बुरहानपुर	757847	497560	260287	65.7	34.3
	मध्य प्रदेश	**72626809**	**52557404**	**20069405**	**72.4**	**27.6**

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

कुल जनसंख्या : जिलों का क्रम (घटते हुये)

क्रम	जिले	कुल लोग
1.	इंदौर	3276697
2.	जबलपुर	2463289
3.	सागर	2378458
4.	भोपाल	2371061
5.	रींवा	2365106
6.	सतना	2228935
7.	धार	2185793
8.	छिंदवाड़ा	2090922
9.	ग्वालियर	2032036
10.	उज्जैन	1986864
11.	मुरैना	1965970
12.	प. निमाड़	1873046
13.	छतरपुर	1762375
14.	शिवपुरी	1726050
15.	भिंड	1703005
16.	बालाघाट	1701698
17.	बैतूल	1575362
18.	देवास	1563715
19.	राजगढ़	1545814
20.	शाजापुर	1512681
21.	विदिशा	1458875
22.	रतलाम	1455069
23.	टीकमगढ़	1445166
24.	बड़वानी	1385881
25.	सिवनी	1379131
26.	मंदसौर	1340411
27.	रायसेन	1331597
28.	सिहोर	1311332
29.	पू. निमाड़	1310061
30.	कटनी	1292042
31.	दमोह	1264219
32.	गुना	1241519
33.	होशंगाबाद	1241350
34.	सिंगरौली	1178273
35.	सीधी	1127033
36.	नरसिंहपुर	1091854
37.	शहडोल	1066063
38.	मंडला	1054905
39.	झाबुआ	1025048
40.	पन्ना	1016520
41.	अशोक नगर	845071
42.	नीमच	826067
43.	दतिया	786754
44.	बुरहानपुर	757847
45.	अनूपपुर	749237
46.	अलीराजपुर	728999
47.	डिंडोरी	704524
48.	श्योपुर	687861
49.	उमरिया	644758
50.	हरदा	570465

लिंगानुपात : जिलों का क्रम (घटते हुये)

क्रम	जिले	लिंगानुपात
1.	बालाघाट	1021
2.	अलीराजपुर	1011
3.	मंडला	1008
4.	डिंडोरी	1002
5.	झाबुआ	990
6.	बड़वानी	982
7.	सिवनी	982
8.	अनूपपुर	976
9.	शहडोल	974
10.	बैतूल	971
11.	रतलाम	971
12.	प. निमाड़	965
13.	धार	964
14.	छिंदवाड़ा	964
15.	मंदसौर	963
16.	सीधी	957
17.	राजगढ़	956
18.	उज्जैन	955
19.	नीमच	954
20.	कटनी	952
21.	बुरहानपुर	951
22.	उमरिया	950
23.	पू. निमाड़	943
24.	देवास	942
25.	शाजापुर	938
26.	हरदा	935
27.	रींवा	931
28.	जबलपुर	929
29.	इंदौर	928
30.	सतना	926
31.	सिंगरौली	920
32.	नरसिंहपुर	920
33.	भोपाल	918
34.	सिहोर	918
35.	होशंगाबाद	914
36.	गुना	912

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

37.	दमोह	910
38.	पन्ना	905
39.	अशोक नगर	904
40.	टीकमगढ़	901
41.	रायसेन	901
42.	श्योपुर	901
43.	विदिशा	896
44.	सागर	893
45.	छतरपुर	883
46.	शिवपुरी	877
47.	दतिया	873
48.	ग्वालियर	864
49.	मुरैना	840
50.	भिंड	837

जनघनत्व : जिलों का क्रम (घटते हुये)

क्रम	जिले	जनघनत्व
1.	भोपाल	855
2.	इंदौर	841
3.	जबलपुर	473
4.	ग्वालियर	446
5.	मुरैना	394
6.	भिंड	382
7.	रीवा	375
8.	उज्जैन	326
9.	रतलाम	299
10.	सतना	297
11.	टीकमगढ़	286
12.	झाबुआ	285
13.	दतिया	271
14.	धार	268
15.	कटनी	261
16.	बड़वानी	255
17.	राजगढ़	251
18.	शाजापुर	244
19.	मंदसौर	242
20.	प. निमाड़	233
21.	सीधी	232
22.	सागर	232
23.	अलीराजपुर	229
24.	देवास	223
25.	बुरहानपुर	221
26.	नरसिंहपुर	213
27.	सिंगरौली	208
28.	छतरपुर	203
29.	अनूपपुर	200
30.	सिहोर	199
31.	विदिशा	198
32.	नीमच	194
33.	गुना	194
34.	होशंगाबाद	185
35.	बालाघाट	184
36.	मंडला	182
37.	अशोक नगर	181
38.	पू. निमाड़	178
39.	छिंदवाड़ा	177
40.	दमोह	173
41.	शहडोल	172
42.	हरदा	171
43.	शिवपुरी	171
44.	उमरिया	158
45.	सिवनी	157
46.	बैतूल	157
47.	रायसेन	157
48.	पन्ना	142
49.	श्योपुर	104
50.	डिंडोरी	94

साक्षरता दर : जिलों का क्रम (घटते हुये)

क्रम	जिले	साक्षरता %
1.	जबलपुर	81.1
2.	इंदौर	80.9
3.	भोपाल	80.4
4.	बालाघाट	77.1
5.	ग्वालियर	76.7
6.	सागर	76.5
7.	नरसिंहपुर	75.7
8.	भिंड	75.3
9.	होशंगाबाद	75.3
10.	रायसेन	73.0
11.	दतिया	72.6
12.	हरदा	72.5
13.	सतना	72.3
14.	उज्जैन	72.3
15.	सिवनी	72.1
16.	कटनी	72.0
17.	मंदसौर	71.8
18.	रीवा	71.6
19.	छिंदवाड़ा	71.2
20.	मुरैना	71.0
21.	नीमच	70.8
22.	विदिशा	70.5
23.	सिहोर	70.1
24.	दमोह	69.7

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

25.	देवास	69.3
26.	शाजापुर	69.1
27.	बैतूल	68.9
28.	अनूपपुर	67.9
29.	मंडला	66.9
30.	रतलाम	66.8
31.	शहडोल	66.7
32.	अशोक नगर	66.4
33.	पू. निमाड़	66.4
34.	उमरिया	65.9
35.	पन्ना	64.8
36.	सीधी	64.4
37.	बुरहानपुर	64.4
38.	डिंडोरी	63.9
39.	छतरपुर	63.7
40.	गुना	63.2
41.	प. निमाड़	62.7
42.	शिवपुरी	62.5
43.	टीकमगढ़	61.4
44.	राजगढ़	61.2
45.	सिंगरौली	60.4
46.	धार	59.0
47.	श्योपुर	57.4
48.	बड़वानी	49.1
49.	झाबुआ	43.3
50.	अलीराजपुर	36.1

पुरुष साक्षरता दर : जिलों का क्रम (घटते हुये)

क्रम	जिले	पुरुष साक्षरता %
1.	जबलपुर	87.3
2.	इंदौर	87.3
3.	भोपाल	85.4
4.	बालाघाट	85.4
5.	भिंड	85.4
6.	मंदसौर	85.1
7.	सागर	84.8
8.	ग्वालियर	84.7
9.	दतिया	84.2
10.	नीमच	83.9
11.	नरसिंहपुर	83.6
12.	उज्जैन	83.5
13.	होशंगाबाद	83.3
14.	मुरैना	82.9
15.	कटनी	81.9
16.	शाजापुर	81.5
17.	सतना	81.4
18.	रीवा	81.4
19.	हरदा	81.1
20.	रायसेन	80.8
21.	सिहोर	80.8
22.	सिवनी	80.4
23.	देवास	80.3
24.	दमोह	79.3
25.	विदिशा	79.1
26.	छिंदवाड़ा	79.0
27.	अनूपपुर	78.3
28.	अशोक नगर	78.1
29.	मंडला	77.5
30.	रतलाम	77.5
31.	बैतूल	76.6
32.	पू. निमाड़	76.3
33.	शहडोल	76.1
34.	उमरिया	76.0
35.	डिंडोरी	75.5
36.	शिवपुरी	74.6
37.	सीधी	74.4
38.	पन्ना	74.1
39.	गुना	74.1
40.	राजगढ़	73.0
41.	छतरपुर	72.7
42.	प. निमाड़	72.1
43.	बुरहानपुर	71.8
44.	टीकमगढ़	71.8
45.	सिंगरौली	71.3
46.	श्योपुर	69.3
47.	धार	68.9
48.	बड़वानी	55.7
49.	झाबुआ	52.9
50.	अलीराजपुर	42.0

महिला साक्षरता दर : जिलों का क्रम (घटते हुये)

क्रम	जिले	महिला साक्षरता %
1.	भोपाल	74.9
2.	जबलपुर	74.4
3.	इंदौर	74.0
4.	बालाघाट	69.0
5.	ग्वालियर	67.4

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

6.	नरसिंहपुर	67.1
7.	सागर	67.0
8.	होशंगाबाद	66.5
9.	रायसेन	64.2
10.	सिवनी	63.7
11.	हरदा	63.3
12.	भिंड	63.1
13.	छिंदवाड़ा	63.0
14.	सतना	62.5
15.	कटनी	61.6
16.	रीवा	61.2
17.	विदिशा	60.9
18.	बैतूल	60.9
19.	उज्जैन	60.7
20.	दतिया	59.4
21.	दमोह	59.2
22.	सिहोर	58.3
23.	मंदसौर	58.0
24.	देवास	57.8
25.	अनूपपुर	57.3
26.	नीमच	57.1
27.	शहडोल	57.0
28.	मुरैना	56.9
29.	बुरहानपुर	56.6
30.	मंडला	56.4
31.	शाजापुर	55.9
32.	पू. निमाड़	55.9
33.	रतलाम	55.8
34.	उमरिया	55.2
35.	पन्ना	54.4
36.	सीधी	54.1
37.	छतरपुर	53.6
38.	अशोक नगर	53.4
39.	प. निमाड़	53.0
40.	डिंडोरी	52.4
41.	गुना	51.4
42.	टीकमगढ़	50.0
43.	राजगढ़	48.9
44.	शिवपुरी	48.8
45.	धार	48.8
46.	सिंगरौली	48.5
47.	श्योपुर	44.2
48.	बड़वानी	42.4
49.	झाबुआ	33.8
50.	अलीराजपुर	30.3

कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति (SC) का प्रतिशत 2011

क्रम	जिले	SC %
1.	उज्जैन	26.4
2.	दतिया	25.5
3.	टीकमगढ़	25.0
4.	शाजापुर	23.4
5.	छतरपुर	23.0
6.	भिंड	22.0
7.	मुरैना	21.4
8.	सागर	21.1
9.	अशोक नगर	20.8
10.	सिहोर	20.7
11.	पन्ना	20.5
12.	विदिशा	20.0
13.	दमोह	19.5
14.	ग्वालियर	19.3
15.	राजगढ़	19.1
16.	देवास	18.7
17.	शिवपुरी	18.6
18.	मंदसौर	18.6
19.	सतना	17.9
20.	रायसेन	17.0
21.	नरसिंहपुर	16.9
22.	इंदौर	16.6
23.	होशंगाबाद	16.5
24.	हरदा	16.3
25.	रीवा	16.2
26.	श्योपुर	15.8
27.	गुना	15.6
28.	भोपाल	15.1
29.	जबलपुर	14.1
30.	रतलाम	13.6
31.	नीमच	13.5
32.	सिंगरौली	12.8
33.	कटनी	12.1
34.	पू. निमाड़	12.0
35.	सीधी	11.6
36.	प. निमाड़	11.2
37.	छिंदवाड़ा	11.1
38.	बैतूल	10.1
39.	अनूपपुर	9.9
40.	सिवनी	9.5
41.	उमरिया	9.0
42.	बुरहानपुर	8.5
43.	शहडोल	8.4
44.	बालाघाट	7.4
45.	धार	6.7

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

46.	बड़वानी	6.3
47.	डिंडोरी	5.6
48.	मंडला	4.6
49.	अलीराजपुर	3.7
50.	झाबुआ	1.7

कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति (ST) का प्रति. 2011

क्रम	जिले	ST %
1.	अलीराजपुर	89.0
2.	झाबुआ	87.0
3.	बड़वानी	69.4
4.	डिंडोरी	64.7
5.	मंडला	57.9
6.	धार	55.9
7.	अनूपपुर	47.9
8.	उमरिया	46.6
9.	शहडोल	44.7
10.	बैतूल	42.3
11.	प. निमाड़	39.0
12.	सिवनी	37.7
13.	छिंदवाड़ा	36.8
14.	पू. निमाड़	35.0
15.	सिंगरौली	32.6
16.	बुरहानपुर	30.4
17.	रतलाम	28.2
18.	हरदा	28.0
19.	सीधी	27.8
20.	कटनी	24.6
21.	श्योपुर	23.5
22.	बालाघाट	22.5
23.	देवास	17.4
24.	पन्ना	16.8
25.	होशंगाबाद	15.9
26.	रायसेन	15.4
27.	गुना	15.4
28.	जबलपुर	15.2
29.	सतना	14.4
30.	नरसिंहपुर	13.4
31.	दमोह	13.2
32.	शिवपुरी	13.2
33.	रीवा	13.2
34.	सिहोर	11.1
35.	अशोक नगर	9.7
36.	सागर	9.3
37.	नीमच	8.6
38.	इंदौर	6.6
39.	टीकमगढ़	4.7
40.	विदिशा	4.6
41.	छतरपुर	4.2
42.	ग्वालियर	3.5
43.	राजगढ़	3.5
44.	भोपाल	2.9
45.	उज्जैन	2.5
46.	शाजापुर	2.5
47.	मंदसौर	2.5
48.	दतिया	1.9
49.	मुरैना	0.9
50.	भिंड	0.4

कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत 2011

क्रम	जिले	नगरीय जन. %
1.	भोपाल	80.9
2.	इंदौर	74.1
3.	ग्वालियर	62.7
4.	जबलपुर	58.5
5.	उज्जैन	39.2
6.	बुरहानपुर	34.3
7.	होशंगाबाद	31.4
8.	रतलाम	29.9
9.	सागर	29.8
10.	नीमच	29.7
11.	देवास	28.9
12.	अनूपपुर	27.4
13.	भिंड	25.4
14.	गुना	25.2
15.	छिंदवाड़ा	24.2
16.	मुरैना	23.9
17.	विदिशा	23.3
18.	दतिया	23.1
19.	रायसेन	22.8
20.	छतरपुर	22.6
21.	सतना	21.3
22.	हरदा	20.9
23.	मंदसौर	20.7
24.	शहडोल	20.6
25.	कटनी	20.4
26.	दमोह	19.8
27.	पू. निमाड़	19.8
28.	बैतूल	19.6
29.	शाजापुर	19.4
30.	सिंगरौली	19.2
31.	धार	18.9
32.	सिहोर	18.9
33.	नरसिंहपुर	18.6
34.	अशोक नगर	18.2
35.	राजगढ़	17.9
36.	टीकमगढ़	17.3
37.	शिवपुरी	17.1
38.	उमरिया	17.1

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

39.	रीवा	16.7
40.	प. निमाड़	16.0
41.	श्योपुर	15.6
42.	बड़वानी	14.7
43.	बालाघाट	14.4
44.	पन्ना	12.3
45.	मंडला	12.3
46.	सिवनी	11.9
47.	झाबुआ	9.0
48.	सीधी	8.3
49.	अलीराजपुर	7.8
50.	डिंडोरी	4.6

जनसंख्या

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. इंदौर	3276697	1. हरदा	570465
2. जबलपुर	2463289	2. उमरिया	644758
3. सागर	2378458	3. श्योपुर	687861
4. भोपाल	2371061	4. डिंडोरी	704524
5. रीवा	2365106	5. अलीराजपुर	728999
6. सतना	2228935	6. अनूपपुर	749237

लिंगानुपात

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. बालाघाट	1021	1. भिंड	837
2. अलीराजपुर	1011	2. मुरैना	840
3. मंडला	1008	3. ग्वालियर	864
4. डिंडोरी	1002	4. दतिया	873
5. झाबुआ	990	5. शिवपुरी	877
6. बड़वानी	982	6. छतरपुर	883

जनघनत्व

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. भोपाल	855	1. डिंडोरी	94
2. इंदौर	841	2. श्योपुर	104
3. जबलपुर	473	3. पन्ना	142
4. ग्वालियर	446	4. रायसेन	157
5. मुरैना	394	5. बैतुल	157
6. भिंड	382	6. सिवनी	157

साक्षरता दर %

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. जबलपुर	81.1	1. अलीराजपुर	36.1
2. इंदौर	80.9	2. झाबुआ	43.3
3. भोपाल	80.4	3. बड़वानी	49.1
4. बालाघाट	77.1	4. श्योपुर	57.4
5. ग्वालियर	76.7	5. धार	59.0
6. सागर	76.5	6. सिंगरौली	60.4

पुरुष साक्षरता दर %

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. जबलपुर	87.3	1. अलीराजपुर	42.0
2. इंदौर	87.3	2. झाबुआ	52.9
3. भोपाल	85.4	3. बड़वानी	55.7
4. बालाघाट	85.4	4. धार	68.9
5. भिंड	85.4	5. श्योपुर	69.3
6. मंदसौर	85.1	6. सिंगरौली	71.3

महिला साक्षरता दर %

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. भोपाल	74.9	1. अलीराजपुर	30.3
2. जबलपुर	74.4	2. झाबुआ	33.8
3. इंदौर	74.0	3. बड़वानी	42.4
4. बालाघाट	69.0	4. श्योपुर	44.2
5. ग्वालियर	67.4	5. सिंगरौली	48.5
6. नरसिंहपुर	67.1	6. धार	48.8

कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति (SC) का प्रतिशत

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. उज्जैन	26.4	1. झाबुआ	1.7
2. दतिया	25.5	2. अलीराजपुर	3.7
3. टीकमगढ़	25.0	3. मंडला	4.6
4. शाजापुर	23.4	4. डिंडोरी	5.6
5. छतरपुर	23.0	5. बड़वानी	6.3
6. भिंड	22.0	6. धार	6.7

कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति (ST) का प्रतिशत

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. अलीराजपुर	89.0	1. भिंड	0.4
2. झाबुआ	87.0	2. मुरैना	0.9
3. बड़वानी	69.4	3. दतिया	1.9
4. डिंडोरी	64.7	4. मंदसौर	2.5
5. मंडला	57.9	5. शाजापुर	2.5
6. धार	55.9	6. उज्जैन	2.5

कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत

शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में)		न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में)	
1. भोपाल	80.9	1. डिंडोरी	4.6
2. इंदौर	74.1	2. अलीराजपुर	7.8
3. ग्वालियर	62.7	3. सीधी	8.3
4. जबलपुर	58.5	4. झाबुआ	9.0
5. उज्जैन	39.2	5. सिवनी	11.9
6. बुरहानपुर	34.3	6. मंडला	12.3

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

18.

मध्य प्रदेश की योजनाएँ

मध्य प्रदेश की नवीन योजनाएँ (2020-2024)

लाडली बहना योजना (28-01-2023)

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 28 जनवरी, 2023 को लाडली बहना योजना का शुभारम्भ किया गया।

- इस योजना में सभी पात्र बहनों को ₹1250 प्रति माह दिये जाते हैं।
- भेदभाव समाप्त करने, आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, और लड़कियों में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गयी है।
- इस योजना में ऐसी विवाहित महिलाएँ पात्र होंगी, जिनके परिवार में कोई आयकर नहीं दिया जाता है, एवं कोई व्यक्ति सरकारी सेवा में न हो तथा उम्र 21 से 60 वर्ष के बीच हो।

लाडली बहना आवास योजना-

- जिन महिलाओं के घर कच्चे हैं और जिन्हे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें ही इस योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा इसके तहत पक्का आवास प्रदान किया जाएगा।
- अंत्योदय आवास योजना का नाम लाडली बहना आवास योजना कर दिया गया है। यह योजना पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अधीन रहेगी।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना (22-09-2020)-

- कृषि को लाभकारी बनाने, उन्नत तकनीक का उपयोग करने कृषकों की आय संवर्धन के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गयी।
- इस योजना के तहत पात्र किसानों को ₹2000 की तीन किस्त में ₹6000 दिये जाएंगे। वे किसान जो पी.एम. किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत ₹6000 सालाना का लाभ लेते हैं वे भी इस योजना के पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना (23-08-2022)-

- 18 वर्ष से अधिक उम्र के अनाथ बच्चों को आर्थिक एवं शैक्षणिक सहयोग देकर (आफ्टर केयर) समाज में पुनर्स्थापित करना, तथा कोविड 19 महामारी के कारण मृत माता पिता की अनाथ संतानो को सहयोग देकर (स्पांसरशिप) आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना (15-06-2023)-

- मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं के कौशल संवर्धन हेतु शुरू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के युवाओं को निजी संस्थानों में छात्र-प्रशिक्षणार्थी के रूप में प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किये जाएगें।
- प्रदेश के 18 से 29 वर्ष की उम्र के युवा इस योजना में शामिल हो सकते हैं।

मध्य प्रदेश सोलर पम्प योजना (2024)-

- मध्य प्रदेश सरकार ने सोलर पम्प योजना के जरिये किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सब्सिडी दर पर किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध करवाने का संकल्प लिया है।
- इस योजना में केन्द्र और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 90% अनुदान दिया जा रहा है।
- इस योजना का लाभ सभी किसान उठा सकते हैं।
- इस योजना से उन किसानों को ज्यादा लाभ होगा जिनके खेतों के आस-पास बिजली नही पहुँची है।

मध्य प्रदेश अंकुर योजना (22-05-2023)-

- मध्य प्रदेश अंकुर योजना पर्यावरण संरक्षण से सम्बंधित योजना है।
- इस योजना के तहत नागरिकों को मानसून के दौरान पेड़ लगाने के लिए सम्मानित किया जाएगा।
- अंकुर योजना के द्वारा जन सहभागिता के माध्यम से वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा तथा चयनित विजेताओं को प्राणवायु अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

लखपति दीदी योजना (04-11-2022)

- मध्य प्रदेश की महिलाओं के लिए एक स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम योजना है।
- इस योजना के तहत 1 लाख से 5 लाख रुपये तक का लोन आसानी से उपलब्ध कराया जाएगा वो भी बिना किसी ब्याज के, अर्थात शून्य ब्याज दर पर।
- इस योजना में शामिल महिलाओं को जरूरी प्रशिक्षण और दिशा निर्देश दिए जाएंगें।
- 18 से 50 वर्ष की पात्र महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जुड़ना होगा।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना (14-09-2024)-

- मध्य प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के धर्मिक इच्छाओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना (14 सितम्बर 2024) को शुरूआत की है।
- इस योजना के द्वारा 14 सितम्बर 2024 से 26 फरवरी 2025 तक वृद्ध जनों को तीर्थ दर्शन कराया जाएगा।
- वाराणसी (काशी), मथुरा, वृंदावन, रामेश्वरम् सहित सभी प्रमुख तीर्थों का निःशुल्क दर्शन कराया जाएगा।

सूर्य लक्ष्मी योजना (2024)-

- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित पी.एम. सूर्य लक्ष्मी योजना के तहत सरकार लोगों को सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है।
- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के द्वारा 1 करोड़ से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं को बिना किसी लागत के सोलर रूफटॉप प्लांट लगाकर दिया जाएगा।

जल मंदिर योजना (30-01-2023)-

- मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले से इसकी शुरूआत हुई।
- इस योजना का उद्देश्य भू-जल स्तर में सुधार करना है।
- इस योजना में जो भी घर रूफटॉप हार्वेस्टिंग करायेगा वह जल मन्दिर कहलाएगा।

टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना (06-09-2022)-

- इसका उद्देश्य अनुसूचित जाति के गरीब लोगों को नवीन उद्यमों की स्थापना हेतु कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना है।
- लाभार्थी की उम्र 18 से 55 होनी चाहिए।
- इस योजना में ₹10,000 से ₹1,00,000 तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना (06-09-2022)-

- इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को रोजगार हेतु ऋण, कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराना है।
- इस योजना के लाभार्थी 18 से 45 उम्र के होने चाहिए।
- इस योजना में ऋण सीमा मैन्युफैक्चर सेक्टर के लिए 1 से 50 लाख तथा सर्विस सेक्टर के लिए 1 से 25 लाख तक होगी।

⇒ **मध्य प्रदेश विकलांग पेंशन योजना**- इस योजना के अंतर्गत राज्य के विकलांग व्यक्तियों को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 600 ₹ मासिक पेंशन धनराशि, आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जाएगी।

⇒ **म.प्र. वृद्धा पेंशन योजना**- मध्य प्रदेश की वृद्ध महिलाओं की आर्थिक सहायता करने के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना के तहत जिनकी उम्र 60 से 79 के बीच है उन्हें 300 और जो 80 से ऊपर हैं उन्हें 500₹ की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

⇒ **मध्य प्रदेश डॉ भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना**- अनुसूचित जाति के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए यह योजना चलाई गई है। इसमें 10 हजार से 1 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

⇒ **लाडली बहना सेना योजना**- प्रत्येक गाँव जिनकी आबादी 1500 से कम है वहाँ 11 सदस्य तथा ऐसे गाँव जिनकी आबादी 1500 से अधिक है वहाँ 21 सदस्यों की सेना बनाई जाएगी। लाडली बहन सेना में 50% सदस्य लाडली बहना योजना की पात्र महिलाएं होगी। 60 वर्ष तक इसमें आवेदन किया जा सकता है।

⇒ **म.प्र. पथ व्यवसायी उत्थान योजना**- इस योजना के तहत सभी स्ट्रीट वेंडर्स को 10,000₹ तक का लोन बिना किसी गारंटी के दिया जाएगा। 7% ब्याज के अलावा बाकी का ब्याज म.प्र. सरकार वहन करेगी।

⇒ **मुख्यमंत्री स्कूटी योजना**- इस योजना के तहत 12वीं कक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले बालक और बालिकाओं को प्रदेश सरकार मुफ्त स्कूटी का वितरण करेगी।

⇒ **रूक जाना नहीं योजना**- 10वीं और 12वीं कक्षा में फेल होने पर, विद्यार्थियों को दुबारा पास करने के लिए फिर से परीक्षा आयोजित कराने की योजना है।

⇒ **मध्य प्रदेश जन सुनवाई योजना** - इस योजना का उद्देश्य ऐसे व्यक्ति जो थाने या सम्बन्धित विभाग में जाने में कोई असुविधा महसूस करते हैं वे, आनलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

- **प्रतिभा किरण योजना** जो मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 12th में प्रथम श्रेणी पास छात्राओं के लिए है। इन्हें परम्परागत कोर्स के लिए **500 प्रति माह** और तकनीकी व चिकित्सा शिक्षा की पढ़ाई के लिए **750 रू0** प्रति माह मदद मिलेगी। (10 माह के लिए है)
- मध्य प्रदेश की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार द्वारा **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** करने वाले राज्य के रूप में चयनित किया गया है।
- मध्य प्रदेश के **होशंगाबाद जिले** को बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना के तहत पुरस्कार भी दिया गया है।
- मध्य प्रदेश में विदेश से आयात होने वाली 800 करोड़ की **अगरबत्ती** की **काडी** का प्लांट स्थापित होगा।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण ने अभी हाल ही में मंदिर सेफ भोग प्लेस घोषित किया है–
  पहला– **महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन**
  दूसरा– **खजराना का गणेश मंदिर**
- जबलपुर जिला योजना समिति की बैठक में किस स्थल को वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित करने का प्रस्ताव राज्य और केन्द्र सरकार में भेजने का निर्णय लिया गया है– **भेड़ाघाट (जबलपुर)**
- बैगा, भारिया, सहरिया जनजाति के युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए कम्प्यूटर कौशल विकास केन्द्र शुरू किये जा रहे हैं।

- 27 अगस्त, 2019 को मध्य प्रदेश के मंत्री **सुरेन्द्र सिंह बहोल** और **तरुण भनोत** न्यू जर्सी में आयोजित कार्यक्रम "मेरा इंडिया–न्यू इंडिया 2019" प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए शामिल हुए।
- मध्य प्रदेश सरकार की युवा स्वाभिमान योजना के अन्तर्गत कितने दिन का प्रशिक्षण एवं रोजगार मिलेगा– **100 दिन**
- इस योजना का प्रारम्भ– फरवरी 2019 में हुआ।
- मध्य प्रदेश में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा आगर-नीमच और शाजापुर में **1500 मेगावॉट** की सौर ऊर्जा स्थापित करने के लिए **विश्व बैंक** द्वारा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।
- मुख्यमंत्री कमलनाथ ने नवकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता देते हुए मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम को प्रदेश में **2 लाख सोलर पम्प** लगाने का लक्ष्य दिया है।
- ग्वालियर जिले में हाल ही में अत्याधुनिक कैश लैब प्रारम्भ की गयी है।
- मध्य प्रदेश के बेतुल जिले का गाँव बाचा देश का पहला सौर विलेज बन गया है। इसे IIT मुम्बई की पहल से घोषित किया गया।
- AIIMS भोपाल संस्थान **रासायनिक परमाणु हमलों** से निपटने के लिए चिकित्सा प्रबंधन पाठ्यक्रम शुरू करेगा। यह देश का **पहला संस्थान** है जिसमें जुलाई **2015** से 6 माह का कोर्स चलाया जा रहा है।
- इकोनॉमिक फोरम द्वारा आर्थिक और व्यवसायिक मुद्दों के लिए प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले सम्मेलन में प्रदेश से **भक्ति शर्मा शामिल** होंगे। (यह कार्यक्रम सेंट पीटर्सवर्ग शहर में होगा जिसमें 120 देशों के 10 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल होंगे।
  भक्ति शर्मा– प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ युवा सरपंचों में एक हैं। उन्हें अपने पंचायत में उल्लेखनीय कार्य के लिए वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सम्मानित किया गया था।
- भारत माता योजना में मध्य प्रदेश में पहले चरण में 5987 किलोमीटर लम्बाई के राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए केन्द्र सरकार ने सैद्धान्तिक स्वीकृति दी है।

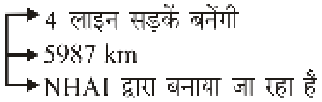

- राज्य शासन ने तेदूपत्ता संग्राहकों की पारिश्रमिक दर में **500 रु.** प्रतिमाह (बोरा) वृद्धि की है।
- भारतीय रेलवे का अधिकृत रेल नीर बनाने वाला प्लॉट मंडीदीप में चालू किया गया है।

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- M.P. के **हमीदिया भोपाल अस्पताल** में कोन्क्लीयर इम्प्लांट लगाया जायेगा (बाल श्रवण योजना के अन्तर्गत यह किया जा रहा है)
  - योजना प्रारम्भ-2015
  - 6 लाख रु0 की राशि पेरेन्ट्स को दी जाती है
  - 5 साल
  - 0-7 साल तक के बच्चों के लिए इलाज कराया जाता है।

जय किसान ऋण मुक्ति योजना (मुख्यमंत्री किसान ऋण मुक्ति योजना)

- मध्य प्रदेश शासन ने कुल 50 लाख किसानों की ऋण मुक्ति के लिये ये योजना 17 दिसम्बर, 2018 को घोषित की। **मुख्यमंत्री** ने इसे **जय किसान ऋण मुक्ति योजना** का नाम दिया।
- पूरे देश में पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने शपथ ग्रहण के 3 घंटे के भीतर वचन पत्र में दिया गया वादा पूरा किया।

पर्यटन स्थल विकास परियोजना – देश के 17 स्थलों में मध्य प्रदेश शामिल।

एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना– मध्य प्रदेश का सांस्कृतिक विनिमय प्रोग्राम मणिपुर और मिजोरम के साथ।

उद्योग संवर्धन नीति 2004 में आंशिक संशोधन (अगस्त 2018)

- बंद इकाइयों के पुनसंचालन पर विशेष पैकेज सहायता (बशर्ते कि प्रबंध में परिवर्तन किया गया हो)
- पिछड़े विकास खण्डों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए जारी किये निवेश प्रोत्साहन योजना में अब भौगोलिक गणक मान्य होगा।
- अपात्र उद्योगों की सूची को समीक्षा कर उसे संशोधित किया गया।
- दिव्यांगों को रोजगार देने पर वित्तीय सहायतां
- पर्यटन प्रोजेक्ट को उद्योगों के समान आर्थिक सहायता एवं लाभ।
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की विकास योजना–2019-20 तक के लिये आगे बढ़ायी गयी।

आलोक प्रतिज्ञा सांसद शिक्षा योजना-2018

- मध्य प्रदेश के प्रतिभावान प्रतियोगियों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान करने हेतु (सांसदों के अनुमोदन) पर प्रारंभ।

मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना (संबल)–2018

- प्रारंभ – टिमरनी (जिला-हरदा) 13 जून, 2018 से।
- श्रम विभाग द्वारा संचालित।
- असंगठित श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता।
- अनुग्रह राशि भुगतान योजना के अंतर्गत 18 से 60 वर्ष आयु के पंजीकृत असंगठित श्रमिक की दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख, स्थायी अपंगता की स्थिति में 2 लाख तथा आंशिक अपंगता पर 1 लाख की सहायता का प्रावधान है।

सरल बिजली बिल स्कीम और मुख्यमंत्री बकायाबिजली बिल माफी स्कीम

- मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना 2018 के पंजीकृत श्रमिकों के लिये सरल बिजली बिल स्कीम और मुख्यमंत्री बकाया बिजली बिल माफी स्कीम को मंजूरी।
- परिवारों को बिना कनेक्शन प्रभार लिये (निःशुल्क) विद्युत कनेक्शन की सुविधा मिलेगी। पात्रताधारी उपभोक्ता द्वारा मासिक बिल मात्र 200 रुपये प्रतिमाह तक देय होगा।
- रु. 200 से कम का बिल होने पर उपभोक्ताओं को वास्तविक देय राशि का भुगतान ही करना होगा। वास्तविक बिल 200 रुपये से अधिक होने पर अंतर की राशि शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में दी जायेगी।
- शासन द्वारा प्रदाय की जाने वाली अनुमानित सब्सिडी राशि 1000 करोड़ रुपये होगी। इसमें 88 लाख हितग्राही लाभांवित होंगे। यह स्कीम एक जुलाई 2018 से लागू हुई।

मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन योजना (सिंतबर, 2018)

- 50-79 आयु वर्ग की अविवाहित महिलाओं को 300 रु. प्रति माह पेंशन।
- 80 वर्ष या अधिक आयु वर्ग की अविवाहित महिलाओं को 500 रु. प्रतिमाह पेंशन।

इंदौर मेट्रो एवं भोपाल मेट्रो

- यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक से 500 मिलियन यूरो राशि ऋण लेने का निर्णय मध्य प्रदेश शासन द्वारा।

उत्कृष्ट सेंटर स्कीम (2018-2023)– उद्योगों को उच्च स्तरीय कुशल जनशक्ति उपलब्ध कराने हेतु।

गोवर्धन योजना

- ग्रामीण क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए भारत सरकार की गोवर्धन योजना को मध्य प्रदेश में 12 मई, 2018 को लागू किया गया। प्रथम चरण में प्रदेश के दो जिले–ग्वालियर व नरसिंहपुर में यह योगना आरंभ की गयी है।

गोकुल महोत्सव योजना

- मंत्रीपरिषद ने पशुपालन विभाग के तहत 12वीं पंचवर्षीय योजना में प्रस्तावित गोकुल महोत्सव योजना को 1 अप्रैल, 2017 में आगामी 3 वर्ष तक निरंतर रखने की मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा (प्रसूति सहायता) योजना-2018

- मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा (प्रसूति सहायता) योजना मई, 2018 में स्वीकृत। इस योजना का लाभ संपूर्ण मध्य प्रदेश में 1 अप्रैल, 2018 से प्रभावी हुआ।
- इस योजना में पंजीकृत असंगठित श्रमिक कर्मकार महिलाओं की प्रसूति की स्थिति में कार्य से अनुपस्थित रहने से होने वाली आर्थिक क्षति की प्रतिपूर्ती दी जाएगी। इससे माता और नवजात के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार हो सकेगा।
- मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा (प्रसूति सहायता) योजना में प्रथम दो जीवित जन्म वाले प्रसव के दौरान निर्धारित शर्तें पूर्ण करने पर पात्र पंजीकृत असंगठित श्रमिक महिलाओं को पहली किश्त 4000 रुपये तथा दूसरी किश्त 12000 कुल 16000 रु. का लाभ प्राप्त होगा।

वैज्ञानिक अनुसंधान तथा स्टेट स्पेसियल नीति 2014 निरंतरता की स्वीकृति

- मंत्रीपरिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत प्रदेश में वैज्ञानिक अनुसंधान तथा विकासीय गतिविधियों को वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक निरंतर रखने पर सहमति दी।

मध्य प्रदेश स्टेट स्पेशियल इंफ्रास्ट्रक्चर नीति 2014 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए परियोजना निरंतर जारी रखे जाने की सैद्धांतिक स्वीकृति।

- **वार्षिक आय सीमा 75 हजार रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने का निर्णय**
- सरकार ने पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के माता पिता अभिभावक की वार्षिक आय सीमा 75 हजार से बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने का निर्णय लिया।
- **मध्य प्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद** का मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में विलय करने का निर्णय।
- भारत सरकार द्वारा स्वीकृत **राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन** प्रदेश में 15 अगस्त, 2018 से शुरू किया गया। यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन ट्रस्ट के माध्यम से संचालित है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- मिशन में भारत शासन द्वारा घोषित प्रदेश के 83 लाख 81 हजार परिवारों को अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा मिशन में शामिल कर श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत असंगठित श्रमिकों के सभी परिवारों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन से जोड़ा जाएगा।
- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा देश में **रीवा सौर परियोजना** को मॉडल रूप में स्थापित करने के बाद नीमच, शाजापुर और आगर में भी सोलर पार्क सौर परियोजनाएं लागू होंगी। इसके तहत तीनों जिलों में कुल 1500 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क स्थापित किए जाएंगे।

मध्य प्रदेश मूल्य स्थिरीकरण कोष

- 11 मई को मध्य प्रदेश में किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा 1000 करोड़ रुपये की राशि से **'मध्य प्रदेश मूल्य स्थिरीकरण कोष'** बनाया गया है।
- इस कोष के द्वारा किसानों को कृषि उत्पादन के बाजार मूल्य में गिरावट आने पर आर्थिक मदद पहुंचाई जा रही है।

ई-नाम योजना

- मंडियों के लिये योजना
- प्रदेश की 58 मंडियाँ पंजीकृत (करोंद मंडी, भोपाल पहली मंडी)

कस्टम हायरिंग केन्द्रों की संख्या

- मध्य प्रदेश में 2025 (देश में सर्वाधिक)

GOBAR DHAN (Galvanising Organic Bio Agro Resources)

- गोबर धन योजना ग्वालियर और जबलपुर में प्रचलित
- उद्देश्य– अपशिष्ट प्रबन्धन

क्लाइमेट स्मार्ट विलेज प्रोजेक्ट

- मध्य प्रदेश में 3 जिलों के 60 गाँवों का पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयन (सीहोर, सतना, राजगढ़)

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- मध्य प्रदेश को देश में द्वितीय स्थान प्राप्त।

दस्तक अभियान

- कुपोषण उन्मूलन के इस राष्ट्रव्यापी अभियान में मध्य प्रदेश का स्थान सर्वोच्च है।

मिशन इन्द्रधनुष

- मध्य प्रदेश के 13 जिलों में संचालित अलीराजपुर, झाबुआ, इन्दौर, रायसेन, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, सागर सतना, छतरपुर, श्योपुर, रीवा, पन्ना।
- **मदिरा उपभोग नियंत्रण नीति–**राज्य ने पहली बार सुनिश्चित क्षेत्रों में **मदिरा उपभोग नियंत्रण नीति (Dry Zone Policy)** को लागू करने का निर्णय लिया गया। इसके अन्तर्गत पवित्र नदियाँ, विद्यालय, महाविद्यालय, धार्मिक स्थल एवं कन्या छात्रावास से 50 मी. के दायरे में स्थित मदिरा की दुकानों को बन्द किया गया है तथा इन क्षेत्रों में मदिरा पान को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।

ग्राम स्वराज अभियान (टीकाकरण अभियान)

- 8 जिले विस्तारित अभियान में शामिल–विदिशा, सीधी, बड़वानी, छतरपुर, खण्डवा, दमोह, गुना, राजगढ़।

स्निप योजना

- अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ के सहयोग से संचालित भारत सरकार की योजना।
- उद्देश्य–एकीकृत बाल विकास परियोजना का सुदृढ़िकरण एवं पोषण सुधार।
- मध्य प्रदेश योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में सर्वोच्च स्थान पर रहा।

राज्य बुक बैंक योजना

- पायलट प्रोजेक्ट के तहत सर्वप्रथम 3 जिलों–इन्दौर, दतिया, नरसिंहपुर में प्रारंभ।

कल्याणी

- विधवाओं को पुनर्विवाह हेतु मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में शामिल कर ऐसी महिलाओं को **कल्याणी** नाम दिया गया है।
- कल्याणी सहायता योजना
- कल्याणी विवाह प्रोत्साहन हेतु दो लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।
- आर्थिक सुरक्षा हेतु 300 रु. (18-79 आयु) तथा 500 रुपये (80 वर्ष या अधिक) प्रतिमाह पेंशन दी जाएगी।

ई-प्रेस प्रोजेक्ट में 3 जिले चयनित

- इसरो एवं मपकास्ट द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के प्रौद्योगिकी रूप से सशक्तिकरण हेतु लांच ई-प्रेस प्रोजेक्ट 3 जिले–बैतूल, सागर, रायसेन का चयन हुआ है।

मेट्रो प्रोजेक्ट

- मध्य प्रेश में 2 मेट्रो प्रोजेक्ट केन्द्र द्वारा स्वीकृत हुए हैं। (अक्टूबर, 2018)
  – भोपाल मेट्रो – 27.87 किमी. लम्बा
  – इन्दौर मेट्रो – 31.55 किमी. लम्बा

मध्य प्रदेश : महत्वपूर्ण योजनाएँ

A. वन सम्बन्धित प्रमुख योजनाएँ

(i) एकलव्य शिक्षा विकास योजना– वर्ष 1991 में लघु वनोपज संघ द्वारा "भारतीय जीवन बीमा" के सहयोग से प्रारम्भ की गई।

उद्देश्य–तेन्दूपत्ता संग्राहकों की आकस्मिक मृत्यु अथवा दिव्यांगता की दशा में सहायता एवं बीमा राशि प्रदान करना है।

(ii) चरण पादुका योजना– 19 अप्रैल, 2018 से सिंगरौली जिले से प्रारम्भ की गई।

उद्देश्य–तेन्दुपत्ता संग्राहकों को जूते एवं चप्पल उपलब्ध कराना।

(iii) दीन दयाल वनांचल सेवा– प्रारम्भ– 20 अक्टूबर 2016 को

उद्देश्य–वनवासियों को विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ पहुँचाना।

B. कृषि सम्बन्धित प्रमुख योजनाएं

(i) जलदीप योजना–वर्ष 2007 में मोबाइल आँगनबाड़ी में योजना प्रारम्भ की गई थी, जो वर्तमान में जलदीप योजना के नाम से संचालित है। इसका प्रारम्भ इंदिरा सागर जलाशय से प्रारम्भ किया गया।

उद्देश्य–विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ मछुआरों को उपलब्ध कराना था।

(ii) बलराम ताल योजना–इस योजना का उद्देश्य वर्षा से प्रवाहित जल की अधिकतम मात्रा को खेतों में रोककर भू-जल सम्वर्धन एवं सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है। इसे 2007 में प्रारम्भ किया गया।

(iii) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना–

प्रारम्भ– 18 फरवरी, 2016 को सिहोर जिले से

उद्देश्य–प्राकृतिक आपदाओं से फसल नष्ट होने की स्थिति में किसानों को आर्थिक सहायता एवं बीमा राशि उपलब्ध करवाना।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(iv) भावान्तर भुगतान योजना

प्रारम्भ–16 अक्टूबर, 2017, सागर जिले के खुरुई से शुरू

उद्देश्य–किसानों को उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करना।

(v) फसल गिरदावरी एप्स– पटवारियों को अपने क्षेत्र के भू-स्वामियों की भू की जानकारी

C. मध्य प्रदेश में विद्युत सम्बन्धित योजनाएँ

(i) संबल योजना

प्रारम्भ– 3 जुलाई, 2018

उद्देश्य–मात्र 200 रुपये में गरीबी रेखा (BPL) से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों को बिजली प्रदान की जायेगी।

(ii) प्लेट रेट योजना

प्रारम्भ– 1 अप्रैल, 2013

उद्देश्य–वर्ष में दो बार छमाही किश्तों में 1400 रुपये/hourse power वार्षिक बिजली के बिल का भुगतान करना है। यह योजना स्थायी कृषि उपभोक्ताओं के लिए है।

(iii) मुख्यमंत्री स्थायी कृषि पम्प कनेक्शन योजना

प्रारम्भ– सितम्बर 2016

उद्देश्य–5 लाख स्थायी पम्प कनेक्शन प्रदान करना है।

(iv) स्वयं का ट्रांसफॉर्मर लगाने की योजना

उद्देश्य–कृषकों को शीघ्र स्थायी सिंचाई पम्प कनेक्शन देना है।

D. राज्य में उद्योगों से सम्बन्धित योजनाएँ

(i) मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना

प्रारम्भ– 1 अगस्त, 2014

उद्देश्य–विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र से सम्बन्धित उद्योग स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।

(ii) शिल्पी कल्याण योजना

प्रारम्भ– 2013

उद्देश्य–1. स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन 2. अनुदान पर स्वास्थ्य बीमा, 3. महिला शिल्पियों एवं शिल्प बुनकर परिवार की बेटियों के लिए निःशुल्क उच्च शिक्षा की व्यवस्था की जाती है।

(iii) मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण/स्वरोजगार योजना

प्रारम्भ– 1 अगस्त, 2014 से शुरू

उद्देश्य–इसके अन्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले अनुसूचित जाति के लोगों को स्वरोजगार हेतु औद्योगिक उपकरण तथा पूँजी उपलब्ध कराई जाती है।

E. मध्य प्रदेश राज्य परिवहन सम्बन्धी योजनाएँ

(i) मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना

प्रारम्भ– 2010-11

उद्देश्य–सामान्य क्षेत्रों में 500 तथा आदिवासी क्षेत्रों के 250 से कम आबादी के समस्त ग्रामों को बारहमासी सड़क उपलब्ध कराना है।

एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) की सहायता से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत सड़कों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है।

(ii) मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना

प्रारम्भ– 1 जनवरी, 2014

उद्देश्य– किसानों के घर से उनके खेतों तक सड़क बनाना है। इसके अन्तर्गत मनरेगा योजना के मजदूरों से काम कराया जाएगा।

(iii) नर्मदा एक्सप्रेस-वे

(1) नर्मदा एक्सप्रेस-वे 6 लेन का होगा, जो प्रदेश का सबसे बड़ा होगा।

(2) यह एक्सप्रेस-वे छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और गुजरात को जोड़ेगा।

(3) यह एक्सप्रेस-वे अनूपपुर, डिंडोरी, मण्डला, जबलपुर, नरसिंहपुर, हौशंगाबाद, हरदा, खण्डवा, बड़वानी और अलीराजपुर जिलों से होकर गुजरेगा।

(iv) चम्बल एक्सप्रेस-वे

- वर्ष 2018 में 300 km. लम्बे 6 लेन वाले चम्बल एक्सप्रेस-वे के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई।
- चम्बल एक्सप्रेस-वे से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान को लाभ होगा।
- यह श्योपुर, मुहैना व भिण्ड से गुजरेगा।

(v) अमृत योजना

प्रारम्भ– 25 जून, 2015

उद्देश्य–घरों में बुनियादी सुविधाएँ जैसे– जल आपूर्ति, सीवरेज आदि।

F. अपनी बस सूत्र-सेवा योजना

प्रारम्भ– 23 जून, 2018

उद्देश्य–यह अमृत योजना के अन्तर्गत प्रारम्भ की गई इसमें 20 चयनित शहरों में बस चलेंगी।

G. मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

उद्देश्य–मध्य प्रदेश के मूल निवासियों के लिए

- जीवनकाल में एक बार बाहर स्थित तीर्थ स्थानों (श्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, जगन्नाथपुरी, हरिद्वार, वैष्णोंदेवी) में से किसी एक की यात्रा करने के लिए सरकारी सहायता प्रदान की जायेगी।

मध्य प्रदेश की पंचवर्षीय योजनाएं

- **पहली पंचवर्षीय योजना (1951-56)**
  - इसमें कृषि और सामुदायिक विकास को प्राथमिकता दी गई।
  - 1953 में गाँधी सागर बाँध स्थापित किया गया।
- **दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61)**
  - उद्योगों को प्राथमिकता दी गई ग्वालियर, इंदौर में उद्योग स्थापित किये गये।
- **तीसरी पंचवर्षीय योजना (1961-66)**
  - मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम 1961 व औद्योगिक विकास निगम (1965) की स्थापना की गई।
- **पाँचवीं पंचवर्षीय योजना (1974-79)**
  - गरीबी उन्मूलन तथा आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी गई।
  - ट्राइसेम (TRYSEM) योजना (1979) प्रारम्भ की।
- **आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97)**
  - यूजर मॉडल पर आधारित
- **ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-12)**

  उद्देश्य–तीव्र सम्पोषणीय और समावेशी विकास पर बल दिया।
- **12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17)**

  उद्देश्य–कुपोषण को 20 प्रतिशत

  एनीमिया स्तर को 25 प्रतिशत

  0-6 के आयु समूह का लिंगानुपात 950 प्रति हजार तक करना मध्य प्रदेश सरकार का लक्ष्य था

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मध्य प्रदेश की प्रमुख कल्याणकारी योजनायें

- जिला गरीबी उन्मूलन योजना–वर्ष-2001
- दीनदयाल रोजगार योजना–25 दिसम्बर, 2004
- मध्य प्रदेश ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना–2 फरवरी, 2006
- मुख्यमंत्री निकाय योजना– 1 अप्रैल, 2012
- मुख्यमंत्री मजदूर सुरक्षा योजना– 1 नवम्बर, 2007
- अंतरा योजना– वर्ष 2007
- मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना– 26 अप्रैल, 2008
- राम रोटी योजना–वर्ष 2010
- मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना–22 फरवरी, 2011
- पंच परमेश्वर योजना 10 जनवरी, 2012
- मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना– 3 सितम्बर, 2012
- फूड योजना– वर्ष 2012
- मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना– वर्ष 2013
- मुख्यमंत्री सशक्तिकरण योजना– वर्ष 2013
- मृदा हेल्थ कॉर्ड योजना– वर्ष 2014-15
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना– 22 जनवरी, 2015
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना–वर्ष 2015-16
- मुख्यमंत्री मानव श्रम रहित ई-रिक्शा एवं ई-लोडर योजना–वर्ष 2017
- मध्य प्रदेश कौशल संवर्धन योजना–वर्ष 2017
- मुख्यमंत्री कौशल्या योजना– वर्ष 2017
- हम छू लेंगे आसमा योजना–वर्ष 2018
- मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा (प्रसूति सहायता) योजना–वर्ष 2018
- जनश्री बीमा योजना–वर्ष 2018
- सरल बिजली बिल योजना–वर्ष 2018
- मुख्यमंत्री असंगठित मजदूर कल्याण योजना–वर्ष 2018

मध्य प्रदेश की शिक्षा सम्बन्धी योजनाएँ

राजीव गाँधी प्राथमिक शिक्षा मिशन (20 अगस्त, 1994)

उद्देश्य–6 से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना।

- यह पंजीकृत स्वायत्तशासी संस्था है।

अध्यक्ष– मुख्यमंत्री

शंखनाद योजना, (26 जनवरी, 1997)

उद्देश्य–आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए विद्यालयों को सहभागी बनाना।

सर्व शिक्षा अभियान, (वर्ष, 2001)

कस्तूरबा गाँधी विद्यालय योजना (2005)

- 10 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की सभी बालिकाओं को शैक्षणिक सत्र के दौरान निःशुल्क आवास (हॉस्टल) और शिक्षा उपलब्ध कराना।

कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना

उद्देश्य–अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए

- 9वीं कक्षा में प्रवेश के लिए 1000 रुपये
- 11वीं कक्षा में प्रवेश लेने के लिए 2000 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

विद्यालय उपहार योजना (प्रणाम पाठशाला)

- 1 से 12 तक के विद्यालयों के भौतिक और अकादमिक विकास के लिए विद्यालय सरकार द्वारा लाभान्वित हुए।

ई-बस्ता कार्यक्रम

उद्देश्य–1 से 12 तक के गैर शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को ऑनलाइन पुस्तकों की सुविधा उपलब्ध करायी गई।

मध्य प्रदेश स्वास्थ्य योजनाएँ

सघन इन्द्रधनुष टीकाकरण अभियान (वर्ष 2015)

- विदिशा जिले से प्रारम्भ किया गया।
- इसके अन्तर्गत डिप्थीरिया, बलगम, टिटनेस, पोलियो, तपेदिक, खसरा तथा हेपेटाइटिस बी., के टीके लगाये जाते हैं।

ममता अभियान (26 जून, 2014)

उद्देश्य– मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर एवं कुल प्रजनन दर में स्थिरता लाने के लिए

ब्राण्ड एम्बेसडर– माधुरी दीक्षित

लाडली लक्ष्मी योजना (वर्ष, 2007)

उद्देश्य–बालिकाओं और कन्याओं के प्रति जनता में सकारात्मक सोच का विकास करने, भ्रूण हत्या रोकने, बालिकाओं के स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार।

स्वागतम् लक्ष्मी योजना (वर्ष, 2014)

उद्देश्य–महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति समाज में भ्रान्तियों एवं कुप्रथाओं को समाप्त करना।

- इसके अन्तर्गत कन्या के जन्म पर आँगनबाड़ी केन्द्रों पर उसे स्वागतम् लक्ष्मी किट प्रदान करना।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना (22 जनवरी, 2015)

- प्रधानमंत्री द्वारा इस योजना का प्रारम्भ किया गया। मध्य प्रदेश सरकार ने 6 जिलों में इसे प्रारम्भ किया (भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर, रीवां, टीकमगढ़, दतिया)
- वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश सरकार ने इसे 15 अन्य जिलों में भी प्रारम्भ किया।

जाबाली योजना (वर्ष, 1992-93)

उद्देश्य–मध्य प्रदेश की पिछड़ी जातियाँ (बेडिया, बाछडा एवं सासी) में वेश्यावृत्ति की कुप्रथा के उन्मूलन के लिए

उषा किरण योजना (27 मई, 2016)

उद्देश्य–घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं की सहायता एवं पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराना।

मध्य प्रदेश विधवा पुनर्विवाह योजना (वर्ष, 2018)

उद्देश्य–40 वर्ष तक की विधवा महिलाओं से विवाह करने पर 2 लाख रुपये का प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है।

वन स्टॉप सेंटर (सखी) योजना (वर्ष, 2017-18)

उद्देश्य–हिंसा से पीड़ित बालिकाओं और महिलाओं को तत्काल आपातकालीन एवं गैर आपातकालीन सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

लाडो अभियान (वर्ष, 2013)

उद्देश्य–बाल विवाह 18 वर्ष से कम बालिका और 21 वर्ष के कम बालकों के विवाह को रोकने के लिए क्रियान्वयन किया गया।

शौर्यदल योजना

उद्देश्य–महिलाओं को आत्मनिर्भर व सक्षम बनाने के लिए

- आँगनबाड़ी स्तर पर मध्य प्रदेश के 51 जिलों में 82000 शौर्यदलों का गठन किया जा चुका है।

लालिमा अभियान (1 नवम्बर, 2016)

उद्देश्य–बच्चों, बालिकाओं और महिलाओं को एनीमिया रोग से से मुक्त कराना।

निःशुल्क डायलिसिस योजना (वर्ष 2016)

उद्देश्य–निःशुल्क डायलिसिस (देश में प्रथम राज्य)

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

19.

मध्य प्रदेश बजट 2024-25

- मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 3 जुलाई 2024 को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश किया, जिसका कुल परिव्यय 3,65,067 करोड़ रूपये है।
- वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तुत किया गया बजट आकार में वर्ष 2023-24 के बजट की तुलना में 16 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

बजट का फोकस

- राजस्व आय में वृद्धि
- पूंजीगत निवेश को बढ़ाना
- आगामी पाँच वर्षों में बजट का आकार दोगुना
- सड़क, सिंचाई एवं बिजली सुविधाओं का विस्तार
- गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं
- औद्योगिक विस्तार एवं रोजगार

- प्रचलित भावों पर वर्ष 2023-24 (अग्रिम अनुमान) के अनुसार प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 42 हजार 565 रूपये है। उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2003-04 में प्रति व्यक्ति आय मात्र 13 हजार 465 रूपये थी, जो कि बढ़कर अब लगभग 11 गुना हो गई है।
- विशेष केन्द्रीय सहायता योजना के अंतर्गत प्रदेश को वर्ष 2023-24 में भारत सरकार से 8 हजार 808 करोड़ रूपये की राशि प्राप्त होनी थी, परन्तु परिणामस्वरूप रूपये 3 हजार 829 करोड़ अतिरिक्त रूप से प्राप्त हुए। इस योजना के तहत वर्ष 2024-25 में भारत सरकार से 15 हजार करोड़ प्राप्त करने के प्रयास किये जाऐंगे।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में पूंजीगत व्यय रूपये 60 हजार 689 करोड़ हुआ, जो कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में लगभग 29% अधिक है।

बजट 2024-25 एक नजर में...

(₹ करोड़ में)

पद	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25	वृद्धि (+)/ कमी (–)%
कुल प्राप्तियाँ	**2,81,660**	**3,30,915**	**17%**
राजस्व प्राप्तियाँ	2,25,710	2,63,344	17%
पूंजीगत प्राप्तियाँ	55,950	66,849	19%
कुल व्यय	**2,81,554**	**3,26,383**	**16%**
राजस्व व्यय	2,25,297	2,61,644	16%
पूंजीगत व्यय	56,256	64,738	15%
विनियोग की राशि	**3,14,025**	**3,65,067**	**16%**
राजस्व आधिक्य	**413**	**1700**	

सड़क एवं पुल

- वित्तीय वर्ष 2023-24 में 6 हजार 646 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा उन्नयन, 4 हजार 708 किलोमीटर सड़क नवीनीकरण एवं 123 पुलों का निर्माण पूर्ण किया गया है।
- आगामी पाँच वर्षो में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क के माध्यम से 299 किलोमीटर का अटल प्रगति पथ, 900 किलोमीटर का नर्मदा प्रगति पथ, 676 किलोमीटर के विध्य एक्सप्रेस-वे, 450 किलोमीटर का मालवा निमाड़ विकास पथ, 330 किलोमीटर का बुंदेलखण्ड विकास पथ एवं 746 किलोमीटर का मध्य भारत विकास पथ के कार्य प्रस्तावित हैं।
- पीएम ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 1 हजार किलोमीटर सड़क का निर्माण एवं लगभग 2 हजार किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण का लक्ष्य है।
- सड़क एवं पुल के निर्माण एवं संधारण के लिए वर्ष 2024-25 में लगभग रूपये 10 हजार करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

पेय जल

- जलजीवन मिशन प्रारंभ के वर्ष 2019 की स्थिति में 13 लाख 53 हजार 151 घरेलू नल कनेक्शन की संख्या बढकर 70 लाख 86 हजार 293 हो गई है।
- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 10 हजार 279 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

ऊर्जा

- उद्योगों सहित सभी गैर-कृषि उपभोक्ताओं को 24 घंटे तथा कृषि उपभोक्ताओं को प्रतिदिन औसतन 10 घंटे विद्युत का प्रदाय किया जा रहा है।
- दिनांक 26 जनवरी, 2024 को प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक 17 हजार 614 मेगावाट शीर्ष मांग की पूर्ति की गई।
- वर्ष 2024-25 में अमरकंटक एवं सतपुड़ा ताप विद्युत गृहों में 660-660 मेगावाट की नई विस्तार इकाइयों का निर्माण कार्य, 603 सर्किट कि.मी. पारेषण लाईनों एवं 2 हजार 908 एम.व्ही.ए. श्रमता के अति उच्च दाब उपकेन्द्र के कार्य प्रस्तवित हैं।
- प्रदेश के नीमच जिले में 500 मेगावाट, आगर-मालवा जिले में 550 मेगावाट एवं शाजापुर जिले में 450 मेंगावाट, की सौर पार्क परियोजनाओं का विकास किया गया।
- ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर स्थित बांध के बैंक वाटर पर 100 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सौर पार्क स्थापित हो गया है।
- चंबल क्षेत्र में 1 हजार 400 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना विकसित की जा रही है।
- ऊर्जा क्षेत्र के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 19 हजार 406 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है, जो कि वर्ष 2023-25 से रूपये 1 हजार 46 करोड़ अधिक है।

सिंचाई

- प्रदेश में सिंचाई के अंतर्गत क्षेत्रफल को वर्ष 2025-26 तक 65 लाख हेक्टेयर एवं वर्ष 2028-29 तक 1 करोड़ हेक्टेयर किये जाने का लक्ष्य है।
- वर्तमान में लगभग 50 लाख हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता निर्मित हो गई है।
- केन-बेतवा लिंक परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत रूपये 44 हजार 605 करोड़ है, बुन्देलखंड क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वरदान है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- मध्यप्रदेश ने राजस्थान के साथ एम.ओ.यू. कर पार्वती-कालीसिंध-चंबल अंतर्राज्यीय नदी लिंक परियोजना के निर्माण की सैद्धांतिक सहमति बनाई है।
- सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण व संधारण के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 13 हजार 596 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र -

विभाग	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग	16,996	19,718
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग	1,111	1,516
पशुपालन एवं डेयरी विभाग	1,492	2,150
सहकारिता विभाग	2,417	1,994
उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग	489	519
मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग	225	230
योग	**22,732**	**26,126**

- मध्य प्रदेश दलहन उत्पादन में प्रथम तथा खाद्यान्न व तिलहन उत्पादन में दूसरे स्थान पर है।
- खरीफ 2023 में प्रदेश का कुल उत्पादन 300 लाख मैट्रिक टन रहा एवं रबी वर्ष 2023-24 में कुल उत्पादन 393 लाख मैट्रिक टन अनुमानित है।
- कृषि क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के क्रम में जिला उज्जैन में चना तथा जिला ग्वालियर में सरसों अनुसंधान संस्थागत की स्थापना प्रस्तावित है।
- अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 1 हेक्टेयर तक के भूमिधारकों को 5 हॉर्सपावर तक के विद्युत पंप उपयोग पर निःशुल्क विद्युत आपूर्ति तथा अटल कृषि ज्योति योजना के अंतर्गत 10 हॉर्सपावर तक के किसानों को ऊर्जा प्रभार में सब्सिडी दी जा रही है। इस हेतु वर्ष 2024-25 में रूपये 11 हजार 65 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत तथा राज्य सरकार द्वारा भी मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के माध्यम से 6-6 हजार प्रतिवर्ष की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। (दोनों योजना से 12000 रू.)
- मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में रूपये 4 हजार 900 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- कृषकों को उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त गेहूँ उपार्जन रूपये 125 प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत रूपये 2000 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।
- प्राकृतिक खेती प्रोत्साहन एवं विस्तार के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 30 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 5 करोड़ 37 लाख हितग्राहियों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में अब तक लगभग 89 लाख हितग्राहियों को निःशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।
- वर्ष 2023-24 में किसानों को रूपये 19 हजार 946 करोड़ का फसल ऋण वितरण किया गया है। जो कि वर्ष 2022-23 की तुलना में रूपये 1 हजार 490 करोड़ अधिक है।
- वर्ष 2024-25 में 23 हजार करोड़ फसल ऋण वितरण का लक्ष्य है।
- 'मुख्यमंत्री सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत प्रारंभिक रूप से रूपये 150 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।
- प्रदेश में कुल 2 हजार 190 गौ-शालाओं का संचालन किया जा रहा है।
- गौ-शालाओं में पशु आहार के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली राशि प्रति गौ-वंश प्रतिदिन रूपये 20 को दो-गुना कर रूपये 40 किया जा रहा है। इस योजना में लगभग तीन गुना वृद्धि करते हुये वर्ष 2024-25 के बजट में रूपये 250 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- वर्ष 2024-25 को 'गौ-वंश रक्षा वर्ष' के रूप में भी मनाया जा रहा है।
- प्रदेश में उपलब्ध 4 लाख 42 हजार हैक्टेयर जलक्षेत्र में से 4 लाख 40 हजार हेक्टेयर जलक्षेत्र मछली पालन के अन्तर्गत लाया जा चुका है।
- वर्ष 2023-24 में 3 लाख 82 हजार मैट्रिक टन मत्स्य उत्पादन किया गया।
- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 66 हजार 605 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है जो गत वर्ष की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है।

स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार एवं उन्नयन -

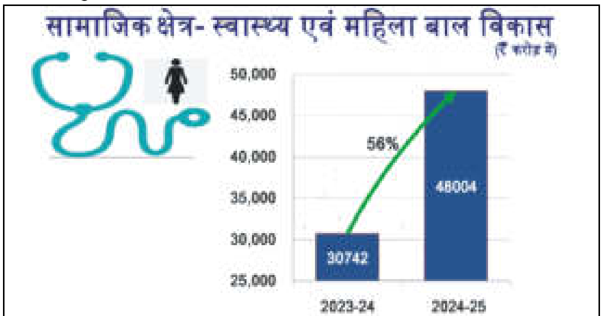

विभाग	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25
महिला एवं बाल विकास विभाग	14,686	26,560
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग	11,988	15,509
चिकित्सा शिक्षा विभाग	3,168	4,931
आयुष विभाग	746	845
भोपाल गैस त्रासदी राहत तथा पुनर्वास विभाग	153	159
योग	**30,742**	**48,004**

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- प्रदेश में वर्ष 2003 में मात्र 5 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय ही थे परन्तु वर्तमान में 14 संचालित हो रहे हैं।
- वर्ष 2024-25 में 3 और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय - मंदसौर, नीमच एवं सिवनी में संचालित हो जायेंगे।
- प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में वर्तमान में 2 हजार 275 स्नातक स्तर की सीट्स तथा 1 हजार 262 स्नातकोत्तर स्तर की सीट्स उपलब्ध है।
- आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत अब तक लगभग 1 करोड़ 8 लाख परिवारों के 4 करोड़ 1 लाख सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।
- निजी-भागीदारी के माध्यम से 'वेट लीज मॉडल' के अंतर्गत जिला चिकित्सालयों में 132 प्रकार की तथा 'हब एण्ड स्पोक मॉडल' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 45 प्रकार की जांच सुविधायें उपलब्ध कराई गई हैं।
- प्रदेश के शासकीय चिकित्सालयों में उपचार के दौरान दुर्भाग्य से मृत्यु हो जाने पर पार्थिव शरीर को घर तक पहुँचाने के लिए 'मध्यप्रदेश शांति वाहन सेवा' प्रारंभ की गई है।
- वर्ष 2023-24 में 1 करोड़ 37 लाख जनसंख्या का आयुष पद्धति से उपचार किया गया है। प्रदेश में 800 आयुष आरोग्य मंदिर का संचालन भी प्रारंभ किया गया है।
- स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए वर्ष 2024-25 हेतु रूपये 21 हजार 444 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है, जो वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान से 34% अधिक है।

महिला एवं बाल विकास-

- 'लाडली बहना योजना' प्रदेश की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (DBT) योजना है।
- लाडली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत योजना प्रारंभ से 48 लाख 3 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (PM-JANMAN) के अंतर्गत विशेष जनजाति क्षेत्रों में 217 आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए रूपये 150 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए वर्ष 2024-25 हेतु रूपये 26 हजार 560 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है, जो कि वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान से 81 प्रतिशत अधिक है।
- वर्ष 2024-25 में जेण्डर बजट में 1 लाख 21 हजार 997 का प्रावधान है, जो गत वर्ष 2023-24 के प्रावधान 1 लाख 2 हजार 976 करोड़ के प्रावधान से 19 हजार 21 करोड़ अधिक है।

शिक्षा-

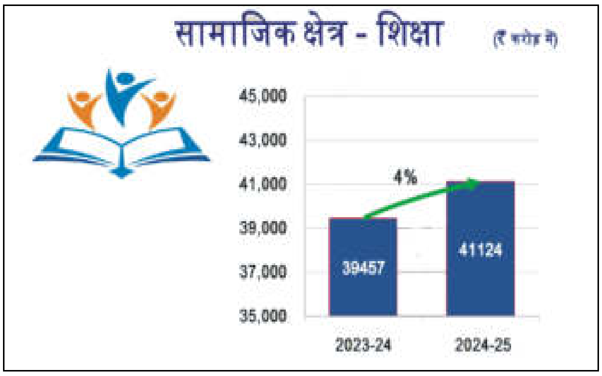

विभाग	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25
स्कूल शिक्षा विभाग	31,633	33,533
उच्च शिक्षा विभाग	3,745	3,866
तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग	2,997	2,666
खेल एवं युवक कल्याण विभाग	738	586
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	343	472
योग	**39,457**	**41,124**

- वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत लगभग 150 सी.एम राईज विद्यालय नवीन भवन में संचालित होंगे। सी.एम. राईज विद्यालयों के लिए 2 हजार 737 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- पीएम श्री योजना के अंर्तगत 730 विद्यालयों को चिन्हित किया गया है।
- प्रदेश के बैगा, भारिया, सहरिया जैसी विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु पी.एम. जन मन योजना के अन्तर्गत इस वर्ष 22 नवीन छात्रावास प्रारंभ किये जाएगें।
- वर्तमान में मध्यप्रदेश का सकल पंजीयन अनुपात 28.9 है, जो राष्ट्रय सकल पंजीयन अनुपात 28.4 से अधिक है।
- प्रदेश में तीन नवीन शासकीय विश्वविद्यालयों यथा क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगौन, तात्याटोपे विश्वविद्यालय गुना एवं रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय सागर की स्थापना की गई।
- विश्व बैंक परियोजना के माध्यम से 247 महाविद्यालयों में राशि रूपये 244 करोड़ का बजट प्रावधान कर भौतिक एवं अकादमिक अधोसंरचना विकास के कार्य कराये जा रहे हैं।
- मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 61 हजार से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को लगभग रूपये 450 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित की गई है।
- शिक्षा क्षेत्र के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 52 हजार 682 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

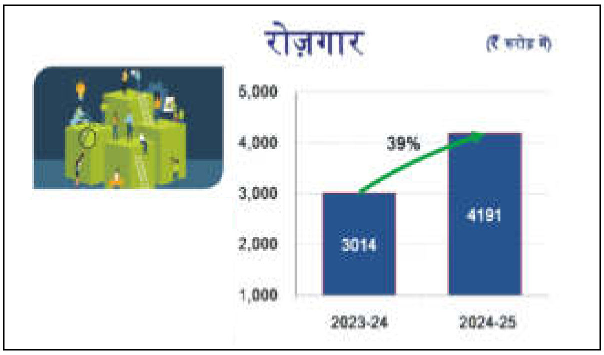

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विभाग	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25
औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग	2,002	2,820
सूक्ष्म, लघु ओर मध्यम उद्यम विभाग	879	1,218
कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग	133	153
योग	**3,014**	**4,191**

खेल एवं युवा कल्याण-

- 19 वें एशियाई खेल में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण सहित 14 पदक जीते। पैरा एशियन खेलों में 1 स्वर्ण सहित 4 पदक अर्जित कर एतिहासिक प्रदर्शन किया।
- खेल एवं युवा कल्याग विभाग के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 586 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

जनजाति अनुसूचित जाति-

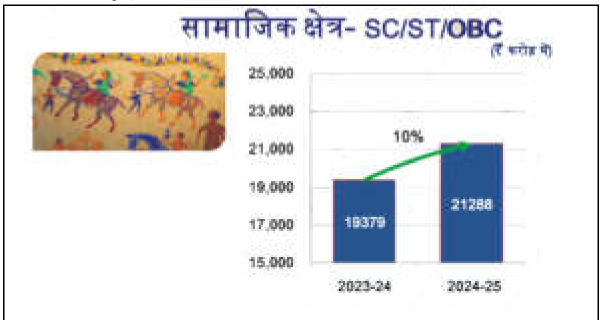

विभाग	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25
जनजातीय कार्य विभाग	11,748	12,653
सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग	3,987	4,604
अनुसूचित जाति कल्याण विभाग	2,162	2,327
पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक कल्याण विभाग	1,439	1,656
घुमन्तु अर्ध घुमन्तु कल्याण विभाग	43	48
योग	**19,379**	**21,288**

- प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पी.एम. जनमन) योजना के लिए रूपये 1 हजार 607 करोड़ के प्रावधान प्रस्तावित है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में आहार अनुदान योजना के अंतर्गत रूपये 450 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- आकांक्षा योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 10 करोड़ 42 लाख का प्रावधान प्रस्तावित है।
- वर्ष 2023-24 में प्री एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के अंतर्गत 505 करोड़ 66 लाख की राशि वितरित की गई है। इन्ही मदों में वर्ष 2024-25 में रूपये 728 करोड़ की छात्रवृत्ति का भुगतान अनुमानित है।
- अनुसूचित जनजाति वर्ग को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 हेतु रूपये 40 हजार 804 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित किया है, जो कि वर्ष 2023-24 से रूपये 3 हजार 856 करोड़ अधिक है।
- अनुसूचित जाति वर्ग को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 हेतु रूपये 27 हजार 900 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण एवं विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदाय के लिए रूपये 1 हजार 704 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।

सामाजिक न्याय-

- मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में पिछले वर्ष के बजट अनुमान रूपये 75 करोड़ में 3 गुना से अधिक वृद्धि की। इस वर्ष रूपये 250 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- पेंशन एवं कल्याणकारी योजनाओं हेतु वर्ष 2024-25 में रूपये 4 हजार 421 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।

उद्योग व व्यापार-

- उज्जैन में मार्च, 2024 में प्रथम रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। इसमें लगभग रूपये 12 हजार 170 करोड़ का निवेश एवं 26 हजार से अधिक नवीन रोजगार उपलब्ध होना संभावित है।
- प्रदेश के धार जिले में पी.एम मित्रा पार्क परियोजना में रूपये 25 हजार करोड़ का निवेश एवं 1 लाख प्रत्यक्ष तथा 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन संभावित है।
- राज्य क्लस्टर योजना में वर्ष 2023-24 में 9 क्लस्टरों को विकास अनुमति प्रदान की गई है।
- प्रदेश में 1 हजार 104 नवीन स्टार्टअप मान्यता प्राप्त की गई हैं, जिसमें महिलाओं द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप 666 हैं।
- उद्योग क्षेत्र के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 4 हजार 190 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है, जो कि वर्ष 2023-24 से लगभग 40 प्रतिशत अधिक है।

ग्रामीण विकास-

- वर्ष 2024-25 के बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु रूपये 4 हजार करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के बजट में रूपये 1 हजार 800 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 के बजट में रूपये 800 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 33% अधिक है।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में वर्ष 2024-25 में 20 करोड़ मानव दिवस के सृजन का लक्ष्य रखा गया है। योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 में रूपये 3 हजार 500 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए रूपये 1 हजार 400 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए रूपये 300 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए रूपये 500 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- ग्राम रोजगार सहायकों के मानदेय को प्रतिमाह रूपये 9 हजार से बढ़ाकर रूपये 18 हजार किया गया है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए वर्ष 2024-25 में राशि रूपये 27 हजार 870 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।

नगरीय विकास

- स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत प्रदेश के सभी शहरों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन के लिए आगामी 5 वर्षों में राशि रूपये लगभग 5 हजार करोड़ का निवेश किया जायेगा।
- प्रदेश में शहरी अधोसंरचना के उन्नयन एवं विकास हेतु कायाकल्प योजना अंतर्गत रूपये 1 हजार 200 करोड़, नगरीय क्षेत्र में अधोसंरचना निर्माण योजना के अंतर्गत रूपये 1 हजार 100 करोड़ तथा मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत रूपये 1 हजार 700 करोड़ के वृद्ध स्तर पर निर्माण कार्य प्रगतिरत है।
- राज्य वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार नगरीय निकायों को मूलभूत सेवाओं हेतु वर्ष 2024-25 में रूपये 1 हजार 111 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। जो वर्ष 2023-24 से रूपये 269 करोड़ अधिक है।
- नगरीय विकास के लिए वर्ष 2024-25 हेतु रूपये 16 हजार 744 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है जो कि वर्ष 2023-24 से रूपये 1 हजार 836 करोड़ अधिक है।

विभाग	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25
गृह विभाग	10,299	11,341
राजस्व विभाग	9,285	10,225
वन विभाग	4,431	5,209
विधि एवं विधायी कार्य	3,054	4,233
सामान्य प्रशासन विभाग	1,024	1,140
श्रम विभाग	945	1,002
जेल विभाग	643	727
संसदीय कार्य विभाग	110	143
योग	**29,791**	**34,021**

संसाधन

(₹ करोड़ में)

मद	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25	वृद्धि(+)/ कमी (–)%
कुल प्राप्तियाँ	**2,81,660**	**3,30,193**	**17%**
राज्य कर	86,500	1,02,097	18%
केन्द्रीय करों में हिस्सा	80,184	95,753	19%
करेतर राजस्व	14,913	20,603	38%
केन्द्र से सहायता अनुदान	44,113	44,891	2%
अन्य प्राप्तियाँ	55,951	66,848	19%

वन एवं पर्यावरण-

- तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर रूपये 3 हजार से बढ़ाकर रूपये 4 हजार प्रति मानक बोरा की गई है।
- वन एवं पर्यावरण के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 4 हजार 725 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है, जो कि वर्ष 2023-24 से रूपये 782 करोड़ अधिक है।

संस्कृति धार्मिक न्याय एवं धर्मस्व-

- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना हेतु वर्ष 2024-25 में रूपये 50 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।
- वर्ष 2024-25 में संस्कृति विभाग के लिए रूपये 1 हजार 81 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है, जो वर्ष 2023-24 के व्यय से ढाई गुना है।

पर्यटन सुविधाएं-

- वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश में 11 करोड़ पर्यटकों का आगमन हुआ।
- वर्ष 2024-25 में पर्यटक सुविधाओं हेतु रूपये 666 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है, जो वर्ष 2023-24 से रूपये 100 करोड़ अधिक है।

संस्थागत -

- मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में रूपये 367 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- गृह विभाग के लिए वर्ष 2024-25 में रूपये 11 हजार 292 करोड़ का बजट प्रस्तावित है, जो कि गत वर्ष 2023-24 से रूपये 1 हजार 43 करोड़ अधिक है।
- वर्ष 2024-25 के बजट में संबल योजना अंतर्गत रूपये 600 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

पुनरीक्षित अनुमान 2023-24

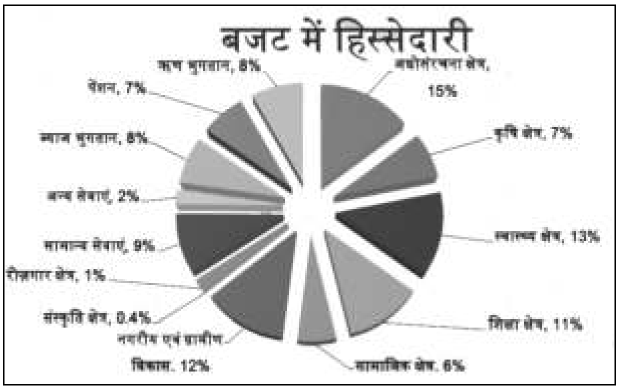

- पुनरीक्षित अनुमान के अनुसार कुल राजस्व प्राप्तियां रूपये 2 लाख 31 हजार 733 करोड़ तथा राजस्व व्यय रूपये 2 लाख 31 हजार 112 करोड़ अनुमानित है। राजस्व आधिक्य का पुनरीक्षित अनुमान रूपये 621 करोड़ है।
- केन्द्रीय करों से हिस्से के रूप में बजट अनुमान की तुलना में रूपये 6 हजार 519 करोड़ की राशि अधिक प्राप्त हुई।
- राजकोषीय घाटे का पुनरीक्षित अनुमान 54 हजार 540 करोड़ है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.60% है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मुख्य नवीन योजनाएं

- समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस का भुगतान
- सिंहस्थ-2028
- मुख्यमंत्री जन सहभागिता निर्माण योजना
- नगर वनीकरण योजना
- मुख्यमंत्री आश्रय स्थल योजना
- पी.एस. ई-बस सेवा
- मध्यप्रदेश शांति वाहन सेवा
- विधायक कार्यालयों का डिजिटाइजेशन
- पी.एम. श्री हेली एवं वायु पर्यटन सेवा
- गरीब कैदियों को वित्तीय सहायता (राज्य सहायित)
- कोडिंग लैब की स्थापना

बजट अनुमान 2024-25

राजस्व प्राप्तियां

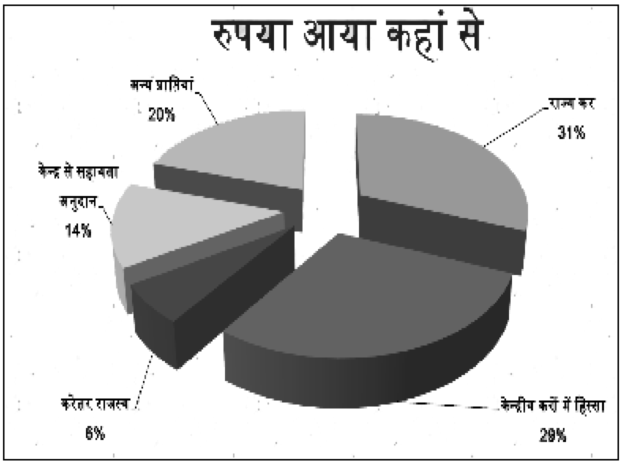

- वर्ष 2024-25 में कुल राजस्व प्राप्तियों का बजट अनुमान 2 लाख 63 हजार 344 करोड़ है।
- राजस्व प्राप्तियों में राज्य करों से प्राप्तियां 1 लाख 2 हजार 97 करोड़ तथा केन्द्रीय करों में प्रदेश के हिस्से के अंतर्गत प्राप्तियां 95 हजार 753 करोड़ अनुमानित है।
- कर विभिन्न राजस्व प्राप्तियां 20 हजार 603 करोड़ तथा केन्द्र सरकार से सहायक अनुदान अंतर्गत प्राप्तियां 44 हजार 892 करोड़ अनुमानित है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रदेश के स्वयं के कर राजस्व एवं गैर कर-राजस्व में वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत अधिक अनुमान है।
- राजस्व प्राप्तियों का वर्ष 2023-24 का बजट अनुमान 2 लाख 25 हजार 710 करोड़ रहा है, जिसमें 37 हजार 634 करोड़ की वृद्धि कर वर्ष 2024-25 के लिए 2 लाख 63 हजार 344 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

कुल व्यय -

- वर्ष 2024-25 के लिए कुल विनियोग की राशि 3 लाख 65 हजार 67 करोड़, राजस्व व्यय 2 लाख 61 हजार 644 करोड़ तथा पूंजीगत परिव्यय 64 हजार 738 करोड़ प्रस्तावित है।
- सामाजिक-आर्थिक उत्थान की योजनाओं के लिए वर्ष 2024-25 के लिए समग्र रूप से बजट अनुमान 1 लाख 74 हजार 376 करोड़ है।
- वर्ष 2023-24 का कुल व्यय बजट अनुमान 2 लाख 81 हजार 554 करोड़ का है, जिसमें 44 हजार 829 की वृद्धि कर वर्ष 2024-25 के लिए 3 लाख 26 हजार 383 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

कर राजस्व

(₹करोड़ में)

मद	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25
जी.एस.टी./बिक्री कर/प्रवेश कर/ विलासिता कर	51,557	61,026
राज्य उत्पाद शुल्क	13,845	16,000
स्टॉम्प तथा पंजीकरण शुल्क	10,400	12,500
वाहन कर	4,440	5,500
विद्युत कर तथा शुल्क	3,858	5,000
अन्य प्राप्तियाँ	2,400	2,071
योग	**86,500**	**1,02,097**
विगत वर्ष से वृद्धि		**18%**

शुद्ध लेन-देन-

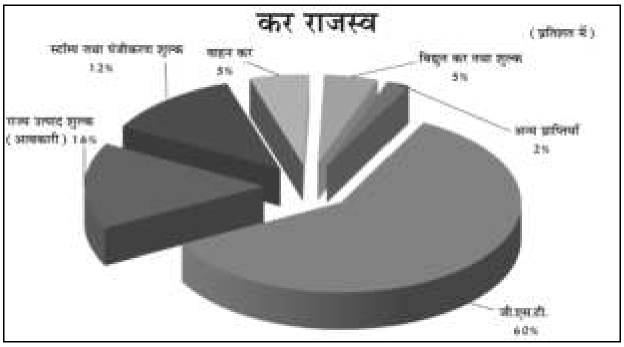

- वर्ष 2024-25 की कुल प्राप्तियां 3 लाख 30 हजार 193 करोड़ तथा कुल व्यय 3 लाख 26 हजार 383 करोड़ अनुमानित होने से वर्ष का शुद्ध लेन-देन 3 हजार 810 करोड़ है एवं अंतिम शेष 92 करोड़ का अनुमान है।
- शुद्ध लेन-देन के लिए वर्ष 2023-24 का बजट अनुमान 107 करोड़ का है। वर्ष 2024-25 के लिए 3 हजार 810 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

राजकोषीय स्थिति

- 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा अनुसार वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटे की सामान्य सीमा 3 प्रतिशत प्रस्तावित है।
- वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा 62 हजार 564 करोड़ अनुमानित है, जो कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 4.11% अनुमानित है।
- इस वर्ष 1 हजार 700 करोड़ का राजस्व आधिक्य अनुमानित है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

20.

मध्य प्रदेश : समसामयिकी

→ **मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग** के मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर श्री विजय यादव को नियुक्त किया गया है।
(म.प्र. राज्य सूचना आयोग का गठन- 22 अगस्त 2005 को किया गया था।)

⇒ **म.प्र. का पहला 'वाक इन एवियरी' का शुभारम्भ**-

⇒ हाल ही में म.प्र. का पहला और देश का दूसरा "वॉक इन एवियरी का लोकार्पण मुकुन्दपुर व्हाइट टाइगर सफारी में किया गया।
(7 सितम्बर 2024 को इसका उद्घाटन किया गया। यहाँ पर 19 विदेशी पक्षी प्रजातियाँ हैं।)

⇒ **मध्य प्रदेश का राजकीय पक्षी स्थापना दिवस**-
म.प्र. का राज्य पक्षी साही बुलबुल (दूधराज) है। इसे महारैली टिटैनी भी कहते हैं। 1985 में इसे राजकीय पक्षी घोषित किया गया।

- हाल ही में इसका स्थापना दिवस मनाया गया।
- **हाल ही में, जारी 'हेल्थ डायनामिक्स ऑफ इण्डिया रिपोर्ट्स'**-
के अनुसार शहरी क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष चिकित्सा उपलब्ध कराने वाले राज्यों में म.प्र. का स्थान पहला है।
- शहरी क्षेत्र के सभी 328 केन्द्र में आयुष सुविधाएं उपलब्ध हैं।
- जनजातीय क्षेत्रों में, 228 प्राथमिक और समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टर उपलब्ध हैं तथा म.प्र. का देश में तीसरा स्थान है।

⇒ **मध्य प्रदेश का खनिज में पहला स्थान** -

- हाल ही में जारी खनिज संपदा की राष्ट्रीय रैंकिग में, हीरा, ताँबा, और मैंगनीज में म.प्र. का पहला स्थान है।
- राक फास्फेट के उत्पादन में दूसरा स्थान है।
- कोयला उत्पादन में चौथा स्थान है।

⇒ **म.प्र. का कुल तिलहन उत्पादन में दूसरा स्थान**-

- कुल तिलहन फसलों के उत्पादन में म.प्र. का दूसरा स्थान है। पहला स्थान राजस्थान का है।
- कुल खाद्यान उत्पादन में म.प्र. का दूसरा स्थान है। पहले स्थान पर उत्तर प्रदेश है।
- कुल मक्का उत्पादन में म.प्र. का तीसरा स्थान है।

⇒ **राष्ट्रीय वायु सर्वेक्षण रिपोर्ट**-

- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रिपोर्ट 2024 में देश का दूसरा स्वच्छ वायु वाला शहर **जबलपुर** है।
- इसी रिपोर्ट में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में म.प्र. के 3 शहर हैं **- जबलपुर (दूसरा स्थान), इंदौर, भोपाल**

⇒ **नीति आयोग का SDG इंडेक्स** -

- नीति अयोग द्वारा SDG इंडेक्स में 67 अंकों के साथ म.प्र. रनर श्रेणी में रहा है और देश में इसका स्थान 11वां है।

⇒ **पी.एम. स्वनिधि योजना**-

- उज्जैन नगर निगम को पी.एम स्वनिधि योजना की 'मेजर सिटीज' श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

⇒ **मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणाम-2023**-

- चुनाव आयोग ने सभी 230 सीटों पर 17-नवम्बर को मतदान कराने का निर्णय लिया, तथा 3 दिसम्बर को मतगणना तथा चुनाव परिणाम की बात कही।
- 230 में से भारतीय जनता पार्टी ने 163 सीटों के साथ बहुमत प्राप्त किया।
- कांग्रेस पार्टी 66 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। अन्य किसी दल को एक भी सीट नहीं प्राप्त हुई।

राजनीतिक पार्टी	सीटें
भारतीय जनता पार्टी	163
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	66
बहुजन समाज पार्टी	0
समाजवादी पार्टी	0
निर्दलीय	0

⇒ **सीहोर में एथेनॉल क्रैकर प्लांट**-

- मध्य प्रदेश में गेल इण्डिया, सीहोर के आस्ता में एथेनॉल क्रैकर प्लांट लगा रही है।

⇒ **साइबर तहसील- तत्काल नामांतरण**-

- म.प्र. सरकार ने साइबर तहसील को पूरे प्रदेश में लागू करने की व्यवस्था शुरू की।
- इसके तहत किसी भी सम्पत्ति की रजिस्ट्री होते ही अपने आप नामांतरण की सुविधा शुरू हो जाएगी।

⇒ **केन-बेतवा लिंक परियोजना** -

- म.प्र. सरकार ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को मंजूरी प्रदान की।
- यह दुनिया की सबसे बड़ी नदी जोड़ों परियोजना है।

⇒ **पीएम श्री वायु सेवा**-

- मध्य प्रदेश के छोटे-छोटे शहरों को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए पीएम श्री वायु सेवा शुरू की गयी है।
- इस योजना के तहत, विमान में बहुत कम किराये में लोग भोपाल, जबलपुर, इन्दौर, सिंगरौली, रीवा जैसे शहरों में आसानी से आवागमन कर सकेंगे।

⇒ **फ्री एयर एम्बुलेंस सेवा**-

- म.प्र. सरकार ने फ्री एयर एम्बुलेंस की सौगात प्रदेशवासियों को दी है।
- इसके तहत गम्भीर बीमारी से पीड़ित मरीज को एयर एम्बुलेंस के द्वारा देश के किसी भी अन्य अस्पताल में भेजा जा सकेगा।
- यह सेवा आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए ही निःशुल्क रहेगी।

⇒ **रिकार्ड पौधारोपण**- 28 जुलाई 2024 को मध्य प्रदेश ने रिकार्ड बनाते हुए 1 दिन में 11 लाख पौधों का वृक्षारोपण किया

⇒ **लोकपथ मोबाइल ऐप**-

- मध्यप्रदेश सरकार ने 5 जुलाई 2024 को सड़क सम्बन्धित विवादों के शीघ्र निपटारे के लिए लोकपथ मोबाइल ऐप लांच किया है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- इस ऐप के माध्यम से विवादों को 7 दिन के अन्दर ही निराकरण करने का लक्ष्य रखा गया है।
- इस ऐप के माध्यम से पारदर्शिता लाने तथा सुचारू शासन व्यवस्था चलाने में मदद मिलेगी।

⇒ बी.सी.सी.आई अखिल भारतीय महिला अंडर-23 ट्राफी टी/20 टूर्नामेंट 2023-24 का खिताब म.प्र. ने जीता।

⇒ **<u>मध्य प्रदेश के उज्जैन में MPIDC सेन्टर स्थापित</u>**-
- म.प्र. के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में MPIDC स्थापित करने की घोषणा की।
- मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (MPIDC)

⇒ **<u>रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना</u>**-
(म.प्र. में मोटे अनाज को बढ़ावा देने की शुरूआत-)
- हाल ही में म.प्र. में मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना की शुरूआत की गई।
- मध्य प्रदेश मिलेट मिशन योजना यह भी मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ाने से ही सम्बन्धित है।
- मध्य प्रदेश की कृषक, लहरी बाई (बैगा जनजाति से सम्बन्धित हैं), इन्हें पादप जिनोम अवार्ड मिला है। ये डिंडोरी जिले से सम्बन्धित हैं।

⇒ **<u>एक जिला एक उत्पाद योजना</u>**-
- हाल ही में ''एक जिला एक उत्पाद'' योजना में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए, प्रथम राष्ट्रीय ओडीओपी पुरस्कारों में 'स्पेशल पेंशन अवार्ड- 2023' से बुरहानपुर जिले को सम्मानित किया गया है।

⇒ **<u>हाईजीनिक फूड स्ट्रीट 'प्रसादम'</u>**-
- हाल ही में देश के पहले हेल्दी और हाईजीनिक फूड स्ट्रीट 'प्रसादम' का लोकार्पण महाकालेश्वर मन्दिर में किया गया।
- महाकालेश्वर मन्दिर उज्जैन में स्थित है।
- महाकालेश्वर मन्दिर में भगवान शिव का शिवलिंग विराजमान है, जो द्वादश ज्योतिर्लिंग के अन्तर्गत आता है।
- उज्जैन शहर क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित है।

⇒ **<u>म.प्र. की पहली माइक्रोबायलोजी लैब</u>**-
- म.प्र. की पहली और देश की 35वीं माइक्रोबायलोजी लैब इंदौर में बनायी जाएगी।

⇒ हाल ही में म.प्र. के 3 खिलाड़ियों को अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।
1- ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर - खरगौन (शूटिंग)
2- प्राची यादव - (पैरा क्नोइंग)
3- सुशीला चानू - (हॉकी)

⇒ **<u>द्रोणाचार्य पुरस्कार</u>**-
- हाल ही में म.प्र. के खेल प्रशिक्षक (हॉकी) शिवेन्द्र सिंह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा द्रोणाचार्य पुरस्कार 2023 प्रदान किया गया।

⇒ **क्रिएटिव सिटी ऑफ म्यूजिक**-
- हाल ही में UNESCO द्वारा 'क्रिएटिव सिटी ऑफ म्यूजिक' का खिताब 'ग्वालियर' शहर को दिया गया है।
- UNESCO का मुख्यालय पेरिस में है।

⇒ **स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट- 2023**-
- स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान इंदौर को सूरत के साथ प्राप्त हुआ है।
- इंदौर को कुल 8 बार प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

⇒ स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में देश के सबसे स्वच्छ राज्यों के क्रम में म.प्र. दूसरे स्थान पर है-
क्रम– महाराष्ट्र → मध्य प्रदेश → छत्तीसगढ़

⇒ स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में नौरोजाबाद (उमरिया जिला) को एक लाख से कम आबादी वाले शहर में 'फास्ट मूविंग सीटी' श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

⇒ स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में 15,000 से 20,000 जनसंख्या वाले शहरों में पश्चिमी जोन का सबसे स्वच्छ शहर 'बुधनी' है।

⇒ स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में 1 लाख से कम आबादी वाले शहरों में सासवड प्रथम स्थान, पाटन को दूसरा स्थान तथा महाराष्ट्र के लोनावाला को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

⇒ स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में सबसे स्वच्छ छावनी बोर्ड 'महू' (म.प्र.) को घोषित किया गया है।

⇒ स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट-2023 में सबसे स्वच्छ गंगा शहरों में प्रथम स्थान, प्रयागराज और वाराणसी दोनों को दिया गया है।

⇒ **म. प्र. में पीएम-जनमन योजना का प्रथम चरण**-
- हाल ही में प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश के 'शिवपुरी' जिले से PM-JANMAN योजना के प्रथम चरण का शुभारम्भ किया।

⇒ **खरगौन जिले का गौरव दिवस**-
- खरगौर जिले में 14 जनवरी को गौरव दिवस मनाया गया।
- यह गौरव दिवस 9 दिवसीय था।
(14 जनवरी से प्रारम्भ हुआ नौ दिवसीय गौरव दिवस 22 जनवरी तक मनाया गया।)
- खरगौन शहर को नवग्रह की नगरी भी कहते हैं।
- मकर संक्रान्ति 14 जनवरी के अवसर पर यह दिवस मनाया जाता है।

⇒ **भारत का पहला डार्क स्काई पार्क**-
- म.प्र. में स्थित पेंच टाइगर रिजर्व को भारत का पहला और एशिया का 5वां 'डार्क स्काई पार्क' की मान्यता मिली।

⇒ वर्ष 2022 की राज्यों की स्टार्टअप रैंकिग में मध्य प्रदेश को 'लीडर्स' की श्रेणी में रखा गया है।

⇒ **<u>नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी रिपोर्ट</u>** इस रिपोर्ट के अनुसार सर्वाधिक गरीबी में कमी दर्ज करने वाले राज्यों में म.प्र. तीसरे स्थान पर है।
- पहले स्थान पर उत्तर प्रदेश दूसरे पर बिहार एवं तीसरे स्थान पर म.प्र. है।

⇒ **<u>म.प्र. की पहली सेंट्रल ड्रग टेस्टिंग लैब</u>** इंदौर में स्थापित की जाएगी।

⇒ **<u>म.प्र. के भोपाल शहर में राष्ट्रीय मीडिया संग्रहालय</u>** की स्थापना की जाएगी।

⇒ म.प्र. पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी ने काकरापार, (गुजरात) परमाणु विद्युत परियोजना से विद्युत क्रय करने का एक 'पॉवर परचेस एग्रीमेंट' किया है।

⇒ मध्य प्रदेश के **<u>जबलपुर में देश का पहला 'जियो पार्क'</u>** स्थापित किया जाएगा।

⇒ **म.प्र. का पहला परमाणु पॉवर प्लांट** मंडला जिले के 'चुटका' नामक ग्राम में स्थापित किया जाएगा।

⇒ मनरेगा के क्रियान्वयन में म.प्र. चौथे स्थान पर है।

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

⇒ **देश का पहला ह्यूमन कैपिटल बैंक मध्य प्रदेश** के शाजापुर के 'शुजालपुर' में खोला जाएगा।

⇒ **मछुआ क्रेडिट कार्ड** बनाने में म.प्र. प्रथम स्थान पर है।

⇒ **म.प्र. की पहली हाईटेक फ्लोरीकल्चर नर्सरी और एयरोपोनिक्स** लैब 'ग्वालियर' में स्थापित किया जाएगा।

⇒ हाल ही में छिंदवाड़ा में **गोदड़देव मन्दिर** को राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किया गया।

⇒ **108 फिट ऊंची भगवान परशुराम की अष्टधातु की** प्रतिमा कटनी जिले में स्थापित की जाएगी।

⇒ देश की पहली आर्टिफिशियल कैनो सलालम अकादमी ग्वालियर में खोली जाएगी।

⇒ देश का पहला 'सेन्टर फॉर ट्राईबल कम्युनिटी' भोपाल में तैयार किया जा रहा है।

⇒ विश्व का सबसे बड़ा पानी पर तैरता सौर ऊर्जा प्लांट नर्मदा नदी पर ओंकारेश्वर में बनाया जा रहा है।

⇒ हाल ही में जंगल की आग को आपदा मानने वाला देश का पहला राज्य मध्य प्रदेश है।

⇒ म.प्र. के **गिद्ध रेस्टोरेंट की शुरूआत वीरांगना टाइगर रिजर्व** में की जाएगी।

⇒ हाल ही में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन के लिए प्रतिष्ठित **स्कोच आर्डर आफ मेरिट-2023** से सम्मानित किया गया।

⇒ मध्य प्रदेश के 4 लागों को पद्म श्री पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

⇒ म.प्र. के अवनीश तिवारी को 'सामाजिक सेवा' के क्षेत्र में **प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार- 2024** से सम्मानित किया गया है।

⇒ गृह मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा देश के सर्वश्रेष्ठ थानों में 'देवास जिले के सिविल लाइन' थाने का चयन किया गया है।

⇒ म.प्र. और गुजरात के बीच पार्वती, काली सिंघ, और चम्बल नदियों के बीच एमओयू साइन किया गया।

⇒ हाल ही में मध्य प्रदेश के 'महू' शहर की **प्रीति रजक** सेना की पहली महिला सूबेदार बनी है।

⇒ **तात्या टोपे विश्वविद्यालय**-

- हाल ही में म.प्र. सरकार ने गुना जिले में तात्या टोपे विश्वविद्यालय खोलने का निर्णय लिया है।
- उच्च शिक्षा विभाग का शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुना, अब तात्या टोपे विश्वविद्यालय, गुना के नाम से जाना जाएगा।
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय सागर, को अब रानी 'अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय', तथा शासकीय महाविद्यालय खरगौन को क्रान्तिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगौर में उन्नयन किया गया है।

⇒ हाल ही में म.प्र. सरकार द्वारा नया विधि महाविद्यालय 'आगर मालवा' में खोलने की अनुमति दी गई है।

⇒ प्रधानमंत्री मोदी ने **संत रविदास मंदिर** की आधारशिला सागर में रखी है।

- यह सागर के 'बड़तुमा' में स्थित है।

⇒ निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय मनु भाकर हैं।

- मनु भाकर ने यह पदक महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता। इन्हें ब्रांज मेडल मिला।

⇒ **म.प्र. में 54वां टाइगर रिजर्व**-

- म.प्र. के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व को 54वां टाइगर रिजर्व घोषित किया गया।
- राजस्थान के धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व को 55वां टाइगर रिजर्व घोषित किया गया।
- नागार्जुन सागर श्री शैलम (आन्ध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है।
- बोर टाइगर रिजर्व (महाराष्ट्र) सबसे छोटा है।

⇒ म.प्र. के मण्डला जिले में **आयुर्वेद कालेज और एक्सीलेंस महाविद्यालय** प्रारम्भ किया जाएगा।

- मण्डला में ही **वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा का अनावरण** किया जाएगा।

⇒ **राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान**-

- 2023 में के.एस. चित्रा को दिया गया।
- 2022 को ये सम्मान संगीत निर्देशक उत्तम सिंह को।
  - 2021 में कुमार शानू
  - 2020 में आनंद मिलिंद
- इस सम्मान की स्थापना 1984 में
  - सम्मान राशि- 5 लाख
- नौशाद (संगीत निर्देशक) को पहली बार ये सम्मान दिया गया।

⇒ **राष्ट्रीय कुमार गन्धर्व सम्मान**-

- 2022 - सुश्री सुधा रघुरमन
- 2021 - सुश्री रुक्मणी विजय कुमार
- स्थापना - 1992
- पुरस्कार राशि - 2.51 लाख
- यह पुरस्कार शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में गायन, वादन, एवं नृत्य हेतु युवा कलाकार को दिया जाता है।

⇒ **किशोर कुमार राष्ट्रीय सम्मान**-

- यह पुरस्कार निर्देशन, अभिनय, गीत लेखन, पटकथा लेखन, हेतु प्रदान किया जाता है।
- 2022 में **धर्मेन्द्र** को प्रदान किया गया।
- - 2021- विवेक रंजन अग्निहोत्री (मुंबई)
- - 2020- गीतकार अभिताभ भट्टाचार्य
- पहला पुरस्कार- ऋषिकेश मुखर्जी को दिया गया था।
- स्थापना- 1997

⇒ **मान सिंह तोमर सम्मान**-

- 2023 का सम्मान- **सानंद न्यास, इंदौर को**।
- स्थापना- 2011
- पुरस्कार राशि- 5 लाख
- संगीत, कला और संस्कृति के क्षेत्र में
- 2022 - मालव लोक कला केन्द्र उज्जैन।

⇒ **राष्ट्रीय कबीर सम्मान- 2023**-

पत्रकार **सुरेन्द्र दूबे** को 2023 का कबीर सम्मान दिया गया।

⇒ **राष्ट्रीय तानसेन सम्मान**-

पं. गणपति भट्ट हासणगि (2022)

⇒ कराहल जिला शिवपुर में सबरी माता का मन्दिर बनाया जाएगा।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

⇒ राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार प्रो. विशाल राय और प्रो. आर. महालक्ष्मी को 2024 के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

⇒ आगामी दो वर्षों में 25,000 चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी।

⇒ म.प्र. में **'टचिंग लाइव्स विद टचिंग द मून'** नामक संगोष्ठी का उद्घाटन डा. मोहन यादव जी ने किया।

⇒ म.प्र. वन्य जीव विभाग के द्वारा नए प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) के रूप में **विजय एन अंबाडे** को नियुक्त किया गया है।

⇒ म.प्र. का पहला **'जगतगुरू कुलम'** जबलपुर में खुलेगा।

■ इस गुरूकुलम में 1008 बच्चों के लिए आवासीय परिसर भी खोला जाएगा।

⇒ आदिवासियों की संस्कृति के अनुसंधान और प्रलेखन के लिए दक्षिण भारत का पहला **आदिवासी पुस्तकालय कानू कर्नाटक में** खोला जाएगा।

■ कानू का अर्थ सदाबहार वन है।

नवीन पुरस्कार

⇒ हाल ही में म.प्र. सरकार द्वारा **राष्ट्रीय हिन्दी सेवा सम्मान 2023** से डॉ. मनमोहन सहगल (पटियाला) को सम्मानित किया गया।
- 2022- डॉ. दामोदर खड़से (पुणे)
- स्थापना - 2015
- पुरस्कार राशि - 5 लाख

⇒ हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा **'राष्ट्रीय गुणाकर मुले' सम्मान** डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र को- 2023 का प्रदान किया गया।
- 2022 - देवेन्द्र मेवाड़ी, (नई दिल्ली)

⇒ हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान-2023, डिजिटल इण्डिया भाषिनी संस्थान, (नई दिल्ली) को प्राप्त हुआ है।
- 2022- का श्री अमकेश्वर मिश्र (भोपाल)।

⇒ मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान-2023 से डॉ. अनुराग शर्मा को सम्मानित किया गया है।
- 2022- डॉ. हंसादीप, टोरंटो (कनाड़ा) (म.प्र. संस्कृति विभाग द्वारा अप्रवासी भारतीयों) को विदेश में हिंदी के विकास में अमूल्य योगदान देने हेतु दिया जाता है।

⇒ मध्य प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान-2023, सुश्री अतिला कोतलावल (श्रीलंका) को प्रदान किया गया।
2022 - शुश्री दागमार मारकोवा (चेक गणराज्य) [विदेशी मूल के किसी व्यक्ति को जो हिन्दी भाषा और उसकी बोलियों के विकास में स्थान दे रहा हो]

⇒ भोपाल में डिजिटल परिवर्तन सम्मेलन का 14वां संस्करण सम्पन्न हुआ।

■ समावेशी विकास पर विचार विमर्श हुआ।

⇒ आर.जीपीवी (राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) के नये कुलपति प्रो. राजीव त्रिपाठी को बनाया गया है।

⇒ **मध्य प्रदेश की नवीन योजनाएँ-**

⇒ **मध्य प्रदेश विकलांग पेंशन योजना-** इस योजना के अंतर्गत राज्य के विकलांग व्यक्तियों को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 600 ₹ मासिक पेंशन धनराशि, आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जाएगी।

⇒ **म.प्र. वृद्धा पेंशन योजना-** मध्य प्रदेश की वृद्ध महिलाओं की आर्थिक सहायता करने के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना के तहत जिनकी उम्र 60 से 79 के बीच है उन्हें 300 और जो 80 से ऊपर हैं उन्हें 500₹ की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

⇒ **मध्य प्रदेश डॉ भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना-** अनुसूचित जाति के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए यह योजना चलाई गई है। इसमें 10 हजार से 1 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

⇒ **लाड़ली बहना सेना योजना-** प्रत्येक गाँव जिनकी आबादी 1500 से कम है वहाँ 11 सदस्य तथा ऐसे गाँव जिनकी आबादी 1500 से अधिक है वहाँ 21 सदस्यों की सेना बनाई जाएगी। लाडली बहन सेना में 50% सदस्य लाडली बहना योजना की पात्र महिलाएं होगी। 60 वर्ष तक की महिलाएं इसमें आवेदन कर सकती है।

⇒ **म.प्र. पथ व्यवसायी उत्थान योजना-** इस योजना के तहत सभी स्ट्रीट वेंडर्स को 10,000₹ तक का लोन बिना किसी गारंटी के दिया जाएगा। 7% ब्याज के अलावा बाकी का ब्याज म.प्र. सरकार वहन करेगी।

⇒ **मुख्यमंत्री स्कूटी योजना-** इस योजना के तहत 12वीं कक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले बालक और बालिकाओं को प्रदेश सरकार मुफ्त स्कूटी का वितरण करेगी।

⇒ **रूक जाना नहीं योजना-** 10वीं और 12वीं कक्षा में फेल होने पर, उन्हें दुबारा पास करने के लिए फिर से परीक्षा आयोजित कराने की योजना है।

⇒ **मध्य प्रदेश जन सुनवाई योजना** - इस योजना का उद्देश्य ऐसे व्यक्ति जो थाने या सम्बन्धित विभाग में जाने में कोई असुविधा महसूस करते है वे, आनलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

लाडली बहना योजना (15-03-2023)

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 15 मार्च 2023 को लाडली बहना योजना का शुभारम्भ किया गया।

■ इस योजना में सभी पात्र बहनों को ₹1250 प्रति माह दिये जाते हैं।

■ भेदभाव समाप्त करने, आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, और लड़कियों में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गयी है।

■ इस योजना में ऐसी विवाहित महिलाएँ पात्र होंगी, जिनके परिवार में कोई आयकर नहीं दिया जाता है, एवं कोई व्यक्ति सरकारी सेवा में न हो तथा उम्र 21 से 60 वर्ष के बीच हो।

लाडली बहना आवास योजना-

■ जिन महिलाओं के घर कच्चे हैं और जिन्हे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हे ही इस योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा इसके तहत पक्का आवास प्रदान किया जाएगा।

■ अंत्योदय आवास योजना का नाम लाडली बहना आवास योजना कर दिया गया है। यह योजना पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अधीन रहेगी।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना (22-09-2020)-

- कृषि को लाभकारी बनाने, उन्नत तकनीक का उपयोग करने कृषकों की आय संवर्धन के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गयी।
- इस योजना के तहत पात्र किसानों को ₹2000 की तीन किस्त में ₹6000 दिये जाएंगे। वे किसान जो पी.एम. किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत ₹6000 सालाना का लाभ लेते हैं वे भी इस योजना के पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना (23-08-2022)-

- 18 वर्ष से अधिक उम्र के अनाथ बच्चों को आर्थिक एवं शैक्षणिक सहयोग देकर (आफ्टर केयर) समाज में पुनर्स्थापित करना, तथा कोविड 19 महामारी के कारण मृत माता पिता की अनाथ संतानो को सहयोग देकर (स्पांसरशिप) आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना (15-06-2023)-

- मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं के कौशल संवर्धन हेतु शुरू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के युवाओं को निजी संस्थानों में छात्र-प्रशिक्षणार्थी के रूप में प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किये जाएगें।
- प्रदेश के 18 से 29 वर्ष की उम्र के युवा इस योजना में शामिल हो सकते हैं।

मध्य प्रदेश सोलर पम्प योजना (2024)-

- मध्य प्रदेश सरकार ने सोलर पम्प योजना के जरिये किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सब्सिडी दर पर किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध करवाने का संकल्प लिया है।
- इस योजना में केन्द्र और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 90% अनुदान दिया जा रहा है।
- इस योजना का लाभ सभी किसान उठा सकते हैं।
- इस योजना से उन किसानों को ज्यादा लाभ होगा जिनके खेतों के आस-पास बिजली नही पहुँची है।

मध्य प्रदेश अंकुर योजना (22-05-2023)-

- मध्य प्रदेश अंकुर योजना पर्यावरण संरक्षण से सम्बंधित योजना है।
- इस योजना के तहत नागरिकों को मानसून के दौरान पेड़ लगाने के लिए सम्मानित किया जाएगा।
- अंकुर योजना के द्वारा जन सहभागिता के माध्यम से वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा तथा चयनित विजेताओं को प्राणवायु अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

लखपति दीदी योजना (04-11-2022)

- मध्य प्रदेश की महिलाओं के लिए एक स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम योजना है।
- इस योजना के तहत 1 लाख से 5 लाख रुपये तक का लोन आसानी से उपलब्ध कराया जाएगा वो भी बिना किसी ब्याज के, अर्थात शून्य ब्याज दर पर।
- इस योजना में शामिल महिलाओं को जरूरी प्रशिक्षण और दिशा निर्देश दिए जाएंगें।
- 18 से 50 वर्ष की पात्र महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जुड़ना होगा।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना (14-09-2024)-

- मध्य प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के धर्मिक इच्छाओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना (14 सितम्बर 2024) की शुरूआत की है।
- इस योजना के द्वारा 14 सितम्बर 2024 से 26 फरवरी 2025 तक वृद्ध जनों को तीर्थ दर्शन कराया जाएगा।
- वाराणसी (काशी), मथुरा, वृंदावन, रामेश्वरम सहित सभी प्रमुख तीर्थों का निःशुल्क दर्शन कराया जाएगा।

सूर्य लक्ष्मी योजना (2024)-

- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित पी.एम. सूर्य लक्ष्मी योजना के तहत सरकार लोगों को सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है।
- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के द्वारा 1 करोड़ से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं को बिना किसी लागत के सोलर रूफटॉप प्लांट लगाकर दिया जाएगा।

जल मंदिर योजना (30-01-2023)-

- मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले से इसकी शुरूआत हुई।
- इस योजना का उद्देश्य भू-जल स्तर में सुधार करना है।
- इस योजना में जो भी घर रूफटॉप हार्वेस्टिंग करायेगा वह जल मन्दिर कहलाएगा।

टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना (06-09-2022)-

- इसका उद्देश्य अनुसूचित जाति के गरीब लोगों को नवीन उद्यमों की स्थापना हेतु कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना है।
- लाभार्थी की उम्र 18 से 55 होनी चाहिए।
- इस योजना में ₹10,000 से ₹1,00,000 तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना (06-09-2022)-

- इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को रोजगार हेतु ऋण, कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराना है।
- इस योजना के लाभार्थी 18 से 45 उम्र के होने चाहिए।
- इस योजना में ऋण सीमा मैन्युफैक्चर सेक्टर के लिए 1 से 50 लाख तथा सर्विस सेक्टर के लिए 1 लाख से 25 लाख तक होगी।

''**एक पेड़ माँ के नाम-** एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 7 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य म.प्र. सरकार ने रखा है। (डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती 6 जुलाई के अवसर पर इस अभियान की घोषणा की गई)

- **म.प्र. रोजगार पोर्टल-** म.प्र सरकार ने प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पंजीयन के लिए रोजगार पोर्टल शुरू किया।
- **मुख्यमंत्री बकाया बिल माफी योजना-** म.प्र. सरकार द्वारा 80 से 82 लाख गरीब परिवारों के लिए अभियान चलाया है।

'प्रोजेक्ट शक्ति'

- मध्य प्रदेश सरकार ने लोगों को अपराधों के बारे में सचेत करने के लिए 'प्रोजेक्ट शक्ति' को लांच किया।

खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में 5% आरक्षण

- मध्य प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में खिलाड़ियों को 5% आरक्षण की घोषणा की।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार प्रति वर्ष विक्रम पुरस्कार विजेताओं को सरकारी नौकरी देती है। विक्रम पुरस्कार मध्य प्रदेश का सर्वोच्च पुरस्कार है।

99वाँ तानसेन समारोह

- 22 दिसम्बर, 2023 को आयोजित किया गया।
- ग्वालियर का सुविख्यात यह समारोह इस वर्ष 22-28 दिसम्बर तक इंटक मैदान में आयोजित होगा।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- यह आयोजन उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष, संगीत सम्राट तानसेन की याद में आयोजित किया जाता है।

चरण पादुका योजना

तेंदूपत्ता संग्राहक वनवासी लोगों के लिए

***लाभार्थी*–**चरण पादुका योजना के तहत तेंदूपत्ता संग्राहक वनवासी समुदाय को जूते/चप्पल और साड़ी के साथ पानी की कुप्पी प्रदान करना एवं उन्हें एक नियत दर से बोनस राशि का वितरण करना जिससे इस समुदाय का कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा सम्भव हो सके।

इंदौर को मिला स्वच्छ शहर स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार, 2023

- इंदौर को केन्द्र के स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार 8वें वर्ष भारत का 'सबसे स्वच्छ शहर' घोषित किया गया।
- 'स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार' नीति आयोग द्वारा दिया जाता है।

दिव्यांग खेल केन्द्र

- केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा मध्य प्रदेश के ग्वालियर में दिव्यांग खेल केन्द्र स्थापित किया गया।
- दिव्यांग खेल केन्द्र को सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत किया जाएगा।
- केन्द्र खेल के लिए एक बेहतर खेल बुनियादी ढाँचा तैयार करेगा जिसके तहत दिव्यांग व्यक्तियों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने और उन्हें राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए सक्षम बनाएगा।
- मध्य प्रदेश भारत का **तीसरा सबसे बड़ा दुग्ध** उत्पादक राज्य बन गया है।
- रेलवे विकास केन्द्र **ग्वालियर** में खोला गया है।
- डॉलफिन सूचना केन्द्र **भिण्ड** में खोला गया है।
- मवेशी अनुसंधान केन्द्र की स्थापना **सीहोर** में की गयी है।
- भारत का पहला **सूर्य नमस्कार उद्यान** मध्य प्रदेश के पंचमढ़ी में चमक झील के पास विकसित किया गया है।
- भारत का पहला **भू-वैज्ञानिक खनिज संग्रहालय** ग्वालियर में स्थापित किया गया है।
- मध्य प्रदेश का पहला **आनन्द** (हैप्पीनेस) केन्द्र जबलपुर में विकसित किया गया।
- सबसे बड़ा जैन मंदिर सागर में निर्मित किया गया।
- मध्य प्रदेश का पहला कैशलेस गाँव **बड़सिरी** (भोपाल)।
- भारत का पहला कैशलेस गाँव **अकादरा** (गुजरात)।
- भारत का पहला ट्रैफिक रोबोट **इंदौर** में स्थापित।
- किंग ऑफ कान्हा **मुन्ना नामक बाघ** को कहा जाता है।
- भारत सरकार द्वारा **वन विहार** को आदर्श चिड़ियाघर के रूप में विकसित करने के लिए चुना गया।
- भारत का **सबसे बड़ा पारिस्थितिक उद्यान** मध्य प्रदेश के राज्य वन विभाग द्वारा **कटरा पहाड़ियों** (भोपाल) में विकसित किया जा रहा है।
- **मुरैना** में एक रक्षा इकाई स्थापित की गयी।
- मध्य प्रदेश का **दूसरा मोगली पार्क माण्डु** में स्थापित है।
- **तैराक एवं कुश्ती एकेडमी इंदौर** में है।
- मंडीद्वीप (भोपाल) भारतीय रेलवे द्वारा **रेल नीर प्लांट** स्थापित किया गया।

नये संस्थान : स्थापित एवं प्रस्थापित

- **दो नये मेडिकल कॉलेज**
  – सिवनी एवं छतरपुर
- **स्कूल ऑफ एसिकलेन्स फॉर आई** (उत्कृष्ट दृष्टि विद्यालय)
  – इन्दौर
- **राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान**
  – सिहोर
- **शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय** (नवीन भवन) – राजगढ़ नरसिंहगढ़, उज्जैन
- **सेंटर फॉर रूरल हेल्थ एम्स**
  – चिकलौद कला, (गौहरगंज, रायसेन)
- **गन्ना अनुसंधान केन्द्र** – बोहानी (नरसिंहपुर) में
- **बसावन मामा गौवंश वन्य विहार**
  – सिमरिया (रीवा) में
- **ग्लोबल स्टील पार्क** – भोपाल में सिंगापुर की तकनीकी सहायता से स्थापित
  – ऋण सहायता एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा
  – **उद्देश्य :** युवाओं को विश्वस्तरीय रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण।
- **वीर भारत मंदिर (भारत माता मंदिर)**
  – भोपाल (देश के शहीदों के नाम)
- **दूसरे और तीसरे उद्यानिकी महाविद्यालय**
  – रहली (सागर) और छिंदवाड़ा
- **कृषि महाविद्यालय** – खुरई (सागर)
- **पालनपुर कुनो 11वां राष्ट्रीय उद्यान**
  – दिसंबर, 2018 में अधिसूचना, के माध्यम से

रानी अवंती बाई लोधी महाविद्यायल- सागर

- तंट्या भील विश्वविद्यालय- (2024)- खरगौन
- तात्या टोपे विश्वविद्यालय - (2024) गुना
- 3 नये मेडिकल कालेज (2024) मंदसौर, नीमच, सिवनी,
- हर जिले में पीएम श्री एक्सीलेंस कालेज, प्रस्तावित
- **STATE DUTF AND CITY DUTF BHOPAL**
  – सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के शुद्धीकरण के लिये 16 नगर निगम और 4 नगर पालिकाओं में सीटीडीपीएफ का गठन।
- **तीसरी खुली जेल** – देवी अहिल्या खुली जेल, इंदौर
- **उच्च स्तरीय कैंसर हास्पिटल**
  – जबलपुर
- **राजमाता सिंधिया तीर्थयात्री सेवा सदन**
  – दतिया में
- **माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का दूसरा केन्द्र**
  – दतिया में खोला गया

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- **सूर्य नमस्कार पार्क** – पचमढ़ी (होशंगाबाद जिला)
  – अपने ढंग का विश्व का प्रथम पार्क।
- **दलहन मेगा फूड पार्क** – कटनी में स्थापित।
- **केन्द्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी-** भोपाल
- **शहीद स्मारक** – मुरैना जिले में (14 अगस्त को प्रतिवर्ष मध्य प्रदेश सरकार शहीद सम्मान दिवस मनाती है)
- **छः मेगा फूड पार्क** – मंदसौर भिण्ड, मंडला, खरगोन, होशंगाबाद, छिंदवाड़ा।
- **अवंति मेगा फूड पार्क**– देवास (मध्य प्रदेश) में निजी क्षेत्र का प्रथम मेगा फूड पार्क स्थापित।
- **कूलर पार्क** – शाजापुर, आगर और नीमच में (विश्व बैंक के इंटरनेशनल फाइनेंस कार्पेरिशन की मदद से मध्य प्रदेश अक्षय उर्जा विभाग द्वारा)

पुरस्कार

मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा सिनेमा, साहित्य, पारम्परिक कलाओं, समाज सेवा व संस्कृति के क्षेत्र से सम्बन्धित निम्न पुरस्कारों का वितरण किया गया–

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय पुरस्कार- 2021-22 में ग्रामीण विकास विज्ञान समिति (जोधपुर) को।

- इस पुरस्कार के तहत बीस लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

किशोर कुमार राष्ट्रीय सम्मान

- किशोर कुमार राष्ट्रीय सम्मान वर्ष 2022 धर्मेन्द्र को (अभिनेता)। तथा वर्ष 2021 का फिल्म निर्देशक- विवेक रंजन अग्निहोत्री को प्रदान किया गया।
- यह पुरस्कार निर्देशन, अभिनय, गीत लेखन, पटकथा लेखन हेतु प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत पाँच लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय कबीर सम्मान

- राष्ट्रीय कबीर सम्मान वर्ष 2021- डा. श्याम सुन्दर दुबे को प्रदान किया गया।
- राष्ट्रीय कबीर सम्मान वर्ष 2020 मनोज श्रीवास्तव तथा वर्ष 2019 का विनय राजाराम को प्रदान किया गया था।
- यह पुरस्कार किसी भारतीय भाषा में उत्कृष्ट काव्य रचना हेतु प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत तीन लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय तुलसी सम्मान

- 2021- कालूराम बामनियर
- राष्ट्रीय 2020- तिलकराम पैद्राम को दिया गया था।
- राष्ट्रीय तुलसी सम्मान वर्ष 2017 के लिए जयपुर के चित्रकार कैलाश चन्द्र शर्मा को तथा वर्ष 2018 के लिए कलाकार विक्रम यादव को प्रदान किया गया।
- यह पुरस्कार लोक एवं परम्परागत जनजातीय व क्षेत्रीय कलाओं के लिए पुरुष कलाकारों को प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत पाँच लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय अहिल्या देवी सम्मान

- राष्ट्रीय अहिल्या देवी सम्मान वर्ष 2020 का मालिनी अवस्थी तथा वर्ष 2021 का संजो बघेल को दिया गया।
- यह पुरस्कार लोक व परम्परागत जनजातीय व क्षेत्रीय कलाओं के लिए महिला कलाकारों को प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत दो लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान

- राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान वर्ष 2021 के लिए डॉ. सदानंद प्रसाद गुप्त को दिया गया।
- यह पुरस्कार हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत दो लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान

- राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान वर्ष 2022 के लिए गुरू सक्सेना (नरसिंहपुर)
- यह पुरस्कार मंचीय कविता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत पाँच लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय तानसेन सम्मान- 2022 में पंगणपति भट्ट को (कर्नाटक) को।

- स्थापना - 1980
- राशि - 5 लाख

राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान

- 2021 में श्री राम परिहार को मिला था (खण्डवा)।
- राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान वर्ष 2020 का विजय मनोहर तिवारी।
- यह पुरस्कार व्यंग्य, ललित निबन्ध, पत्रलेखन, डायरी आदि विधाओं में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय इकबाल सम्मान- स्थापना- 1986

- राष्ट्रीय इकबाल सम्मान वर्ष 2021 डा. सैय्यद तक़ी आबदी को।
- यह पुरस्कार उर्दू साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत पाँच लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।
- **कालिदास सम्मान–**मध्य प्रदेश शासन 2023 शास्त्रीय गायक पं. वेंकटेश कुमार को दिया गया।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मध्य प्रदेश खेल अलंकरण-2022-23

एकलव्य अवॉर्ड (15)		विक्रम अवॉर्ड (10)	
खिलाड़ी	खेल	खिलाड़ी	खेल
आस्था दांगी	क्याकिंग/केनोइंग	आदित्य दुबे	साफ्ट टेनिस
अमन सिंह बिष्ट	बाक्सिंग	नीतू वर्मा	क्याकिंग-केनोइंग
प्रज्ञा सिंह	फेसिंग	भूरक्षा दुबे	वूशु
रितिका दांगी	सेलिंग	प्रगति दुबे	शूटिंग
अभिषेक परिहार	साफ्ट टेनिस	राजू सिंह	घुड़सवारी
दीपेश लश्करी	जिम्नास्टिक	सुबोध चौरसिया	साफ्ट बाल
पलक शर्मा	तैराकी	आवेश खान	क्रिकेट
आशी चौकसे	शूटिंग	नीरज राणा	हॉकी
खुशबू	हॉकी	धनंजय दुबे	टेनिस
सौम्या तिवारी	क्रिकेट	राजबीर सिंह पवार	क्रिकेट
इन्द्रजीत नागर	मलखंब		

- एकमात्र हॉकी छात्रावास नरसिंहपुर में है।
- **दुधिया रोशनी** से युक्त पहला स्टेडियन **रूपसिंह स्टेडियम** ग्वालियर है।

लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

अनिल धूपर	टेनिस

विश्वामित्र अवॉर्ड

खिलाड़ी-	खेल (बैडमिंटन)
रश्मि मालवीय	2022
पारितोष शर्मा	2021
विनय प्रजापति	2021
मोहन लाल बम्बोरिया	2021

राज्य के प्रमुख खेल पुरस्कार

- **विक्रम पुरस्कार –** यह राज्य का सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। 2013 से 1 लाख रुपये दिए जाते हैं। अब 2 लाख
- **एकलव्य पुरस्कार –** 1 लाख रु. दिये जाते हैं।
- **विश्वामित्र पुरस्कार –** प्रशिक्षकों को दिया जाता है। इसमें अब 2 लाख रुपये दिये गये जाते हैं।
- **कैप्टन रूपसिंह लाइफ टाइम एचिवमेंट अवार्ड –** 2 लाख
- **प्रभाष जोशी पुरस्कार** –2013 में स्थापित मलखम्ब में दियाजाने वाला 2 लाख रु. का अवार्ड है।

मध्य प्रदेश के प्रमुख खेल विद्यालय

- मध्य प्रदेश प्रथम आवासीय स्पोटिंग स्कूल - सीहोर
- मध्य प्रदेश हॉकी छात्रावास - नरसिंहपुर
- जनजातियों के लिए खेल स्कूल- अलीराजपुर
- भारतीय खेल प्राधिकरण का क्षेत्रीय केंद्र- भोपाल

विविध (सम्मेलन, मिशन, अभियान, एक्ट्स आदि)

- G-20 के वर्किंग ग्रुप की 4 बैठकें 2023 में, इंदौर, भोपाल और खजुराहों में हई।
- भोपाल में दो बैठकें, थिंग टैंक 20 की बैठक 18,19 जनवरी को हुई।
- खजुराहों में 22 और 23 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय नृत्य समारोह सम्पन्न हुआ। (इसी बैठक के समक्ष खजुराहों में ही G-20 की बैठक भी सम्पन्न हुई)।
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया।

सिख संग्रहालय

- मध्य प्रदेश में पहला सिख संग्रहालय बुरहानपुर में स्थापित है।
- बुरहानपुर में गुरू गोविंदसिंह (10वें एवं अंतिम सिख गुरू) 1708 में पधारे थे।

11वाँ नदी महोत्सव

- बांद्राभान (नर्मदा तवा संगम) होशंगाबाद में सम्पन्न।

एक्सेसेबिल मध्य प्रदेश

- इंडिया एक्सेसेबिल की तर्ज पर यह अभियान मध्य प्रदेश में लागू।

विश्व आदिवासी सम्मेलन

- अगस्त, 2024 में इंदौर में सम्पन्न।

ओल्ड एज होम

- मध्य प्रदेश का पहला ओल्ड एज होम भोपाल में।
- प्रदेश के पहले दो ओल्ड एज होम–अगरतला (त्रिपुरा) एवं चंडीगढ़ में है।

पंच परमेश्वर पोर्टल

- मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायतों के द्वारा किये जाने वाले आय-व्यय का पूरा ब्योरा रखने के लिए पंच परमेश्वर पोर्टल एवं एप्प को लांच किया गया है।

मध्य प्रदेश लाडली लक्ष्मी (बालिका प्रोत्साहन) कानून-2018

- योजना को कानूनी रूप प्रदान किया गया।

नदी जोड़ो अभियान

- केन-बेतवा लिंक–राष्ट्रीय अमृत क्रांति परियोजना का भाग।
- नर्मदा–क्षिप्रा (सिंहस्थ लिंक)
- नर्मदा–गंभीर (मालवा परियोजना)
- नर्मदा–पार्वती

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मध्य प्रदेश : अति महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तथ्य

→ मध्य प्रदेश की 5 वीं आर्द्रभूमि घोषित किया गया- **तवा जलाशय को**

→ मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लाडली बहना योजना के अन्तर्गत देय राशि है- **₹ 1250**

→ लाडली बहना योजना के अन्तर्गत शामिल महिलाओं को 'सावन का शगुन' के रूप में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा देय अतिरिक्त राशि है- **₹ 250**

→ विश्व की सबसे बड़ी टॉवल बनाने की ट्राइडेंट ईकाई मध्य प्रदेश में स्थापित की गई **बुधनी में**

→ जैविक कपास के उत्पादन में शीर्ष राज्य है- **मध्य प्रदेश**

→ मध्य प्रदेश के कुल कृषि क्षेत्रफल में उद्यानिकी फसलों की भागीदारी है- **11.20 प्रतिशत**

→ मध्य प्रदेश मसाला, धनिया, लहसुन, संतरा एवं टमाटर के उत्पादन में रखता है- **प्रथम स्थान**

→ मध्य प्रदेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार प्रचलित मूल्यों पर प्रदेश की प्रतिव्यक्ति आय है- **₹1,42,565 (स्थिर मूल्यों पर ₹ 66,441)**

→ मध्य प्रदेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार वर्तमान मूल्यों पर मध्य प्रदेश के जीएसवीए (सकल राज्य मूल्य वर्धित क्षेत्र) में क्षेत्रीय योगदान है- **प्राथमिक क्षेत्र (45.53%), द्वितीयक क्षेत्र (18.47%) तृतीयक क्षेत्र (36.00%)**

→ मध्य प्रदेश में मेरा गाँव मेरा तीर्थ योजना प्रारंभ किया गया- **21 फरवरी, 2022 को (हरदा जिले से)**

→ मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2022 में प्रदेश के नागरिकों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने हेतु संचालित योजना- **मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना**

→ मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर प्रस्तावित है- **भोपाल एवं जबलपुर**

→ हिन्दुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज में मध्य प्रदेश में दो विनिर्माण लाइनें स्थापित करने के लिए 350 करोड़ रूपये निवेश की घोषणा की है- **राजगढ़ संयंत्र में**

→ हाल ही में केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में भारत की प्रथम लघु स्तरीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (SSLNG) ईकाई राष्ट्र को समर्पित की- **विजयपुर में (गेल इंडिया लिमिटेड)**

→ हाल ही में मध्य प्रदेश का नया लोकायुक्त नियुक्त किया गया- **सत्येन्द्र कुमार सिंह को**

→ मध्य प्रदेश में RTI के दायरे में शामिल किया गया है- **सहकारी समितियों को**

→ हाल ही में फिल्म लापता लेडीज का चयन 97वें ऑस्कर पुरस्कार-2025 के लिए किया गया, इसकी शूटिंग मध्य प्रदेश में हुई थी- **सीहोर जिले में**

→ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के इस गाँव की महिलाओं द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में किये गये कार्यों का उल्लेख किया है- **रायपुरा, डिंडौरी एवं खोप गाँव, छतरपुर**

→ केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य है- **मध्य प्रदेश**

→ हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पीएम जन-मन मिशन में निम्न परिवारों के अविद्युतीकरण घरों तक बिजली पहुँचाने की कार्ययोजना स्वीकृत की- **बैगा, भारिया एवं सहरिया परिवारों को**

→ मध्य प्रदेश में बनकर तैयार हुआ देश का प्रथम जनमन आवास- **शिवपुरी जिले में**

→ 5 अक्टूबर, 2023 को मध्य प्रदेश में 2 नये जिलों को बनाया गया है, जो हैं- **क्रमशः पांढुर्णा (54वाँ), एवं मैहर (55वाँ)**

→ मध्य प्रदेश में लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों (ST) एवं अनुसूचित जाति (SC) के आरक्षित सीटें क्रमशः हैं- **अनुसूचित जनजातियों (ST) - 6 एवं अनुसूचित जातियों (SC) - 4**

→ मध्य प्रदेश राज्य का गठन तीन प्रदेशों को मिलाकर किया गया है, जो हैं- **मध्य प्रांत, मध्य भारत एवं विंध्य प्रदेश**

→ मध्य प्रदेश राज्य का अंतिम रूप से पुनर्गठन किया गया- **1 नवम्बर, 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य को अलग करके**

→ मध्य प्रदेश के राजकीय पशु, राजकीय पुष्प क्रमशः हैं- **बारहसिंगा एवं सफेद लिली**

→ मध्य प्रदेश का राजकीय खेल मलखम्ब को घोषित किया गया- **वर्ष 2013 में**

→ मध्य प्रदेश की राजकीय फसल है- **सोयाबीन**

→ मध्य प्रदेश का राजकीय नाट्य है- **माच**

→ मध्य प्रदेश का राजकीय नृत्य है- **राई**

→ मध्य प्रदेश का भौगोलिक विस्तार है- **21°6' से 26°30' उत्तरी अक्षांश तथा 74°9' से 82°48' पूर्वी देशांतर के मध्य**

→ मध्य प्रदेश की उत्तर से दक्षिण एवं पश्चिम से पूर्व लम्बाई है- **605 किमी. एवं 870 किमी.**

→ भारत की मानक समय रेखा मध्य प्रदेश के जिले से गुजरती है। **सिंगरौली जिले से**

→ मध्य प्रदेश का सबसे उत्तरी एवं सबसे दक्षिणी जिला है- **मुरैना एवं बुरहानपुर**

→ मध्य प्रदेश का सबसे पश्चिमी एवं पूर्वी जिला है- **अलीराजपुर एवं सिंगरौली**

→ मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित प्रदेश है- **उत्तर-पश्चिम में राजस्थान, उत्तर में उत्तर प्रदेश पूर्व में छत्तीसगढ़, दक्षिण में महाराष्ट्र एवं पश्चिम में गुजरात से घिरा है।**

→ मध्य प्रदेश की सीमा निम्न नदियों द्वारा निर्धारित होती है- **उत्तरी सीमा चम्बल एवं दक्षिणी सीमा ताप्ती नदी द्वारा**

→ मध्य प्रदेश की जलवायु निम्न प्रकार की है- **उष्ण कटिबंध मानसूनी जलवायु**

→ मध्य प्रदेश में सर्वाधिक एवं न्यूनतम वर्षा वाले जिले हैं- **पंचमढ़ी एवं भिंड**

→ मध्य प्रदेश की नदी जो कर्क रेखा को दो बार काटती है- **माही**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

→ कर्क रेखा मध्य प्रदेश के जिलों से गुजरती है- **14 जिलों से, जो हैं- रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा, राजगढ़, सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, उमरिया, शहडोल**

→ भोपाल, उज्जैन एवं इंदौर की अंक्षाशीय स्थिति है- **भोपाल (23°25'), उज्जैन (23°71') एवं इंदौर (22°71') है।**

→ मध्य प्रदेश में कुल संभागों की संख्या है- **10**

→ मध्य प्रदेश में कुल जिलों की संख्या है- **55**

→ मध्य प्रदेश में कुल नगर निगमों की संख्या है- **17**

→ मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की स्थापना वर्ष है- **1 नवंबर, 1956**

→ मध्य प्रदेश का हाईकोर्ट अवस्थित है- **जबलपुर में, पहले (नागपुर में)**

→ मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की खण्डपीठ स्थापित की गई है- **इंदौर एवं ग्वालियर में**

→ मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की तीसरी खण्डपीठ प्रस्तावित है- **भोपाल में**

→ मध्य प्रदेश का क्षेत्रफल है- **308252 वर्ग किमी.**

→ मध्य प्रदेश का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला- **शिवपुरी**

■ मध्य प्रदेश का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा जिला- **निवाड़ी**

■ मध्य प्रदेश की जनसंख्या है- **7.26 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार)**

■ मध्य प्रदेश में सर्वाधिक एवं न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला है- **क्रमशः इंदौर एवं निवाड़ी (वर्तमान में)**

■ मध्य प्रदेश में न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला है- **हरदा**

■ मध्य प्रदेश की साक्षरता दर है- **69.35 प्रतिशत (2011 की जनगणना के अनुसार)**

■ मध्य प्रदेश में अधिकतम एवं न्यूनतम साक्षरता वाला जिला है- **जबलपुर (81 प्रतिशत) एवं अलीराजपुर (36 प्रतिशत)**

■ मध्य प्रदेश का वर्तमान में लिंगानुपात है- **931**

■ मध्य प्रदेश में अधिकतम एवं न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला है- **क्रमशः बालाघाट (1021) एवं भिंड (857)**

■ मध्य प्रदेश का जनघनत्व प्रति वर्ग किलोमीटर है- **236 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर**

■ मध्य प्रदेश का दलहन उत्पादन में भारत में स्थान है- **प्रथम**

■ मध्य प्रदेश का कुल खाद्यान उत्पादन में भारत में स्थान है- **द्वितीय**

■ मध्य प्रदेश के जिलों की संख्या जिनकी सीमा उत्तर प्रदेश से लगती है- **14 जिलें**

■ मध्य प्रदेश के जिलों की संख्या जिनकी सीमा क्रमशः राजस्थान, महाराष्ट्र एवं गुजरात से लगती है- **राजस्थान (10 जिलें), महाराष्ट्र (10 जिलें), गुजरात (2 जिलें)**

■ मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन विधेयक, 2000 राष्ट्रपति द्वारा स्वीकृत किया गया- **25 अगस्त, 2000**

■ मध्य प्रदेश का भौगोलिक विभाजन किया गया है- **तीन भागों में (मध्य उच्च प्रदेश, सतपुड़ा श्रेणी, पूर्वी पठार)**

■ मध्य भारत के पठार को इस नाम से भी जाना जाता है- **सरसों की हाड़ी**

■ मध्य भारत का पठार मध्य प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का प्रतिशत है- **10.7 प्रतिशत**

■ मध्य भारत पठार या ग्वालियर चम्बल पठार की सबसे ऊँची चोटी है- **टोंगरा (430 मीटर), यह श्योपुर में स्थित है।**

■ बुन्देलखण्ड पठार का निर्माण चट्टानों के अपरदन से हुआ है- **नीस चट्टान**

■ बुन्देलखण्ड पठार के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के निम्न जिले शामिल किये जाते हैं- **दतिया, सागर, अशोक नगर, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना**

■ बुन्देलखण्ड की सबसे ऊँची चोटी है- **सिद्ध बाबा की चोटी**

■ बुन्देलखण्ड की गंगा कहा जाता है- **बेतवा नदी को**

■ बुन्देलखण्ड पठार में समतलप्राय मैदान पाए जाते हैं- **झाँसी एवं सागर के मध्य**

■ मालवा पठार का निर्माण हुआ है- **दक्कन ट्रैप की लावा तथा बेसाल्ट चट्टानों के टूटने से।**

■ मालवा पठार को इस नाम से भी जाना जाता है- **गेहूँ की डलियाँ**

■ मालवा पठार की सबसे ऊँची चोटी है- **सिगार चोटी (881 मीटर)**

■ मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में निम्न पहाड़ियाँ अवस्थित हैं- **सिगार चोटी, जानपाव, धजारी**

■ रीवा-पन्ना का पठार मध्य प्रदेश में स्थित है- **बुन्देलखण्ड पठार के दक्षिण-पूर्व में तथा बघेलखण्ड के पश्चिम में।**

■ रीवा-पन्ना पठार का निर्माण हुआ है- **विंध्य शैल समूह के अपरदन से**

■ रीवा-पन्ना पठार को अन्य नाम से भी जाना जाता है- **विध्यन कगारी या स्कार्पलैंड**

■ रीवा-पन्ना पठार की सबसे ऊँची चोटी है- **गुडविल चोटी (752 मी.) दामोह जिले में**

■ मध्य प्रदेश में जेबरा गुम्बद स्थित- **दामोह जिलें में रीवा-पन्ना पठार के अन्तर्गत**

■ मध्य प्रदेश से प्रभावित होने वाली नर्मदा नदी की सहायक नदियाँ हैं - **तवा, हिरण, शेर, हथिनी, शक्कर, दूधी**

■ नर्मदा घाटी क्षेत्र में उत्पादित मुख्य फसलें हैं- **इसके पश्चिम में कपास एवं मूँगफली, मध्य क्षेत्र में गेहूँ एवं पूर्वी क्षेत्र में चावल का उत्पादन**

■ नर्मदा घाटी क्षेत्र में वर्षा की मात्रा में परिवर्तन होता है- **पश्चिम से पूर्व की ओर जाने पर क्रमशः बढ़ती जाती है।**

■ सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी की पश्चिम से पूर्व की तरफ पहाड़ियाँ विस्तृत हैं- **पश्चिमी श्रेणी (राजपीपला), मध्य श्रेणी (महादेव), पूर्वी श्रेणी (मैकाल श्रेणी)**

■ सतपुड़ा मैकाल श्रेणी नर्मदा घाटी के दक्षिण में समानांतर स्थित है, इसका अंक्षाशीय विस्तार है- **21°30' से 23° उत्तरी अक्षांश तथा 74°30' से 81° पूर्वी देशान्तर तक**

■ सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी निम्न चट्टानों की बनी है- **दक्कन ट्रैप के साथ-साथ धारवाड़ क्रम की चट्टानों से।**

■ सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी के मध्य श्रेणी (महादेव), पूर्वी श्रेणी (मैकाल श्रेणी) का विस्तार है- **मध्य श्रेणी (महादेव) का विस्तार मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र एवं पूर्वी श्रेणी (मैकाल श्रेणी) का विस्तार मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में है।**

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- मध्य प्रदेश के सतपुड़ा- मैकाल श्रेणी की प्रमुख नदियाँ हैं- **ताप्ती, वेनगंगा, शक्कर, दूधी, पेंच, वर्धा, बावनथड़ी**
- मध्य प्रदेश के सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी की प्रमुख नदियाँ है- **ताप्ती, कैनगंगा, शक्कर, दूनी, पेंच, वर्धा, बावनथड़ी**
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा वाला क्षेत्र है- **पूर्वी पठार या बघेलखण्ड का पठार (वर्षा 125-140 सेमी.)**
- मध्य प्रदेश में स्थित पूर्वी पठार या बघेलखण्ड में प्रवाहित होने वाली नदियाँ हैं- **सोन, जोहिला, बनास, एवं गोपद**
- मध्य प्रदेश में लाल-पीली मिट्टी पाई जाती है- **पूर्वी पठार या बघेलखण्ड पठार में**
- बघेलखण्ड में स्थित सोन तथा महानदी का जल द्विभाजक का कार्य करता है- **देवगढ़ का पठार (सरगुजा छत्तीसगढ़)**
- विंध्याचल पर्वत श्रेणी जल विभाजक का कार्य करता है- **नर्मदा एवं गंगा नदी**
- पन्ना में हीरे की खाने श्रेणी के अन्तर्गत आती है- **बिजावर श्रेणी**
- पन्ना जिले से हीरा प्राप्त होता है- **भोगन नदी से**
- नियोजन के आधार पर मध्य प्रदेश को विभाजित किया गया है- **7 भागों में**
- मध्य प्रदेश के जबलपुर इन्डस्ट्रियल-फारेस्ट प्रदेश में स्थापित जिलें हैं- **जबलपुर, सागर, दामोह, नरसिंहपुर, मंडला**
- मध्य प्रदेश के इंदौर एग्रो-इन्ड्स्ट्रियल प्रदेश में शामिल जिले हैं- **इंदौर, मन्दसौर, रतलाम, धार, उज्जैन, झबुआ, देवास**
- विंध्याचल पर्वत श्रेणी का पश्चिम से पूर्व विस्तार है- **विंध्याचल (पश्चिम), भांडेर (मध्य), कैमूर (पूर्व)**
- विंध्याचल पर्वत श्रेणी के पश्चिमी श्रेणी विंध्याचल में निम्न पहाड़ियाँ शामिल हैं- **मांडू, असर्फी पहाड़ी, वांचू प्वांइट, काकड़ी वर्डी, सलकनपुर एवं भीमबेटिका**
- विंध्याचल पर्वत श्रेणी के पूर्वी विस्तार कैमूर के अंतर्गत निम्न पर्वत शामिल किए जाते है- **त्रिकुटा पर्वत (मैहर), गिद्धराज पर्वत (सतना)**
- यमुना एवं सोन नदी के मध्य जल विभाजक का कार्य करता है- **कैमूर श्रेणी**
- केन नदी का उद्‌गम इस पहाड़ी से होता है- **कैमूर पहाड़ी से**
- सतपुड़ा पर्वत श्रेणी के पश्चिमी विस्तार राजपीपला के अन्तर्गत निम्न पहाड़ियों को शामिल किया जाता है- **अखरानी, बड़वानी, मथवार, बीजागढ़, ग्वालगढ़ एवं असीरगढ़**
- राजपीपला श्रेणी की सर्वोच्च चोटी है- **चूल गिरि (1215 मी.) बड़वानी जिले में**
- राजपीपला श्रेणी में स्थित इस श्रेणी को 'दक्षिण का प्रवेश द्वार' कहा जाता है- **असीरगढ़**
- सतपुड़ा पर्वत श्रेणी की मध्य श्रेणी (महादेव) के अन्तर्गत निम्न पहाड़ियाँ सम्मिलित की जाती है- **धूपगढ़, पंचमढ़ी, चौरागढ़, नन्दीगढ़, कालीभीत (बैतूल)**
- महादेव की सबसे ऊँची चोटी है- **धूपगढ़ (यह मध्य प्रदेश की भी सबसे ऊँची चोटी है)**
- सतपुड़ा श्रेणी की सबसे पूर्वी श्रेणी मैकाल श्रेणी के अंतर्गत निम्न पहाड़ियों को शामिल किया जाता है- **अमरकंटक, किरार घाटी, अचानकमार**
- छत्तीसगढ़ स्थित मैकाल की सर्वोच्च चोटी- **बदरगढ़ (1176 मी.)**
- लांजी हिल्स स्थित है- **बालाघाट में**
- लमहेटा हिल्स स्थित है- **जबलपुर में**
- ग्वालियर किला स्थित है- **गोपाचल पर्वत**
- मैहर स्थित शारदा माता का मंदिर स्थित है- **त्रिकूटा पर्वत पर**
- संकोली श्रेणी, चिल्पी श्रेणी एवं सौंसर श्रेणी पायी जाती है- **जबलपुर (संकोली), बालाघाट (चिल्पी श्रेणी) एवं छिंदवाड़ा (सौंसर)**

नोट- यह सभी धारवाड़ क्रम की चट्टानें हैं।

- मध्य प्रदेश में कड़प्पा चट्टानें पायी जाती हैं- **बिजवार श्रेणी एवं ग्वालियर श्रेणी**
- मध्य प्रदेश में दक्कन ट्रैप चट्टानें पायी जाती हैं- **पश्चिमी मध्य प्रदेश (मालवा में)**
- मध्य प्रदेश में विंध्य चट्टानें पायी जाती हैं- **कैमूर, भांडेर, सोन श्रेणी**
- मध्य प्रदेश में गोड़वाना चट्टानें पायी जाती हैं- **पेंच घाटी, सोन घाटी, जबलपुर व बघेलखण्ड**
- मध्य प्रदेश की 5 सबसे बड़ी नदियाँ हैं - **नर्मदा नदी (1312 किमी.), चम्बल नदी (965 किमी.), सोन नदी (780 किमी.), ताप्ती नदी (724 किमी.), बेतवा (590 किमी.)**
- चम्बल नदी का उद्‌गम होता है- **जानापाव पहाड़ी (महू), इंदौर**
- चम्बल नदी यमुना से मिलती है- **उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में**
- चम्बल नदी की सहायक नदियाँ हैं- **क्षिप्रा, शिवना, कालीसिंध ,पार्वती, कूनो, बनास, सीप**
- चम्बल की सबसे बड़ी सहायक नदी- **बनास नदी**
- क्षिप्रा नदी का उद्‌गम होता है- **इंदौर जिले की काकडी बर्डी पहाड़ी से**

नोट- इसे मालवा की गंगा कहा जाता है।

- मध्य प्रदेश स्थित बंजारा बांध स्थित है- **सीप नदी पर, इसका उदगम श्योपुर से होता है**
- मध्य प्रदेश स्थित पशुपतिनाथ का मंदिर स्थित है- **मंदसौर में शिवाना नदी के तट पर**
- शिवना नदी का उद्‌गम होता है- **रतलाम जिले से**
- गाँधी सागर, राणा सागर, जवाहर सागर बाँध, नदी पर स्थित है- **चम्बल नदी पर, ये बाँध क्रमशः मंदसौर, चित्तौड़गढ़ एवं कोटा में स्थित हैं।**
- चूलिया, शीतलामाता, झाड़ीदाह जल प्रपात स्थित हैं- **चम्बल नदीं पर, ये प्रपात क्रमशः भैंसरोडगढ़ एवं इंदौर में स्थित है।**
- अपरदन अथवा बीहड़ (रीवाइन लैंड का निर्माण होता है- **चम्बल नदी द्वारा**
- मध्य प्रदेश के बीहड़ प्रभावित जिलें हैं- **श्योपुर, मुरैना, भिंड**
- चम्बल नदीं पर चम्बल घड़ियाल केंद्र स्थित है- **मुरैना में**
- डॉल्फिन संरक्षण मध्य प्रदेश में किया जा रहा है- **चम्बल नदी में**
- चम्बल नदी का पुराना नाम है- **चर्मावती एवं कामधेनु**
- रामेश्वर त्रिवेणी संगम का निर्माण होता है- **बनास, सीप एवं चंबल नदी द्वारा राजस्थान में**
- मध्य प्रदेश में चंबल का ब्रांड अम्बेसडर बनाया गया है **- डॉल्फिन मछली को**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- बेतवा नदी का उद्गम होता है
  - रायगंज के समीप कुम्हरा गाँव गौहरगंज के समीप
- बेतवा नदी मिलती है
  - उत्तर-प्रदेश के हमीरपुर जिले में यमुना नदी में
- बेतवा नदी की लम्बाई है **- 590 किमी.**
- बेतवा की सहायक नदी है **- बीना, धसान एवं जामनी**
- बेतवा नदी पर स्थित प्रमुख सहायक परियोजना हैं **- सम्राट अशोक परियोजना (विदिशा), राजघाट (रानी लक्ष्मीबाई) परियोजना (म.प्र.एवं उ.प्र.) माताटीला परियोजना (म.प्र. व उ.प्र.), परीछा परियोजना (उ.प्र.)**
- मध्य प्रदेश में सती प्रथा के साक्ष्य मिले हैं
  - सागर जिल में बीना नदी के किनारे एरण नामक स्थान पर
- बेतवा का आईलैण्ड कहा जाता है
  - देवगढ़ के किले को (उ.प्र.)
- भालकुण्ड (राहतगढ़) जल प्रपात स्थित है
  - बीना नदी पर सागर जिले में
- बेतवा नदी के किनारे स्थित मध्य प्रदेश के शहर हैं
  - विदिशा, भोजपुर, साँची, चन्देरी व ओरछा
- सिंध नदी का उद्गम होता है
  - लटेरी तहसील सिरोंज के समीप विदिशा से
- सिंध नदी की लम्बाई है **- 470 किमी.**
- सिंध की सहायक नदी है **- क्वॉरी, मऊहर पाहुज**
- सिंध नदी की प्रमुख परियोजनाएँ हैं
  - मणिखेड़ा परियोजना (शिवपुरी) गोपीकृष्ण बाँध (चौपन नदी, गुना)
- केन नदी का उद्गम होता है **- कैमूर पहाड़ी, कटनी जिला**
- केन नदी मिलती है **- उत्तर प्रदेश के बाँदा में युमना नदी में**
- केन नदी की सहायक नदी है
  - सोनार, गट्टेन, श्यामरी, मीरहसन, उर्मिल एवं चंद्रावल
- केन नदी पर स्थित प्रमुख परियोजनाएॅं
  - गंगऊ (पन्ना छत्तरपुर), रनगुवा (छतरपुर), उर्मिल (छतरपुर)
- केन नदी पर स्थित प्रमुख जल प्रपात
  - गाथा व पांडव जलप्रपात (पन्ना जिला), रनेह जल प्रपात (छतरपुर)
- केन नदी का पुराना नाम- **शुक्तिमती एवं दिर्णावती**
- भारत की प्रथम नदी लिंक परियोजना केन
  - केन बेतवा लिंक परियोजना (2005)
- मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा इस नदी को मध्य प्रदेश की सबसे सुन्दर नदी का दर्जा दिया गया है **- केन नदी**
- रतनगढ़ व सनकुँआ का मेला लगता है
  - सिंध नदी के किनारे, दतिया जिले में
- टोंस नदी का उद्गम होता है **- झुकेरी गाँव मैहर जिले से**
- टोंस नदी मिलती है **- उ.प्र. के प्रयागराज स्थित गंगा नदी में**
- टोंस की सहायक नदी है **- बीहड़, महना एवं बेलन नदी**
- टोंस नदी पर स्थित परियोजना-
  टोंस परियोजना, (रीवा जिला)
- टोंस नदी पर स्थित जल प्रपात-
  पूर्वा जल प्रपात (रीवा), पियावन व चचाई जल प्रपात (बीहड़ नदी, रीवा), केवटी जल प्रपात (महाना नदी, रीवा), बहुटी जल प्रपात (सेलर नदी, मऊगंज)
- मध्य प्रदेश का सबसे ऊँचा जल प्रपात **- बहुती जल प्रपात**
- सोन नदी का उद्गम होता है
  - अमरकंटक मैकाल श्रेणी अनूपपुर जिला।
- सोन नदी प्रवाहित होते हुए मिलती है- **मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश एवं बिहार से प्रवाहित होते हुए पटना के निकट गंगा में**
- सोन नदी की लम्बाई है **- 780 किमी.**
- सोन की सहायक नदी है
  - जोहिला, जारवही, बनास, गोपाद एवं रिहन्द
- सोन नदी पर स्थित प्रमुख बांध/परियोजनाएँ- **बाणसागर परियोजना (शहडोल जिले) रिहन्द परियोजना (उ.प्र. में)**
- सोन नदी को प्राचीन काल में जाना जाता था **- नन्द नदी**
- माही नदी का उद्गम होता है
  - मिण्डा गाँव, सरदारपुर (धार, जिला)
- माही नदी मुहाना बनाती है -
  मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं गुजरात से प्रवाहित होते हुए खम्भात की खाड़ी में
- माही की सहायक नदी है **- सोम, चाप, अनाज एवं जाखम**
- माही नदी पर स्थित परियोजनाएँ हैं -
  जमनालाल बजाज परियोजना (राजस्थान), कड़ाना बांध परियोजना (गुजरात)
- कर्क रेखा को दो बार काटती है **- माही नदी**
- बेणेश्वर त्रिवेणी संगम होता है
  - राजस्थान में माही, सोम व जाखम नदी के मिलने से
- माही नदी को कहा जाता है **- आदिवासी गंगा**
- चरणगंगा नदी एवं मनिहार नदी प्रवाहित होती है
  - बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान एवं माधव राष्ट्रीय उद्यान
- देनवा नदी एवं जोबट नदी प्रवाहित होती हैं
  - सतपुड़ा राष्ट्री उद्यान, एवं डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान
- नर्मदा नदी का उद्गम होता है **- अमरकंटक, अनूपपुर जिले से**
- नर्मदा नदी की कुल लम्बाई है
  - 1312 किमी मध्य प्रदेश में 1077 किमी.
- नर्मदा नदी मुहाना बनाती है **- खम्भात की खाड़ी में**
- नर्मदा नदी के अपवाह क्षेत्रे में शामिल राज्य
  -87% मध्य प्रदेश 11% गुजरात, 2% महाराष्ट्र
- नर्मदा नदी की बाएँ तट की सहायक नदी
  - थावर, बंजर, शेर, शक्कर, तवा, सुक्ता, कुंडा व गोई
- नर्मदा नदी की दायीं तट की सहायक नदी
  - हिरण, बारना, कोलार, मान व हथिनी
- गुजरात में मिलने वाली नर्मदा की सहायक नदी
  - कारा, कार्जन, खुर्दी एवं कोर्टर
- नर्मदा नदी पर स्थित प्रमुख परियोजनाएँ
  - थावर (मांडल) अवन्ति बाई (जबलपुर), इंदिरा सागर (खंडवा), देजला देवड़ा (खारगौन), महेश्वर (खरगौन), मान (धार), चंद्रशेखर (अलीराजपुर) लोअर गोई (बड़वानी), सरदार सरोवर (नर्मदा, गुजरात)
- नर्मदा नदी पर स्थित प्रमुख जल प्रपात
  - कपिलधारा, लक्ष्मणधारा, दूधधारा (अनूपपुर), धुँआधार (भेंड़ाघाट, जबलपुर), मन्धाता व दर्दी (खंडवा), सहस्त्रधारा (महेश्वर, खारगौन) जाखरपानी (गुजरात)

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- 24 फरवरी, 2020 को मध्य प्रदेश गौकुम्भ का आयोजन किया गया **- गौरीघाट (जबलपुर), नर्मदा नदी**
- बरमानका मेला आयोजित किया जाता है **- बरमान का घाट (नरसिंहपुर), नर्मदा नदी**
- मध्य प्रदेश का सबसे लम्बा घाट है **- महेश्वर घाट (खरगौन)**
- नर्मदा नदी मध्य प्रदेश के जिलों से प्रवाहित होती है **- 16 जिलों से**
- नर्मदा नदी का नमोदास नाम दिया गया **- टॉलमी द्वारा**
- नर्मदा नदी को कहा जाता है **- 'गिवर ऑफ प्लेजर'**
- मेघनाथ तपोस्थली जिसका वर्णन विष्णु पुराण में भी मिलता है अवस्थित है **- धार जिले के चंदन खेड़ी गाँव में**
- ताप्ती नदी का उद्गम होता है **- बैतूल जिले के मुल्ताई से**
- ताप्ती नदी मुहाना बनाती है **- मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात से होते हुए खम्भात की खाड़ी में गिरती है**
- ताप्ती नदी की लम्बाई है **- 724 किमी.**
- ताप्ती नदी की सहायक नदियाँ हैं **- पूर्णा, गिरना, बोरी, पांजरा, अमरावती एवं अरुणावती**
- ताप्ती नदी पर स्थित परियोजनाएँ हैं **- पारसडोह बाँध, हटनूर बाँध (महाराष्ट्र), उकाई परियोजना (गुजरात)**
- ताप्ती नदी का अन्य नाम है **- सूर्यपुत्री**
- ताप्ती नदी के किनारे स्थित प्रमुख शहर **- बुरहानपुर, भुसावल, सूरत**
- वेनगंगा नदी का उद्गम होता है **- मुंडारा गाँव (गोपाल गंज) सिवनी जिले से**
- वेनगंगा नदी मिलती है- **मध्य प्रदेश से निकल कर महाराष्ट्र में प्राणहिता में मिलती है, अंतः में गोदावरी में मिल जाती है।**
- वेनगंगा की लम्बाई **- 569 किमी.**
- वेनगंगा की सहायक नदियाँ हैं **- वर्धा, बाघ, अंधरी, पेंच, बावनथड़ी**
- वेन गंगा नदी पर स्थित परियोजनाएँ हैं **- संजय सरोवर/भीमगढ़ बांध, धूती बाँध,**
- राजीव सागर परियोजना स्थित है **- बावनथड़ी नदी पर**
- माचागोरा बाँध स्थित है **- पेंच नदी पर छिंदवाड़ा में**
- मध्य प्रदेश की पहली नहर है **- वेनगंगा नहर, जिसका निर्माण 1923 में किया गया था।**
- वेनगंगा नदी के किनारे स्थित मध्य प्रदेश का शहर **- बालाघाट**
- वेनगंगा को पुराणों में कहा गया है **- बेवा, वैया, एवं दिदि**
- वर्धा नदी का उद्गम होता है **- बैतूल जिले के कालीभीत पहाड़ी से**
- महाराष्ट्र में सेवाग्राम एवं पवनार आश्रम स्थित है **- वर्धा नदी के किनारे**
- प्राणहिता नदी मिलकर बनती है **- वर्धा एवं वेनगंगा**
- 'राइज ऑफ शिवगामी' उपन्यास में वर्णन है- **प्राणहिता नदी का**
- पेंच नदी का उद्गम हुआ है **- छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव से**
- पेंच नदी प्रवाहित होती है **- इंदिरा प्रियदर्शिनी पेंच राष्ट्रीय उद्यान से**
- 'लैंड ऑफ मोगली' कहा जाता है **- पेंच राष्ट्रीय उद्यान**
- 'द जंगल बुक' लिखा गया है **- रूडयार्ड किपलिंग द्वारा**
- मोगली का उल्लेख किया गया है **- 'द सेकंड जंगल बुक' एवं रेड डॉग बुक में**
- केन-बेतवा लिंक परियोजना में मध्य प्रदेश के कितने जिले शामिल हैं **- 9 जिले**
- लहचूरा बाँध स्थित है **- धसान नदी पर**
- निमाड़ का मैदान स्थित है **- असीरगढ़ पहाड़ियाँ एवं नर्मदा के मध्य**
- जबलपुर शहर को पानी की आपूर्ति की जाती है **- बरगी जलाशय से**
- बाण सागर-1 परियोजना स्थित है **- रीवा में**
- बाणसागर-III या देवलोंद परियोजना स्थित है **- शहडोल में (सोन नदी पर)**
- स्नेह जल प्रपात स्थित है **- छतरपुर जिले में केन एवं खद्दर नदी द्वारा निर्मित**
- पंचमढ़ी शहर को जल आपूर्ति की जाती है **- जमुना जलप्रपात द्वारा**
- मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी झील- **भोजपुर (भोपाल में स्थित)**
- लाखा बंजारा झील एवं लोकपाल सागर झील अवस्थित है **- सागर एवं पन्ना में**
- ग्वाल सागर, धरम सागर एवं मुंज सागर झील अवस्थित है **- क्रमशः टीकमगढ़ जिला, पन्ना नगर एवं धार जिले में**
- हनुमान ताल, सांख्य सागर, रानी तालाब अवस्थित है **- क्रमशः जबलपुर, शिवपुरी एवं रीवा में है।**
- गोविंदगढ़ तलाब, संग्राम सागर झील एवं चिड़ीखों झील अवस्थित है **- क्रमशः रीवा, जबलपुर, एवं राजगढ़ में।**
- मालवा ए कश्मीर के नाम से जाना जाता है **- नरसिंहगढ़ (चिड़ीखों) को**
- मुंज सागर झील का निर्माण कराया गया- **वाकपति मुंज के द्वारा**
- मध्य प्रदेश में आर्द्रभूमियों की संख्या है- **5 भोजताल (2002), सांख्य सागर (2022), सिरपुर तालाब (2022), यशवंत सागर (इंदौर, 2022), तवा जलाशय (2024)**
- मध्य प्रदेश में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा रामसर आर्द्रभूमि स्थल है **- सिरपुर आर्द्रभूमि**
- लोअर झील, अपरझील, शाहपुरा झील, मनीषा झील एवं तालाब झील स्थित है **- भोपाल में**
- मध्य प्रदेश के सर्वाधिक क्षेत्रफल पर पायी जाने वाली मृदा **- काली मृदा (47% भाग पर)**
- स्वंय जोत वाली मृदा है **- काली मृदा**
- काली मृदा का काला रंग होता है **- टिटेनीफेरस मैग्नेटाइट के कारण**
- लाल-पीली मिट्टी का निर्माण होता है **- ग्रेनाइट एवं नीस चट्टानों के अपरदन से**
- लाल-पीली मिट्टी का विस्तार मध्य प्रदेश के भू-भाग पर विस्तृत है **- 33 प्रतिशत**
- जलोढ़ मृदा का विस्तार मध्य प्रदेश के भू-भाग पर विस्तृत है **- 3 प्रतिशत**
- लैटेराइट मृदा का विस्तार मध्य प्रदेश के भू-भाग पर विस्तृत है **- 2.5 प्रतिशत पर**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- लैटेराइट मृदा में कमी होती है **- ह्यूमस**
- मिट्टी बचाओ आंदोलन की शुरूआत हुई थी- **वर्ष 1977 में मध्य प्रदेश में तवा बांध के कारण जलभराव एवं लवणता के खिलाफ शुरू**
- अवनालिका अपरदन देखने को मिलता है- **चम्बल नदी के द्वारा**
- अम्लीय मृदा के समाधान हेतु प्रयोग किया जाता है **- चूना**
- क्षारीय मृदा के समाधान हेतु उपयोग किया जाता है **- जिप्सम एवं पायराइट का**
- मध्य प्रदेश में सिटी ऑफ कोर्न कहा जाता है **- छिंदवाड़ा को**
- मध्य प्रदेश में शीर्ष कपास उत्पादक क्षेत्र है **- खारगोन, खंडवा, बड़वानी, बुरहानपुर आदि**
- मध्य प्रदेश को कृषि कर्मण पुरस्कार लगातार 7वीं बार प्राप्त हुआ **- वर्ष 2021 में**
- मध्य प्रदेश का आँवला जिला कहा जाता है **- पन्ना को**
- मध्य प्रदेश का अंगूर नगरी कहा जाता है **- रतलाम को**
- मध्य प्रदेश केला अनुसंधान केन्द्र प्रस्तावितत है **- सुखपुरी (बुरहानपुर)**
- मध्य प्रदेश में नूरजहाँ एवं सुन्दरजा आय की किस्में पायी जाती हैं **- क्रमशः अलीराजपुर एवं रीवा में**
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक फल उत्पादक जिला है **- रतलाम**
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक सब्जी उत्पादक जिला **- छिंदवाड़ा**
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक मसाला उत्पादक जिला है **- बुरहानपुर**
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक सिंचाई का साधन है **-कुँआ एवं नलकूप (67.3 प्रतिरात), तालाब (2.7 प्रतिशत), नहरों (17.6 प्रतिशत)**
- मध्य प्रदेश में कुएँ एवं नलकूप से सर्वाधिक सिंचाई होती है **- मालवा क्षेत्र में**
- चिमाता एवं दाहिया (बेवर) झूम कृषि की जाती है **- क्रमशः भील एवं बैगा जनजाति द्वारा**
- मध्य प्रदेश में चना, सरसों एवं श्री अन्न अनुसंधान केन्द्र प्रस्तवित है **- क्रमशः उज्जैन, ग्वालियर, एवं डिंडोरी में**
- मध्य प्रदेश में क्षेत्रफल एवं प्रतिशत की दृष्टि से नहरों द्वारा सर्वाधिक सिंचाई होती है **- दतिया जिले में**
- मध्य प्रदेश की प्रथम नहर जिसका निर्माण वर्ष 1923 में किया गया **- बैनगंगा नहर**
- मध्य प्रदेश में क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक सिंचित जिला **- ग्वालियर/होशंगाबाद है**
- मध्य प्रदेश में खेत तालाब योजना शुरू की गई **- 2007 से**
- मध्य प्रदेश में क्षेत्रफल की दृष्टि से न्यूनतम सिंचित जिला-**डिंडोरी**
- मध्य प्रदेश में प्रतिशत की दृष्टि से सर्वाधिक सिंचित जिला **- ग्वालियर**
- मध्य प्रदेश में प्रतिशत की दृष्टि से न्यूनतम सिंचित जिला- **डिंडोरी**
- मध्य प्रदेश में पगारा बाँध बनाया गया है **- ग्वालियर रियासत में वर्ष 1927 में**
- गुलाब सागर नहर से सिंचाई की जाती है **- सीधी जिले में**
- मध्य प्रदेश में गेहूँ अनुसंधान केन्द्र है– **- पवारखेड़ा (होशंगाबाद)**
- मध्य प्रदेश में कपास अनुसंधान केन्द्र अवस्थित है **- खरगौन**
- मध्य प्रदेश वन अनुसंधान केन्द्र है **- जबलपुर में**
- मध्य प्रदेश में क्षेत्रीय गेहूँ अनुसंधान केन्द्र **- इंदौर**
- मध्य प्रदेश में AEZ की शुरूआत हुई थी **- इंदौर से वर्ष 2002 में**
- मध्य प्रदेश का पहला जल पर्यटन केन्द्र कहा जाता है– **हनुवंतीया टापू**
- जल पुरुष राजेन्द्र सिंह द्वारा ''नदी नायक'' की उपाधि से नवाजा गया– **शिवराज सिंह चौहान को**
- मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं– **उमंग सिंगार**
- कैबिनेट ने खाद्य पौध अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की अनुमति दी है– **अमलहा सीहोर में**
- मध्यप्रदेश में गाने के बोल ''ऐ मेरे वतन के लोगों'' लिखने के लिए प्रसिद्ध हैं– **कवि प्रदीप**
- मध्यप्रदेश के किस जिले में रामलीला का मेला आयोजित होता है– **ग्वालियर में**
- मध्य प्रदेश के किस वन में नेशनल ज्योग्राफिक के पुरस्कार विजेता 'लैंड ऑफ द टाइगर्स' शूट किया गया था– **कान्हा राष्ट्रीय उद्यान**
- मध्य प्रदेश में प्रचलित लोक-गीत है– **गावलन और साँझा**
- जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश के किस जिले में राज्य के ग्रामीण आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा है– **रीवा में**
- मध्य प्रदेश के भोपाल जिले के साथ सीमा साझा करता है– **राजगढ़ जिला**
- मध्य प्रदेश में भोजशाला नामक संस्कृत अध्ययन के लिए 11वीं सदी का केन्द्र और सरस्वती मंदिर स्थित है– **धार में**
- भोपाल में ऊपरी झील में भारत का पहला नौकायन स्कूल स्थापित हुआ था– **2006 में**
- मध्य प्रदेश में निम्न लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया जाता है– **मटकी और गणगौर**
- मध्य प्रदेश में हाल ही में शुरू मिशन वन क्लिक योजना सम्बन्धित है– **स्कूल छात्रवृत्ति वितरित करने के लिए**
- मध्य प्रदेश राज्य द्वारा स्थापित किया गया था– **राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान**
- मध्य प्रदेश में 'दक्षिण का द्वार' कहा जाता है– **बुरहानपुर जिले को**
- मध्य प्रदेश के एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व मोहम्मद बिलाल खत्री जाने जाते हैं– **शिल्पकारिता के लिए**
- जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश की जनसंख्या का घनत्व है– **236**
- मध्य प्रदेश में आयोजित किया जाता है– **हिरा भूमिया और तेताजी का मेला**
- यदि आपको भोपाल से राजस्थान की यात्रा कार द्वारा कम से कम दूरी में तय करना चाहते हैं तो आपको जान होगा– **राजगढ़ जिले से**
- मध्य प्रदेश के ताज उल मस्जिद, गौहर महल और वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के पर्यटन स्थल स्थित हैं– **भोपाल में**
- जनगणना 2011 के अनुसार, मध्य प्रदेश का सबसे घनी आबादी वाला जिला है– **भोपाल**
- एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना को अंजाम देने के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है– **उच्च शिक्षा विभाग को**
- सबसे पुराना घराना है– **ग्वालियर घराना**
- भोपाल में सिंगापुर के एक विश्वविद्यालय की सहायता से निर्माण होगा– **सबसे बड़ा वैश्विक कौशल पार्क का**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- भोपाल में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा उद्घाटन किया गया था– **भारत भवन का**
- उस्ताद अल्लाउद्दीन खान संगीत एवं कला अकादमी मध्य प्रदेश में स्थित है– **भोपाल जिले में**
- मध्य प्रदेश के जंगलों द्वारा प्राप्त किया जाता है– **लकड़ी-बाँस और तेंदू पत्ता**
- मध्य प्रदेश में बटेश्वर मंदिर स्थित है– **मुरैना जिले में**
- भोपाल में कला परिषद स्थापित हुई थी– **वर्ष 1962 में**
- मध्य प्रदेश का तुलसी पुरस्कार स्थापित हुआ था– **1983-84 में**
- मध्य प्रदेश का तानसेन समारोह आयोजित किया जाता है– **ग्वालियर जिले में**
- मध्य प्रदेश की हाल ही में वन नीति पारित हुई थी– **वर्ष 2005 में**
- अविभाजित मध्य प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री थे– **पं. रविशंकर शुक्ला**
- मध्य प्रदेश के प्रशासनिक संभाग की संख्या है– **10**
- मध्य प्रदेश में रानी दुर्गावती संग्रहालय, धुंआधार फॉल्स और मदन महल किला, पर्यटन स्थल हैं– **जबलपुर में**
- मध्य प्रदेश में पातालपानी है– **इंदौर जिले में**
- जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश की ग्रामीण आबादी है– **72.8%**
- मध्य प्रदेश के अलावा भारत सरकार ने पारिस्थितिकी तंत्र सुधार की परियोजना शुरू की है– **छत्तीसगढ़ में**
- बाबा अलाउद्दीन खान से संबंधित घराना था– **मैहर घराना**
- एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना में मध्य प्रदेश के साथ निम्न राज्य की भागीदारी हुई है– **नागालैंड और मणिपुर**
- मध्य प्रदेश के किस स्थान में भारत में स्थित ज्योतिर्लिंगों में से एक है– **ओंकारेश्वर**
- भोपाल के फतेहगढ़ किले का निर्माण किया था– **दोस्त मुहम्मद खान ने**
- मध्य प्रदेश के बसदेवा गायक किस रंग के कपड़े पहने जाने के लिए जाने जाते हैं– **पीले रंग के**
- मध्य प्रदेश के प्रथम गैर-कॉंग्रेसी मुख्यमंत्री आये थे– **वर्ष 1977 में**
- मध्य प्रदेश आदिवासी संग्रहालय स्थित है– **भोपाल में**
- जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश का लिंग अनुपात है– **931**
- मध्य प्रदेश में देवी अहिल्या बाई पुरस्कार महिला कलाकारों को दिया जाता है– **आदिवासी, लोक और पारंपरिक कला में उत्कृष्टता के लिए**
- मध्य प्रदेश के मांडू में पर्यटन स्थल है– **अशरफी महल और नीलकंठ मंदिर**
- मध्य प्रदेश के किस प्रशासनिक विभाग में 3 जिले हैं– **चम्बल**
- भोपाल में भारत भवन का उद्घाटन हुआ था– **वर्ष 1982 में**
- छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के लिए मध्य प्रदेश विभाजित किया गया था– **वर्ष 2000 में**
- मध्यप्रदेश में भीमबेटका खोजा गया था– **वर्ष 1957 में**
- किस बेगम ने भोपाल पर शासन किया था– **सिकंदर बेगम**
- मध्य प्रदेश में तुलसी खोज संस्थान स्थित है– **चित्रकूट में**
- भारत की आजादी के समय मध्य प्रदेश की राजधानी थी– **नागपुर शहर**
- मध्य प्रदेश का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है– **डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय**
- मध्य प्रदेश में मैंगनीज अयस्क के लिए प्रसिद्ध जिला है– **बालाघाट**
- बीना तेल रिफाइनरी, मध्य प्रदेश में स्थित है– **सागर जिले में**
- मार्बल रॉक स्थित है– **जबलपुर के पास**
- मध्य प्रदेश शासन का 'तुलसी सम्मान' दिया जाता है– **लोक कला के क्षेत्र में**
- भोपाल गैस त्रासदी हुई थी– **सन् 1984 में**
- मध्य प्रदेश के एक प्रसिद्ध कलाकार अमजद अली खान जुड़े हुए हैं– **सरोद वाद्य यंत्र से**
- सांची स्तूप बनवाया गया था– **अशोक द्वारा**
- मध्य प्रदेश का मुर्गा (चिकन), जिसे हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किया गया है– **कड़कनाथ**
- मध्य प्रदेश में 'बाग प्रिंट' सम्बन्धित है– **कपड़ा मुद्रण से**
- अधरकांच गांव जो कि मोतियों की पारंपरिक 'गलसन माला' के लिए जान जाता है, मध्य प्रदेश में स्थित है– **अलीराजपुर जिले में**
- लक्ष्मी नारायण मंदिर, वास्तुकला की एक अनूठी शैली है जो कि किले और मंदिर का मिश्रण है, मध्य प्रदेश में स्थित है– **ओरछा जिले में**
- मध्य प्रदेश शासन के 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय' बसे होते हैं– **छोटे और बिखरे आवासों में**
- मधई जंगल, मध्य प्रदेश के जीवमंडलों में से एक हिस्सा है– **सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान का**
- मध्य प्रदेश शासन के द्वारा 'इकबाल पुरस्कार' दिया जाता है– **उर्दू साहित्य में उत्कृष्टता के लिए**
- मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में स्थित नेपा (एनईपीए) लिमिटेड उत्पादन करता है– **न्यूजप्रिंट का**
- मध्य प्रदेश में गन कैरिज फैक्ट्री स्थित है– **जबलपुर में**
- मध्य प्रदेश के बघेलखंड क्षेत्र में स्थित गायकों का एक पारंपरिक समुदाय है– **बसदेव**
- मध्य प्रदेश में भीमबेटका शैलाश्रय (रॉक शेल्टर्स) की खोज की गई और दुनिया को बताया गया– **वी. एस. वाकणकर द्वारा**
- रानी दुर्गावती ने भूतपूर्व मध्य प्रदेश की किस रियासत पर शासन किया था– **गोंडवाना**
- मध्य प्रदेश में 'नौरता' नामक लोक नृत्य शैली प्रचलित है– **बुंदेलखंड क्षेत्र में**
- खेल प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए दिया जाता है– **द्रोणाचार्य पुरस्कार**
- मध्य प्रदेश में कृषि-जलवायु क्षेत्र की संख्या है– **11**
- भारत के 9.38% भौगोलिक क्षेत्र का गठन करता है– **मध्य प्रदेश**
- उज्जैन में कुंभ मेले का आयोजन होता है– **प्रत्येक 12 वर्ष बाद**
- मध्य प्रदेश में बंदर कूदनी, मार्बल के पहाड़ स्थित हैं– **जबलपुर जिले में**
- मुगलों से आधी शताब्दी तक लड़ाई की और बुंदेलखंड को मुक्त करवाया– **राजा छत्रसाल ने**
- मालवा का सामुदायिक नृत्य है– **मटकी**
- मध्य प्रदेश में जनजातीय कला और सांस्कृतिक परंपराओं का सर्वेक्षण और दस्तावेज (डाक्यूमेंट्स) आयोजित करता है– **लोक कला परिषद**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- लकड़ी के प्लेटों से जुड़े धातु के छोटे-छोटे जिंगलर (खनखनाहट पैदा करने वाले) युक्त एक संगीत वाद्ययंत्र है– **खरताल**
- खजुराहो नृत्य महोत्सव के दौरान नहीं किया जाता है– **मटकी नृत्य**
- मध्य प्रदेश में सैन्य शहीदों के परिवारों का सम्मान करने के लिए प्रत्येक वर्ष 'शहीद सम्मान दिवस' मनाया जाता है– **14 अगस्त को**
- डॉ. बी. आर. अम्बेडकर द्वारा शोषित वर्ग संघ की स्थापना हुई थी– **वर्ष 1930 में**
- मध्य प्रदेश राज्य के अन्तर्गत, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना की पेंशन के लिए पात्र हैं– **60 साल से अधिक उम्र के और गरीबी रेखा से नीचे के व्यक्ति**
- मध्य प्रदेश में राष्ट्रपति शासन के दौरान, इनकी भूमिका संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन में राज्य के मुख्यमंत्री के मंत्री परिषद की भूमिका के समान है– **सलाहकार की**
- मध्य प्रदेश शासन द्वारा आपदा प्रबंधन संस्थान (डीएमआई) की स्थापना की गई थी– **वर्ष 1987 में**
- मध्य प्रदेश का वह शहर जहां प्रत्येक वर्ष ध्रुपद समारोह का आयोजन किया जाता है– **भोपाल में**
- आधिकारिक शुभंकर प्राप्त करने वाले भारत के प्रथम वन्यजीव रिजर्व का नाम है– **कान्हा टाइगर रिजर्व**
- मजदूरों और गरीब परिवारों के लिए बिजली सब्सिडी देने हेतु मध्य प्रदेश शासन द्वारा 2018 में शुरू की गई योजना का नाम है– **संबल योजना**
- मध्य प्रदेश में भारत के प्रथम एकीकृत नियंत्रण और कमान केन्द्र का शुभारंभ किया– **भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड**
- बाणसागर बांध परियोजना में संयुक्त उद्यम नहीं है– **छत्तीसगढ़ राज्य**
- किस सिंचाई प्रणाली पर मध्यप्रदेश सिंचाई क्षमता सुधार परियोजना केन्द्रित है– **कुंडालिया सिंचाई परियोजना**
- प्रतिष्ठित पर्यटक स्थल विकास परियोजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश में विकास के लिए चयनित किया गया– **खजुराहो को**
- मध्यप्रदेश में भारतीय वन प्रबंधन संस्थान स्थित है– **भोपाल में**
- मध्य प्रदेश में भारत की एकमात्र मशीनीकृत हीरा खदान स्थित है– **पन्ना जिले में**
- होशंगाबाद की वह कंपनी जो बैंक नोट और सुरक्षा पत्र बनाती है– **सिक्योरिटी पेपर मिल**
- मध्यप्रदेश का वह खनिज जो मलाजखंड खदान से संबंधित है– **तांबा**
- मध्य प्रदेश के तीसरे मुख्यमंत्री थे– **श्री कैलाशनाथ काटजू**
- मध्यप्रदेश में सिरोंज शहर भूकंपीय क्षेत्र वर्गीकरण के अन्तर्गत आता है– **क्षेत्र II के**
- जैन साधु तरुण सागर का जन्म मध्य प्रदेश में हुआ था– **दमोह जिले में**
- भारत में निजीकरण किया गया पहला रेलवे स्टेशन स्थित है– **हबीबगंज**
- मध्यप्रदेश में जापानी औद्योगिक टाउनशिप स्थापित की जाएगी– **पीथमपुर में**
- मध्य प्रदेश में नौरादेही अभ्यारण्य स्थित है– **सागर जिले में**
- रानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा संरक्षित रेशम और सूती धागे के साथ बुने हुए कपड़े का नाम है– **महेश्वरी साड़ी**
- पंडित शिवकुमार शर्मा उस्ताद हैं– **संतूर वाद्य यंत्र के**
- मध्य प्रदेश का राजकीय पक्षी है– **दूधराज या सुल्ताना बुलबुल (एशियाई पैराडाइज फ्लाईकचर)**
- मध्य प्रदेश में कछुए की एकमात्र प्रजातियां पाई गई– **जियोकेलोन एलिगेंस**
- मध्यप्रदेश के रिलो जनजातीय गीत गाए जाते हैं– **भारिया जनजाति द्वारा**
- मध्यप्रदेश में विंध्याचल सुपर थर्मल पावर स्टेशन स्थित है– **सिंगरौली में**
- सब्सिडीकृत बिजली कनेक्शन के लिए आरम्भ की गई– **संबल योजना**
- मध्य प्रदेश में प्रसाद योजना के तहत विकास के लिए स्थल चुना गया– **ओंकारेश्वर**
- मध्य प्रदेश की 'जीवन रेखा' के रूप में जाना जाता है– **नर्मदा नदी को**
- मध्य प्रदेश में देवरी घड़ियाल रियरिंग सेंटर स्थित है– **राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य में**
- मध्य प्रदेश में सम्राट अशोक की पत्नी के नाम पर रखा गया क्षेत्र था– **विदिशा**
- विदिशा में हेलिओडोरस स्तंभ समर्पित है– **भगवान विष्णु को**
- भोपाल में 'मस्जिद के ताज' के रूप में जाना जाता है और यह भारत में भी सबसे बड़ी मस्जिद है– **ताज-उल-मस्जिद**
- मध्य प्रदेश में युद्ध स्मारक 'शौर्य स्मारक' का उद्घाटन किया गया था– **भोपाल में**
- विज्ञान की संस्कृति के प्रचार के लिए योजना (एसपीओसीएस) को संस्कृति मंत्रालय के तहत जबलपुर में स्थापित किया जा रहा है– **उप-क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र**
- मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए 'नमामि देवी नर्मदे सेवा यात्रा' रोडमैप आयोजित किया गया था– **अमरकंटक में**
- इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के साथ कोचिंग ट्रेनों को शुरू किया गया था– **इटारसी से जबलपुर मार्ग पर**
- वह उस्ताद जिनके सम्मान में प्रति वर्ष मैहर, सतना में एक संगीत समारोह का आयोजन किया जाता है– **उस्ताद अलाउद्दीन खान**
- मध्य प्रदेश में डीजल लोकोमेटिव विनिर्माण सुविधा स्थित है– **सीहोर में**
- मध्य प्रदेश में संजय गांधी ताप विद्युत संयंत्र स्थित है– **बिरसिंहपुर में**
- मध्य प्रदेश सबसे बड़ा उत्पादक है– **सोयाबीन का**
- मध्य प्रदेश के वे दो शहर जहाँ मेट्रो रेल परियोजना को कार्यान्वित करने की योजना बनाई गई– **इंदौर और भोपाल**
- मध्य प्रदेश के वह मुख्यमंत्री जो सी. राजगोपालचारी के बाद भारत के तीसरे गृह मंत्री बने– **कैलाश नाथ काटजू**
- मध्य प्रदेश में नंदना प्रिंट के कपड़े पहनती है– **भील जनजाति**
- मध्य प्रदेश की राज्य मछली 'महाशीर' संबंधित है– **टोर जीन से**
- मध्य प्रदेश में बॉक्साइट पाया जाता है– **कटनी क्षेत्र में**
- सिंचाई दक्षता सुधार परियोजना के लिए आर्थिक रूप से मध्यप्रदेश की मदद करने के लिए सहमत हो गया– **एशियन विकास बैंक**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- मध्यप्रदेश में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा परिचालित हवाई अड्डे का स्वामित्व और रखरखाव किया जाता है– **खजुराहो में**
- किस हिन्दी फिल्म अभिनेत्री का जन्म और पालन-पोषण मध्य प्रदेश में हुआ था– **जया बच्चन**
- भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में, भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है– **मध्य प्रदेश**
- मध्य प्रदेश पुलिस का ध्येय वाक्य (आदर्श वाक्य) है– **देश भक्ति जन सेवा**
- 'भारतमाला' परियोजना का उद्देश्य है– **राजमार्गों का निर्माण करना**
- मध्य प्रदेश में गांवों की कुल संख्या है– **50000 से अधिक**
- लगभग 1/5 लोगों को आधिकारिक तौर पर अनुसूचित जनजातियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है– **मध्य प्रदेश में**
- मध्य प्रदेश में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान स्थित है– **ग्वालियर शहर में**
- 'अजीम प्रेमजी फाउंडेशन' ने मध्य प्रदेश के भोपाल, खरगोन और सागर नामक तीन जिलों में स्थापना की– **शिक्षक अध्यापन केन्द्रों (टीचर्स लर्निंग सेंटर्स) की**
- जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश में साक्षरता दर है– **69.32**
- हिन्दुस्तानी संगीत के जनक 'तानसेन' संबंधित हैं– **मध्यप्रदेश के बेहट से**
- ओशो रजनीश का जन्म मध्य प्रदेश में हुआ था– **रायसेन जिले के कुपवाड़ा ग्राम में 1931 में**
- मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम का ध्येय वाक्य (आदर्श वाक्य) है– **अतुल्य भारत का हृदय (द हार्ट ऑफ इनक्रेडिबल इंडिया)**
- मध्य प्रदेश में 'माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय' स्थित है– **भोपाल में**
- मध्य प्रदेश में सिक्योरिटी पेपर मिल स्थित है– **होशंगाबाद शहर में**
- मध्य प्रदेश से संबंधित 'मेरी इक्यावन कविताएँ' कृति है– **अटल बिहारी बाजपेयी की**
- कप्तान रूप सिंह स्टेडियम स्थित है– **ग्वालियर में**
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शिवराज सिंह चौहान ने पदभार संभाला था– **वर्ष 2005 में**
- जून 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा समर्पित 'मोहनपुरा सिंचाई परियोजना' आई है– **मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में**
- लोकप्रिय हिन्दी फिल्म कलाकार अशोक कुमार, अनूप कुमार और किशोर कुमार संबंधित हैं– **मध्य प्रदेश के खंडवा से**
- वर्ष 1923 में 'ध्वज सत्याग्रह' आयोजित किया गया था– **मध्य प्रदेश के जबलपुर में**
- शाहजहां की रानी मुमताज महल की मृत्यु हुई– **मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में**
- भोपाल में अनुसंधान और औद्योगिक स्टाफ प्रदर्शन केन्द्र (सीआरआईएसपी) स्थापित किया गया है– **जर्मनी के तकनीकी सहयोग द्वारा**
- मध्य प्रदेश में स्थित मझगवां खदान उत्पन्न करती है– **हीरे**
- मध्य प्रदेश में 'रुक जाना नहीं' योजना संबंधित है– **मध्य प्रदेश राज्य ओपन स्कूल से**
- भोपाल में आयोजित 'लोकरंग समारोह' प्रत्येक वर्ष मानाया जाता है– **गणतंत्र दिवस को**
- जनसंख्या का 75% गांवों में रहता है– **मध्य प्रदेश में**
- 1950 में ब्रिटिश सेंट्रल प्रांतों और बरार से मध्य प्रदेश की राजधानी बनाया गया था– **नागपुर को**
- मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी जनजाति है– **भील**
- वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश राज्य द्वारा फिल्म से संबंधित राष्ट्रीय पुरस्कार जीता गया था– **सर्वाधिक फिल्म मित्रतापूर्ण राज्य (मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट)**
- मध्यप्रदेश में आयोजित 'खजुराहो महोत्सव' संबंधित है– **शास्त्रीय नृत्य से**
- जून 2018 में कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम और कला एवं संस्कृति केन्द्र का उद्घाटन किया गया था– **मध्य प्रदेश के रीवा में**
- मध्य प्रदेश में मंडलों (डिवीजन) की संख्या है– **10**
- मध्य प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश हैं– **सुरेश कुमार कैत**
- अफीम और चरस का उत्पादन सबसे अधिक होता है– **मध्य प्रदेश के मंदसौर में**
- मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी हैं– **बसन्त कुमार सिंह**
- मध्य प्रदेश में स्थित बाघ अभयारण्यों में 'मोगली' की असली भूमि और रुडयार्ड किपलिंग द्वारा लिखित प्रसिद्ध 'जंगल बुक' का क्षेत्र माना जाता है– **पेंच राष्ट्रीय उद्यान**
- रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय स्थित है– **जबलपुर में**
- मध्य प्रदेश वित्तीय निगम का मुख्य कार्यालय स्थित है– **इंदौर में**
- मध्य प्रदेश शासन द्वारा 'राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान' दिया जाता है– **हिन्दी व्यंग्य के क्षेत्र में**
- जनगणना 2011 के अनुसार, मध्य प्रदेश के प्रति वर्ग किलोमीटर का औसत घनत्व है– **236**
- मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी मध्य प्रदेश में स्थित है– **जबलपुर में**
- मध्य प्रदेश में सांची के स्तूप में देखी जाने वाली सजावट की शैली को कहा जाता है– **भरहुत**
- राजा बनने से पहले सम्राट अशोक, वर्तमान में मध्य प्रदेश के राज्यपाल थे– **उज्जैन जिले के**
- मध्य प्रदेश की जनजातियों में सांस्कृति पहचान भागोरिया नृत्य शैली वाली जनजाति है– **बैगा**
- अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने वर्ष 1858 में अपना जीवन गंवा दिया था– **ग्वालियर के पास**
- क्षिप्रा नदी के तट पर स्थित है– **उज्जैन**
- भीमबेटका शैलाश्रय स्थित है– **रायसेन में**
- भारत के अमर कवि-नाटककार कालिदास जुड़े थे– **मध्य प्रदेश के उज्जैन से**
- मध्यप्रदेश शासन के गृहमंत्री हैं– **डॉ. मोहन यादव**
- मध्य प्रदेश के वर्तमान लोकायुक्त हैं– **सत्येन्द्र कुमार सिंह**
- भोपाल गैस त्रासदी हुई थी– **वर्ष 1984 में**
- उत्तरी मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो मंदिर को बनाया गया था– **राजा चंदेल द्वारा**
- निर्यात गुणवत्ता वाली मार्बल की खानें मौजूद हैं– **मध्य प्रदेश के स्लीमनाबाद में**

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- संदीपनी आश्रम, जहां माना जाता है कि भगवान कृष्ण और सुदामा ने अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की थी, वह स्थित है– **मध्य प्रदेश के उज्जैन में**
- मध्य प्रदेश के भावरा गांव (जिला-अलीराजपुर) में पैदा हुए स्वतंत्रता सेनानी थे– **चंद्रशेखर आजाद**
- मध्य प्रदेश सरकार का 'राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान' उन महिलाओं को दिया जाता है जो श्रेष्ठ होती हैं– **जनजातीय और लोक कलाओं के क्षेत्र में**
- मध्य प्रदेश विधान सभा में निर्वाचित सीटें हैं– **230**
- मध्य प्रदेश में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय को पहले जाना जाता था– **सागर विश्वविद्यालय के नाम से**
- मध्य प्रदेश अपने वर्तमान स्वरूप में अस्तित्व में आया– **1 नवम्बर 2000 को**
- भोपाल में स्थापित ग्लोबल स्किल्स पार्क का उद्देश्य है– **परिशुद्धता इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण प्रदान करना**
- मध्य प्रदेश में राज्य स्तरीय बैंकरों की समिति का संयोजक है– **सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया**
- भोपाल में स्थित भारत भवन एक मिलन भूमि है– **कलाकारों के लिए**
- मध्य प्रदेश में अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान स्थित है– **ग्वालियर में**
- बालाघाट और छिंदवाड़ा जिले में व्यापक रूप से पाया जाता है– **मैंगनीज खनिज भंडार**
- भारत में बिना मिनारों वाली एकमात्र जामा मस्जिद है– **मध्य प्रदेश में**
- इंदौर हवाई अड्डे का नाम रखा गया है– **देवी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर**
- महाभारत में चंदेरी शहर का उल्लेख किया गया है। महाभारत काल के दौरान चंदेरी का राजा था– **शिशुपाल**
- लौह में कलात्मक और उत्तम कार्य के लिए प्रसिद्ध करेरा, मध्य प्रदेश में स्थित है– **शिवपुरी जिले में**
- मध्य प्रदेश से संबंधित साड़ी का एक प्रसिद्ध प्रकार है– **चंदेरी**
- मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध लेखक हरिशंकर परसाई, हिंदी साहित्य की इस शाखा में लेखनी करते थे– **कविता**
- मध्य प्रदेश में प्रत्येक वर्ष 'महामृत्युंजय का मेला' आयोजित किया जाता है– **रीवा जिले में**
- मध्य प्रदेश शासन का 'देवी अहिल्या सम्मान' (देवी अहिल्या बाई अवार्ड) उन महिलाओं को दिया जाता है जो श्रेष्ठ होती हैं– **जनजातीय, सार्वजनिक और पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में**
- विंध्याचल रेंज की पहाड़ियों से घिरा हुआ शहर है– **चंदेरी**
- 1723 से 1728 के दौरान, अफगान जनरल गौस मोहम्मद खान के वंशजों ने वर्तमान मध्य प्रदेश में इस क्षेत्र पर शासन किया था– **भोपाल**
- मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में जन्म लेने वाले स्वतंत्रता सेनानी, जो आगे चलकर शंकराचार्य बने– **स्वरूपानंद सरस्वती**
- 'कांच मंदिर' जो केवल कांच और दर्पणों से बना है, स्थित है– **मध्य प्रदेश के इंदौर में**
- भारत में सबसे ऊँचे झरनों में से एक रजत प्रपात, स्थित है– **मध्य प्रदेश के होशंगाबाद में**
- जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश में, आबादी में सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई– **इंदौर में**
- जामा मस्जिद जिसे उर्दू और संस्कृत लिपि रखने वाली एकमात्र मस्जिद माना जाता है, स्थित है– **मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में**
- मध्य प्रदेश शासन की 'मुख्यमंत्री कौशल्या योजना' के लाभार्थी हैं– **महिलाएँ**
- 2014 में पाकिस्तान के एक कार्यकर्त्ता के साथ नोबेल शांति पुरस्कार के सह-प्राप्तकर्ता होने वाले भारतीय हैं– **कैलाश सत्यार्थी**
- मध्य प्रदेश में प्रसिद्ध माधव संगीत स्कूल 1918 में शुरू किया गया था– **विष्णु नारायण भातखंडे द्वारा**
- भूतपूर्व मध्य भारत के बिलासपुर में पैदा हुए थे और हिन्दी एवं मराठी रंगमंच में एक मिसाल बन गये थे– **सत्यदेव दुबे**
- 1966 में मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित लाल बहादुर शास्त्री लोक प्रशासन संस्थान का नाम बदलकर कर दिया गया– **आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबन्धकीय अकादमी**
- मध्य प्रदेश के महान संगीतकार पद्म विभूषण उस्ताद अलाउद्दीन खान बस गए– **मैहर में**
- मध्य प्रदेश में अप्रत्याशित भौगोलिक क्षेत्र जो दुर्लभ और मूल्यवान जड़ी बूटियों और औषधीय पौधों से संपन्न है का प्रतिशत है– **30% से अधिक**
- मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में 'ढोला मारू' नामक लोक गीत की उत्पत्ति हुई– **राजस्थान राज्य से**
- खजुराहो में प्रत्येक वर्ष 'लोकरंजन' नामक राष्ट्रीय त्यौहार आयोजित होता है जिसका संबंध है– **लोक नृत्य और कला के साथ**
- भारिया जनजाति की पारंपरिक नृत्य शैलियां हैं– **भरम, सेतम, सैला और अहिराई**
- मध्य प्रदेश के डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर संबंधित हैं– **पुरातत्व क्षेत्र से**
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, मध्य प्रदेश के जिलों में साक्षरता की दर सबसे ज्यादा है– **जबलपुर**
- रीवा में पुरवा झरने का निर्माण करती है– **तमसा नदी**
- सोनगिरी का तीर्थ स्थान संबंधित है– **जैनियों से**
- सिंध और बेतवा नदियों के बीच स्थित है– **अशोक नगर**
- उदयगिरि और खांडागिरी गुफाएं स्थित हैं– **उड़ीसा**
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, मध्य प्रदेश के जिलों में साक्षरता की दर सबसे कम है– **अलीराजपुर**
- भारतीय रेलवे ने मध्य प्रदेश के रेलवे स्टेशन का प्रबंधन करने के लिए बंसल ग्रुप के साथ एक अनुबंध किया है– **हबीबगंज**
- शाजापुर के गिरवर गांव में भगवान हनुमान की मूर्ति सदी से है– **5वीं**
- खरगोन जिले में सबसे प्रसिद्ध साड़ी का नाम है– **महेश्वरी**
- ग्रीष्मकाल के दौरान 1948 से 1956 तक मध्य भारत की राजधानी थी– **इंदौर**
- दमोह में जटाशंकर मंदिर को समर्पित है– **महादेव जी**
- इंदौर नगर निगम (आईएमसी) की स्थापना की गई थी– **1956**
- मध्य प्रदेश राज्य वन विकास बोर्ड स्थापित किया गया था– **24 जुलाई 1975**
- प्राचीन काल में 'अवंतिका' के नाम से जाना जाता था– **उज्जैन**
- मध्य प्रदेश के पहले मुख्य न्यायाधीश थे– **न्यायमूर्ति एम हिदायतुल्ला**
- रानी दुर्गावती संबंधित हैं– **जबलपुर से**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- मध्य प्रदेश में प्रतिभूति कागज कारखाना स्थित है– **होशंगाबाद**
- सिंगरौली का जिला मुख्यालय स्थित है– **बैढ़न में**
- सतना में गोला मठ स्थित है– **मैहर**
- मुरैना में 8वीं से 12वीं शताब्दियों के दौरान 22 मंदिरों का समूह स्थित है– **नरेसर में**
- होशंगाबाद में स्थित पर्वत शृंखलाओं के नाम– **सतपुड़ा**
- किस नदी के तट पर बालाघाट का शहर स्थित है– **वैनगंगा**
- गांधीसागर अभयारण्य के पश्चिमी और पूर्वी भाग को अलग करने वाली नदी है– **चंबल**
- लोक सेवा वितरण गारंटी पर कानून बनाने वाला भारत में पहला राज्य है– **मध्य प्रदेश**
- भीमबेटका गुफाएं प्रसिद्ध हैं– **शैल चित्रों के लिए**
- मध्य प्रदेश के ''लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन'' स्थित है– **ग्वालियर में**
- काफी उच्च श्रेणी का लौह अयस्क, पाया जाता है– **दुर्ग और बस्तर में**
- नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म हुआ था– **विदिशा में**
- मंगलनाथ का मंदिर, जो मंगल ग्रह को समर्पित है, स्थित है– **उज्जैन में**
- महाराज छत्रसाल की समाधि स्थित है– **धुबेला में**
- कर्नल मार्टिन द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था– **बैजनाथ महादेव मंदिर (नागर शैली, मालवा)**
- 2011 की जनगणना के अनुसार, मध्यप्रदेश की साक्षरता दर थी– **70.6%**
- मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय का प्रधान आसन है– **जबलपुर में**
- क्षेत्रफल (किलोमीटर^2) के अनुसार, भारत का सबसे बड़ा राज्य है– **राजस्थान**
- टीकमगढ़ जिले में स्थित कुंडदेव महादेव मंदिर स्थित है– **कुंडेश्वर में**
- नीमच जिला अन्य राज्य की सीमा को स्पर्श करता है– **राजस्थान को**
- इंदौर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है– **लाल बाग महल**
- माण्डू में रीवा कुंड स्मारक बाज बहादुर के बीच रोमांस के साथ जुड़ा हुआ है– **रानी रूपमती से**
- बालाघाट जिले में नलशेषा बांध का निर्माण किया गया है– **चंदन नदी पर**
- हिंडोला महल और जहाज महल दोनों स्थित हैं– **मांडू में**
- सांची की पहाड़ी की चोटी पर मूल 'पुरातत्व संग्रालय, सांची' की स्थापना की– **सर जॉन मार्शल ने (1919 में)**
- भारत में प्रसिद्ध साँची का स्तूप स्थित है– **मध्य प्रदेश राज्य में**
- चचाई जलप्रपात है– **बीहड़ नदी पर**
- मध्य प्रदेश में प्रसिद्ध विराटेश्वर मंदिर स्थित है– **शहडोल में**
- चिड़ीखो झील स्थित है– **नरसिंहगढ़ में**
- पुनासा बांध है– **खंडवा जिले में**
- देवी जोगेश्वरी मेला आयोजित किया जाता है– **चंदेरी में**
- प्रसिद्ध खजुराहो मंदिर स्थित हैं– **छतरपुर जिले में**
- जबलपुर में स्थित महत्वपूर्ण किला है– **मदन महल किला**
- महेश्वर स्थित है– **नर्मदा के किनारे पर**
- गुना में मल्हारगढ़ किले में स्थित बावड़ी (स्टेप वेल) का नाम है– **दोयाला बावड़ी**
- दमोह जिले में कुंडलपुर तीर्थयात्रा केन्द्र किस विशेष धार्मिक संप्रदाय के लिए है– **जैन**
- होल्कर राजवंश की खोज की– **मल्हार राव होल्कर ने**
- ख्याल गायन के लिए विख्यात इन्दौर घराने की स्थापना की थी– **उस्ताद आमीर खान ने**
- चित्रकूट रामायण की महाकाव्य अवधि से एक लोकप्रिय नाम है। चित्रकूट मध्य प्रदेश जिले में स्थित है– **सतना में**
- पटियन्दाई मंदिर और गोला मठ स्थित है– **सतना में**
- मंदसौर में डॉ रघुवीर सिंह के निजी संग्रहालय को कहा जाता है– **श्री नटनागर संस्थान**
- चौरागढ़ का प्रसिद्ध शिव मंदिर है– **पचमढ़ी में**
- देवास में प्रसिद्ध सिद्धेश्वर मंदिर स्थित है– **नेमावर में**
- स्वतंत्रता से पहले किसे ''निमाड़ के पेरिस'' के रूप में उल्लिखित किया गया था– **बड़वानी को**
- राजवाड़ा महल स्थित है– **इंदौर में**
- बाज बहादुर महल स्थित है– **माण्डु में**
- शहडोल संभाग में आते हैं– **शहडोल, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया जिले**
- 'धुनिवाले दादा की समाधि' स्थित है– **खंडवा में**
- छिंदवाड़ा में किस स्थान पर गर्म पानी का कुंड (गर्म जलस्त्रोत) स्थित है– **अनहोनी में**
- भारतीय शहर, भगवान पशुपतिनाथ के शहर के रूप में प्रसिद्ध है– **मंदसौर**
- 2017 में जारी 200 रु. के नए बैंक नोट को उल्टा करने पर मूल्यवर्ग की आकृति है– **सांची स्तूप**
- मध्य प्रदेश में अफीम की खेती की जाती है– **मंदसौर जिले में**
- मध्य प्रदेश में, मैंगनीज पाई गई– **बालाघाट और छिंदवाड़ा जिलों में**
- मोहज माता मंदिर शिवपुरी स्थित है– **तेराही में**
- सतना जिले का गोला मठ स्थित है– **मैहर में**
- मंदसौर में शिवना नदी के किनारे पर प्रसिद्ध मंदिर है– **पशुपतिनाथ का**
- हरदा जिले की प्रसिद्ध तेली की सराय स्थित है– **हंडिया में**
- मध्य प्रदेश के मशहूर गायक कुमार गंधर्व संबंधित हैं– **देवास से**
- जनसंख्या के आधार पर मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा शहर है– **इंदौर**
- विशेष जनजाति की जनसंख्या में नंबर एक स्थान पर है– **मध्य प्रदेश राज्य**
- बड़वानी में सबसे बड़ी प्रतिमा है– **भगवान आदिनाथ की**
- मध्य प्रदेश की 'ऊर्जा राजधानी' के रूप में जाना जाता है– **सिंगरौली**
- मध्य प्रदेश के पहले गृह मंत्री और बाद में नेहरू के मंडिमंडल में रक्षा मंत्री बने– **कैलाशनाथ काटजु**
- उज्जैन के महाकाल मंदिर में महाकालेश्वर की मूर्ति किस दिशा में है– **दक्षिण**
- सीधी जिले का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है– **संजय राष्ट्रीय उद्यान**
- नीमच में जवाद और मनसा प्रसिद्ध हैं– **चट्टान चित्रकारी के लिए**

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- रानी दुर्गावती संग्रहालय स्थित है– **जबलपुर**
- डिंडोरी में स्थापित जीवाश्म पार्क का नाम है– **घुघवा राष्ट्रीय जीवाश्म पार्क**
- ज्ञानदूत, एक ई-शासन परियोजना का प्रारंभ किया था– **मध्य प्रदेश राज्य ने**
- मध्य प्रदेश में मुद्वारा कहा जाता है– **कटनी जिले को**
- पयाली जल परिसर स्थित है– **सिवनी में**
- वर्तमान जिला कटनी पहले से एक हिस्सा था– **जबलपुर का**
- छतरपुर का प्रसिद्ध धनुषधारी मंदिर स्थित है– **अलीपुरा में**
- आगरा मालवा नदी बहती है– **छोटी काली सिंध**
- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कालिदास पुरस्कार नहीं दिया जाता– **कविता**
- अल्कालॉइड फैक्टरी स्थित है– **नीमच स्थान पर**
- उमरिया के बांधवगढ़ किले में देव की किस शयनी मूर्ति को देखा जाता है– **भगवान विष्णु की**
- सीहोर के उस प्रसिद्ध मंदिर का नाम बताएं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण विक्रमादित्य द्वारा कराया गया था और इसकी मरम्मत मराठा पेशवा बाजीराव द्वारा की गई थी– **सिद्ध गणेश मंदिर की**
- झाबुआ जिले की दक्षिणी सीमा से निकलती है– **नर्मदा नदी**
- भगोरिया उत्सव मुख्य रूप से मनाया जाता है– **पश्चिमी निमाड़ में**
- भोपाल की पहली महिला शासक– **बेगम गौहर कुदसिया**
- घरानों में मध्य प्रदेश से संबंधित नहीं है– **किराना**
- ''झाँसी की रानी'' कहा जाता है– **रानी लक्ष्मीबाई को**
- मध्य प्रदेश में 'ओंकारेश्वर मंदिर' स्थित है– **खंडवा जिला में**
- मध्य प्रदेश में संस्कृत विश्वविद्यालय स्थित है– **उज्जैन में**
- सीधी में स्थित है– **बगदारा अभयारण्य**
- पचमठा मंदिर स्थित है– **जबलपुर में**
- पंचमढ़ी पहाड़ियों की खोज की– **जेम्स फॉर्सिथ ने**
- बैतूल में प्रत्येक वर्ष 'भूत मेला' आयोजित किया जाता है– **मलाजपुर में**
- बटेश्वर मंदिरों का समूह स्थित है– **मुरैना में**
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय स्थित है– **भोपाल में**
- कौन से शहर में बीना रिफायनरी है जिसे भारत ओमान तेल रिफाइनरी के नाम से भी जाना जाता है, ओमान ऑयल कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के बीच एक संयुक्त उद्यम है– **सागर**
- रामधारी सिंह दिनकर को ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था– **उर्वशी पुस्तक के लिए**
- बघेलखंड मध्य प्रदेश में स्थित है– **उत्तर पूर्वी भाग के**
- मध्य प्रदेश से होकर गुजरने वाला महत्वपूर्ण अक्षांश है– **कर्क रेखा**
- पांडव जलप्रपात स्थित है– **पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में**
- शिवपुरी का सूर्य मंदिर स्थित है– **सेसाई में**
- मध्य प्रदेश का सनोधा किला है– **सागर जिले में**
- बड़वानी जिले में स्थित मुख्य किला है– **सेंधवा का किला**
- भिंड जिले में पृथ्वीराज चौहान के द्वारा निर्मित मंदिर का नाम है– **वनखंडेश्वर मंदिर**
- मध्य प्रदेश में लेदर कॉम्प्लेक्स स्थापित किया गया है– **देवास में**
- घाटीगाँव वन्यजीव अभयारण्य मध्य प्रदेश में स्थित है– **ग्वालियर में**
- कोल बेड मीथेन पाया जाता है– **शहडोल में**
- श्योपुर-बड़ौदा रोड पर श्योपुर में 18वीं शताब्दी की हवेली है– **नयागांव में**
- रीवा में गुफा लेखन (अंतर्लेख) पाया जाता है– **केवटी**
- मंडला जिले का ऐतिहासिक किला है– **राम नगर में**
- ग्वालियर के प्रसिद्ध संग्रहालय का नाम बताएँ– **गुजरी महल संग्रहालय**
- दमोह स्थित जागेश्वर नाथ मंदिर है– **बांदकपुर जिले में**
- मध्य प्रदेश में स्थित सिल्हारा गुफाएं हैं– **अनूपपुर में**
- मध्य प्रदेश का प्राकृतिक क्षेत्र नहीं है– **पश्चिमी पठार का**
- विंध्याचल थर्मल पावर स्टेशन स्थित है– **सिंगरौली में**
- इंदौर शहर में पानी की आपूर्ति का मुख्य स्रोत है– **नर्मदा नदी से**
- मुरैना जिले का सूर्य मंदिर स्थित है– **ऐती में**
- प्रसिद्ध कवि माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म हुआ था– **होशंगाबाद में**
- देवास में प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्य है– **खेओनी**
- बड़वानी के उत्तर की ओर स्थित जिले का नाम बताइये– **धार**
- मध्य प्रदेश में नर्मदा के समानांतर बहती है– **ताप्ती नदी**
- कंचन घाट नदी के पार स्थित है– **बेतवा**
- मध्य प्रदेश के 'वाणिज्यिक राजधानी' के रूप में जाना जाता है– **इंदौर शहर**
- उमरिया मंदिरों में नक्काशियाँ समान हैं– **खजुराहों के**
- आदेगांव का किला स्थित है– **सिवनी में**
- मध्य प्रदेश में पांडव गुफाएं स्थित हैं– **पंचमढ़ी**
- वन विहार (भोपाल) को राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था– **1983 में**
- भिंड का अटेर किला स्थित है– **चंबल नदी के किनारे**
- मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के बीच एक सीमा बनाने वाली नदी है– **जामनी**
- मध्य प्रदेश में पहला ISO प्रमाणित रेलवे स्टेशन है– **हबीबगंज**
- शहडोल जिले में सिक्के पाए गए थे– **कनिष्क शासक के**
- प्रसिद्ध तीर्थयात्रा केन्द्र नर्मदा के तट पर स्थित है– **ओंकारेश्वर**
- राष्ट्रीय उद्यान में प्राकृतिक रूप से समृद्ध यात्रा गंतव्य मधाई स्थित है– **सतपुड़ा में**
- देवगढ़ किला बनवाया था– **गोंड राजा-राजा जाराव ने**
- महाराष्ट्र के राष्ट्रीय उद्यान का नाम बताएं जो मध्य प्रदेश में समान नाम वाले एक अन्य राष्ट्रीय उद्यान के साथ सीमा को साझा करता है– **पेंच राष्ट्रीय उद्यान**
- मध्य भारत में हीरों का खनन होता है– **पन्ना, मध्य प्रदेश में**
- मध्य प्रदेश से विभाजित होने के बाद गठन किया गया था– **छत्तीसगढ़ राज्य का**
- उदयगिरी गुफाएं स्थित हैं– **विदिशा में**
- रतलाम प्रसिद्ध है– **सेव एवं सोना के लिए**
- राजगद्दी एवं रजवाड़ा में आदमकद आकार की मूर्ति है– **अहिल्याबाई की**
- दमोह पहाड़ी किला स्थित है– **सिंघोरगढ़ में**
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय है– **अमरकंटक में**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- मध्य प्रदेश के नाखून कला एवं नाखून पेंटिंग के लिए प्रसिद्ध हैं एवं इसी में उन्हें पेटेन्ट प्राप्त है– **वाजिद खान**
- सरदार सरोवर बांध बनाया गया है– **नर्मदा नदी पर**
- बाघ की गुफाएं स्थित हैं– **धार जिले में**
- मध्य प्रदेश में पहला जलाभिषेक अभियान प्रारंभ किया गया था– **2006 में**
- राष्ट्रीय न्यूजप्रिंट एवं पेपर मिल्स लिमिटेड ने 1955 में उत्पादन शुरू किया था। यह स्थित है– **मध्य प्रदेश राज्य में**
- मध्य प्रदेश का संजय गांधी थर्मल पावर स्टेशन स्थित है– **उमरिया में**
- स्कॉटलैंड के एक चर्च से प्रेरित होकर, एक स्कॉटिश राजनयिक ने सीहोर में चर्च बनवाया था। यह बना था– **1838 में**
- रायसेन स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर है– **भोजपुर जिले में**
- जोगिया चट्टान चारमूर्ति स्थित है– **जबलपुर में**
- भोपाल में स्थित सबसे बड़ी मस्जिद– **ताज-उल-मस्जिद**
- वर्ष 1977-78 के दौरान, मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री थे– **कैलाश चंद्र जोशी**
- मालवा क्षेत्र के नाथ समुदाय में संगीत का सबसे लोकप्रिय रूप, इसका सस्वर पाठ है– **भर्तृहरि लोकगाथा**
- देवी हरसिद्धि का एक भक्त था– **विक्रमादित्य**
- ग्वालियर से बट्टोबाई ने काम के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है– **गुड़िया शिल्प**
- भगवान बुद्ध के शिष्यों, सारिपुत्र और महामोद्गलायन के अवशेष रखे गये हैं– **सांची में**
- भिंड जिले में प्रसिद्ध किला है– **अटेर**
- मध्यप्रदेश में केन्द्रीय फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान स्थित है– **बुधनी में**
- भारत में 12 ज्योर्तिलिंग हैं। उनमें से दो मध्य प्रदेश में स्थित हैं। ये स्थित है– **उज्जैन और ओंकारेश्वर**
- संगमरमर की चट्टानें पायी जाती हैं– **जबलपुर में**
- रीवा कुंड स्थित है– **माण्डू में**
- मालवा क्षेत्र में नहीं आता है– **मण्डला जिला**
- खजुराहो नृत्य पर्व हर वर्ष मनाया जाता है। यह पर्व प्रायः मनाया जाता है– **फरवरी माह में**
- राहेली का सूर्य मंदिर स्थित है– **सागर में**
- मंडला जिले में राष्ट्रीय उद्यान स्थित है– **कान्हा**
- भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान का मुख्यालय है– **ग्वालियर**
- 'दतियावाकर' कहलाने वाली किताब, दतिया का उल्लेख करती है– **महाभारत**
- बत्तीसी बावरी, जो एक जल निकाय है स्थित है– **चंदेरी में**
- 'सतपुड़ा की रानी' कहा जाता है– **पंचमढ़ी**
- मेघदूत गार्डन (उपवन) स्थित है– **इंदौर में**
- मादा रॉक कट गुफाएं स्थित हैं– **सिंगरौली में**
- मध्य प्रदेश में नर्मदा हर्बल पार्क स्थित है– **होशंगाबाद**
- देवास में स्थित है– **मुद्रा मुद्रण प्रेस**
- बड़वानी जिले के उत्तरी भाग को छूती है– **नर्मदा नदी**
- भारत में प्रथम राज्य जिसमें प्रसन्नता के लिए एक अलग विभाग है– **मध्य प्रदेश**
- मध्य प्रदेश की पहली महिला राज्यपाल थीं– **सरला ग्रेवाल**
- पूर्व भोपाल राज्य का पहला सिंचाई टैंक, पलाकमती स्थित है– **रायसेन में**
- बगदरा वन्यजीव अभयारण की स्थापना हुई थी– **1978 में**
- रानी दुर्गावती की समाधि स्थित है– **जबलपुर में**
- डिंडोरी में बूढ़ी माई का मंदिर स्थित है– **बुदनर नदी के किनारे**
- प्रसिद्ध जैन तीर्थयात्रा केंद्र मुक्तागिरी स्थित है– **बैतूल**
- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा खिलाड़ियों को दिया गया है– **विक्रम पुरस्कार**
- भोपाल में राजा एडवर्ड संग्रहालय भवन बनाया गया था– **नवाब सुल्तान जहान बेगम द्वारा**
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में खंडवा जिले के पुनासा गांव से लगभग 10 किमी दूर नर्मदा नदी पर बनाया गया है– **इंदिरा सागर बांध**
- अफीम उत्पादन के लिए जाना जाता है– **मंदसौर**
- मध्य प्रदेश में जन्म लेने वाले भारत के प्रधानमंत्री का नाम– **अटल बिहारी बाजपेयी**
- आठखम्बा मंदिर विदिशा स्थित है– **ग्यारसपुर में**
- कपिलधारा झरना स्थित है– **अमरकंटक**
- मध्य प्रदेश में सवाई सिंह की समाधि स्थित है– **छतरपुर में**
- प्राचीन काल में, आगर मालवा साम्राज्य की राजधानी थी– **परमार**
- गर्मियों की छुट्टियों के लिए मुगलों की लोकप्रिय घूमने वाली जगह थी– **आगर मालवा**
- बैजनाथ मिश्रा (बैजू बावरा) एक संगीतकार थे– **ध्रुपद**
- मध्य प्रदेश से लगी हुई नहीं है– **बिहार की सीमा**
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोयाबीन रिसर्च स्थित है– **इंदौर में**
- मध्य प्रदेश में पहला 'व्हाइट टाइगर सफारी' शुरू किया गया था– **मुकुंदपुर, सतना में**
- किस सम्राट के लिए कहा जाता है कि उसने अपनी सेना के लिए शिवपुरी से हाथियों को ले लिया– **अकबर**
- मंदसौर जिले में पाए गए यशोधर्मन का विजय स्तम्भ (विजय स्तम्भ) स्थित है– **सोंधनी में**
- छत्तीसगढ़ एक राज्य बना– **1 नवंबर 2000 को**
- होशंगाबाद जिला संभाग का हिस्सा है– **नर्मदापुरम**
- पेहसारी बांध स्थित है– **ग्वालियर**
- मुरैना में कुशवाहों की राजधानी के लिए जाना जाता है– **सिहोनिया**
- सिंगरौली में चितरंगी के लिए जाता जाता है– **चित्रित चट्टानी आश्रय**
- सबलगढ़ किला और गढ़ी सुमावली स्थित है– **मुरैना**
- तवा बांध और मधाई आरक्षित वन स्थित है– **होशंगाबाद**
- ऐतिहासिक आनंद नागरी 'माण्डू' है– **धार जिले में**
- बालाघाट में लांजी का किला राजवंश से संबंधित है– **गोंड**
- गांधी सागर अभयारण्य स्थित है– **मंदसौर और नीमच**
- मध्य प्रदेश में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय स्थित है– **अमरकंटक**
- उदयगिरी गुफाएं स्थित हैं– **विदिशा में**
- मध्य प्रदेश में, मैंगनीज पाई जाती है– **बालाघाट एवं छिंदवाड़ा**
- प्राचीन शहर ''परित्यक्त शहर'' कहा जाता है– **माण्डू**
- विराटेश्वर मंदिर निर्मित कराया था– **महराज युवराज देव**
- मध्य प्रदेश के लोकप्रिय कलिका माता का मंदिर स्थित है– **रतलाम में**

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- छिंदवाड़ा में पातालकोट जनजातियों का निवास स्थान है– **गोंड और भरिया में**
- 2008 में अलीराजपुर जिला बनने से पहले, यह एक हिस्सा था– **झबुआ जिले का**
- मध्य प्रदेश में सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र नदी द्वीप है– **ओंकारेश्वर**
- किला जो 'भारत के जिब्राल्टर' के नाम से जाना जाता है– **ग्वालियर**
- मध्य प्रदेश के इमारतों में से वास्तुकला के लिए आगा खान पुरस्कार जीता– **विधान भवन**
- सीहोर नदी संगम पर स्थित है– **सीवान और लतिया के**
- उस राजा का नाम बताइए, जिसने पन्ना शहर की स्थापना की– **महाराजा छत्रसाल ने**
- हिंडोला महल कहां स्थित है– **माण्डू में**
- चंबल की घाटी में अटेर दुर्ग निर्मित किया गया था– **भदौरिया द्वारा**
- मध्य प्रदेश में वास्तुकला के निर्माण के लिए आगा खान पुरस्कार नहीं जीता– **वल्लभ भवन, भोपाल**
- मध्य प्रदेश में बॉक्साइट, कॉपर और डोलोमाइट क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध है– **बालाघाट**
- सिद्धनाथ बाराहद्वारी मंदिर स्थित है– **ओंकारेश्वर में**
- भारतीय स्वतंत्रता के तत्काल बाद, राज्य का हिस्सा बन गया– **मध्य भारत**
- अलीराजपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है– **रतलाम**
- इंदौर डिवीजन में कितने जिले हैं– **8**
- मध्य प्रदेश इकोपर्यटन विकास बोर्ड का गठन किया गया था– **जुलाई, 2005**
- इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय स्थित है– **अमरकंटक में**
- तवा जलाशय स्थित है– **सतपुरा राष्ट्रीय उद्यान और बोरी अभयारण्य**
- शिवपुरी, किस राजवंश से संबंधित राजाओं का आखेटगाह (शिकार स्थान) था– **मुगल**
- मध्य प्रदेश के गढ़कोटा किला है– **सागर जिले में**
- केन घड़ियाल अभयारण्य स्थित है– **छतरपुर में**
- हरदा जिले में स्थित किला है– **मकरई किला**
- दतिया में वीर सिंह महल में कुल तल हैं– **7**
- राज्य सरकार ने तानसेन सम्मान की संस्थापना की है– **मध्य प्रदेश में**
- विदिशा में उदयगिरी में कुल गुफाएं है– **20**
- सिवानी जिले के टाइगर रिजर्व का नाम बताइए– **पेंच**
- विजयराघवगढ़ किला स्थत है– **कटनी में**
- वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य स्थित है– **दमोह में**
- राजा एडवर्ड संग्रहालय के रूप में प्रसिद्ध इमारत एक पुस्तकालय है, जाना जाता है– **केंद्रीय पुस्तकालय**
- भिंड जिले में गोला-बारूद काराखाना स्थित है– **मालनपुर में**
- वह पवित्र नदी जो सिंहस्थ कुंभ मेलों का स्थल है– **क्षिप्रा**
- उस राष्ट्रीय उद्यान का नाम जो 1936 में भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान बनने के लिए बनाया गया था– **कार्बेट**
- शाजापुर में जामा मस्जिद का निर्माण कराया था– **हैदर अली ने**
- देवी अहिल्या पुरातत्व संग्रहालय स्थित है– **महेश्वर में**
- चंदेरी के पास 15वीं सदी में निर्मित पुराने मदरसा के रूप में जाना जाता है– **उजर के रूप में**
- अलिराजपुर की एक प्रमुख जनजाति है– **भिलाला**
- भारतीय स्वतंत्रता के तुरंत बाद, अलीराजपुर हिस्सा बन गया– **मध्य प्रदेश राज्य का**
- भोपाल में 'हिन्दी ग्रंथ अकादमी' की स्थापना की गयी थी– **1969 में**
- गढ़कालिका की पूजा की थी– **कालीदास ने**
- संजय राष्ट्रीय उद्यान स्थित है– **सीधी और सिंगरौली जिले में**
- पन्ना राष्ट्रीय पार्क को प्रोजक्ट टाइगर में शामिल किया गया था– **1994 में**
- झाबुआ का नीलेकण्ठेश्वर मंदिर स्थित है– **पेटलावाड़ में**
- तानसेन का मकबरा स्थित है– **ग्वालियर में**
- 1857 के विद्रोह में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले आदिवासी समुदाय का नाम है– **भील**
- मध्य प्रदेश का क्षेत्र नहीं है– **छोटा नागपुर**
- कोहिरा बांध, स्थित है– **कैमूर जिले में**
- मध्य प्रदेश के शाही मस्जिद और मोती मस्जिद स्थित हैं– **विदिशा में**
- बाणसागर बांध निर्मित है– **सोन नदी पर**
- कटनी में झिंजरी गांव प्रसिद्ध है– **चट्टान/गुफा चित्रकारी के लिए**
- खजुराहो मंदिरों का निर्माण कराया था– **चंदेलो ने**
- संगीतकार मध्य प्रदेश से संबंधित नहीं हैं– **पंडित शिव कुमार शर्मा**
- मध्य प्रदेश में संस्कृत विश्वविद्यालय स्थित है– **उज्जैन में**
- सीहोर में जामा मस्जिद बनवाई थी– **मुगीसुद्दीन शाह ने**
- रायसेन में सबसे प्रख्यात बौद्ध धार्मिक स्थल है– **साँची में**
- पिसनहारी की मढ़िया में धार्मिक समुदाय से संबंधित है– **जैन**
- बैजू बावरा का जन्म स्थान है– **चंदेरी में**
- भोपाल में, ललित कला के लिए राष्ट्रीय स्तर की संस्था स्थित है– **भारत भवन**
- एक भूवैज्ञानिक दृष्टिकोण से, मध्य प्रदेश का सबसे पुराना भू-भाग है– **गोंडवाना भूमि**
- मध्य प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम स्थापित किया गया था– **1965 में**
- बाग का प्राचीन शहर वास्तव में है– **इंदौर के पास**
- मध्य प्रदेश में सबसे महत्वपूर्ण नदी द्वीप है– **ओंकारेश्वर**
- मध्य प्रदेश में "झीलों के शहर" के रूप में जाना जाता है– **भोपाल शहर**
- शिवपुरी में करवाला है– **पर्यावरण पर्यटन केंद्र**
- बादल महल किले के नाम से जाना जाता है– **राहतगढ़ किला**
- मध्य प्रदेश का राज्य पशु, बाराहसिंगा, पाया जाता है– **कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में**
- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) को नियुक्त किया जाता है– **राष्ट्रपति द्वारा**
- दतिया में प्रसिद्ध शक्ति पीठ है– **पीताम्बरा पीठ**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**